THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 134 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.2 2083 शुक्रवार, 14 अगस्त-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

## कावेरी विवाद पर कर्नाटक बंद

बंगलूरू, 13 अगस्त (एजेंसियां)। कावेरी नदी के पानी के बंटवारे को लेकर गुरुवार को कर्नाटक में राज्यव्यापी बंद बुलाया गया है। इस दौरान कोप्पल में लोगों ने अनोखे तरीके से विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने तमिलनाडु नंबर के ट्रकों के चालकों को गुलाब दिए। उन्होंने चालकों से कहा कि कावेरी का पानी छोड़ने को लेकर जारी विवाद के बीच कर्नाटक को 'उकसाने' की कोशिश न करें। यह प्रदर्शन कोप्पल तालुक के हिटलनाल टोल गेट पर हुआ। यह जगह राष्ट्रीय राजमार्ग पर है। कर्नाटक बंद के तहत केरावे युवा सेना के नेता विजयकुमार के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने तमिलनाडु नंबर के ट्रकों को रोका। प्रदर्शनकारियों ने ट्रक चालकों से भिड़ने के बजाय उन्हें गुलाब दिए। यह गुलाब देना एक प्रतीकात्मक तरीके से विरोध जताने का हिस्सा था।

# संसद का मानसून सत्र समाप्त

## 'लोकसभा में 12 विधेयक पारित हुए, 39 फीसदी हुआ कामकाज'

> गुरुवार को लोकसभा 1 मिनट-राज्यसभा 1 घंटे चली > संसद सत्र खत्म

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। संसद का मानसून सत्र गुरुवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। आखिरी दिन लोकसभा की कार्यवाही सिर्फ 1 मिनट चली, जबकि राज्यसभा करीब 1 घंटे चली। लोकसभा में पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, पूरी कैबिनेट और विपक्ष के नेता राहुल गांधी मौजूद रहे। स्पीकर ओम बिड़ला ने वंदे मातरम गान के बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी।

वहीं, राज्यसभा में आखिरी दिन एमएमडीआर संशोधन बिल पास हुआ। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने हल्द्वानी में उनके कार्यक्रम के बाद हुए शुद्धिकरण का मुद्दा उठाया। इधर, विपक्षी सांसद संसद के बाहर बंदर का खिलौना लेकर पहुंचे और सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया।

### मोदी-शाह और राहुल सदन में मौजूद रहे; बंदर के खिलौने के साथ विपक्ष का प्रदर्शन

**लोकसभा में 114 घंटे में से 96 घंटे काम नहीं हुआ**

मानसून सत्र में लोकसभा की 19 बैठकें हुईं। सदन की सामान्य बैठक सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक होती है। दोपहर 1 से 2 बजे तक लंच ब्रेक रहता है। यानी एक दिन में करीब 6 घंटे कार्यवाही का समय होता है। इस हिसाब से 19 बैठकों में करीब 114 घंटे कार्यवाही होनी थी, लेकिन यह करीब 17 घंटे 30 मिनट ही चली। यानी करीब 96 घंटे 30 मिनट कम कार्यवाही हुई। वहीं, 2025 का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त 2025 तक चला था। इसमें लोकसभा और राज्यसभा की 21-21 बैठकें हुईं। लोकसभा में सिर्फ 37 घंटे काम हुआ था।

**राज्यसभा में 114 घंटे में से 76 घंटे 34 मिनट काम नहीं हुआ**

मानसून सत्र में राज्यसभा की बैठकें भी लोकसभा के बराबर रहीं और 114 घंटे कार्यवाही होनी थी, लेकिन राज्यसभा में लगभग 37 घंटे 24 मिनट काम हुआ। यानी करीब 76 घंटे 36 मिनट कम कार्यवाही हुई।

**मानसून सत्र में 12 नए बिल पेश, 11 दोनों सदनों में पास**

2026 के मानसून सत्र में कुल 12 नए बिल पेश किए गए। इनमें 10 लोकसभा और 2 राज्यसभा में पेश हुए। लोकसभा में आए बिल टैक्स, बैंकिंग, खनन, ट्रिब्यूनल, जन्म-मृत्यु पंजीकरण, परीक्षा में नकल रोकने, केरल का नाम बदलने और सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या जैसे मुद्दों से जुड़े हैं। माइंस एंड मिनरल्स संशोधन बिल के राज्यसभा से पास होने के बाद अब 12 में से 11 बिल दोनों सदनों से पास हो चुके हैं। केवल भारतीय सांख्यिकी संस्थान बिल अभी दोनों सदनों से पास नहीं हुआ है। राज्यसभा में पेश किए गए दोनों बिल भी लोकसभा से पास हो चुके हैं।

## बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा माल्या-एसबीआई विवाद खत्म करें

**ईडी से संपत्तियों का ब्योरा मांगा**

मुंबई, 13 अगस्त (एजेंसियां)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने भगोड़े कारोबारी विजय माल्या और बैंकों के बीच चल रहे कॉमर्शियल विवाद को अब खत्म करने की बात कही है। कोर्ट ने इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी से जांच की मौजूदा स्थिति और अटैच की गई संपत्तियों का ब्योरा भी मांगा है।

जस्टिस मिलिंद जाधव की सिंगल जज बेंच ने माल्या की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि अगर दोनों पक्ष इस विवाद को खत्म कर आगे नहीं बढ़ते हैं, तो इसका देश की अर्थव्यवस्था पर सीधा और नकारात्मक असर पड़ेगा। हाईकोर्ट की बेंच ने कहा कि लगभग एक दशक से चल रहे इस मामले को अब एक तार्किक अंत यानी लॉजिकल कंक्लूजन तक पहुंचना चाहिए। 70 साल के विजय माल्या ने याचिका दाखिल कर संपत्तियों को बैंकों को सौंपने के आदेश को अनुचित बताया था।

# नांदेड़ में सुखबीर सिंह बादल पर हमला

## निहंग ने बनाया निशाना, अस्पताल में भर्ती, डेढ़ साल पहले भी चली थी गोली

नांदेड़, 13 अगस्त (एजेंसियां)। शिरोमणि अकाली दल के नेता और पंजाब के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल पर नांदेड़ में हमले की खबर सामने आ रही है। बादल पर नांदेड़ के एक गुरुद्वारे में निहंग ने हमला किया। हमले में उनके हाथ में चोट लगी है। उन्हें यशोमती अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नांदेड़ पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक, बादल पर एक गुरुद्वारे के पास हमला हुआ। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में बादल एक इमारत के अंदर जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। उनके दाहिने हाथ पर कपड़ा बंधा हुआ है।

**हमले में सुरक्षाकर्मी भी घायल**

हमला नांदेड़ के गुरुद्वारा माता साहिब कौर में हुआ। बताया जा रहा है कि बादल के एक सुरक्षाकर्मी संतोष केंद्रे पर भी हमला किया गया। शुरुआती

जानकारी में सुखबीर बादल पर कृपाण से हमला होने की बात सामने आई है। इससे पहले दिन में सुखबीर बादल अपनी पत्नी हरसिमरत कौर बादल के साथ नांदेड़ के तख्त श्री हजूर साहिब गए थे। हरसिमरत कौर बादल अकाली दल की सांसद हैं। हमला सुबह करीब 11 बजे हुआ। पुलिस ने हमले के एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। मामले की आगे की जांच की जा रही है।

**पहले भी हो चुका बादल पर जानलेवा हमला**

यह पहली बार नहीं है, जब सुखबीर सिंह बादल पर हमला इस तरह का हमला हुआ है। दिसंबर 2024 में अमृतसर के स्वर्ण मंदिर के बाहर उन पर जानलेवा हमला हुआ था। तब वह धार्मिक सजा के तहत पहरेदार के रूप में सेवा दे रहे थे। उन पर नारायण सिंह चौड़ा नाम के व्यक्ति ने गोली चलाई थी। हालांकि, वे बाल-बाल बच गए थे। इसके तुरंत बाद हमला को पकड़ लिया गया था।

## राहुल बोले सरकार को समझ आ गया कि लोग अब चुप नहीं रहेंगे

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि सरकार लोगों को अपनी बात रखने से रोक रही है। सरकार व्यवस्था लागू करना चाहती है, जबकि कांग्रेस का काम भारत को अपनी बात कहने का मौका देना है। दिल्ली में हो रहे कांग्रेस का 'रचनात्मक कांग्रेस प्रकोष्ठ' के अधिवेशन में राहुल ने कहा कि जंतर-मंतर पर छात्र अपनी बात रखना चाहते थे।

छात्र परेशान थे और अपनी पीड़ा व्यक्त करना चाहते थे, लेकिन सरकार ने उन्हें ऐसा करने से रोक दिया। सरकार को समझ आ गया है कि लोग अब चुप नहीं रहेंगे। राहुल गांधी ने कहा कि उनकी कोशिशें सरकार को परेशान कर सकती हैं। उन्होंने दावा किया कि पीएण मोदी रात में सो नहीं पाते। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को कभी चाणक्य और सरदार पटेल जैसे नामों से जोड़ा जाता था, लेकिन अब वह संसद में प्रवेश तक नहीं कर पाए। ऐसा इसलिए है क्योंकि पहली बार उन्हें भारत की आवाज और उसकी अभिव्यक्ति का सामना करना पड़ रहा है।

## आज से रोज होगा एअर इंडिया पायलट्स का ड्रग टेस्ट

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस के सभी पायलटों का अब ड्रग टेस्ट होगा। दोनों एयरलाइंस ने पायलटों के साइकोएक्टिव सब्सटेंस टेस्ट की प्रक्रिया आज से शुरू करने का फैसला किया है।

सूत्रों के मुताबिक, इस टेस्ट में यह भी जांच होगी कि किसी पायलट ने प्रतिबंधित दवाओं या नशीले पदार्थों का इस्तेमाल तो नहीं किया है। दोनों एयरलाइंस में 5 हजार से ज्यादा पायलट हैं। पिछले हफ्ते फुकेट-दिल्ली फ्लाइट के पायलट का ड्रग टेस्ट पॉजिटिव आने के बाद यह फैसला लिया गया।

दरअसल, भुवनेश्वर से गुजरते समय प्लेन में अचानक टर्बुलेंस जैसे हालात बने और यह करीब 300 फीट नीचे आ गई थी। जिससे यात्रियों और क्रू सदस्यों को चोटें आई थीं। प्लेन में 137 पैसेंजर और 8 क्रू मेंबर सवार थे। दोनों एयरलाइंस ने पायलटों को भेजे संदेश में कहा है कि मौजूदा नियमों के तहत प्रतिबंधित सभी नशीले पदार्थों और दवाओं की जांच की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक, पायलटों का टेस्ट गुरुग्राम की अकादमी में ट्रेनिंग के दौरान होगा। इसके अलावा फ्लाइट के बाद ब्रीफिंग सेंटर, एयरलाइंस के ऑफिस और संबंधित बेस पर भी टेस्ट किए जाएंगे।

एयरलाइंस ने कहा कि यह कदम यात्रियों की सुरक्षा और उनका भरोसा बनाए रखने के लिए उठाया गया है।

## कांग्रेस, टीएमसी-सपा ने स्पीकर की चाय पार्टी छोड़ी

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)।लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला की ओर से आयोजित पार्टी में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के सांसद शामिल नहीं हुए। कांग्रेस नेता ने बताया कि कांग्रेस, सपा, टीएमसी और इंडिया ब्लॉक के कई अन्य दलों के नेता कार्यक्रम में नहीं पहुंचे। हालांकि, डीएमके नेता कनिमोझी लोकसभा स्पीकर की पारंपरिक चाय पार्टी में शामिल हुईं। वहीं, राज्यसभा में विपक्षी नेताओं ने सभापति सीपी राधाकृष्णन की ओर से आयोजित चाय पार्टी में हिस्सा लिया।

## 'स्वास्थ्य से ऊपर कारोबारी हित नहीं'

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को ज्यादा चीनी, नमक और सैचुरेटेड फैट वाले पैकेज्ड खाद्य उत्पादों पर फ्रंट-ऑफ-पैक चेतावनी लेबल लागू करने में देरी को लेकर केंद्र सरकार और भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) को फटकार लगाई। शीर्ष अदालत ने कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, खासकर बच्चों के स्वास्थ्य से समझौता नहीं किया जा सकता।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने सख्त पोषण संबंधी चेतावनियां लागू करने को लेकर केंद्र की अनिच्छा पर सवाल उठाए। पीठ ने कहा कि अगर सरकार कार्रवाई नहीं करती है तो वह इस मामले में आगे के आदेश जारी करेगी। अदालत ने केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल को अपने निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने को कहा। पीठ ने कहा, हम नागरिकों के स्वास्थ्य, खासकर बढ़ते बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं।" अदालत ने एफएसएसएआई से भी पूछा कि क्या वह चाहती है कि देश के लोग, विशेष रूप से बढ़ते बच्चे, स्वस्थ न रहें।

## लद्दाख के लेह में सुबह-सुबह आया भूकंप, दहशत में घरों से बाहर निकले लोग

लेह, 13 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में आज सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.53 मापी गई। लेह में आज सुबह 06:05 बजे भूकंप आया। इसकी गहराई 10 किलोमीटर मापी गई है। जिसके बाद हड़कंप मच गया। अफरा-तफरी के बीच लोग घर छोड़ बाहर निकले। खबर लिखे जाने तक कोई जानमाल का नुकसान नहीं पहुंचा। लोगों में डर का माहौल हो गया।

वहीं, इससे पहले जम्मू-कश्मीर में गुरुवार करीब 11 बजकर 27 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस हुए थे, जिससे लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए थे। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान का हुंदुकुश क्षेत्र था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.3 थी। भूकंप के झटकों का असर पाकिस्तान, भारत में भी महसूस किया गया था। चूंकि भूकंप का केंद्र जम्मू कश्मीर से काफी दूर था इसलिए कश्मीर में हल्के झटके महसूस हुए थे।

# प्रदर्शन के दौरान 'फेशियल रिकग्निशन' के जरिए लोगों की पहचान के खिलाफ याचिका, एससी सुनवाई को तैयार

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस की तरफ से फेशियल रिकग्निशन (चेहरे की पहचान) टेक्नोलॉजी और बायोमेट्रिक निगरानी के इस्तेमाल के खिलाफ याचिका पर सुनवाई को सुप्रीम कोर्ट सहमत हो गया है। कोर्ट ने कहा है कि मामले में लंबित दूसरी याचिकाओं के साथ इस पर भी सुनवाई होगी। यह याचिका सीपीएम के राज्यसभा सांसद एए रहीम ने दाखिल की है।

याचिका में कहा गया है कि पुलिस ने गैरकानूनी तरीके से इस तकनीक का इस्तेमाल किया है। कोर्ट इसे असंवैधानिक घोषित कर इस तकनीक के इस्तेमाल पर रोक लगाए और इकट्ठा किए गए बायोमेट्रिक डेटा को नष्ट करने के लिए कहे। सीजेआईसूर्य कांत, जस्टिस जोयमाल्या बागची और जस्टिस वी.

मोहना की बेंच के सामने याचिकाकर्ता की तरफ से वरिष्ठ वकील मेनका गुरुस्वामी पेश हुईं। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर पर एआई आधारित 'स्मार्ट चश्मे' और विशेष निगरानी वाहनों का इस्तेमाल कर बिना किसी सहमति के नागरिकों का डेटा एकत्र किया गया। दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनकारियों की निगरानी के लिए दो निजी संस्थाओं - 'आदित्य इन्फोटेक लिमिटेड' और 'डायमेंशन एनएक्सजी प्राइवेट लिमिटेड' की सेवाएं लीं। याचिका में कहा गया है कि पुलिस के पास ऐसी निगरानी प्रक्रिया अपनाने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है।

पुलिस कार्रवाई से जुड़ी नियमावली या क्रिमिनल प्रोसीजर (आइडेंटिफिकेशन) एक्ट, 2022 किसी सार्वजनिक सभा में शामिल लोगों की इस तरह बायोमेट्रिक पहचान की अनुमति देते हैं। याचिकाकर्ता ने कहा है कि इस तरह इकट्ठा किया गया संवेदनशील बायोमेट्रिक डेटा निजी संस्थाओं के पास रखा जाना डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन (डीपीडीपी) एक्ट, 2023 के नियमों का उल्लंघन है।

2017 में निजता के अधिकार को लेकर 'केएस। पुट्टास्वामी' मामले में आया फैसला साफ कहता है कि निजता का उल्लंघन करने वाली सरकारी कार्रवाई की वैधता की जांच होनी चाहिए। राज्यसभा सांसद की याचिका में यह मांग भी की गई है कि पुलिस और निजी वेंडर्स की तरफ से इस्तेमाल की जा रही तकनीकों, डेटाबेस और व्यावसायिक करारों की स्पष्ट घोषणा की जानी चाहिए।

प्रभावित नागरिकों को उनका डेटा देखने और एक शिकायत निवारण तंत्र की सुविधा दी जाए ताकि वह अपने डेटा को स्थायी रूप से नष्ट करवा सकें।

## भीषण सड़क हादसा, बेकाबू कार तालाब में गिरी. आप के तीन कार्यकर्ताओं की मौत

लुधियाना, 13 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब के जगराओं-रायकोट रोड स्थित गांव बस्सियां के पास गुरुवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। बस की टक्कर के बाद एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पानी से भरे गहरे छप्पड़ (तालाब) में जा गिरी। इसमें आम आदमी पार्टी के तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि दो घायल हो गए। ये कार्यकर्ता नकोदर में एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद देर रात अपनी कार से दिड़बा लौट रहे थे।

रात करीब 1:15 बजे जगराओं से लगभग 12 किलोमीटर दूर गांव बस्सियां के पास रायकोट रोड पर तेज रफ्तार कार अचानक अपना संतुलन खो बैठी और सीधे सड़क किनारे बने छप्पड़ में जा गिरी। कार इतनी तेजी से पानी में समाई कि सवार लोगों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। हादसे की जोरदार आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण और राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने पुलिस और राहत दल की मदद से कड़े मशक्कत के बाद कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला।

### आरएसएस: 'संघ ने तिरंगे की जगह भगवा ध्वज क्यों चुना?'

# प्रियांक खरगे ने आरएसएस की देशभक्ति पर सवाल उठाए

भाजपा को अपना हर घर तिरंगा अभियान आरएसएस मुख्यालय से शुरू करना चाहिए। आजादी के पांच दशकों से अधिक समय तक आरएसएस ने अपने नागपुर मुख्यालय में भारतीय राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहराया। तिरंगा आधिकारिक तौर पर 2002 में ही फहराया गया था।

*प्रियांक खरगे, कांग्रेस नेता*

बंगलूरू, 13 अगस्त (एजेंसियां)। भाजपा के हर घर तिरंगा अभियान पर कांग्रेस नेता और कर्नाटक सरकार के मंत्री प्रियांक खरगे ने सवाल उठाए हैं। खरगे ने कहा कि भाजपा को अपना हर घर तिरंगा अभियान संघ मुख्यालय से शुरू करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि संघ ने आजादी के पांच दशकों से अधिक समय तक अपने नागपुर मुख्यालय में भारतीय राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहराया। प्रियांक खरगे ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा, 'भाजपा को अपना हर घर तिरंगा अभियान आरएसएस मुख्यालय से शुरू करना चाहिए। आजादी के पांच दशकों से अधिक समय तक आरएसएस ने अपने नागपुर मुख्यालय में भारतीय राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहराया। तिरंगा आधिकारिक तौर पर 2002 में ही फहराया गया था।' खरगे ने ये भी सवाल उठाया कि क्या संघ के मार्च में स्वयंसेवकों को भारतीय तिरंगा लेकर चलते देखा गया था। कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा की वैचारिक जनक आरएसएस ने तिरंगे की बजाय भगवा ध्वज को क्यों चुना?

और दशकों तक उनके मुख्यालय से राष्ट्रीय ध्वज क्यों गायब रहा। खरगे ने एक अन्य पोस्ट में लिखा, 'देशभक्ति पर हर भारतीय को उपदेश देने से पहले, भाजपा को यह समझना चाहिए कि उसके वैचारिक जनक ने तिरंगे के बजाय भगवा ध्वज क्यों चुना और इतने लंबे समय तक उसके अपने मुख्यालय से राष्ट्रीय ध्वज क्यों गायब रहा। एक सीधा सा सवाल उठता है, आपने आरएसएस के कितने जुलूस देखे हैं, जिनमें स्वयंसेवक पूरी वर्दी में गर्व से भारतीय तिरंगा लेकर मार्च करते हैं? एक भी नहीं और ये लोग हर किसी को देशभक्त का प्रमाण पत्र बांटते फिरते हैं।'

## ऑपरेशन कराने पहुंचा मरीज, मिली अपनी ही 'मौत' की खबर आखिर क्या था इस रहस्यमयी खेल का सच?

एलुरु, 13 अगस्त (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के एलुरु जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक जीवित व्यक्ति को सरकारी रिकॉर्ड में मृत यानी मरा हुआ घोषित कर दिया गया है। व्यक्ति का नाम येर्रामसेट्टी मुरलीकृष्ण है। वो एलुरु जिले के कालिदिंडी मंडल के कोरुकोल्लू गांव के निवासी हैं। मुरलीकृष्ण ने सरकारी आरोग्यश्री योजना के तहत ऑपरेशन कराने का फैसला किया।

जब वो अस्पताल गए, तब उनको पता चला कि सरकारी रिकॉर्ड में वो मृत घोषित किए जा चुके हैं। जानकारी के अनुसार, येर्रामसेट्टी मुरलीकृष्ण अपनी पत्नी रमादेवी से पारिवारिक विवादों के कारण कुछ समय से अलग रह रहे हैं। मुरलीकृष्ण हाल ही में गंभीर रूप से बीमार पड़ गए। जब वे जांच के लिए अस्पताल गए, तो डॉक्टरों ने उन्हें तुरंत ऑपरेशन कराने की सलाह दी। आर्थिक तंगी के कारण मुरलीकृष्ण ने सरकारी आरोग्यश्री योजना के तहत ऑपरेशन कराने का फैसला किया। इसके लिए उन्होंने एक निजी अस्पताल से संपर्क किया।

# एनसीपी एमएलसी जीशान सिद्दीकी को मिली जान से मारने की धमकी

मुंबई, 13 अगस्त (एजेंसियां)। एनसीपी के नेता जीशान सिद्दीकी को जान से मारने की धमकी मिली है। जीशान को एक फोन कॉल पर धमकी दी गई। जीशान का कहना है कि उन्होंने इसकी जानकारी मुंबई पुलिस के शीर्ष अधिकारियों और राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को भी दे दी है।

पुलिस ने बताया कि जीशान सिद्दीकी को फरार गैंगस्टर जीशान अख्तर की तरफ से जान से मारने की धमकी दी है। आरोपी ने जीशान सिद्दीकी के फोन पर ऑडियो संदेश भेजा। जीशान अख्तर फिलहाल भारत से बाहर किसी अज्ञात जगह पर रह रहा है। जीशान सिद्दीकी ने धमकी की जानकारी मुंबई पुलिस कमिश्नर देवेन भारती और सीएम फडणवीस को दे दी है। जीशान सिद्दीकी को इससे पहले बीते हफ्ते भी जान से मारने की धमकी मिली थी। सोशल मीडिया पर गैंगस्टर जीशान अख्तर के नाम से एक कथित ऑडियो क्लिप वायरल होने के बाद मुंबई पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, वायरल ऑडियो क्लिप सामने आने के बाद जीशान सिद्दीकी की बहन बांद्रा पुलिस स्टेशन पहुंचीं और शिकायत दर्ज कराई।

उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर प्रसारित ऑडियो में जीशान सिद्दीकी को जान से मारने की धमकी दी गई है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जीशान सिद्दीकी के 66 वर्षीय पिता बाबा सिद्दीकी की भी 12 अक्तूबर 2024 की रात मुंबई के बांद्रा पूर्व इलाके में उनके बेटे जीशान के कार्यालय के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। तीन हमलावरों ने उन पर गोलियां चलाई थीं। जांच के दौरान पुलिस ने कथित शूटरों और साजिशकर्ताओं समेत दो दर्जन से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया।

# एसीबी प्रमुख बने ठगों का शिकार

### शातिरों ने फेसबुक आईडी की हैक, मैसेज कर मांगे पैसे

चंडीगढ़, 13 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा एंटी करप्शन ब्यूरो के प्रमुख वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी डॉ अरशिंदर चावला की फेसबुक आईडी हैक होने का मामला सामने आया है। हैकरों ने उनकी फ्रेंड लिस्ट में शामिल लोगों को निशाना बनाते हुए नकली फेसबुक आईडी के जरिए मदद के नाम पर पैसे मांगने शुरू कर दिए। मामले की जानकारी मिलने के बाद चावला ने खुद फेसबुक पर पोस्ट कर लोगों को सतर्क किया है।

चावला के पास डीजी जेल की भी अतिरिक्त जिम्मेदारी है। डॉ। चावला के परिचित एक व्यक्ति ने उन्हें फोन कर जानकारी दी कि किसी नकली फेसबुक प्रोफाइल से उनसे संपर्क किया गया और उधार के तौर पर पैसे मांगे गए। इसके बाद अधिकारी ने मामले की जानकारी सार्वजनिक करते हुए अपने संपर्क में रहने वाले लोगों को ऐसे संदेशों और पैसों की मांग से सावधान रहने को कहा।

चावला ने लोगों से अपील की कि यदि उनके नाम से किसी नए या संदिग्ध फेसबुक अकाउंट से दोस्ती का अनुरोध, संदेश अथवा आर्थिक मदद की मांग आती है तो उस पर भरोसा न करें। किसी भी तरह का भुगतान करने से पहले संबंधित व्यक्ति से सीधे फोन पर संपर्क कर इसकी पुष्टि करें। मामले के सामने आने के बाद साइबर ठगों द्वारा सोशल मीडिया पर वरिष्ठ अधिकारियों की पहचान का दुरुपयोग कर लोगों को ठगने के तरीके को लेकर भी सतर्कता बढ़ गई है।

## नशा-हथियार तस्करी के दो नेटवर्क का भंडाफोड़

### पांच गिरफ्तार; 7 पिस्तौल और 2 .03 किलो हेरोइन बरामद

अमृतसर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने नशे और अवैध हथियारों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो प्रमुख सीमा पार नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से सात अवैध पिस्तौल और दो किलो 30 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में हथियारों की तस्करी के मामले में गिरफ्तार आरोपियों के विदेश में बैठे तस्करों से संपर्क की बात सामने आई है। आरोप है कि आरोपी विदेश से अवैध हथियार हासिल करने के बाद उन्हें अमृतसर और तरनतारन के इलाकों में आगे सप्लाई करने की तैयारी में थे।

पुलिस अब आरोपियों के कथित विदेशी संपर्कों की जानकारी जुटा रही है। जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि हथियारों की खेप कहां से हासिल की गई और इसे पंजाब के अलग-अलग इलाकों तक पहुंचाने के लिए किन माध्यमों का इस्तेमाल किया गया। इस कार्रवाई के संबंध में अमृतसर के थाना इस्लामाबाद और थाना सुल्तानविंड में दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने में जुटी है।

जांच में यह भी पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि बरामद हथियार और हेरोइन किसके लिए लाई गई थी। पुलिस आरोपियों के संपर्क में रहने वाले स्थानीय लोगों के बारे में भी जानकारी जुटा रही है।

# अपनी जमीन के लिए 49 साल लड़ा केस, अब होईकोर्ट से मिला न्याय

शिमला, 13 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश किसी मकान की लंबे समय तक देखभाल करने वाले केयरटेकर या नौकर को सिर्फ इस आधार पर उस संपत्ति पर मालिकाना हक या काश्तकारी के अधिकार नहीं दिया जा सकता कि उसने लंबे समय तक उसकी देखरेख की है। ये बात हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कही। कोर्ट ने जमीन काश्तकारी अधिकार से जुड़े एक मामले में फैसला सुनाते हुए ये बात कही।

मामला 49 साल पुराना है। इस मामले में कोर्ट ने केयरटेकर की अपील को खारिज किया और इस केस में निचली अदालतों के फैसलों को बरकरार रखा। ये पूरा मामला साल 1977 का है। एक व्यक्ति ने जमीन की बहाली और कब्जा वापस दिलाने के लिए कांगड़ा जिले की धर्मशाला की कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। व्यक्ति का कहना था किउ सने अपने पिता की अनुपस्थिति में एक केयरटेकर को जमीन और मकान की देखरेख के लिए रखा था।

व्यक्ति ने आरोप लगाया कि केयरटेकर ने बाद में राजस्व विभाग के कर्मचारियों से मिलकर खुद को संपत्ति के किरएदायर के रूप में दर्ज करवा लिया। ये एंट्री साल 1976 में की खसरा गिरदवारी में की गई थी। हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए जिला कोर्ट धर्मशाला के पहले के फैसले को सही बताया। अदालत ने केयरटेकर की अपील को खारिज करते हुए कहा कि वादी को उसकी जमीन का कब्जा तुरंत दिया जाए।

### केदारनाथ धाम हवाई यात्रा का रास्ता साफ

# 15 सितंबर से उड़ान की तैयारी

देहरादून, 13 अगस्त (एजेंसियां)। केदारनाथ धाम जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए बड़ी राहत की खबर है। मानसून के कारण करीब ढाई महीने से बंद चल रही केदारनाथ हेली सेवा को एक बार फिर शुरू करने की तैयारी तेज हो गई है। उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) ने 15 सितंबर से हेली सेवा दोबारा शुरू करने की तैयारी शुरू कर दी है। हालांकि, अभी इसे अंतिम फैसला नहीं माना जा रहा है।

सेवा की वापसी मौसम और उड़ान सुरक्षा से जुड़ी परिस्थितियों पर निर्भर करेगी। केदारनाथ हेली सेवा को लेकर 14 अगस्त को नई दिल्ली में अहम बैठक प्रस्तावित है। इसमें डीजीसीए, हेलीकॉप्टर ऑपरेटरों और मौसम विभाग के अधिकारी शामिल होंगे। बैठक में केदारनाथ क्षेत्र के मौजूदा मौसम, हेलिपैड की स्थिति,

उड़ान मार्ग और सुरक्षा मानकों की समीक्षा की जाएगी। इसके बाद ही यह तय होगा कि 15 सितंबर से उड़ानें शुरू की जा सकती हैं या संचालन की तारीख में बदलाव करना पड़ेगा। इस साल केदारनाथ धाम के कपाट 22 अप्रैल 2026 को खुले थे और कपाट खुलने के साथ ही हेली सेवा भी शुरू कर दी गई थी। केदारनाथ के लिए हेली सेवा मुख्य रूप से गुप्तकाशी, फाटा और सिरसी से संचालित होती है। इस साल इन तीनों स्थानों से आठ एविएशन कंपनियों के माध्यम से सेवाएं संचालित की गईं। यात्रा के दौरान इन हेलीपैड से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने केदारनाथ की यात्रा की। केदारनाथ हेली सेवा की वापसी में 14 अगस्त की बैठक सबसे महत्वपूर्ण कड़ी मानी जा रही है। इस बैठक में यह देखा जाएगा कि हेलिपैड दोबारा संचालन के लिए पूरी तरह तैयार हैं या नहीं। इसके साथ ही मौसम विभाग से मिलने वाले इनपुट और डीजीसीए के सुरक्षा मानकों की भी समीक्षा होगी।

15 सितंबर को अभी संभावित शुरुआत की तारीख माना जा रहा है। अंतिम फैसला बैठक के बाद ही होगा। यदि मौसम या सुरक्षा से जुड़ी कोई चुनौती सामने आती है तो सेवा शुरू होने की तारीख आगे भी बढ़ सकती है।

## आर्थिक नाकेबंदी के बीच असम-अरुणाचल सीमा पर फिर झड़प पुलिस ने हवा में गोलियां चलाईं

गुवाहाटी, 13 अगस्त (एजेंसियां)। गुरुवार को असम के धेमाजी ज़िले में असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा पर एक नई झड़प हुई। पड़ोसी राज्य के ख़िलाफ़ अनिश्चितकालीन आर्थिक नाकेबंदी के दूसरे दिन, भीड़ को तितर-बितर करने के लिए अरुणाचल प्रदेश पुलिस को हवा में तीन राउंड गोलियां चलानी पड़ीं। यह टकराव सिलापाथर के लिकाबाली एंट्री पॉइंट पर हुआ, जहाँ असम के प्रदर्शनकारी 'ताकम मिसिंग पोरिन केबांग' (टीएमएमके) और अन्य स्थानीय समूहों द्वारा बुलाई गई नाकेबंदी को लागू कर रहे थे। एक अधिकारी ने कहा, जब नाकेबंदी चल रही थी, तो अरुणाचल प्रदेश के कुछ लोगों ने असम के प्रदर्शनकारियों पर पत्थर फेंके, जिससे कुछ लोगों को मामूली चोटें आईं। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच हाथापाई हुई। असम सरकार के अधिकारी ने कहा, फिर हमने देखा कि अरुणाचल की पुलिस ने अपनी तरफ़ की भीड़ को काबू करने के लिए हवा में तीन राउंड गोलियां चलाईं।

# बदरीनाथ चढ़ावा चोरी प्रकरण

### आरोपी नौटियाल की मां ने आरटीआई दाखिल कर मांगी 11 बिंदुओं पर सूचना, बीकेटीसी में हलचल

गोपेश्वर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। बदरीनाथ मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले के आरोपी प्रमोद नौटियाल की मां हेमलता नौटियाल ने बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) से 11 बिंदुओं पर सूचना मांगी है। उन्होंने सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत यह आरटीआई दाखिल की है। इससे बीकेटीसी में हलचल बढ़ गई है। आरटीआई में वैयक्तिक सहायक (पीए) की गणना और प्रोटोकॉल ड्यूटी पर सवाल उठाए गए हैं। पूछा गया है कि पीए की ड्यूटी किस अधिकारी के आदेश पर लगाई गई।

यह कार्य उसके निर्धारित पदीय दायित्वों में शामिल नहीं है। संबंधित आदेश और ड्यूटी से जुड़े अभिलेखों की जानकारी भी मांगी गई है। बीकेटीसी में संविदा पर कार्यरत विधि अधिकारी की नियुक्ति पर भी सवाल किए गए हैं। पूछा गया है कि उनकी नियुक्ति किस नियम के तहत हुई और शासन से अनुमति ली गई या नहीं।

विधि अधिकारी की भूमिका से संबंधित दस्तावेज भी मांगे गए हैं। आरटीआई में गणना, प्रोटोकॉल और अन्य जिम्मेदारियों को लेकर अधिकारियों की भूमिका स्पष्ट करने वाले अभिलेख उपलब्ध कराने की मांग की गई है। सूत्रों के अनुसार, लेखा और प्रोटोकॉल कार्य वैयक्तिक सहायक के निर्धारित दायित्व में वैधानिक रूप से शामिल नहीं हैं। बीकेटीसी के सूचना अधिकारी राजन नैथानी ने आरटीआई मिलने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि मांगी गई सूचनाएं नियमानुसार उपलब्ध कराई जाएंगी।

## इंदौर के खजराना गणेश मंदिर की दान पेटियां खुलीं

# थ्री-लेयर सुरक्षा में गिने जा रहे नोट, 4 सीसीटीवी से नजर; 72 लाख आया चढ़ावा

इंदौर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। इंदौर के विश्व प्रसिद्ध खजराना गणेश मंदिर में चढ़ावे की गिनती इस बार विशेष सुरक्षा व्यवस्था के बीच की जा रही है। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे की चोरी को लेकर सामने आए विवाद के बाद मंदिरों में दान और चढ़ावे की सुरक्षा को लेकर सतर्कता बढ़ी है। इसी कड़ी में इंदौर के खजराना गणेश मंदिर में भी दान पेटियां खोलने और चढ़ावे की राशि गिनने के दौरान अतिरिक्त सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। खजराना गणेश मंदिर में चढ़ावे की गिनती का गुरुवार को तीसरा दिन है। मंदिर परिसर में दान पेटियों को सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में खोला जा रहा है। पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई जा रही है।

चढ़ावे की गिनती के दौरान 5 सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है, जबकि चार सीसीटीवी कैमरों से पूरी प्रक्रिया पर नजर रखी जा रही है। मंदिर में श्रद्धालुओं की ओर से चढ़ावे के लिए 40

से ज्यादा दान पेटियां रखी गई हैं। इन दान पेटियों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत खोला जा रहा है और इनमें जमा राशि की गिनती की जा रही है। अब तक 17 दान पेटियों से करीब 72 लाख रुपये की राशि प्राप्त होने की जानकारी सामने आई है। हालांकि सभी दान पेटियों की गिनती पूरी होने के बाद ही कुल चढ़ावे की अंतिम राशि स्पष्ट हो सकेगी। दान पेटियों में नकदी के साथ सोने की चेन, छोटी चांदी की गणेश प्रतिमा, 10 ग्राम चांदी का सिक्का और 2 स्मार्ट वॉच भी मिली हैं। इसके अलावा 10 साल पहले बंद हो चुके 1000 रुपये के पांच पुराने नोट भी मिले हैं। मंदिर प्रबंधन ने बताया कि मन्नत पूरी होने पर भक्त पुराने नोट भी दान करते हैं।

खजराना गणेश मंदिर इंदौर ही नहीं, बल्कि देशभर में श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान गणेश के दर्शन के लिए पहुंचते हैं और अपनी श्रद्धानुसार दान भी करते हैं। ऐसे में दान पेटियों में जमा होने वाली राशि काफी महत्वपूर्ण होती है। इस बार चढ़ावे की गिनती के दौरान सुरक्षा और पारदर्शिता पर विशेष जोर दिया जा रहा है। कैमरों की निगरानी और वीडियोग्राफी के बीच दान पेटियों को खोलने से लेकर राशि की गिनती तक की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

## गड्ढे से बचने की कोशिश में ईपीएफओ कर्मचारी मेधा की बाइक से गिरने से मौत

बेंगलुरु, 13 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक के बेंगलुरु में एक दुखद सड़क हादसे में, मोटरसाइकिल पर पीछे बैठी एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। सड़क पर बने गड्ढे से बचने की कोशिश की में यह हादसा हुआ। यह घटना बेंगलुरु के बाहरी इलाके में आनेकल तालुक के हेब्बगोडी के पास अनंतनगर में हुई। मरने वाली महिला की पहचान केरल की रहने वाली 32 वर्षीय मेधा के रूप में हुई है, जो इलेक्ट्रॉनिक सिटी में प्रोविडेंट फंड ऑफिस में काम करती थीं। मेधा मूलरूप से केरल को कोझिकोड (बालुस्सेरी) की रहने वाली थीं और बेंगलुरु में ईपीएफओ में कार्यरत थीं। मेधा के परिवार में उनके पति एस। एल। आकर्ष और 3 साल का बेटा दक्ष है। यह दुर्घटना अनंतनगर मेन रोड पर मंगलवार सुबह करीब 9 बजे हुई, जब मेधा अपने दोस्त और सहकर्मी अजय गुरु के साथ मोटरसाइकिल पर बैठकर जा रही थीं। खबरों के मुताबिक, आगे चल रही एक कार के ड्राइवर ने गड्ढे से बचने की कोशिश में अचानक ब्रेक लगाया। अचानक ब्रेक लगाने की वजह से कार के पीछे चल रही मोटरसाइकिल का संतुलन बिगड़ गया। पीछे बैठी मेधा सड़क पर गिर गईं। उसी समय, पीछे से तेज रफ्तार में आ रही एक मालवाहक गाड़ी मेधा की गर्दन के ऊपर से गुजर गई, जिससे बहुत ज्यादा खून बहने लगा। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की खबर फैलने के बाद, नाराज लोगों ने सड़क जाम कर दी और अपना गुस्सा जाहिर किया। हादसे के बाद, मेधा के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सेंट जॉन्स मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया और फिर केरल में उनके गृहनगर भेजा गया।

**सुविचार**
जब लोग आपको न समझने के कारण आपकी बात नहीं सुनते हैं, तब परमात्मा आपका साथ देते हैं

# विकसित भारत के निर्माण में युवा निभाएं अहम भूमिका : एन. रामचंदर राव

> तिरंगा रैली में गूंजा राष्ट्र प्रथम का संकल्प

पेद्दापल्ली, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पेद्दापल्ली जिला मुख्यालय में गुरुवार को भव्य तिरंगा रैली निकाली गई। रैली में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थी, युवा और आम नागरिक राष्ट्रीय ध्वज लेकर शामिल हुए।

रैली में भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर रामचंदर राव ने कहा कि विश्व के कई देश युद्ध और संकट से जूझ रहे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, दूरदर्शी निर्णयों और सुशासन के कारण भारत की आर्थिक प्रगति निरंतर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भारत को दुनिया का शक्तिशाली विकसित राष्ट्र बनाना प्रत्येक नागरिक का संकल्प होना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों और युवाओं का आह्वान किया कि वे देश के भविष्य के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और विकास की इस यात्रा में युवा शक्ति की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। रामचंदर राव ने कहा कि केंद्र सरकार ने युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की हैं।

मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया और मुद्रा ऋण जैसी योजनाओं के माध्यम से बड़ी संख्या में युवा स्वरोजगार अपना रहे हैं तथा रोजगार देने वाले बन रहे हैं। उन्होंने शिक्षा क्षेत्र में केंद्र सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि देश में शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक बदलाव आया है। उनके अनुसार, देश में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों की संख्या बढ़ी है, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों का भी विस्तार हुआ है तथा विभिन्न राज्यों में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों की स्थापना की गई है।

केंद्रीय विश्वविद्यालयों सहित शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार किए गए हैं। रामचंदर राव ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के इस पावन अवसर पर प्रत्येक नागरिक की सोच देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने वाली होनी चाहिए। उन्होंने 'राष्ट्र प्रथम' के संकल्प के साथ सभी से मिलकर नए भारत के निर्माण में सहभागी बनने का आह्वान किया।

रैली में विधान परिषद सदस्य मल्क कोमरैया, वरिष्ठ नेता गोमास श्रीनिवास, भाजपा जिला अध्यक्ष कर्रे संजीव रेड्डी, प्रदेश नेता मनोहर रेड्डी, सुरेश रेड्डी सहित पार्टी के अन्य नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## नाग पंचमी पर सांपों के साथ क्रूरता रोकने की अपील

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद सोसाइटी फॉर प्रिवेंशन ऑफ क्रुएल्टी टू एनिमल्स ने 17 अगस्त को मनाई जाने वाली नाग पंचमी के मौके पर लोगों से अपील की है कि वे धार्मिक मान्यताओं के नाम पर सांपों के साथ की जाने वाली क्रूरता को रोकें और वन्यजीवों की इन महत्वपूर्ण प्रजातियों की सुरक्षा में मदद करें।

कोऑर्डिनेटर सौधर्म भंडारी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि नाग पंचमी से पहले के हफ्तों में, सपेरे सांपों को गैर-कानूनी तरीके से पकड़ते हैं और उनके साथ बहुत क्रूरता करते हैं। इसमें उनके ज़हरीले दांत निकालना, ज़हर की ग्रंथियों को नुकसान पहुँचाना, मुँह सिलना या खराब करना, सांपों को अंधेरी और गंदी जगहों पर कैद करके रखना और उन्हें खाना न देना शामिल है। पीएफए अभय के डी. जोशी का कहना है कि इसके बाद सांपों को सबके सामने दिखाया जाता है और उन्हें दूध पिलाया जाता है। हालाँकि, दूध सांप के प्राकृतिक आहार का हिस्सा नहीं है और इससे स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याएँ हो सकती हैं। चोट, डिहाइड्रेशन, भुखमरी, संक्रमण और गलत तरीके से संभालने के कारण कई सांप या तो पीड़ित होते हैं या मर जाते हैं।

# शशिकिरण कोमांडूर की 'श्रीमद्रामायणम' को तेलुगु विश्वविद्यालय साहित्य पुरस्कार

**पद्य महाकाव्य का वर्ष 2024 के प्रतिष्ठित सुरवरम प्रताप रेड्डी साहित्य सम्मान के लिए चयन**

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल के संयुक्त सचिव एवं वरिष्ठ समूह-1 अधिकारी तथा प्रसिद्ध कवि शशिकिरण कोमांडूर द्वारा रचित पद्य महाकाव्य 'श्रीमद्रामायणम्' को वर्ष 2024 के प्रतिष्ठित सुरवरम प्रताप रेड्डी तेलुगु विश्वविद्यालय साहित्य पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है।

उनकी इस उपलब्धि पर कवियों, लेखकों और वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई दी। शशिकिरण कोमांडूर पिछले करीब दो दशकों से प्रशासनिक दायित्वों के साथ साहित्य साधना भी कर रहे हैं। उन्होंने 'श्रीमद्रामायणम्' की रचना सरल और सहज भाषा में छंदबद्ध रूप से की है, ताकि सामान्य पाठक भी रामायण के महाकाव्यात्मक स्वरूप को आसानी से समझ और आत्मसात कर सके। इस कृति का प्रकाशन प्रतिष्ठित प्रकाशन संस्था एमेस्को ने किया है। शशिकिरण कोमांडूर साहित्यिक क्षेत्र में सक्रिय होने के साथ ही अपने उच्च नैतिक मूल्यों, ईमानदारी और प्रशासनिक दायित्वों के प्रति प्रतिबद्धता के लिए भी जाने जाते हैं। पूर्व में भारत सरकार के साहित्य अकादमी पुरस्कार के लिए उनके नाम पर विचार किया गया था। उस समय वे संबंधित केंद्रीय मंत्री के कार्यालय में कार्यरत थे। उन्होंने यह कहते हुए पुरस्कार स्वीकार करने से इनकार कर दिया था कि जिस विभाग में वे सेवा दे रहे हों, उसी से जुड़ा सम्मान स्वीकार करना नैतिकता और पद की मर्यादा को लेकर सवाल खड़े कर सकता है। इसी नैतिक दृष्टिकोण के साथ अपनी साहित्यिक यात्रा जारी रखने वाले शशिकिरण कोमांडूर को तेलुगु विश्वविद्यालय का साहित्य पुरस्कार मिलने पर साहित्य जगत और प्रशासनिक क्षेत्र में खुशी व्यक्त की गई है। पुरस्कार के लिए चयनित होने के बाद लोकभवन में शशिकिरण कोमांडूर का सम्मान किया गया। समूह-1 अधिकारियों के संघ के अध्यक्ष मामिंडला चंद्रशेखर गौड़, राज्यपाल के उपसचिव जी. पल्लवी, प्रेस सचिव मामिंडला दशरथम, समन्वय अधिकारी मुरली चार्युलु, लेखा अधिकारी शैलजा, सहायक नियंत्रक जेड. हेराल्ड डेविड, उद्यान अधिकारी मालिनी, उप कार्यकारी अभियंता श्रीधर, अनुभाग अधिकारी एस. रामचंद्रम, सांख्यिकी अधिकारी श्रीकांत तथा सहायक कार्यकारी अभियंता हर्षवर्धन और त्रिशा ने उन्हें सम्मानित किया। लोकभवन के अधिकारियों, कर्मचारियों और अन्य स्टाफ सदस्यों ने भी शशिकिरण कोमांडूर से मुलाकात कर उनकी साहित्यिक उपलब्धि पर शुभकामनाएं दीं।

# स्नातक एमएलसी चुनाव में युवाओं को अवसर देने की मांग

**टीपीसीसी महासचिव ने सचिन सावंत से की मुलाकात**

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति के महासचिव चनगानी दयाकर ने अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के सचिव सचिन सावंत से मुलाकात कर आगामी स्नातक विधान परिषद चुनाव में युवाओं को अवसर देने का अनुरोध किया। दोनों के बीच महासचिवों के साथ व्यक्तिगत बैठक में पार्टी संगठन और आगामी चुनाव से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। दयाकर ने कहा कि पार्टी में लंबे समय से सक्रिय रूप से काम कर रहे युवा नेताओं को चुनावी अवसर दिया जाना चाहिए। उन्होंने अपनी राजनीतिक और संगठनात्मक गतिविधियों का विवरण सचिन सावंत के समक्ष रखा। दयाकर की ओर से की गई मांग पर सचिन सावंत ने उन्हें तीन मंत्रियों को अपना बायोडाटा उपलब्ध कराने का सुझाव दिया। उन्होंने दयाकर से यह भी जानकारी ली कि उन्होंने पार्टी और सरकार से जुड़े विभिन्न स्तरों पर कहां-कहां काम किया है तथा किन कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाई है।

दयाकर ने बताया कि उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम, सर्व शिक्षा अभियान, महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना तथा पार्टी समितियों के गठन सहित विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से कार्य किया है। उन्होंने पार्टी संगठन को मजबूत करने और जनहित के कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका के बारे में भी जानकारी दी। सचिन सावंत ने दयाकर को पार्टी के विकास और संगठन को मजबूत करने के लिए निरंतर सक्रिय रहने की सलाह दी। बैठक में आगामी स्नातक विधान परिषद चुनाव में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने तथा संगठनात्मक गतिविधियों को मजबूत करने पर भी चर्चा हुई।

## जॉब का झांसा देकर महिला को परेशान करने के आरोप में केस दर्ज

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स पुलिस ने वेंकटा सांबाशिवा रेड्डी के खिलाफ केस दर्ज किया है। उस पर आरोप है कि उसने एक युवती को आईटी जॉब का झांसा देकर परेशान किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने उसकी प्राइवेट तस्वीरें और चैट के स्क्रीनशॉट उसके माता-पिता को भेजने की धमकी दी थी। प्रकाशम जिले की रहने वाली यह महिला हैदराबाद के एक हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही है।

शिकायत के अनुसार, आरोपी ने जॉब इंटरव्यू के बहाने उसे एक कमरे में बुलाया और कथित तौर पर उसके साथ गलत व्यवहार किया। इसके बाद महिला बंजारा हिल्स पुलिस के पास पहुंची और केस दर्ज कराया गया। पुलिस आरोपों की जांच कर रही है।

# पोतिरड्डीपाडु में जल दोहन का आरोप, पूर्व मंत्री निरंजन रेड्डी को आंध्र पुलिस ने रोका

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व कृषि मंत्री एवं भारत राष्ट्र समिति नेता सिंगिरेड्डी निरंजन रेड्डी ने आरोप लगाया कि पोतिरड्डीपाडु के माध्यम से आंध्र प्रदेश द्वारा कृष्णा नदी का पानी बड़े पैमाने पर लिया जा रहा है, जबकि तेलंगाना सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। श्रीशैलम परियोजना स्थित पोतिरड्डीपाडु हेड रेगुलेटर का निरीक्षण करने जा रहे निरंजन रेड्डी को आंध्र प्रदेश पुलिस ने कर्नूल जिले के जूपाडु बंगला राष्ट्रीय राजमार्ग के पास रोक दिया।

इसके विरोध में उन्होंने सड़क पर ही अपना आक्रोश व्यक्त किया। भारी काफिले के साथ पोतिरड्डीपाडु जा रहे निरंजन रेड्डी ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी प्रकार का आंदोलन करना नहीं, बल्कि तेलंगाना सरकार की विफलता को जनता के सामने लाना है। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश में भी फसलें होनी चाहिए, इस पर उन्हें कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन तेलंगाना के हिस्से के पानी के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि पोतिरड्डीपाडु के जरिए गुरुत्वाकर्षण से प्रतिदिन चार-पांच टीएमसी पानी लिया जा रहा है, जबकि तेलंगाना को पानी उठाने के लिए मोटरों पर निर्भर रहना पड़ता है। उनके अनुसार, तेलंगाना की पंप व्यवस्था भी पर्याप्त रूप से नहीं चलाई जा रही है। उन्होंने दावा किया कि पोतिरड्डीपाडु से आठ-नौ हजार क्यूसेक पानी लेने की बात कही जा रही है, जबकि वास्तविक निकासी करीब 50 हजार क्यूसेक तक हो रही है। निरंजन रेड्डी ने कहा कि अल नीनो का प्रभाव दोनों राज्यों पर समान है। ऐसे में यदि आंध्र प्रदेश को पानी दिया जा रहा है तो तेलंगाना के किसानों को पानी देने में सरकार को क्या परेशानी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कल्वकुर्ती की मोटरों को ठीक से नहीं चलाया जा रहा और दबाव बनाने के बाद ही पानी छोड़ा गया। 162 किलोमीटर लंबी नहर में करीब 102 किलोमीटर तक पानी नहीं पहुंचने का भी उन्होंने आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जूराला से श्रीशैलम में लगातार बड़ी मात्रा में पानी पहुंच रहा है और ऊपरी क्षेत्रों से भी भारी बाढ़ आ रही है।

इसके बावजूद किसानों को स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा रही है। हाल ही में हुई संयुक्त जिला सिंचाई सलाहकार बोर्ड की बैठक में भी किसानों को स्थिति स्पष्ट नहीं की गई। निरंजन रेड्डी ने कहा कि पालमूर क्षेत्र को उसके हिस्से का पानी नहीं मिलने के लिए वहां के विधायकों और मंत्रियों को भी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के पानी के हितों की रक्षा के लिए सरकार को तत्काल कदम उठाने चाहिए।

## निम्स के न्यूरोसर्जन डॉ. थिरुमल येर्रागुंटा यूसीएफ में 'साइंटिस्ट-इन-रेसिडेंस' चुने गए

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। निज़ाम इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज (निम्स) में न्यूरोसर्जरी के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. थिरुमल येर्रागुंटा को यूएसए की यूनिवर्सिटी ऑफ़ सेंट्रल फ़्लोरिडा (यूसीएफ) के 'द इंडिया सेंटर' में 'साइंटिस्ट-इन-रेसिडेंस' के तौर पर चुना गया है।

16 अगस्त तक चलने वाली इस एक हफ़्ते की एकेडमिक रेसिडेंसी में डॉ. येर्रागुंटा को यूसीएफ की फैकल्टी, मेडिकल और प्री-मेडिकल छात्रों, हाई-स्कूल के छात्रों, भारतीय मूल के डॉक्टरों और सेंट्रल फ़्लोरिडा समुदाय के सदस्यों से बातचीत करने का मौका मिलेगा। डॉ. येर्रागुंटा ने यूसीएफ कॉलेज ऑफ़ मेडिसिन में एक पब्लिक लेक्चर दिया। उनकी इस यात्रा में यूनिवर्सिटी के छात्रों और फैकल्टी के साथ बातचीत के अलावा मेडिकल एजुकेशन, मॉडर्न न्यूरोसर्जरी, हेल्थकेयर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और भारत व अमेरिका के संस्थानों के बीच बेहतर एकेडमिक सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा भी शामिल है।

# पेंशन और कल्याण लक्ष्मी योजनाओं को तत्काल बहाल करे सरकार : जीवन रेड्डी

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के राज्य महासचिव एवं पूर्व मंत्री ताटिपर्ति जीवन रेड्डी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार सत्ता में आने के 32 महीने बाद भी चुनावी वादों के अनुसार सामाजिक सुरक्षा पेंशन बढ़ाने में विफल रही है। उन्होंने वृद्धावस्था पेंशन, बीड़ी श्रमिकों की पेंशन और महिलाओं को प्रस्तावित पेंशन तत्काल लागू करने की मांग की। वे गुरुवार को जगतियाल जिला मुख्यालय स्थित भारत राष्ट्र समिति कार्यालय में पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष दावा वसंत सुरेश के साथ आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। जीवन रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना गठन से पहले गरीब और असहाय वर्गों के लिए आसरा पेंशन केवल 200 रुपये थी, जिसे तत्कालीन मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने दस गुना बढ़ाकर 2,000 रुपये किया था। कांग्रेस ने चुनाव के दौरान पेंशन को 2,000 से बढ़ाकर 4,000 रुपये करने तथा महिलाओं को 2,500 रुपये देने का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के 32 महीने बाद भी इन वादों को पूरा नहीं किया गया।

उन्होंने कहा कि 15 अगस्त से लागू होने वाली सात प्रकार की पेंशन में वृद्धावस्था पेंशन और बीड़ी श्रमिकों की पेंशन को प्राथमिकता नहीं दी गई। महिलाओं को 2,500 रुपये पेंशन देने के वादे का भी सरकार ने कोई उल्लेख नहीं किया है। उन्होंने कहा कि बीड़ी श्रमिकों को देश में कहीं नहीं मिलने वाली 2,000 रुपये मासिक पेंशन तत्कालीन सरकार ने शुरू की थी, जिससे लाखों गरीब परिवारों को सहारा मिला। जीवन रेड्डी ने कहा कि के. चंद्रशेखर राव सरकार ने गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह में सहायता के लिए कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक की राशि 50 हजार रुपये से बढ़ाकर एक लाख रुपये की थी।

## CLASSIFIEDS

### CHANGE OF NAME

I, Banti Kumari, W/o Lokendra Chahar, R/o Naglakare, Mankenda, Agra, UP 283102 hereby declare that my name has been incorrectly recorded as Banti Sin Sin Var in Army records. My correct name, as per Aadhaar Card is Banti Kumari for all purposes

### DATE OF BIRTH

I, Lokendra Chahar, S/o Pratap Singh, R/o Naglakare, Mankenda,Agra, UP 283102, hereby declare that the DOB of my daughter Tanu has been wrongly recorded in Army Service Records as 13-03-2012. The correct DOB, as per her Birth Certificate and Aadhaar Card, is 12-06-2013 for all purposes

**सावधान**

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

## हैदराबाद लॉ यूनिवर्सिटी ग्रैजुएट्स के खिलाफ ऑर्डर पर यू-टर्न

**बीसीआई ने कहा था-वकील नहीं बनेंगे; छात्रों ने सीजेआई को गेस्ट बनाने पर चिट्ठी लिखी थी**

हैदराबाद, 13 अगस्त (एजेंसियां)। बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने नेशनल एकेडमी ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च (नलसार) यूनिवर्सिटी के 2026 बैच के छात्रों का नामांकन रोकने का आदेश वापस ले लिया है। इन छात्रों पर सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत के खिलाफ अभियान चलाने का आरोप था। पिछले दिनों खबर सामने आई थी कि यूनिवर्सिटी के करीब 450 स्टूडेंट्स ने 2026 दीक्षांत समारोह में सीजेआई को मुख्य अतिथि बनाए जाने का विरोध किया था। छात्रों के एक ग्रुप ने यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर, रजिस्ट्रार, फैकल्टी सदस्यों और प्रशासन के अन्य सदस्यों को लेटर लिखा। बीसीआई ने कहा कि ताजा रिपोर्ट के मुताबिक नलसार के 2026 में पास होने वाले छात्रों में से ज्यादातर निर्दोष हैं। ये छात्र इस मुहिम में शामिल होने के इच्छुक नहीं थे। हैदराबाद यूनिवर्सिटी ने अभी तक दीक्षांत समारोह की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। लेकिन यह परंपरा रही है कि हर दीक्षांत में सीजेआई का भाषण होता है।

# मुर्गे की लड़ाई के लिए 16 लोग गिरफ्तार, 45 चाकू ज़ब्त

मंचेरियल, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार आधी रात को कल्लेमपल्ली गाँव के बाहरी इलाके में मुर्गे की लड़ाई में शामिल होने के आरोप में सोलह लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपियों से चार मुर्गे, 45 चाकू, 12 मोबाइल फ़ोन, 18 मोटरबाइक और 24,040 रुपये नकद ज़ब्त किए।

टास्क फ़ोर्स के एसीपी श्रीनिवास ने एक बयान में कहा कि कुदिमेथा साई, जन्ने कमलाकर, बंडारिकांती कोटेश, तेलीगे साई, चौधरी तिरुपति, अथम संदीप, मोगिली मल्लेश, मंचला हनुमंथु, एनुमुला मधुकर, मनेपल्ली राजन्ना, मनेपल्ली विलाश, कीर्ति लक्ष्मण, करपेटा तिरुपति, दंडेरा महेश, सतपति राजशेखर और डोमाला मल्लेश - ये सभी वेमानापल्ली और दहेगाँव मंडलों के अलग-अलग हिस्सों से हैं - को गिरफ्तार किया गया।

एक सूचना मिलने पर, टास्क फ़ोर्स की टीमों ने आधी रात के आसपास बाहरी इलाके में एक सुनसान जगह पर छापा मारा और वहाँ मुर्गे की लड़ाई होती पाई। गिरफ्तार लोगों को आगे की कार्रवाई के लिए वेमानापल्ली पुलिस को सौंप दिया गया। रामागुंडम सीपी अंबर किशोर झा ने चेतावनी दी कि गैर-कानूनी गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ़ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से गैर-कानूनी गतिविधियों और अपराध आयोजित करने वालों के बारे में जानकारी साझा करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि सूचना देने वालों की पहचान उजागर नहीं की जाएगी।

# आय से अधिक संपत्ति मामले में डीएसपी भीम रेड्डी हिरासत में

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एंटी-करप्शन ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने गुरुवार को डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ़ पुलिस (डीएसपी) संकीरेड्डी भीम रेड्डी को आय से अधिक संपत्ति के मामले में पूछताछ के लिए चंचलगुडा सेंट्रल जेल से हिरासत में लिया।

एसीबी ने पिछले महीने भीम रेड्डी को उन आरोपों की बड़ी जांच के बाद गिरफ्तार किया था कि उन्होंने अपनी ज्ञात आय के स्रोतों से कहीं ज़्यादा संपत्ति जमा की थी। खबरों के अनुसार, एसीबी कोर्ट ने एजेंसी को पुलिस अधिकारी से दो दिन तक हिरासत में पूछताछ करने की अनुमति दी है।

भीम रेड्डी, जो अभी पुलिस कंप्यूटर सर्विसेज़ विंग से जुड़े हैं, को तब गिरफ्तार किया गया था जब एसीबी ने तेलंगाना और कर्नाटक में उनसे, उनके रिश्तेदारों, सहयोगियों और कथित बेनामीदारों से जुड़ी 16 जगहों पर एक साथ तलाशी ली थी। खबरों के अनुसार, तलाशी में 200 करोड़ रुपये से ज़्यादा की बाज़ार कीमत वाली अचल और चल संपत्ति का पता चला, हालांकि संपत्ति की सही कीमत का अभी भी आकलन किया जा रहा है।

यह मामला भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 13(1)(b) और 13(2) के तहत दर्ज किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि भीम रेड्डी ने अपनी ज्ञात आय के स्रोतों से अधिक संपत्ति जमा की थी। पुलिस कंप्यूटर सर्विसेज़ विंग में पोस्ट होने से पहले, कई पुलिस पोस्टिंग में काम किया था, जिसमें जेडचेरला सर्कल इंस्पेक्टर और पटनचेरु डीएसपी के पद शामिल हैं। जुलाई में की गई तलाशी के दौरान, एसीबी को हैदराबाद और तेलंगाना के अन्य हिस्सों के साथ-साथ कर्नाटक में फैली एक बड़ी संपत्ति के बारे में जानकारी मिली।

**भा.कृ.अनु.प.- भारतीय कृषि जैवप्रोद्योगिकी संस्थान गढ़खटंगा, राँची**

**ICAR - INDIAN INSTITUTE OF AGRICULTURAL BIOTECHNOLOGY**
(Indian Council of Agricultural Research)
Garhkhatanga, Ranchi – 834 003; Web: https://www.icar-iiab.res.in

**ADVERTISEMENT**

Director, ICAR–Indian Institute of Agricultural Biotechnology (IIAB), Garhkhatanga, Ranchi invites online bids through the Government e-Marketplace (GeM) under the **Two-Bid System** from reputed and eligible manufacturers/authorized dealers/distributors for the following **equipment**.

| Sl. No. | Name of the Equipment | GeM Bid No | Closing Date |
|---|---|---|---|
| 1 | Trigas(Carbon dioxide oxygen and nitrogen) Bench top incubator | GEM/2026/B/7737943 | 21.08.2026 |
| 2 | Insect Growth Chamber | GEM/2026/B/7741362 | 21.08.2026 |
| 3 | Real Time PCR Machine (V2) | GEM/2026/B/7838090 | 24.08.2026 |
| 4 | Gas Chromatography - Mass Spectrometer (GCMS) | GEM/2026/B/7837508 | 24.08.2026 |
| 5 | Suction pump for ovum pick up in animals | GEM/2026/B/7842232 | 25.08.2026 |
| 6 | Fermentor | GEM/2026/B/7858218 | 25.08.2026 |
| 7 | Near infrared Spectrometer (NIRS) | GEM/2026/B/7734296 | 26.08.2026 |
| 8 | Plant Canopy Analyser | GEM/2026/B/7846811 | 26.08.2026 |
| 9 | Automated Multi- Capillary Nucleic Acids Electrophoresis System | GEM/2026/B/7841866 | 27.08.2026 |
| 10 | PROGRAMMABLE FREEZER | GEM/2026/B/7841842 | 31.08.2026 |
| 11 | Chemi-Doc System | GEM/2026/B/7827259 | 31.08.2026 |
| 12 | Water activity measuring unit | GEM/2026/B/7822154 | 01.09.2026 |
| 13 | Inductively coupled plasma-optical emission spectrometer (ICP-OES) | GEM/2026/B/7850363 | 29.08.2026 |
| 14 | Computer Server with GPU | GEM/2026/B/7886217 | 28.08.2026 |
| 15 | Plastic Chairs For General Purposes | GEM/2026/B/7885137 | 20.08.2026 |

Interested bidders meeting the prescribed eligibility criteria and possessing valid authorization certificates, wherever applicable, along with all requisite supporting documents, may participate in the tender. The detailed bid document, technical specifications, eligibility criteria, terms & conditions, and tender schedule are available on the GeM Portal (https://www.gem.gov.in) and on the Institute's website at https://www.icar-iiab.res.in. Interested bidders are advised to download the complete bid document from the GeM Portal or from the Institute's website and submit their bids online through the GeM Portal only within the prescribed time schedule as stipulated in the respective bids.

**S/d Administrative Officer**

## वाराणसी से झारखंड जा रही बस की ट्रक से भिड़ंत, 20 यात्री घायल

औरंगाबाद, 13 अगस्त (एजेंसियां)। नगर थाना क्षेत्र के जीटी बाइपास ओवरब्रिज के पास महिंद्रा शोरूम के सामने गुरुवार भोर में करीब ढाई बजे यात्री बस और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बस पर सवार करीब 20 यात्री घायल हो गए। इनमें पांच यात्रियों की हालत गंभीर बताई जा रही है। सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है। घायलों में सदर प्रखंड के बधोई गांव निवासी महाराणा सिंह, उनकी पत्नी बालमती देवी, सूरज कुमार सिंह, बबलू कुमार सिंह, मदनपुर के गुलाबबिगहा निवासी राजेश यादव, गयाजी के पथरा निवासी सुनील कुमार, नरेश यादव की पत्नी नागेश्वरी देवी, औरंगाबाद के हरिनारायण, मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पवई भैरोपुर निवासी विजय तिवारी, कृष्णा सोनी, अंबा के धीरज कुमार, गया के डुमरिया निवासी मुर्तजा अंसारी, अरवल के बेलखारा निवासी सत्या कुमार सिंह, भभुआ के बारे गांव निवासी अर्जुन पांडेय और बबलू पांडेय समेत अन्य यात्री शामिल हैं।

## आरजेडी में टूट के संकेत!

# दावा- 15 से 16 विधायक मारेंगे पलटी

**पटना, 13 अगस्त (एजेंसियां)।** बिहार के सियासी गलियार में बीजेपी के एक दावे से खलबली मच गई है। बीजेपी की ओर से दावा किया गया है कि लालू यादव की पार्टी आरजेडी में टूट होने वाली है। 15 से 16 विधायक पलटी मारेंगे। दूसरी ओर कांग्रेस ने दावा किया है कि जेडीयू में टूट होने वाली है। इस तरह बयानबाजी से प्रदेश में एक नया मुद्दा मिल गया है।

बीजेपी के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि जो 25 विधायक बचे हैं उसमें 15-16 कब छोड़कर चले जाएंगे ये पता नहीं। आगे-आगे देखिए क्या होता है लेकिन आरजेडी सबसे बुरे दौर से गुजर रही है और समाप्ति की ओर है। न नेता है, न नीति है, न नेतृत्व है, न किसी का वहां सम्मान है, फिर वहां कोई क्यों रुकेगा?

### आरजेडी ने किया पलटवार

बीजेपी की ओर किए गए दावे पर आरजेडी की ओर से पलटवार किया गया है। पार्टी के प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा कि 70 लाख से ऊपर वोट 2025 के विधानसभा चुनाव में आरजेडी और महागठबंधन को मिला। सभी को पता है कि किस तरह से बीजेपी, जेडीयू और एनडीए के लोगों ने चुनाव आयोग को माध्यम बनाकर चुनाव जीता है। 10 हजार रुपये महिलाओं के खाते में भेजकर चुनावी लाभ लेने का काम किया गया है।

### कांग्रेस बोली- जेडीयू में होने जा रही टूट

कांग्रेस के प्रवक्ता असित नाथ तिवारी ने कहा कैसी विडंबना है कि आरजेडी की चिंता बीजेपी के प्रवक्ता को हो रही है। अपने सहयोगी की चिंता कर लीजिए। जेडीयू में टूट होने जा रही है। जेडीयू अंदरखाने टूट चुकी है। चाहे वो संजय झा हों चाहे ललन सिंह हों, सब के सब अपने विकल्प की तलाश में हैं। बता दें कि 2025 के विधानसभा चुनाव में आरजेडी ने काफी खराब प्रदर्शन किया था। 25 प्रत्याशी ही चुनाव जीत पाए थे।

इस तरह आरजेडी के वर्तमान में 25 विधायक हैं। 15 से 16 विधायकों के टूटने के दावे से सियासी हड़कंप मचा है। देखने वाली बात होगी कि मृत्युंजय तिवारी के दावों में सच्चाई है या फिर यह एक बयानबाजी भर है।

## लाखों के गहने लूटे, रुपयों का लालच देकर ठगों ने दिया वारदात को अंजाम

ग्रेटर नोएडा, 13 अगस्त (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा में बिसरख कोतवाली क्षेत्र निवासी महिला रुपयों के लालच में टप्पेबाजों के हाथों लाखों के गहने गवां बैठी। वारदात को अंजाम देकर बदमाश फरार हो गए, तब महिला को ठगी का एहसास हुआ। पीड़ित परिजन की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू की है। क्षेत्र की फ्यूजन होम्स सोसायटी निवासी महेंद्र आर स्वामी के मुताबिक, 10 जुलाई की शाम करीब 6.45 बजे उनकी 55 वर्षीया मां कौशल्या स्वामी घर से पानी पूरी खाने निकलीं थी। कुछ ही दूरी पर स्थित मार्केट में वह पानी पूरी की दुकान पर पहुंचीं थी। तभी सफेद टी-शर्ट में पहुंचा युवक उनके पास आकर बैठ गया। इसी बीच एक और युवक आया दोनों ने उनके पास 20 लाख रुपये होने की बात बोलते हुए आपस में बंटवारे के लिए बातें शुरू कर दीं।

## महिलाओं के लिए सरकार की 50 हजार वाली योजना पर डिंपल यादव बोलीं- 'हम वेलकम नहीं करते'

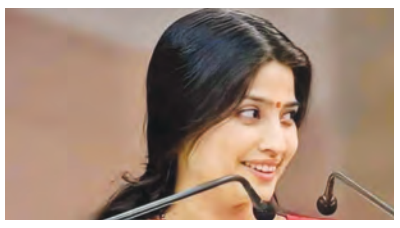

लखनऊ, 13 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में महिलाओं को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने वाली योगी सरकार की प्रस्तावित योजना की चर्चा के बीच समाजवादी पार्टी की मैनपुरी सांसद डिंपल यादव का बयान सामने आया है। डिंपल यादव ने कहा कि उन्हें ऐसी किसी योजना की चर्चा सुनने को मिल रही है। डिंपल यादव ने बिहार और महाराष्ट्र में चुनाव से पहले महिलाओं के खातों में पैसे पहुंचाने का जिक्र करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी इस तरह की स्थिति के लिए तैयार है, लेकिन वह इसका स्वागत नहीं करती। डिंपल यादव ने कहा कि सरकार को अपना काम करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले लोगों के खातों में पैसे डालकर उनके 'कॉन्शियस को खरीदने' की कोशिश से वह सहमत नहीं हैं। डिंपल यादव से यूपी में महिलाओं को 50 हजार रुपये देने वाली योजना की चर्चा को लेकर सवाल किया गया। इसके जवाब में डिंपल ने कहा कि उन्होंने बिहार में भी देखा कि चुनाव से पहले सरकार ने महिलाओं के खातों में पैसे पहुंचाने का काम किया। महाराष्ट्र में भी ऐसा हुआ। डिंपल यादव ने कहा, हम इसके लिए तैयार हैं। हम इसका बिल्कुल वेलकम नहीं करते हैं। चुनाव से पहले खाते में पैसे डालकर आप उनके कॉन्शियस को खरीदने की कोशिश कर रहे हैं। डिंपल यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी इस बात से सहमत नहीं है और सरकार को अपना काम करना चाहिए।

डिंपल यादव ने अपने बयान में बीजेपी सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार को पिछले 10 साल का हिसाब देना है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में सड़कों और इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थिति देखनी चाहिए।

## 'पवन सिंह को जल्द प्यार करने वाली दूसरी पत्नी मिलेगी'

### राधे मां ने पावर स्टार को लेकर की भविष्वाणी; यूजर्स बोले- ज्योति भाभी खराब थीं क्या

पटना, 13 अगस्त (एजेंसियां)। रियलिटी टीवी शो भोजपुरी बवाल की रिलीज के बाद से पावर स्टार पवन सिंह और एक्ट्रेस काजल राघवानी की पर्सनल लाइफ सुर्खियों में है। एक तरफ जहां आम्रपाली और काजल राघवानी के बीच जुबानी जंग चल रहा है तो दूसरी तरफ पवन सिंह की पर्सनल लाइफ में क्या उतार-चढ़ाव आए थे, इस शो के जरिए पवन सिंह खुद लोगों को बता रहे हैं। तेजप्रताप यादव भी उन बातों को शेयर कर रहे हैं, जिसे उन्होंने खुले मंच पर कभी शेयर नहीं किया था। इस शो का एक नया प्रोमो आया है। अपकमिंग एपिसोड में राधे मां और भारती सिंह की एंट्री हुई है। राधे मां पवन सिंह को लेकर भविष्यवाणी करती हैं कि 45 साल की उम्र में अच्छी और प्यार करने वाली पत्नी मिलेगी। शो के नए प्रोमो में दिखाया गया है कि भारती सिंह पवन सिंह और काजल राघवानी को राधे मां से मिलवाती हैं। वो कहती हैं कि ये वो हैं जो लोगों के दुख-दर्द अपने ज्ञान से हर लेती हैं। पवन सिंह राधे मां के पांव छूते हैं और फिर जब सभी आराम से सोफे पर बैठ जाते हैं। इसी बीच भारती राधे मां से पूछती हैं कि राधे मां पवन जी को एक अच्छा जीवन साथी मिले, क्योंकि इस मामले में वह कई बार धोखे खाए हैं। भारती की बात सुनकर राधे मां पवन सिंह से सामने आने को कहती हैं। वह फौरन हाथ जोड़कर उनके सामने खड़े हो जाते हैं। राधे मां कुछ देर पवन सिंह की ओर देखती हैं फिर कहती हैं कि इसका दिल बहुत साफ है। इसको 45 साल की उम्र में एक बहुत अच्छी और प्यार करने वाली पत्नी मिलेगी। पवन सिंह यह बात सुनने के बाद राधे मां के सामने सिर झुका लेते हैं और हाथ जोड़कर बैठे होते हैं।

### कानपुर में गंगा उफनाई, नाव से स्कूल जा रहे बच्चे

## यूपी के 80 गांवों में बाढ़, काशी में घाट डूबे, अंतिम संस्कार में परेशानी

वाराणसी/कानपुर/आगरा/मेरठ, 13 अगस्त (एजेंसियां)। पहाड़ों पर हो रही बारिश से यूपी में गंगा, यमुना और शारदा समेत 10 नदियां उफान पर हैं। 80 से ज्यादा गांव बाढ़ की चपेट में हैं। सबसे ज्यादा फर्रुखाबाद में 49 गांवों में बाढ़ है। काशी में घाटों की सीढ़ियों तक पानी पहुंच गया है। 100 से ज्यादा छोटे मंदिर डूब गए हैं। हरिश्चंद्र घाट पर शवदाह स्थल डूब गया है। घाट की ऊपरी सीढ़ियों पर चिताएं जलाई जा रही हैं। लोगों को 2 से 3 घंटे तक शव का अंतिम संस्कार कराने के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। कानपुर में गंगा नदी चेतावनी बिंदु के करीब पहुंच गई है। 5 से ज्यादा गांवों में पानी घुस गया है। बच्चे नाव से स्कूल जा रहे हैं।

सैकड़ों बीघा फसलें जलमग्न हो गई हैं। उन्नाव में गंगा का पानी कॉलोनियों में घुस गया है। छतों पर लोगों की जिंदगी बीत रही है। गलियों में नावें चल रही हैं। लखीमपुर-खीरी में शारदा नदी में अब तक 70 एकड़ जमीन समा चुकी है। रायबरेली में घर में 5 फीट लंबा सांप घुस गया। आज 48 जिलों में बारिश का अलर्ट है। प्रदेश के ज्यादातर शहरों में धूप निकली हुई है।

### जेन जी के वोटों के चक्कर में बाकी मुद्दों की बलि दे रहा विपक्ष

## एफसीआरए बिल पर मायावती का करारा प्रहार

लखनऊ, 13 अगस्त (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) प्रमुख मायावती ने एफसीआरए संशोधन बिल को लेकर सरकार और विपक्ष दोनों पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सरकार इस विधेयक को अति-महत्वपूर्ण बताकर अन्य विधेयकों की तरह ही इसे तुरंत पारित कराना चाहती थी, लेकिन विपक्ष के विरोध के चलते इसे संसद में प्रारंभिक चर्चा के बिना ही संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेज दिया गया। मायावती ने कहा कि यह प्रक्रिया काफी आपाधापी में हुई। मायावती ने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल एफसीआरए संशोधन बिल को सीधे तौर पर अल्पसंख्यक विरोधी बता रहे हैं और इसे वापस लेने की मांग कर रहे हैं।

वहीं, सरकार विदेश फंडिंग के उपयोग में कथित भ्रष्टाचार से जोड़ते हुए इसमें कड़े बदलाव करना चाहती है। उन्होंने कहा कि इससे साफ है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने इस विधेयक का राजनीतिकरण अधिक कर दिया है। मायावती के मुताबिक, विपक्ष को विधेयक पेश किए जाने के दौरान संसद चलने देना चाहिए था, ताकि उसकी कमियों को उजागर किया जा सके और देश के सामने उसकी पूरी जानकारी आती। बसपा प्रमुख ने

आरोप लगाया कि विपक्ष द्वारा संसद की कार्यवाही नहीं चलने देने के कारण सरकार ने ऐसे कई अन्य विधेयक भी मिनटों में पारित करा दिए, जिन्हें विपक्ष को रोकना चाहिए था। उन्होंने कहा कि विपक्ष के ऐसा नहीं करने का सरकार अपने पक्ष में पूरा फायदा उठा रही है। मायावती ने इसे लेकर विपक्ष की 'आंतरिक मिलीभगत' की आशंका जताई।

साथ ही उन्होंने कहा कि विपक्ष शायद जेन जी के वोटों के स्वार्थ में देश के अन्य मुद्दों को पर्याप्त महत्व नहीं दे रहा है। हालांकि, उनके अनुसार वर्तमान परिस्थितियों में जेन जी की समस्याओं के साथ जनहित से जुड़े दूसरे मुद्दों को भी प्राथमिकता मिलनी चाहिए। मायावती ने अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे में गड़बड़ी यानी कथित भ्रष्टाचार का मुद्दा भी संसद में उठाने की बात कही।

उन्होंने कहा कि विपक्ष ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के कारण इस मुद्दे को पीछे कर दिया है, जबकि इस पर संसद में चर्चा होना जरूरी है। अंत में मायावती ने जनता से सत्ता और विपक्ष के बीच संसद सत्र के दौरान चल रही राजनीतिक स्वार्थ की लड़ाई के प्रति सचेत रहने की अपील की। उन्होंने लोगों से देश और आमजन के हित में बसपा से जुड़ने की अपील करते हुए पार्टी की 'सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय' की नीति का उल्लेख किया।

## हादसा या खुदकुशी? गाजियाबाद के होटल में तीसरी मंजिल से गिरकर बिहार के युवक की मौत

गाजियाबाद, 13 अगस्त (एजेंसियां)। नगर कोतवाली क्षेत्र के बजरिया स्थित इंद्र होटल की तीसरी मंजिल से एक युवक नीचे गिर गया। घायल अवस्था में उसे अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से पुलिस घटना की सूचना मिली। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। स्वजन ने इस मामले में तक कोई लिखित में शिकायत नहीं दी। पुलिस यह जांच कर रही है कि युवक खुद कूदा या असंतुलन होकर गिरा। बिहार में ग्राम जरौली पोस्ट हरियाली थाना निर्मली सुपौल निवासी 36 वर्षीय आलोक राय की बहन का दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में उपचार चल रहा है। बजरिया स्थित होटल इंद्र में आलोक के जीजा लालित कामत मैनेजर हैं। आलोक मंगलवार की शाम सर गंगाराम अस्पताल से अपने जीजा ललित से मिलने आए थे। ललित कामत ने अपने साले आलोक को होटल की तीसरी मंजिल पर स्थित गेस्ट रूम में ठहरा दिया। सुबह चार बजे वह दिल्ली जाने के लिए तैयार होने लगे। इसी दौरान बालकनी से आलोक नीचे फर्श पर गिर गए। होटल स्टाफ का दावा है कि आलोक असंतुलित होकर गिरे। होटल का मालिक मौके पर नहीं था। पुलिस ने मौके पर जाकर होटल में छानबीन की थी। पुलिस ने होटल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले हैं। पुलिस का कहना है यदि स्वजन तहरीर देते हैं तो रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

## नवजात के गायब होने और संभावित तस्करी मामले में हाईकोर्ट सख्त, नालंदा के अस्पताल पर कार्रवाई के निर्देश

नालंदा, 13 अगस्त (एजेंसियां)। नालंदा जिले के बिहार शरीफ स्थित 'नवजीवन शिशु अस्पताल' से नवजात शिशु के गायब होने और उसकी संभावित तस्करी के मामले में पटना हाईकोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई है। क्रिमिनल रिट क्षेत्राधिकार मामला संख्या 3338/2025 की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति राजीव रंजन प्रसाद और न्यायमूर्ति रमेश चंद मालवीय की खंडपीठ ने पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आई लापरवाही को गंभीरता से लिया। अदालत ने अस्पताल के खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई करने और जांच में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। सुनवाई के दौरान नालंदा के पुलिस अधीक्षक ने अदालत को बताया कि अस्पताल के प्रभारी डॉ। ब्रजेश कुमार के खिलाफ लगाए गए आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए गए हैं। जांच और जब्त किए गए दस्तावेजों के आधार पर पता चला कि 26 मार्च 2023 को अस्पताल में 3।450 किलोग्राम वजन के एक जीवित बालक का जन्म हुआ था।

जन्म के बाद नवजात को करीब 17 दिनों तक आईसीयू में रखा गया। इस दौरान उसके परिजनों को नवजात से मिलने की अनुमति नहीं दी गई। जांच में यह भी सामने आया कि डॉक्टर ने खुद प्रवेश रजिस्टर में ओवरराइटिंग की थी। रजिस्टर में 'मेल' यानी लड़का शब्द के आगे 'फी' अक्षर जोड़कर उसे 'फीमेल' यानी लड़की कर दिया गया था। पुलिस की जांच में अस्पताल के एनआईसीयू की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी गंभीर खामियां सामने आईं। जांच के दौरान पाया गया कि एनआईसीयू में सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे थे और वहां कोई सुरक्षा गार्ड भी तैनात नहीं था। इसके अलावा अस्पताल के प्रवेश और निकास रजिस्टर भी सही तरीके से मेंटेन नहीं किए जा रहे थे। इन परिस्थितियों को देखते हुए अदालत ने मामले की जांच और अस्पताल की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर चिंता जताई। मामले से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेजों को फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) भेजने में हुई देरी और पुलिस की ओर से दी गई भ्रामक जानकारी पर भी हाईकोर्ट ने नाराजगी जताई।

इसके बाद नालंदा के एसपी ने अदालत को बताया कि विवादित रजिस्टर को एफएसएल पटना के हस्तलेखन विंग को भेज दिया गया है। सुनवाई के दौरान हस्तलेखन विंग के निदेशक भी ऑनलाइन अदालत के समक्ष उपस्थित हुए और जांच पूरी कर 10 दिनों के भीतर रिपोर्ट सौंपने का आश्वासन दिया। एसपी ने यह भी बताया कि मामले की जांच में पहले लापरवाही बरतने वाले जांच अधिकारी के खिलाफ आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के 'पिंकी बनाम उत्तर प्रदेश राज्य' मामले में दिए गए फैसले का भी उल्लेख किया। अदालत ने कहा कि मानव तस्करी जैसे मामलों में अस्पताल का लाइसेंस तत्काल निलंबित किया जाना चाहिए।

## बीजेपी विधायक ने अपने दामाद पर लगाए दूसरी शादी का आरोप, दो महिलाओं के दावों की पुलिस कर रही जांच

सीतापुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। सेवता विधानसभा सीट से भाजपा विधायक ज्ञान तिवारी ने अपने दामाद प्रखर और उसके परिवार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। विधायक का दावा है कि दामाद की एक से अधिक शादियां हो सकती हैं। महाराष्ट्र पुलिस की जांच के बाद सामने आई जानकारी से परिवार को लेकर कई सवाल खड़े हुए हैं। फिलहाल प्रखर फरार है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है। भाजपा विधायक ज्ञान तिवारी ने बताया कि बेटी प्रज्ञा की शादी से पहले उन्होंने प्रखर के परिवार के बारे में कई लोगों से जानकारी जुटाई थी। उन्हें बताया गया था कि परिवार आर्थिक रूप से मजबूत और समाज में प्रतिष्ठित है। इसी भरोसे के बाद फरवरी 2024 में उनकी बेटी प्रज्ञा की शादी 31 वर्षीय प्रखर से हुई थी। विधायक के मुताबिक, शादी के बाद तक उन्हें परिवार की कथित गतिविधियों की जानकारी नहीं थी। मामला तब सामने आया जब महाराष्ट्र पुलिस किसी जांच के सिलसिले में सीतापुर पहुंची और परिवार से पूछताछ शुरू की।

ज्ञान तिवारी ने अपनी बेटी के ससुर अनुज त्रिवेदी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। विधायक ने आरोप लगाया कि शादी से पहले परिवार ने अपनी कथित आपराधिक पृष्ठभूमि छिपाई और अलग-अलग पहचान के जरिए कई शादियां कीं। पुलिस के मुताबिक, अनुज त्रिवेदी के बेटे और विधायक के दामाद प्रखर के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है। प्रखर फिलहाल फरार है

### डॉक्टर से मारपीट पर भड़के अखिलेश यादव

## योगी से की कार्रवाई की मांग

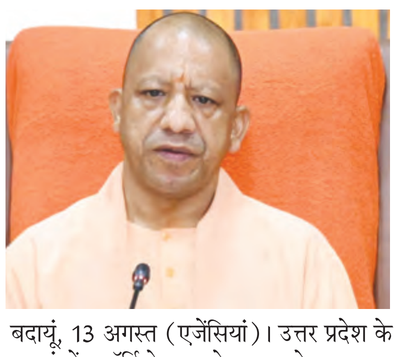

बदायूं, 13 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बदायूं में स्कॉर्पियो कार से टक्कर के बाद गाय की मौत हो गई, जिससे ग़ुस्साए स्थानीय लोगों ने डॉक्टर के साथ बेरहमी से मारपीट की। इस घटना को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तीखा हमला किया है। उन्होंने आरोपियों की एआई से पहचान कराकर मुकदमा दर्ज करने की माँग की है। सपा अध्यक्ष ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर बदायूं में डॉक्टर की पिटाई मामले की आलोचना की। उन्होंने लिखा- 'बदायूं में डॉक्टर के साथ हुए दुर्व्यवहार और अमानवीय तरीके से की गई मारपीट से केवल उप्र ही नहीं पूरे देश के डॉक्टर आक्रोशित हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री-स्वास्थ्य मंत्री इस मामले में संलिप्त लोगों की एआई से पहचान करवाकर आरोपियों पर तुरंत प्राणघातक हमला करने का मुक़दमा दर्ज़ करें। यदि कार्रवाई नहीं हुई और डॉक्टर समुदाय आंदोलित हो गये तो बीमारियों के इस मौसम में प्रदेश की पहले से लचर स्वास्थ्य व्यवस्था बुरी तरह चरमरा जाएगी, जिसका ख़ामियाज़ा बीमार लोगों को भुगतना पड़ेगा और राजनीतिक रूप से आख़िर में सरकार को भी।' बता दें कि 11 अगस्त को बदायूं के अलापुर थाना क्षेत्र में सरकारी अस्पताल के डॉक्टर राहुल सिद्धार्थ की कार से गाय की टक्कर हो गई थी, जिसके गाय का मौत हो गई। इस घटना के बाद मौजूदा गांव के लोगों डॉ राहुल के साथ बेरहमी से मारपीट की। इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसके बाद इसे लेकर कई तरह की प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। घटना की सूचना मिलने पहुंची पुलिस ने किसी तरह डॉक्टर को भीड़ से बचाया, तब जाकर उनकी जान बच सकी। पुलिस ने इस मामले में अभियोग पंजीकृत कर लिया है। चार नामजद अभियुक्तों को गिरफ्तार भी किया गया है। आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

## सपा सरकार में पार्क को कब्रिस्तान बनाने का खेल माफिया अतीक की मिली थी शह अब सीएम योगी लेंगे एक्शन?

प्रयागराज, 13 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां पार्क की जमीन पर कब्जा कर, उसे कब्रिस्तान बनाने का प्रयास किया गया है। पार्क पर कब्जे के 20 साल बाद मेयर ने सीएम योगी को पत्र लिखा, जिससे इस मामले का खुलासा हुआ है। मेयर उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी ने सीएम योगी से पार्क की जमीन को कब्रिस्तान के कब्जे से मुक्त कराए जाने के साथ ही दोबारा पार्क की स्थिति बहाल किए जाने की मांग की है। मेयर के पत्र से हुए इस खुलासे से हड़कंप मचा हुआ है। मेयर के पत्र के मुताबिक पटेल नगर हाउसिंग स्कीम दरियाबाद में पार्क की जगह लेआउट में चिन्हित थी।

इस प्लान में पार्क प्लेग्राउंड एक त्रिकोण के रूप में दर्शाया गया था। इस पार्क का उपयोग कॉलोनी के बच्चे खेलकूद के लिए और सभी सामाजिक कार्य में लगभग 2006 तक उपयोग करते रहे। लेकिन 2006 में तत्कालीन सपा की सरकार में अचानक अवैध रूप से पार्क को दरियाबाद कब्रिस्तान में मिला दिया। 3 दिन की सार्वजनिक छुट्टी 14, 15 और 18 अगस्त 2006 को असामाजिक तत्वों द्वारा हजारों मजदूरों को लगाकर तीन दिन के अंदर कच्ची पक्की दीवार चारों ओर से खड़ी करा दी गई।

## आरजेडी के मार्च पर पप्पू यादव बोले

### 'राजनीतिक एजेंडा स्वीकार नहीं करेंगे लोग' तेजस्वी को दी राहुल से सीखने की सलाह

पटना, 13 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने 19 अगस्त को तेजस्वी यादव के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राजभवन मार्च को लेकर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि लोग अब राजनीतिक एजेंडे को स्वीकार नहीं करेंगे। साथ ही, पप्पू यादव ने तेजस्वी को राहुल गांधी और अखिलेश यादव के सीखने की सलाह दी। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए सांसद पप्पू यादव ने राजद के मार्च पर कहा, जेन-जी और अल्फा के आने से राजनीति का स्वरूप बदल गया है। लोगों का राजनीतिक दलों से भरोसा उठ गया है, सिवाय शायद एक-दो प्रतिशत नेताओं के।

लगभग 98-99 प्रतिशत नेता बिहार के भविष्य के बारे में देखना पसंद नहीं करते। बिहार भी ऐसे लोगों के बारे में सोचना नहीं चाहता। उन्होंने आगे कहा, अगर वे (तेजस्वी यादव) कुछ सीखना चाहते हैं, तो उन्हें राहुल गांधी और अखिलेश यादव से सीखना चाहिए। लेकिन सीखने की कोई इच्छा नहीं है। वे कुंभकर्ण की तरह गहरी नींद में ही रहना चाहते हैं। इसलिए, लोग अब राजनीतिक एजेंडे को स्वीकार नहीं करेंगे और राजनीतिक एजेंडे का आम लोगों से कोई लेना-देना नहीं रह जाएगा। इसलिए राजनीतिक पार्टियों, खासकर छोटे दलों की दुकानें खत्म होने जा रही हैं। वहीं, बिहार में शराबबंदी पर एनसीईआर की स्टडी के बारे में पप्पू यादव ने कहा, बिहार में असल में क्या सफल हुआ है? शराबबंदी फेल हो गई है, ड्रग्स हर घर तक पहुंच गया है और अपराध बहुत बढ़ गया है। ऐसा लगता है कि सिर्फ नेता और अधिकारी ही खुद को बचा पा रहे हैं। आम आदमी भगवान भरोसे है।

गरीबी चरम पर है। सांसद ने कहा कि सरकार में बहुत अधिक भ्रष्टाचार है। जिस चीज की कीमत एक हजार रुपए है, उसका बिल 15 हजार रुपए बनाया जा रहा है। नगर निगमों में भी भ्रष्टाचार है। अस्पतालों से लेकर नगर निगमों तक, अरबों-खरबों रुपये लूटे गए हैं। उन्होंने अपनी बातों को दोहराते हुए कहा कि शराबबंदी कभी सफल नहीं रही। शराबबंदी के तरीकों को बदलने की जरूरत थी और उसका मूल्यांकन किया जाना चाहिए था।

## प्रदर्शन बनाम प्रदर्शन: हंगामे की भेंट चढ़ा संसद का मानसून सत्र

# विपक्ष का आरोप- सदन चलाना सरकार की जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। संसद का मानसून सत्र आज खत्म होने जा रहा है। लोकसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई है। हालांकि अभी राज्यसभा में चर्चा जारी है। बहरहाल यह पूरा सत्र हंगामे की भेंट चढ़ गया और संसद में कोई उल्लेखनीय काम नहीं हो सका। गुरुवार को भी संसद परिसर में सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने दिखे और दोनों ही पक्षों ने अपने-अपने मुद्दों पर विरोध प्रदर्शन किया। सत्ताधारी भाजपा ने झारखंड में छात्र आंदोलन के मुद्दे पर विपक्षी दलों को घेरा।

संसद परिसर के मकर द्वार पर भाजपा सांसदों ने धरना प्रदर्शन किया और नेता विपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा। वहीं विपक्षी सांसदों ने भी सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया।

कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने एक बंदर की छोटी प्रतिमा के साथ विवादित नारेबाजी करते हुए कहा कि '56 इंच का छोटा बंदर, जल्दी आओ सदन के अंदर'। टीएमसी सांसद सौगत राय ने कहा कि सदन चलाना विपक्ष की नहीं बल्कि सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी होती है, लेकिन सरकार ऐसा करने में असफल रही। टीएमसी सांसद ने कहा, 'विपक्ष गृह मंत्री अमित शाह के भाषण सुनने में दिलचस्पी नहीं रखता है। हम बस ये चाहते हैं कि सरकार ये बताए कि पैलेट गन चलाने के आदेश किसने दिए, लेकिन अभी तक इसका जवाब नहीं मिला है।' कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला ने कहा कि 'सरकार की जवाबदेही होनी चाहिए। सरकार की वजह से पूरा संसद सत्र हंगामे की भेंट चढ़ गया।' कांग्रेस सांसद ने कहा कि संसद सत्र के आखिर में आकर अमित शाह ने कहा कि वे सभी सवालों के जवाब देने के लिए तैयार हैं, लेकिन हम पूछना चाहते हैं कि बीते 20 दिनों से वे कहां थे। अमित शाह लगातार संसद आ रहे थे, लेकिन वे सदन नहीं आए। इससे पता चलता है कि वे खुद नहीं चाहते कि सदन चले। विपक्ष का काम मुद्दे उठाना है और सरकार का काम जवाब देना। अगर उन्होंने राहुल गांधी की बात पहले ही सुन ली होती तो आज ये स्थिति नहीं बनती।

> विपक्ष गृह मंत्री अमित शाह के भाषण सुनने में दिलचस्पी नहीं रखता है। हम बस ये चाहते हैं कि सरकार ये बताए कि पैलेट गन चलाने के आदेश किसने दिए, लेकिन अभी तक इसका जवाब नहीं मिला है।

**सौगत राय**
टीएमसी सांसद

> राहुल गांधी अपने घर की तरह सदन चलाना चाहते हैं। संसद, संसदीय व्यवस्था के आधार पर चलती है। राहुल गांधी ने सोचा कि उनकी वजह से धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा हुआ और अब वे अमित शाह और पीएम से भी इस्तीफा देने की मांग कर रहे हैं।

**गिरिराज सिंह**
केंद्रीय मंत्री

### गिरिराज सिंह बोले- लोकतंत्र किसी की जागीर नहीं

वहीं सत्ता पक्ष की ओर से केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी को हंगामे का जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अपने घर की तरह सदन चलाना चाहते हैं। संसद, संसदीय व्यवस्था के आधार पर चलती है। राहुल गांधी ने सोचा कि उनकी वजह से धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा हुआ और अब वे गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री से भी इस्तीफा देने की मांग कर रहे हैं। लेकिन लोकतंत्र किसी की जागीर नहीं है।

## भिखारियों से ठगी, 200-200 रुपये के नकली नोट देकर हजारों की चिल्लर ले उड़े शातिर

सीहोर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। जिले के प्रसिद्ध कुबरेश्वर धाम में भिखारियों से ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। मंदिर परिसर में भीख मांगकर गुज़ारा करने वाले तीन से चार गरीब वृद्धों और दिव्यांग व्यक्तियों के साथ एक अज्ञात बदमाश ने धोखाधड़ी की। शातिर आरोपी ने उन्हें 200-200 रुपये के नकली नोट देकर चिल्लर के नाम पर करीब 8 से 10 हजार रुपये ले लिए। यह घटना मंडी थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, कुछ अज्ञात लोग मंदिर परिसर पहुंचे और वहां मौजूद भिखारियों से बातचीत करने लगे। इस दौरान काला कोट पहने एक व्यक्ति ने कहा कि उसकी पत्नी कुबरेश्वर धाम में चिल्लर चढ़ाना चाहती है, इसलिए उसे छोटे सिक्कों की जरूरत है।

इसी बहाने उसने भिखारियों को नकली 200-200 के नोट थमाए और उनसे चिल्लर लेकर तुरंत वहां से गायब हो गया। थोड़ी देर बाद जब पीड़ितों ने इन नोटों का उपयोग करने की कोशिश की, तो उन्हें पता चला कि नोट नकली हैं। एक भिखारी ने बताया कि जब वह नाश्ता खरीदने दुकान पर पहुंचा और दिए गए नोट से भुगतान करना चाहा, तब दुकानदार ने नोट को नकली बताया, जिससे उसके होश उड़ गए। पीड़ितों का कहना है कि आरोपी ने उनकी गरीबी का फायदा उठाकर उन्हें निशाना बनाया और भाग निकला। हालांकि पीड़ितों ने गरीबी, असहायता और डर के कारण पुलिस में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई, जिससे आरोपी बेखौफ चलता बना।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कुबरेश्वर धाम में प्रतिदिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रहती है, जिसके कारण यहां कई गरीब लोग भीख मांगकर जीवन यापन करते हैं। इसी भीड़ का फायदा उठाकर ठग ने आसानी से अपराध को अंजाम दे दिया। ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने मांग की है कि कुबरेश्वर धाम में सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा किया जाए, ताकि इस तरह की घटनाओं पर रोक लगे और गरीबों को न्याय मिल सके।

## ऊना में सो रहे परिवार को नशीला पदार्थ सुंघाकर वारदात, ताले तोड़कर 14 लाख रुपये की चोरी

ऊना, 13 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले में सनसनीखेज वारदात हुई है। थाना कलां के मंझेड़ गांव में देर रात चोरों ने एक घर में सेंध लगाकर परिवार को नशीला पदार्थ सुंघाकर 14 लाख रुपये की चोरी कर दी। चोर घर से करीब 2 लाख रुपये नकद और लगभग 12 लाख रुपये के सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए। वारदात के दौरान परिवार के सदस्यों को नशीला पदार्थ सुंघाकर बेहोश किए जाने की बात सामने आई है। जानकारी के अनुसार विक्रम सिंह का परिवार बुधवार रात खाना खाने के बाद घर में सो गया था। इसी दौरान अज्ञात चोर मकान के एक कमरे की पिछली दीवार में लगी लोहे की ग्रिल को उखाड़कर अंदर दाखिल हुए। आरोप है कि चोरों ने पहले परिवार के सदस्यों को नशीला पदार्थ सुंघाया, जिससे वे गहरी नींद में चले गए। इसके बाद चोरों ने कमरे में रखी अलमारी के ताले तोड़ दिए और उसमें रखा करीब 2 लाख रुपये का कैश तथा लगभग 12 लाख रुपये कीमत के सोने और चांदी के आभूषण चोरी कर लिए।

## आय से अधिक संपत्ति मामला शीर्ष कोर्ट पहुंचे राहुल गांधी

# इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को दी चुनौती; क्या है केस?

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उन आदेशों को चुनौती दी है, जिनमें केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को उनके खिलाफ लगाए गए आय से अधिक संपत्ति के आरोपों की जांच करने को कहा गया था। ये आरोप भाजपा के एक कार्यकर्ता ने लगाए हैं।

आरोप है कि राहुल गांधी के पास उनकी आय के मुकाबले ज्यादा संपत्ति है। लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, कर्नाटक के रहने वाले भाजपा कार्यकर्ता विग्नेश शिशिर की शिकायत पर कोर्ट ने सीबीआई और ईडी को जांच करने को कहा गया था।

हाईकोर्ट ने मई में दिए अपने आदेश में कहा था कि अगर याचिकाकर्ता की शिकायत मिली है, तो उसमें लगाए गए आरोपों की कानून के मुताबिक जांच की जानी चाहिए।

कोर्ट ने कहा था कि सीबीआई या ईडी कानून के तहत जो भी जरूरी कदम उठा सकते हैं, वे उठा सकते हैं।

इसके बाद हाईकोर्ट ने दोनों जांच एजेंसियों को जांच में हुई प्रगति की जानकारी कोर्ट को देने का निर्देश दिया था। 20 जुलाई को दिए अपने अगले आदेश में हाईकोर्ट ने सीबीआई के हलफनामे पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा कि सीबीआई का हलफनामा उसके पहले दिए गए निर्देश के मुताबिक नहीं था। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि ईडी ने जरूरी कदम उठाए हैं। कोर्ट ने कहा कि जांच के दौरान अगर ईडी को कोई जानकारी मिलती है, तो वह कानून के मुताबिक जरूरी कार्रवाई कर सकती है। इसके बाद हाईकोर्ट ने मामले पर आगे सुनवाई के लिए 20 अगस्त की तारीख तय की।

राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट में एक अलग याचिका भी दाखिल की है। इसमें उन्होंने इस मामले को इलाहाबाद हाईकोर्ट से दिल्ली हाईकोर्ट स्थानांतरित करने की मांग की है। दोनों याचिकाएं 7 अगस्त को दाखिल की गई हैं। सुप्रीम कोर्ट में 17 अगस्त को इन पर सुनवाई होने की संभावना है। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ कर सकती है।

## महाकाल की नगरी में गूंजेगा कांग्रेस का शंखनाद
## राहुल गांधी के दौरे से मालवा-निमाड़ में बढ़ेगा उत्साह

उज्जैन, 13 अगस्त (एजेंसियां)। बाबा महाकाल की पावन नगरी उज्जैन जल्द ही एक बड़े राष्ट्रीय राजनीतिक घटनाक्रम की साक्षी बनने जा रही है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का बहुप्रतीक्षित उज्जैन दौरा सितंबर में प्रस्तावित है, जिसे लेकर पूरे मालवा और निमाड़ अंचल के कांग्रेसियों में ऊर्जा और उत्साह की नई लहर दौड़ गई है। राहुल गांधी अपने इस दौरे की शुरुआत विश्वप्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग बाबा महाकाल के दर पर मत्था टेककर आशीर्वाद लेने के साथ करेंगे।

उज्जैन नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष रवि राय ने बताया कि यह दौरा महज एक औपचारिक यात्रा न होकर मध्य प्रदेश में कांग्रेस को जमीनी स्तर पर पुनर्जीवित करने और संगठन को बूथ स्तर तक नई धार देने का बड़ा जरिया बनने जा रहा है। दौरे की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें केवल बड़े नेताओं का जमघट नहीं होगा, बल्कि संगठन सृजन अभियान के तहत राहुल गांधी सीधे जमीनी सिपाहियों और कार्यकर्ताओं से संवाद कर संगठन की वास्तविक नब्ज टटोलेंगे। इस भव्य संवाद कार्यक्रम में उज्जैन संभाग के विभिन्न जिलों रतलाम, देवास, शाजापुर, आगर मालवा, मंदसौर और नीमच के हजारों पदाधिकारी और कार्यकर्ता शिरकत करेंगे। राहुल गांधी जिला व ब्लॉक अध्यक्षों के साथ-साथ मंडल, ग्राम पंचायत अध्यक्षों और बीएलए-2 स्तर के समर्पित कार्यकर्ताओं से सीधे रूबरू होकर बूथ स्तर की वास्तविक स्थिति, संगठन की सक्रियता और आगामी राजनीतिक रणनीतियों पर फीडबैक लेंगे। इस प्रस्तावित दौरे की आधिकारिक तारीखों का ऐलान होना अभी बाकी है, लेकिन उज्जैन में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। कार्यक्रम और संभावित जनसभा के लिए उज्जैन के कार्तिक मेला ग्राउंड को विकल्पों के रूप में देखा जा रहा है।

नगर निगम में प्रतिपक्ष के नेता रवि राय सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं का कहना है कि आधिकारिक घोषणा से पहले ही संगठन के हर स्तर पर व्यवस्थाएं दुरुस्त की जा रही हैं। उज्जैन के इस बड़े आयोजन के सफल समापन के बाद इसी तर्ज पर रीवा संभाग में भी कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है।

# पीठ पर स्कूली बैग, तन पर ड्रेस

## महंगे शौक के लिए प्रेमी संग गांजा तस्करी कर रही थी प्रेमिका, तरीका देख सन्न रह गई पुलिस

जबलपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। कंधे पर पिट्ठु बैग, तन पर स्कूली ड्रेस... देखने में सीधे-साधे कॉलेज स्टूडेंट, लेकिन बैग खोला तो निकली ऐसी हकीकत जिसे देखकर खाकी भी हैरान रह गई। किताबों की जगह बैग में ठूंस-ठूंस कर भरे थे गांजे के पैकेट। महंगे शौक, चमचमाती लाइफस्टाइल और मेकअप के बेहिसाब खर्चों ने 19 साल की युवती को तो नशे का सौदागर बनाया ही, साथ ही उसके महंगे शौक पूरा करने के चक्कर में 22 वर्षीय युवक भी इस काले कारोबार का हिस्सा बन गया।

क्राइम ब्रांच और बरगी पुलिस की संयुक्त टीम ने बरगी बायपास इलाके से एक 22 वर्षीय युवक और 19 वर्षीय युवती को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी पीठ पर स्कूली बैग लादे बरगी बायपास स्थित नेचर ढाबा के सामने 'साई टी स्टॉल' के पास खड़े किसी बड़े खरीदार का इंतजार कर रहे थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (अपराध) जितेन्द्र सिंह ने बताया कि क्राइम ब्रांच की टीम लगातार अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ में जुटी थी। 11 अगस्त को पुलिस को मुखबिर से पक्की खबर मिली कि बरगी बायपास पर साई टी स्टॉल के पास एक लड़का-लड़की संदिग्ध हालत में खड़े हैं। देखने में वे कॉलेज स्टूडेंट लग रहे हैं, लेकिन उनके पास मौजूद पिट्ठू बैग में भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ है। सूचना मिलते ही संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और दोनों को दबोच लिया।

जब पुलिस ने दोनों से पूछताछ की तो युवक ने अपना नाम 22 वर्षीय हिमांशु बावरिया (निवासी गढ़ा, जबलपुर) और युवती ने अपना नाम 19 वर्षीय संध्या सरोते (मूल निवासी डिंडौरी, हाल निवासी गोरखपुर, जबलपुर) बताया। पुलिस ने जब संध्या और हिमांशु के नीले रंग के बैगों की तलाशी ली, तो अधिकारियों के होश उड़ गए।

# दिल्ली-एनसीआर में वारदात से पहले 'गैंगलैंड' गैंग के 3 शूटर गिरफ्तार

### स्कॉर्पियो से घूमकर टारगेट का कर रहे थे तलाश

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। पुलिस की स्पेशल सेल ने तीन शूटर गिरफ्तार कर वारदात से पहले बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। गिरफ्तार आरोपी मथुरा बेस्ड नवगठित 'गैंगलैंड' गैंग के सदस्य बताए गए हैं। गैंग का सरगना कन्हा सिंह जडौल उर्फ कन्हा ठाकुर है, जो गैंगस्टर रोहित गोदारा गैंग का बदमाश बताया गया है। आरोपी दिल्ली-एनसीआर में फिरौती के लिए फायरिंग करने और कारोबारियों/वाहनों को निशाना बनाने की तैयारी में थे। पुलिस ने आरोपियों को वारदात को अंजाम देने से पहले ही दबोच लिया। आरोपियों के कब्जे से 3 पिस्टल, 11 जिंदा कारतूस और एक स्कॉर्पियो कार बरामद हुई है। बरामद हथियारों में 30 बोर की एक ऑटोमैटिक पिस्टल, 5 जिंदा कारतूस और दो सिंगल-शॉट पिस्टल, एक-एक जिंदा कारतूस शामिल है।

पुलिस को खुफिया जानकारी मिली थी कि 'गैंगलैंड' गैंग के सदस्य दिल्ली-एनसीआर में सॉफ्ट टारगेट तलाश रहे हैं। गैंग का मकसद कार्यालयों या वाहनों पर फायरिंग कर दहशत फैलाना और जल्दी पैसा/फिरौती वसूलना था। पुख्ता सूचना के आधार पर 29-30 जुलाई 2026 की दरम्यानी रात द्वारका इलाके में ट्रैप लगाकर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के समय आरोपी स्कॉर्पियो कार में घूमकर टारगेट तलाश रहे थे। कन्हा सिंह जडौल उर्फ कन्हा ठाकुर, उम्र 26 साल, मूल रूप से मथुरा का रहने वाला बताया गया है। बाद में उसका परिवार जयपुर शिफ्ट हो गया था। कन्हा ने जयपुर के सुबोध कॉलेज से ग्रेजुएशन किया।

कॉलेज के दौरान ही उसने अपराध की राह चुनी। कन्हा ने मथुरा के एक साथी भूषण के साथ मिलकर 'गैंगलैंड' गैंग बनाया। गैंग के सदस्य सोशल मीडिया पर अपनी आपराधिक गतिविधियों का प्रदर्शन करते थे। बाद में गैंग ने फरार गैंगस्टर रोहित गोदारा के गैंग को फॉलो करना शुरू किया। कन्हा ने वल्लभा चर्या और सूरज को अपने गैंग में शामिल किया। साल 2023 में कन्हा और उसके साथियों पर कॉन्ट्रैक्ट किलिंग के तहत एक व्यक्ति की हत्या करने का आरोप है।

# आरजी कर मामले में मिली बड़ी सफलता

## टीएमसी के पूर्व विधायक निर्मल घोष ओडिशा से गिरफ्तार

कोलकाता, 13 अगस्त (एजेंसियां)। आरजी कर मामले में पश्चिम बंगाल पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। दरअसल टीएमसी के पूर्व विधायक निर्मल घोष को पुलिस ने ओडिशा से गिरफ्तार किया है। निर्मल घोष पर आरजी कर मामले में कथित तौर पर सबूत मिटाने का आरोप है। बीती 9 अगस्त को ही सीएम शुभेंदु अधिकारी ने पुलिस को निर्देश दिया था कि पीड़िता के अंतिम संस्कार के मामले में नया केस दर्ज करें और फिर मामले की जांच करें। आरोप है कि पीड़िता का अंतिम संस्कार निर्मल घोष की मौजूदगी में ही पानीहाटी में जल्दबाजी में किया गया था। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने पीड़िता के अंतिम संस्कार की फीस माफ किए जाने, दस्तावेजों पर परिवार के सदस्यों के हस्ताक्षर न होने पर सवाल उठाए थे।

सीएम ने निर्मल घोष, पीड़िता के पड़ोसी संजय मुखर्जी और काउंसलर सोमनाथ डे की भूमिका की जांच करने का निर्देश दिया था। पीड़िता के पिता ने खारदाह पुलिस स्टेशन में जो एफआईआर दर्ज कराई थी, उसमें घोष और दो अन्य के नाम शामिल थे। पीड़िता के पिता ने अपने शिकायत में कहा कि अंतिम संस्कार जल्दबाजी में किया गया, जिससे सबूत इकट्ठा

करने और दूसरी ऑटोप्सी की संभावना खत्म हो गई। आरजी कर मामले की जांच फिलहाल सीबीआई द्वारा की जा रही है।

अब सीएम के निर्देश पर सबूत मिटाने के मामले में नया मामला दर्ज किया गया, जिसकी जांच बंगाल पुलिस द्वारा की जा रही है। 31 वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट ट्रेनी डॉक्टर 9 अगस्त 2024 को आरजी कर मेडिकल कॉलेज के सेमिनार रूम में मृत पाई गई थी। जांच में पता चला कि पीड़िता की दुष्कर्म के बाद बेरहमी से हत्या की गई। पुलिस के अनुसार, पीड़िता के शव को जल्दबाजी में पानीहाटी में अंतिम संस्कार किया गया। जांच में पता चला कि दो शवों का अंतिम संस्कार पहले होना था, लेकिन उन्हें रोककर पीड़िता का अंतिम संस्कार पहले और जल्दबाजी में किया गया।

## 77 वर्षीय बुजुर्ग ने दान कर दी 100 करोड़ रुपये की संपत्ति मेडिकल कॉलेज के नाम किया जमीन और बंगला

हमीरपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के नादौन के जोलसप्पड़ निवासी 77 वर्षीय प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ राजेंद्र कंवर ने कुछ ऐसा किया है जो हर किसी के बस की बात नहीं होती। उन्होंने अपनी और अपनी दिवंगत धर्मपत्नी कृष्णा कंवर द्वारा अर्जित करीब 100 करोड़ रुपये की संपत्ति प्रदेश सरकार को गिफ्ट कर दी है। साल 2021 में डॉ. कंवर ने अपनी तमाम चल-अचल संपत्ति सरकार के नाम वसीयत की थी, जबकि अब 5 अगस्त 2026 को उन्होंने अपने जीवनकाल में ही स्वेच्छा और होशोहवास में गिफ्ट डीड कर संपत्ति सरकार के हवाले कर दी।

गिफ्ट डीड के बाद संबंधित भूमि का इंतकाल भी प्रदेश सरकार यानी डॉ. राधाकृष्णन राजकीय मेडिकल कॉलेज हमीरपुर के नाम दर्ज हो चुका है। डॉ. कंवर ने मृत्यु के बाद अपनी देह प्रशिक्षु डॉक्टरों के अध्ययन के लिए दान करने का भी निर्णय लिया है और इसके लिए मेडिकल कॉलेज के एनाटॉमी विभाग को लिखित सहमति देने के साथ पहचान पत्र भी प्राप्त किया है। डॉ. राजेंद्र कंवर ने बताया कि उन्होंने और उनकी धर्मपत्नी ने जीवनकाल में ही अपनी संपत्ति समाज के हित में देने का निर्णय लिया था। उनकी कोई संतान नहीं है। गिफ्ट डीड में दो मंजिला बंगले सहित करीब पांच कनाल पांच मरला जमीन, करोड़ों रुपये के आभूषण, कार, फर्नीचर तथा बैंक में जमा धनराशि समेत अन्य संपत्तियां शामिल हैं। वर्तमान बाजार मूल्य के अनुसार इस पूरी संपत्ति की कीमत 100 करोड़ रुपये से अधिक आंकी जा सकती है। डॉ. कंवर की इच्छा है कि इस संपत्ति का उपयोग स्वास्थ्य क्षेत्र में जरूरतमंद लोगों के लिए किया जाए और यहां जेरियाट्रिक केयर, ओल्ड एज होम या स्वास्थ्य संबंधी कोई विशेष सुविधा विकसित की जाए। वह चाहते हैं कि भविष्य में संस्थान का नाम उनकी दिवंगत पत्नी की स्मृति में 'कृष्णा राजेंद्र' के नाम से रखा जाए।

डॉ. कंवर की धर्मपत्नी कृष्णा कंवर शिक्षा विभाग में करीब 32 वर्षों तक सेवाएं देने के बाद वर्ष 2011 में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बड़ा से प्रधानाचार्य के पद से सेवानिवृत्त हुई थीं। उनका 6 दिसंबर 2020 को निधन हो गया था। उनके निधन से पहले ही दंपति ने अपनी संपत्ति समाज को समर्पित करने का निर्णय ले लिया था। डॉ. राजेंद्र कंवर स्वास्थ्य विभाग में 3 जनवरी 1977 को मेडिकल ऑफिसर के रूप में नियुक्त हुए थे और करीब 33 वर्षों तक सरकारी सेवा देने के बाद वर्ष 2010 में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कांगू से वरिष्ठ चिकित्सक के पद से सेवानिवृत्त हुए।

# 'सवाल पूछते हैं, जवाब नहीं सुनते'

## संसद में हो रहे विरोध पर कंगना का राहुल पर हमला, कहा- ये कैसा व्यवहार है?

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। भाजपा सांसद कंगना रनौत ने गुरुवार को संसद में विपक्ष के लगातार विरोध-प्रदर्शन की आलोचना की। उन्होंने विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि वे सरकार से जवाब तो मांगते हैं, लेकिन साथ ही चर्चा होने भी नहीं देते। रनौत ने कहा, 'यह बेहद आपत्तिजनक है। उन्होंने यहां का माहौल पूरी तरह से खराब कर दिया है। हालात दिन-ब-दिन बिगड़ते जा रहे हैं।' छात्रों के विरोध-प्रदर्शन और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बयान की मांग को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच जारी गतिरोध के बीच उनकी ये टिप्पणी आई है। विपक्ष दिल्ली में विरोध कर रहे छात्रों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई को लेकर सरकार से जवाब मांग रहा है। वहीं, सरकार का कहना है कि इस मामले पर संसद में चर्चा हो सकती है। बुधवार को संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि अमित शाह छात्र विरोध-प्रदर्शन पर चर्चा में भाग लेने और विपक्ष द्वारा उठाए गए मुद्दों का जवाब देने के लिए तैयार हैं। रनौत ने विपक्ष के रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा, 'एक तरफ राहुल गांधी गृह मंत्रालय से सवाल पूछते हैं, फिर भी वे कहते हैं कि वे गृह मंत्रालय को बोलने नहीं देंगे। यह कैसा व्यवहार है?' वे चर्चा की मांग करते हैं, लेकिन जब मौका दिया जाता है, तो वे कहते हैं कि उन्हें जवाब नहीं चाहिए।' बता दें कि अमित शाह ने विपक्ष की ओर से उठाए गए सवालों पर विस्तार से चर्चा करने और उनका जवाब देने की पेशकश की थी। हालांकि, राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष गृह मंत्री का भाषण सुनने में दिलचस्पी नहीं रखता, बल्कि वह यह जानना चाहता है कि छात्रों के खिलाफ कथित बल प्रयोग का आदेश किसने दिया था। रनौत ने विपक्ष पर ठोस मुद्दों की कमी का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, 'इसका मतलब है कि उनके पास कोई असली मुद्दा नहीं है। विपक्ष के पास किसी भी ठोस मुद्दे की कमी है।' विकास, देश की तरक्की, अर्थव्यवस्था या सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर बात करने के लिए कुछ न बचा होने के कारण, वे बस यहां नौटंकी कर रहे हैं।' रनौत ने कहा कि विपक्ष को विरोध-प्रदर्शन जारी रखने के बजाय संसद को चलने देना चाहिए और चर्चा में हिस्सा लेना चाहिए।

# जेल से बाहर आएगा सीएम बेअंत सिंह की हत्या का दोषी, राज्यपाल बोले- सिफारिश की है

चंडीगढ़, 13 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे जगतार सिंह हवारा को पैरोल देने की सिफारिश की है, ताकि वह अपनी बीमार मां से मिल सके। कटारिया का यह बयान मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा हवारा को पैरोल दिलाने के लिए उनसे हस्तक्षेप की मांग करने के एक दिन बाद आया है। राज्यपाल ने यहां 'हर घर तिरंगा-वॉकथॉन' के दौरान संवाददाताओं से बातचीत में कहा, 'उसकी (हवारा) मां बीमार है। हमने मानवीय आधार उसके मामले में सिफारिश की है।' मान ने बुधवार को मानवीय आधार पर हवारा की पैरोल का समर्थन करते हुए कहा कि उसकी बीमार मां को 31 साल बाद अपने बेटे से मिलने की 'नयी उम्मीद' जगी है। मुख्यमंत्री ने कहा था कि कटारिया चंडीगढ़ के प्रशासक भी हैं और उन्हें भरोसा दिलाया कि वह इस मामले को केंद्रीय गृह सचिव के सामने उठाएंगे। मान ने इससे पहले कटारिया को पत्र लिखकर मानवीय आधार पर हवारा को 10 दिन की पैरोल देने की सिफारिश की थी। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)नेता रवनीत सिंह बिट्टू ने भी मानवीय आधार पर पैरोल की अर्जी का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि हवारा की बुज़ुर्ग और बीमार मां को अपने बेटे के कृत्यों की सज़ा नहीं मिलनी चाहिए। बिट्टू, बेअंत सिंह के पोते हैं जिनकी हत्या के मामले में हवारा को दोषी करार दिया गया है।

पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने पिछले महीने दिल्ली की मंडोली जेल (जहां हवारा बंद है) के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे चंडीगढ़ प्रशासन की सिफारिशें लेने के बाद हवारा की पैरोल अर्जी पर एक तय समय-सीमा के भीतर फ़ैसला लें। हवारा को निचली अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी, लेकिन उच्च न्यायालय ने इसे उम्रकैद में तब्दील कर दिया था। वह 31 अगस्त 1995 को चंडीगढ़ में सचिवालय के प्रवेश द्वार पर हुए विस्फोट से संबंधित मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। इस हमले में बेअंत सिंह और 16 अन्य लोग मारे गए थे।

# ट्रम्प की वफादार कैरोलिन लेविट ने नौकरी छोड़ी

## पत्रकारों पर तंज के लिए मशहूर थीं, कहा- अच्छी मां बनना चाहती हूं

वॉशिंगटन, 13 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में गिनी जाने वाली व्हाइट हाउस प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। 28 साल की लेविट इस महीने के आखिर में व्हाइट हाउस छोड़ देंगी।

ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि लेविट अब अपने परिवार और दो छोटे बच्चों को ज्यादा समय देना चाहती हैं। हालांकि, वह ट्रम्प की बाहरी सलाहकार बनी रहेंगी और रिपब्लिकन पार्टी के लिए काम करती रहेंगी।

लेविट 27 साल की उम्र में अमेरिका के इतिहास की सबसे कम उम्र की व्हाइट हाउस प्रेस सचिव बनी थीं। मई में बेटी के जन्म के बाद वह कुछ समय के मातृत्व अवकाश पर गई थीं और कुछ दिन पहले काम पर लौटी थीं। उनका एक दो साल का बेटा भी है।

अप्रैल 2026 में जब व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान हुई

गोलीबारी पर पूरी दुनिया की नजर थी, तब कैरोलिन लेविट ने अपना मातृत्व अवकाश शुरू करने के बजाय खुद कैमरे के सामने आकर ट्रम्प प्रशासन की पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया दी। इसके बाद ही वह मातृत्व अवकाश पर गईं।

मई 2026 में बेटी के जन्म के बाद करीब दो महीने छुट्टी पर रहीं, जुलाई में काम पर लौटीं और एक महीने बाद इस्तीफे का ऐलान कर दिया।

**प्रेस सचिव रहते हुए कई बार विवादों में रहीं लेविट**

करीब 20 महीने तक कैरोलिन लेविट व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सबसे भरोसेमंद प्रवक्ता रहीं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब भी ट्रम्प की नीतियों, फैसलों या विवादों पर मुश्किल सवाल पूछे जाते, तो उनका जवाब देने की जिम्मेदारी अक्सर लेविट ही संभालती थीं। उन्होंने कई बार ट्रम्प का आक्रामक तरीके से बचाव किया और मीडिया के सवालों का तीखे अंदाज में जवाब दिया।

प्रेस ब्रीफिंग के दौरान पत्रकारों के साथ उनकी कई बार तीखी नोकझोंक हुई, जो सुर्खियों में रही। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने सवाल पूछने वाले एक रिपोर्टर को 'वामपंथी सोच वाला' और 'पत्रकार के नाम पर कलंक' तक कह दिया था। इस बयान के बाद काफी विवाद हुआ।

लेविट कई बार मेनस्ट्रीम मीडिया पर पक्षपात का आरोप भी लगाती थीं। उनका कहना था कि कुछ मीडिया संस्थान ट्रम्प सरकार के खिलाफ एजेंडा चलाते हैं। वहीं, उन पर आरोप लगता था कि वे पत्रकारों के सवालों से बचने के लिए उन पर व्यक्तिगत हमले करती हैं।

**प्रेस ब्रीफिंग में पहली बार यूट्यूबर्स को एंट्री दिलाई**

लेविट ने व्हाइट हाउस की प्रेस ब्रीफिंग का तरीका भी काफी बदला। उनके कार्यकाल में पहली बार सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स, पॉडकास्ट होस्ट, यूट्यूब क्रिएटर्स और ट्रम्प समर्थक डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को भी प्रेस ब्रीफिंग में सवाल पूछने का मौका मिला।

ट्रम्प सरकार का कहना था कि इससे ऐसे लोगों तक भी सरकार की बात पहुंचेगी, जो मेन स्ट्रीम मीडिया नहीं देखते। हालांकि, इस फैसले की काफी आलोचना भी हुई। पत्रकारों का कहना था कि सरकार अपनी आलोचना से डरती है और ट्रम्प समर्थकों को ज्यादा अहमियत दी जा रही है।

लेविट उस समय भी विवादों में आ गई थीं, जब व्हाइट हाउस ने समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस (एपी) को प्रेस पूल से बाहर कर दिया।

# ईडी का कारोबारी भंसाली के घर दबिश

## यश-रोमिल नाहटा के ठिकानों पर भी जांच, लेनदेन से जुड़े रिकॉर्ड खंगाल रही टीम

राजनांदगांव, 13 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में ईडी की टीम ने गुरुवार सुबह 6 बजे 3 कारोबारियों के ठिकानों पर छापा मारा। सत्यम विहार कॉलोनी में यश और रोमिल नाहटा के घर और कारोबारी ठिकाने पर जांच चल रही है। वहीं, कामठी लाइन में कारोबारी मनीष भंसाली के ठिकाने पर भी ईडी की टीम जांच कर रही है। रायपुर से पहुंची ईडी की टीम दस्तावेज, डिजिटल उपकरण और वित्तीय लेन-देन से जुड़े रिकॉर्ड खंगाल रही है। ऑनलाइन वित्तीय देनदारियों की भी जांच की जा रही है। ईडी ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि छापेमारी किस मामले से जुड़ी है। अधिकारियों ने अभी कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है। बता दें कि इससे पहले 29 अक्टूबर को जिला खनिज न्यास निधि घोटाले में ईओडब्ल्यू की टीम ने भी इन्हीं परिसरों पर छापेमारी की थी।

# पुतिन पहली बार जापान के दावे वाले कुरील आइलैंड पहुंचे

## जापान बोला- ये हमारा हिस्सा, 80 साल से 4 द्वीपों को लेकर दोनों में विवाद

मॉस्को/टोक्यो, 13 अगस्त (एजेंसियां)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को पहली बार जापान के दावे वाले विवादित कुरील द्वीप समूह का दौरा किया। क्रेमलिन ने पुतिन के दौरे का वीडियो जारी किया। उन्होंने कुरील द्वीप पर एक फिश प्रोसेसिंग प्लांट का दौरा किया।

पुतिन की इस यात्रा के बाद जापान ने कड़ा विरोध जताया और कहा कि यह इलाका उसका हिस्सा है। रूस और जापान के बीच प्रशांत महासागर में 4 द्वीपों को लेकर 80 साल से विवाद है। जापान इसे नॉर्दर्न टेरिटरीज कहता है जबकि रूस इन्हें कुरील आइलैंड ग्रुप का हिस्सा मानता है।

रूस और जापान के बीच प्रशांत महासागर में स्थित चार द्वीपों को लेकर विवाद है। जापान इन्हें नॉर्दर्न टेरिटरीज (उत्तरी क्षेत्र) कहता है, जबकि रूस इन्हें कुरील द्वीप समूह का हिस्सा मानता है।

द्वितीय विश्व युद्ध के अंतिम दिनों में 1945 में सोवियत संघ ने इन द्वीपों पर कब्जा कर लिया था।

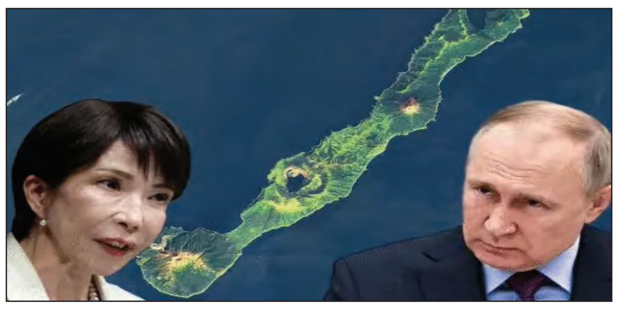

इसके बाद यहां रहने वाले करीब 17 हजार जापानी नागरिकों को वहां से हटा दिया गया।

1945 में इन द्वीपों पर कब्जा करने के बाद सोवियत संघ ने यहां हवाई और नौसैनिक अड्डे बनाए। प्रशांत महासागर में अहम जगह पर होने की वजह से इनका सैन्य महत्व बढ़ता गया। आज भी रूस यहां बड़ी संख्या में सैनिक और सैन्य उपकरण तैनात रखता है।

तब से इन द्वीपों पर रूस का नियंत्रण है और उसने यहां सैन्य ठिकाने भी बना रखे हैं। द्वितीय विश्व युद्ध खत्म होने के बाद ज्यादातर देशों ने आपस में शांति समझौते (पीस ट्रीटी) पर हस्ताक्षर कर दिए थे। कुरील द्वीपों के विवाद की वजह से रूस और जापान आज तक ऐसा नहीं कर पाए हैं। खास बात यह है कि इन विवादित द्वीपों के नाम दोनों देशों में लगभग एक जैसे हैं।

रूस इन्हें कुनाशिर, इतुरुप, शिकोतान और हाबोमाई कहता है, जबकि जापान इन्हें कुनाशिरी, एतोरोफू, शिकोतान और हाबोमाई के नाम से जानता है।

# चैटजीपीटी की मदद से मां-भाई की हत्या का आरोप

वाशिंगटन, 13 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के मैसाचुसेट्स राज्य में भारतीय मूल के 17 वर्षीय अर्जुन अरविंद पर अपनी मां और छोटे भाई की हत्या का आरोप लगा है। पुलिस ने उसे बुधवार सुबह गिरफ्तार किया। अधिकारियों के मुताबिक, उसने अपनी 45 वर्षीय मां सुधा वेंकटेशन और 14 वर्षीय भाई सिद्धार्थ अरविंद की हत्या की।

उसके खिलाफ हत्या के दो मामलों के अलावा परिवार के सदस्यों पर हमला, मारपीट और बिना इजाजत मां की कार लेकर फरार होने समेत कई अन्य आरोप भी लगाए गए हैं।

जांच के दौरान सामने आया कि अर्जुन पिछले कुछ समय से इंटरनेट और चैटजीपीटी पर अपने परिवार की हत्या से जुड़ी काल्पनिक कहानियां और ऐसे विषयों पर जानकारी खोज रहा था। पुलिस अब उसकी ऑनलाइन गतिविधियों को भी जांच का हिस्सा मानकर पड़ताल कर रही है।

घटना का खुलासा उस समय हुआ, जब मंगलवार शाम करीब साढ़े छह बजे एक ट्यूटर पढ़ाने के लिए घर पहुंची। काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला तो उसने अर्जुन के पिता को फोन किया। पिता भी पत्नी और बेटे से संपर्क नहीं कर सके। इसके बाद उन्होंने पुलिस से घर जाकर हालचाल देखने को कहा।

पुलिस जब घर पहुंची तो बेसमेंट में सुधा वेंकटेशन और पहली मंजिल पर सिद्धार्थ अरविंद का शव मिला। अधिकारियों ने बताया कि दोनों के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे। हालांकि मौत की वजह और वारदात में इस्तेमाल किए गए हथियार की जानकारी अभी सामने नहीं आई है। इसकी जांच जारी है।

# लाल किला धमाका अलकायदा ने कराया

## यूएन की रिपोर्ट में दावा, एनआईए की जांच में भी यही निकला था, 11 मौतें हुई थीं

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। लाल किले के पास हुए धमाके में अलकायदा से जुड़े संगठन का हाथ था। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की 38वीं रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। 10 नवंबर 2025 की शाम लाल किले के पास हुए इस धमाके में 11 लोगों की मौत हुई थी, जबकि कई अन्य लोग घायल हुए थे।

रिपोर्ट के मुताबिक अलकायदा इन द इंडियन सबकॉन्टिनेंट (एक्यूआईएस) ने इस धमाके को अंजाम दिया। इसमें कहा गया है कि एक्यूआईएस अब छोटे-छोटे सेल के जरिए काम कर रहा है और उसने अपना लॉजिस्टिक्स, फाइनेंशियल नेटवर्क भी तैयार कर लिया है। इससे पहले आई यूएनएससी की 37वीं रिपोर्ट में एक सदस्य देश ने इस हमले के पीछे जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) का हाथ बताया था। यानी इस

हमले को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की लगातार दो रिपोर्टों में दो अलग-अलग आतंकी संगठनों के नाम सामने आए हैं। हालांकि, एनआईए की चार्जशीट में दावा किया गया था कि आरोपी एक्यूआईएस से जुड़े थे। यूएनएससी की एनालिटिकल सपोर्ट एंड सेंक्शंस मॉनिटरिंग टीम की यह रिपोर्ट 10 अगस्त को जारी की गई। इसमें कहा गया है कि एक्यूआईएस अब बिखरे हुए छोटे आतंकी संगठन की बजाय एक क्षेत्रीय आतंकी नेटवर्क के रूप में विकसित हो चुका है।

संगठन ने अपना लॉजिस्टिक्स और फाइनेंशियल नेटवर्क तैयार कर लिया है और अब बड़े समूहों के बजाय छोटे-छोटे, अलग-अलग सेल के जरिए काम कर रहा है।

इस रिपोर्ट में कहा गया है कि एक्यूआईएस बांग्लादेश में भी अपने आतंकी सेल बनाने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट में इसे क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय बताया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अलकायदा और इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएल/दाएश) लंबे समय से ऐसे जहरीले रासायनिक और जैविक हथियार बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिनसे बड़ी संख्या में लोगों को नुकसान पहुंचाया जा सके।

हालांकि, अब तक वे इसमें पूरी तरह सफल नहीं हो पाए हैं, क्योंकि ऐसे हथियार बनाना बेहद मुश्किल काम है।

रिपोर्ट के मुताबिक, इन आतंकी संगठनों से जुड़े ऑनलाइन नेटवर्क पर अब भी ऐसे जहरीले पदार्थ बनाने के तरीके और जानकारी साझा की जा रही है।

फरवरी में आईएसआईएल की अंग्रेजी पत्रिका 'इनवेड' में बोटुलिनम टॉक्सिन और साइनाइड जैसे जहरीले पदार्थ तैयार करने से जुड़े निर्देश प्रकाशित किए गए थे।

# मलबे से आई फुसफुसाहट ने बचाई छह महीने के मासूम की जान

पेरेरा, 13 अगस्त (एजेंसियां)। कोलंबिया में सोमवार को आए 7.4 तीव्रता के भीषण भूकंप के तीसरे दिन एक चमत्कारी घटना सामने आई है। कैली शहर के ला टोरेस डेल लिमोनार आवासीय परिसर में ढही पांच मंजिला इमारत के मलबे के ढेर से छह महीने के मासूम बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। मलबे के भीतर से आई बेहद धीमी फुसफुसाहट ने जान बचाई।

सोमवार को आए इस शक्तिशाली भूकंप के बाद जब ब्रायन ओसोरियो जुलुगा अपने ऑफिस से बाइक पर सवाल होकर घर लौट रहे थे तो वो रास्ते में मलबे में तब्दील हो चुकी इमारत देखकर रुक गए। गैस लीक की चेतावनी के बावजूद वह मलबे के पास पहुंचे और लोगों से खामोश रहने के लिए कहा। तभी मलबे के नीचे से एक शख्स की क्षीण आवाज गूंजी। हां! मैं यहां हूं। मेरे साथ एक बच्चा है। इसके बाद ब्रायन और अन्य स्थानीय स्वयंसेवकों ने अपने हाथों से मलबा हटाना शुरू किया। रास्ते में एक भारी कंक्रीट का स्लैब रुकावट बना, जिसे सबने मिलकर एक साथ उठाया। जैसे ही मलबा हटा, बच्चे की सांसें सामान्य होने लगीं। एक पुलिसकर्मी की मदद से बच्चे को तुरंत एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया। आधे दबे हुए उस व्यक्ति को भी सुरक्षित बचा लिया गया। पश्चिमी कोलंबिया में आए इस विनाशकारी भूकंप में अब तक 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। मलबे में तब्दील हुई इस इमारत के पास लोगों का यह साझा प्रयास इंसानियत की मिसाल बन गया। वहीं, रियोसुसियो शहर के रहने वाले जूलियो सीजर लार्गो की 32 वर्षीय बेटी डेनियला चमत्कारिक रूप से बच गईं।

# ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में अड़ंगा डालना चाहता है चीन

## अरुणाचल प्रदेश पर ड्रैगन चल रहा चाल, क्या भारत फंसेगा?

बीजिंग, 13 अगस्त (एजेंसियां)। गलवान की घटना के बाद भारत और चीन के बीच सीमा पर एक बार फिर तनाव बढ़ रहा है। हाल ही में मीडिया रिपोर्ट्स में स्थानीय लोगों ने दावा किया कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने सुबनसिरी इलाके में भारतीय सैनिकों को गश्ती पॉइंट तक जाने से रोका है। भारत ने तुरंत इन दावों को खारिज किया और भ्रामक बताया। यह दावा ऐसे समय में आया जब दो दिन पहले ही चीन की सेना पीएलए ने अरुणाचल प्रदेश में जगहों के नाम बदलने के भारत के कदम पर आपत्ति जताई थी। इन घटनाक्रमों की टाइमिंग खास है, जो ऐसे समय में हो रहे हैं, जब एक महीने बाद सितम्बर में भारत ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने जा रहा है। इस सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग शामिल हो सकते हैं। हालांकि, एक्सपर्ट का कहना है कि चीन इस सम्मेलन को सफल नहीं होते देखना चाहता है और इसके

चीन की ब्रिक्स में अड़ंगा डालने की कोशिश

लिए हर तरीके से बाधा पहुंचाने की कोसिश कर सकता है। सीमा को लेकर हालिया बयानबाजी इसी का हिस्सा है।

स्ट्रैटन्यूज ग्लोबल ने लेफ्टिनेंट नजर एस एल नरसिम्हन (रि) के हवाले से बताया है कि भारत को पूरी एलएसी पर सावधान रहने की जरूरत है। नरसिम्हन भारत के पूर्वोत्तर इलाके में सेवा दे चुके हैं और बीजिंग में डिफेंस अटैचे रहे हैं। उन्होंने दिसम्बर 2022 की घटना का जिक्र किया जिसमें आमने-सामने की झड़प हुई थी। उस दौरान पीएलए के सैनिकों ने भारतीय इलाके में घुसने की कोशिश की थी जिसे भारतीय जवानों ने सफलतापूर्वक रोक दिया था। एक्सपर्ट का मानना है कि 2020 में गलवान में झड़प के बाद से दोनों तरफ 50000 सैनिक तैना है। ऐसे में वहां घुसपैठ के लिए आसान जगह नहीं है।

इसी तरह हिमाचल और उत्तराखंड के मध्य सेक्टर में दोनों पक्ष एलएसी को लेकर एक दूसरे के नजरिए को समझते हैं। ऐसे में अरुणाचल प्रदेश ही चीन के लिए बचता है। चीन इस पूरे इलाके पर अपना दावा करता है और इसे दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा बताता है। भारत ने हमेशा इस दावे को खारिज किया है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने अरुणाचल प्रदेश को भारत का अभिन्न हिस्सा कहा है। चीन ने हाल ही में भारत की उस कार्रवाई पर आपत्ति जताई थी जिसमें अरुणाचल प्रदेश में 27 जगहों के नाम बदलकर आधिकारिक नक्शे में शामिल किया था।

चीन ने कहा कि भारत ने संबंधों में सुधार के संकेतों के बीच भारत ने एकतरफा कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। ऐसे में सीमा पर हालात खराब हो सकते हैं। इससे भारत को कोई लाभ नहीं होगा। ऐसे में अगर एक अहम कूटनीतिक शिखर सम्मेलन के दौरान चीन घुसपैठ करता है और तनावपूर्ण हालात पैदा करता है, तो भारत के सामने मुश्किल स्थिति खड़ी हो सकती है।

# पाकिस्तान दुनिया में सबसे पहले करेगा परमाणु हमला

## चीनी प्रोफेसर जियांग की भारत को बड़ी चेतावनी

ओटावा, 13 अगस्त (एजेंसियां)। चीन में जन्मे कनाडाई प्रोफेर जियांग ज्यूकिन ने परमाणु हथियारों के इस्तेमाल पर बड़ा दावा किया है। एक यूट्यूबर के साथ बातचीत में उनसे सवाल किया गया था कि परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने वाला अगला देश कौन हो सकता है। इस पर उन्होंने कहा कि पाकिस्तान वह देश है, जिसके सबसे पहले परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने की संभावना है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में अस्थिरता और भारत के सामने कमजोरी उसके परमाणु हथियार चलाने की वजह बन सकती है।

प्रोफेसर जियांग ने कहा, 'मैं व्यक्तिगत रूप से नहीं मानता कि हमारी जिंदगी में कभी परमाणु का इस्तेमाल होगा क्योंकि परमाणु हथियारों के खिलाफ एक वैश्विक टैबू है। फिर भी अगर मुझे अंदाजा लगाना हो कि कौन सा देश सबसे पहले परमाणु हथियारों का

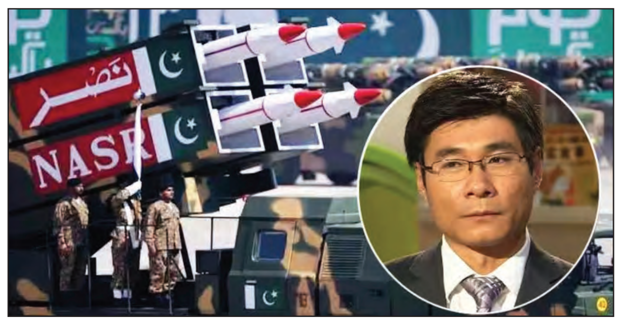


इस्तेमाल करेगा, तो वह भारत या पाकिस्तान में से कोई एक होगा। मेरा मानना है वह पाकिस्तान होगा।' प्रोफेसर जियांग के अनुसार, पाकिस्तान के पहले परमाणु बम चलाने का उनका अनुमान पाक आर्मी की परमाणु युद्ध लड़ने की इच्छा से कम और देश की कमजोरियों से ज्यादा जुड़ा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान परमाणु हथियार संपन्न एक बहुत कमजोर, अव्यवस्थित और भ्रष्ट देश है। हो सकता है कि आपात स्थिति में खुद को रोकने के लिए इसके कंट्रोल सिस्टम मौजूद ना हो।'

जियांग ने तर्क दिया कि अगर कभी परमाणु हथियारों का इस्तेमाल हुआ तो सबसे ज्यादा संभावना भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की होगी। ऐसे में पाकिस्तान की ओर से भारत पर पहले परमाणु बम चल सकता है। परमाणु के इस्तेमाल पर भारत की 'पहले इस्तेमाल ना करने' की घोषित नीति है। पाकिस्तान ने 'पहले इस्तेमाल न करने' की नीति नहीं अपनाई है।

पाकिस्तान परमाणु हथियारों को संभालने के मामले में बहुत कमजोर और अव्यवस्थित देश है। वहां का सिस्टम भ्रष्ट है और वे किसी और तरह से भारत का मुक़ाबला नहीं कर सकते।

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI) के आंकड़ों के अनुसार, भारत के पास 190 परमाणु हथियार (वॉरहेड) हैं, जिनमें से 12 को 2025 में पहली बार तैनात किया गया है। पाकिस्तान के पास करीब 170 परमाणु हथियार हैं। उसने कोई भी परमाणु हथियार तैनात नहीं किया है। भारत-पाकिस्तान में कई सैन्य टकराव हो चुके हैं। परमाणु बमों का इस्तेमाल पहली और एकमात्र बार दूसरे विश्व युद्ध के दौरान हुआ था, जब अमेरिका ने जापान में बर्बर परमाणु हमले किए थे।

# 1.31 करोड़ का घोटाला, आरोपी बोला- कलेक्टर ने टॉयलेट साफ कराया

सक्ती, 13 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सक्ती में 1.31 करोड़ के धान घोटाले के आरोपी शशिकांत महंत का कलेक्ट्रेट में टॉयलेट साफ करते वीडियो वायरल है। शशिकांत का कहना था कि कलेक्टर अमृत विकास तोपनो के कहने पर वह टॉयलेट साफ कर रहा था। वीडियो वायरल होने के बाद कलेक्टर ने आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इन्हें झूठा और भ्रामक बताया है। कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने कहा कि यह वीडियो एक सोची-समझी साजिश का हिस्सा है। उसके खिलाफ चल रही भ्रष्टाचार की कार्रवाई से बचने के लिए ऐसे आरोप लगा रहा है। अगर हमने ऐसा कराया होता तो उसके पास वीडियो कैसे आता। वह कहीं भी जाकर टॉयलेट साफ कर वीडियो बना सकता है।

बता दें कि मामले की शिकायत छत्तीसगढ़ मानवाधिकार आयोग में भी की गई है। हालांकि, वीडियो एक सप्ताह पुराना बताया जा रहा है। जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं, इस मामले में डभरा थाना पुलिस ने शशिकांत महंत को गिरफ्तार कर लिया है।

दरअसल, पुटीडीह धान खरीदी केंद्र का मामला नवंबर 2025 में सामने आया था।

उस समय अधिकारियों को धान की बोरियों में मिट्टी मिलाए जाने की सूचना मिली थी। जांच के दौरान करीब 4200 क्विंटल धान की कमी मिली। आरोप है कि कमी को छिपाने के लिए धान की बोरियों में मिट्टी मिलाकर भेजने की तैयारी की जा रही थी।

# बांग्लादेश में रात 8 बजे बंद करने होंगे मॉल

## तारिक राज में भयानक बिजली संकट, भारत करेगा मदद?

ढाका, 13 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश का उर्जा संकट गहराता जा रहा है। बांग्लादेश अपने नागरिकों को जरूरी बिजली देने में नाकाम हो रहा है। बिजली की कमी से निपटने के लिए बांग्लादेश की तारिक रहमान सरकार ने शॉपिंग मॉल और दुकानों को रात 8 बजे बंद करने के निर्देश जारी किए हैं। बांग्लादेश के ऊर्जा मंत्री इकबाल हसन महमूद के भारत से अतिरिक्त डीजल सप्लाई की मांग करने के बाद ये नए कदम उठाए गए हैं। ऐसे में मदद के लिए ढाका की नजर दिल्ली की ओर लगी है।

बांग्लादेश सरकार ने 12 अगस्त को एक आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी करते हुए कहा है कि शॉपिंग मॉल, बाजीर और दुकानें सुबह 11 बजे से रात 8 बजे तक ही खुल सकती हैं। यह

देश में चल रहे ऊर्जा संकट को दिखाता है। सरकार ने बाजार और मॉल के लिए नौ घंटे का समय तय किया है।

नोटिफिकेशन में यह भी कहा गया है कि सभी रोशन वाले बिलबोर्ड शाम 7 बजे तक बंद कर दिए जाने चाहिए। इसके अलावा सभी तरह की सजावटी या रोशन वाली लाइटें भी बंद रहेंगी। इसका मकसद आर्टिफिशियल लाइट का इस्तेमाल कम करना है। रिहायशी इलाकों में लंबी बिजली कटौती को देखते हुए यह फैसला लिया गया है।

बांग्लादेश में ऊर्जा संकट इतना गंभीर है कि यह आदेश सिर्फ देश की राजधानी ढाका तक सीमित नहीं है। बिजली, ऊर्जा और खनिज संसाधन मंत्रालय की ओर से जारी नोटिफिकेशन में देश के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे और आने वाले मेलों, ट्रेड फेयर और सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर भी कई तरह की पाबंदियां लगाई गई हैं।

भारत के साथ हमारी एक पाइपलाइन है जिसके जरिए डीजल सप्लाई किया जाता है। हमने उनसे और सप्लाई करने के लिए कहा है। मांग के अनुसार आयात सुनिश्चित करने के लिए सरकार मौजूदा समझौतों के अलावा नए स्रोत तलाश रही है।

हाल ही में बांग्लादेश में भारत के हाई कमिश्नर प्रणय वर्मा और बांग्लादेश के बिजली, ऊर्जा मंत्री इकबाल हसन महमूद के बीच हुई बैठक में महमूद ने भारत से और डीजल सप्लाई की मांग की थी।

# हजारों लोगों ने निकाली तिरंगा यात्रा

## विधायक बोले- हर घर तिरंगा फहराकर देश के प्रति जिम्मेदारी जताएं, कर्जन ग्राउंड से शुरू हुई यात्रा

हजारीबाग, 13 अगस्त (एजेंसियां)। स्वतंत्रता दिवस से पहले हजारीबाग में गुरुवार को भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। भाजपा विधायक प्रदीप प्रसाद के नेतृत्व में आयोजित यात्रा में हजारों छात्र-छात्राएं, युवा और भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए। हाथों में तिरंगा लेकर निकले लोगों के उत्साह से शहर का माहौल देशभक्ति से सराबोर नजर आया।

यात्रा की शुरुआत कर्जन ग्राउंड से हुई। इसके बाद तिरंगा यात्रा शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों और चौक-चौराहों से होकर गुजरी। इस दौरान प्रतिभागी देशभक्ति के नारे लगाते रहे। यात्रा के कारण शहर की सड़कों पर लोगों की भीड़ नजर आई। पूरे उत्साह के साथ यात्रा में शामिल लोग दोबारा कर्जन ग्राउंड पहुंचे, जहां इसका समापन किया गया। तिरंगा यात्रा का मुख्य आकर्षण विशाल तिरंगा रहा। इसे सैकड़ों लोगों ने मिलकर थाम रखा था। इसके साथ ही बड़ी संख्या में छात्र और युवा हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर यात्रा में शामिल हुए। युवाओं में विशेष उत्साह देखा गया। प्रतिभागियों ने तिरंगे को देश की आजादी, एकता और अखंडता का प्रतीक बताया। यात्रा के दौरान भारत माता की जय और देशभक्ति से जुड़े नारे लगाए गए।

इससे शहर का माहौल पूरी तरह राष्ट्रभक्ति से भर गया। आयोजकों ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस से पहले इस तरह के आयोजन नई पीढ़ी को देश के स्वतंत्रता संघर्ष और राष्ट्रीय ध्वज के महत्व से जोड़ने का काम करते हैं।

# घर पर शिव जी का रुद्राभिषेक कैसे करें ?

***शिव अभिषेक की विधि सही ढंग से ज्ञात हो, तो घर पर भी पूर्ण नियमों के साथ शिवलिंग का पूजन किया जा सकता है। ऐसे में आइए जानते हैं घर पर भगवान शिव का रुद्राभिषेक करने की पूरी विधि।***

भगवान शिव को समर्पित श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार को शिवलिंग पर अभिषेक करने की विशेष परंपरा है। मान्यता है कि इस दिन सच्ची श्रद्धा के साथ जल, दूध या पंचामृत से अभिषेक करने पर भगवान भोलेनाथ शीघ्र प्रसन्न होकर भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। कई लोग किसी कारणवश मंदिर नहीं जा पाते, ऐसे में वे घर पर ही भगवान शिव की पूजा करना चाहते हैं। यदि अभिषेक की विधि सही ढंग से ज्ञात हो, तो घर पर भी पूर्ण नियमों के साथ शिवलिंग का पूजन किया जा सकता है।

धार्मिक ग्रंथों जैसे शिव पुराण, स्कंद पुराण और लिंग पुराण में शिवलिंग की पूजा और अभिषेक का विस्तृत महत्व बताया गया है। शैव परंपरा में अभिषेक केवल जल अर्पित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें कई चरण होते हैं। सबसे पहले शिवलिंग का स्नान कराया जाता है, फिर चंदन, फूल आदि से उनका श्रृंगार किया जाता है। इसके बाद विधिपूर्वक पूजा, मंत्र जाप, आरती और अंत में क्षमा प्रार्थना की जाती है।

भगवान शिव को समर्पित श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार को शिवलिंग पर अभिषेक करने की विशेष परंपरा है। मान्यता है कि इस दिन सच्ची श्रद्धा के साथ जल, दूध या पंचामृत से अभिषेक करने पर भगवान भोलेनाथ शीघ्र प्रसन्न होकर भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। कई लोग किसी कारणवश मंदिर नहीं जा पाते, ऐसे में वे घर पर ही भगवान शिव की पूजा करना चाहते हैं। यदि अभिषेक की विधि सही ढंग से ज्ञात हो, तो घर पर भी पूर्ण नियमों के साथ शिवलिंग का पूजन किया जा सकता है। धार्मिक ग्रंथों जैसे शिव पुराण, स्कंद पुराण और लिंग पुराण में शिवलिंग की पूजा और अभिषेक का विस्तृत महत्व बताया गया है। शैव परंपरा में अभिषेक केवल जल अर्पित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें कई चरण होते हैं। सबसे पहले शिवलिंग का स्नान कराया जाता है, फिर चंदन, फूल आदि से उनका श्रृंगार किया जाता है। इसके बाद विधिपूर्वक पूजा, मंत्र जाप, आरती और अंत में क्षमा प्रार्थना की जाती है।

**शिव अभिषेक का महत्व**

शिव पुराण में भगवान शिव को अभिषेक अत्यंत प्रिय बताया गया है। जल, पंचामृत और बिल्वपत्र से किया गया पूजन मन की शुद्धि और पापों के नाश का माध्यम माना जाता है। वहीं लिंग पुराण के अनुसार जलाभिषेक सबसे सरल और सभी के लिए सुलभ उपाय है। यदि घर में पहले से शिवलिंग स्थापित है तो उसी का पूजन करना चाहिए। यदि नहीं, तो स्वच्छ मिट्टी से पार्थिव शिवलिंग बनाकर भी पूजा की जा सकती है, जिसका विशेष महत्व बताया गया है। संध्या के समय प्रदोष काल में अभिषेक करना अधिक शुभ माना जाता है, हालांकि सुविधा अनुसार किसी भी शुभ समय में यह पूजा की जा सकती है।

**रुद्राभिषेक की सामग्री**

**तांबे या पीतल का लोटा**

शुद्ध जल, गंगाजल
कच्चा दूध, स्टील का लोटा
दही, शुद्ध घी, शहद
गन्ने और अनार आदि फलों के रस (यदि उपलब्ध हो)
शक्कर या मिश्री
इत्र
भस्म (विभूति)
अष्टगंध

चंदन
अक्षत (साबुत चावल)
फूलों की माला, कमल का फूल (यदि उपलब्ध हो)
सफेद या सुगंधित पुष्प, आक पुष्प, पीले कनेर का फूल
भांग, शमी पत्र, धतूरा, बेलफल
बेलपत्र (तीन पत्ती या इससे ऊपर की पत्तियों वाला)
मौसमी फल
नैवेद्य (मिठाई)
धूप और दीपक- दक्षिणा (11 रुपये से लेकर श्रद्धा अनुसार)

अभिषेक शुरू करने से पहले करें ये काम

अभिषेक आरंभ करने से पूर्व कुछ आवश्यक तैयारियां करना बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। सबसे पहले प्रातःकाल स्नान करके स्वच्छ और शुद्ध वस्त्र धारण करें। इसके बाद पूजा स्थल को अच्छी तरह साफ करें और वहां धूप तथा घी का दीपक प्रज्वलित करें।

अभिषेक से पहले करें शिव परिवार की पूजा

अभिषेक से पहले शिव परिवार की पूजा का विशेष महत्व होता है। सबसे पहले भगवान गणेश को जल अर्पित कर उन्हें भोग लगाएं। इसके बाद माता गौरा को जल, श्रृंगार सामग्री और नैवेद्य अर्पित करें। फिर भगवान कार्तिकेय को पुष्प और भोग समर्पित करें और अंत में नंदी जी को बेलपत्र व प्रसाद अर्पित करें।

# राजस्थान का वो तीर्थस्थल जहां छिपी है प्रेम और श्राप की कहानी

राजस्थान की राजधानी जयपुर से करीब 70 किलोमीटर दूर सांभर में ऐसा एक प्राचीन तीर्थ मौजूद है, जिसे तीर्थों की नानी और छोटा पुष्कर के नाम से जाना जाता है. इस स्थान का नाम है देवयानी तीर्थ. सावन के महीने में इस स्थान की रौनक देखते ही बनती है. बारिश के बाद हरियाली, ठंडी हवाएं और पानी से भरा देवयानी सरोवर यहां के वातावरण को और मनमोहक बना देते हैं. लेकिन इस तीर्थ की सबसे बड़ी खासियत इसकी प्राकृतिक सुंदरता नहीं, बल्कि इससे जुड़ी वह पौराणिक कहानी है. यह जगह से प्रेम, श्राप और देव-असुर कि रोचक कहानी जुड़ी है।

स्थानीय मान्यताओं और मंदिर से जुड़े पुजारियों के अनुसार देवयानी तीर्थ को सभी तीर्थ स्थलों में बेहद प्राचीन माना जाता है. इसी वजह से इसे तीर्थों की नानी कहा जाता है. मान्यता है कि जो व्यक्ति सभी तीर्थों की यात्रा नहीं कर पाता, वह यहां आकर स्नान और पूजा-अर्चना करे तो उसे अनेक तीर्थों के समान पुण्य प्राप्त होता है. यही वजह है कि धार्मिक आस्था रखने वाले लोगों के लिए देवयानी तीर्थ का खास महत्व है. सांभर झील के पास स्थित यह सरोवर धार्मिक दृष्टि से बहुत खास है. सरोवर के चारों तरफ अलग-अलग देवी-देवताओं के मंदिर बने हुए हैं. इनमें सबसे प्रमुख मंदिर देवयानी का है. इस मंदिर में उनकी देवयानी देवी की रोजाना पूजा-अर्चना और श्रृंगार किया जाता है. असुरों के गुरु शुक्राचार्य की बेटी हैं देवयानी देवयानी तीर्थ की कहानी सीधे पौराणिक कथाओं से जुड़ती है. यहां असुरों के गुरु शुक्राचार्य की पुत्री देवयानी का मंदिर है. पौराणिक परंपरा में देवयानी का उल्लेख महाभारत से जुड़े प्रसंगों में भी मिलता है. आगे चलकर उनका विवाह राजा

ययाति से हुआ, जिन्हें कौरवों के पूर्वजों की वंश परंपरा से जोड़ा जाता है. मान्यता के अनुसार देवताओं के गुरु बृहस्पति और असुरों के गुरु शुक्राचार्य थे. शुक्राचार्य को संजीवनी विद्या का ज्ञान था. इस विद्या के जरिए युद्ध में मारे गए असुरों को दोबारा जीवित कर दिया जाता था. इससे देवताओं के लिए असुरों को पराजित करना मुश्किल हो जाता था. इस विद्या को सीखने के लिए देवताओं ने बृहस्पति के पुत्र कच को शुक्राचार्य के पास भेजा. कच ने शुक्राचार्य के आश्रम में शिष्य बनकर रहना शुरू किया. इसी दौरान शुक्राचार्य की पुत्री देवयानी को कच से प्रेम हो गया।

**कच को मारते रहे असुर, हर बार जीवित करते रहे शुक्राचार्य**

जब असुरों को पता चला कि कच शुक्राचार्य से संजीवनी विद्या सीख रहा है तो उन्होंने उसका विरोध किया. पौराणिक कथा के अनुसार असुरों ने कई बार कच की हत्या की, लेकिन देवयानी के आग्रह पर शुक्राचार्य अपनी संजीवनी विद्या से उसे फिर जीवित कर देते थे. ऐसे में जब असुर कच की हत्या कर उसके शरीर को जला देते हैं और उसकी भस्म व अस्थियों का चूर्ण मदिरा में मिलाकर शुक्राचार्य को पिला देते हैं. जब शुक्राचार्य कच को पुकारते हैं तो उसकी आवाज उनके पेट के भीतर से आती है. देवयानी के दुख को देखकर शुक्राचार्य कच को जीवित करने के लिए संजीवनी विद्या का प्रयोग करते हैं. कथा के अनुसार कच शुक्राचार्य के पेट को फाड़कर बाहर निकलता है, जिससे शुक्राचार्य की मृत्यु हो जाती है. इसके बाद कच स्वयं संजीवनी विद्या का प्रयोग कर शुक्राचार्य को पुनर्जीवित कर देता है।

दोनों ने एक-दूसरे को दिया श्राप शुक्राचार्य से विद्या सीखने के बाद जब कच देवलोक लौटने लगा तो देवयानी ने उसके सामने विवाह का प्रस्ताव रखा. कच ने यह प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया. इससे नाराज देवयानी ने कच को श्राप दिया कि वह शुक्राचार्य से सीखी संजीवनी विद्या का उपयोग किसी को जीवित करने के लिए नहीं कर सकेगा. इसके बाद कच ने भी देवयानी को श्राप दिया कि उसका विवाह किसी ब्राह्मण से नहीं होगा. आगे चलकर देवयानी का विवाह राजा ययाति से हुआ।

**सावन में क्यों खास हो जाता है देवयानी तीर्थ?**

सावन के महीने में देवयानी सरोवर की धार्मिक गतिविधियां बढ़ जाती हैं. कांवड़िए यहां पहुंचकर पवित्र जल लेते हैं और आसपास के शिवालयों में जलाभिषेक के लिए जाते हैं. बारिश के कारण सरोवर और आसपास का प्राकृतिक वातावरण भी बेहद आकर्षक नजर आता है. बादलों से घिरा आसमान, सरोवर का पानी, मंदिरों की घंटियां और श्रद्धालुओं की आवाजाही इस जगह को अलग ही आध्यात्मिक रंग दे देती है. सांभर झील की मौजूदगी इसे पर्यटन की दृष्टि से भी खास बनाती है।

# अपनी ही राशि में सूर्य, इन 4 राशियों को मिलेगा करियर और कारोबार में फायदा

हिंदू धर्म में ज्योतिष शास्त्र का अपना विशिष्ट महत्व है. इसी आधार पर आने वाले समय के शुभ-अशुभ संकेतों की गणना की जाती है. अधिकांश लोग यह जानना चाहते हैं कि उनका आने वाला दिन कैसा बीतेगा. ग्रहों की चाल तय अवधि में न सिर्फ राशि बल्कि नक्षत्र भी बदलती है, जिसका प्रभाव सभी 12 राशियों पर किसी न किसी रूप में जरूर पड़ता है. वैदिक ज्योतिष में सूर्य को नवग्रहों का अधिपति माना गया है. सूर्य लगभग हर महीने राशि परिवर्तन करते हैं और इस परिवर्तन को संक्रांति कहा जाता है।

> **अहंकार हमारा सबसे बड़ा शत्रु है, इसकी वजह से व्यक्ति खुद को श्रेष्ठ समझने लगता है**
>
> हमारे स्वभाव में अहंकार जड़ता के कारण आता है और अहंकार ही हमारा सबसे बड़ा शत्रु है। जब व्यक्ति स्वयं को दूसरों से श्रेष्ठ समझने लगता है, तब उसके भीतर सीखने, समझने और बदलने की क्षमता धीरे-धीरे खत्म होने लगती है। अहंकार व्यक्ति को वास्तविकता से दूर कर देता है और उसे अपनी ही बनाई हुई धारणाओं में बांध देता है। यही कारण है कि अभिमान केवल दूसरों से दूरी नहीं बनाता, बल्कि व्यक्ति को स्वयं से भी दूर कर देता है। इस बुराई से बचना चाहिए।
>
> **- स्वामी अवधेशानंद जी गिरि**

उज्जैन के ज्योतिष आचार्य आनंद भारद्वाज के अनुसार, 17 अगस्त 2026 को सूर्य कर्क राशि से निकलकर अपनी स्वराशि सिंह में प्रवेश करेंगे. इसका असर चार राशि के जातकों को विशेष रूप से फायदेमंद साबित हो सकता है. आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और नेतृत्व क्षमता पर पड़ सकता है. वहीं कारोबारियों को भी लाभ के संकेत मिल सकते हैं. आर्थिक स्थिति मजबूत होने और आय के नए रास्ते खुलने की संभावना है.आइए जानते हैं वह शुभ राशि...

**चार राशियों को होगा लाभ**

**मिथुन-** इस राशि के जातकों को यह परिवर्तन बड़ा ही शुभ परिणाम देने वाला रहेगा. इस दौरान व्यक्तित्व में निखार, आकर्षण और आत्मविश्वास बढ़ेगा. नौकरीपेशा जातकों को नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, साथ ही प्रमोशन और वेतनवृद्धि के अवसर बनेंगे. व्यापारियों के लिए नई योजनाएं लाभदायक साबित हो सकती हैं. सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी और लोगों के बीच मान-सम्मान मिलेगा।

सिंह- ग्रहों के राजा सूर्य का यह परिवर्तन इस राशि के जातकों के लिए बड़ा शुभ परिणाम लेकर आया है. आय के नए स्रोत खुलने की संभावना है और लंबे समय से रुके हुए कार्यों में गति आ सकती है. अचानक धन लाभ के योग भी बन सकते हैं, जिससे आर्थिक मजबूती मिलेगी. निवेश से जुड़े मामलों में लाभ मिलने के संकेत हैं और समझदारी से लिया गया फैसला भविष्य में फायदेमंद साबित हो सकता है।

तुला- इस राशि के जातकों के लिए सूर्य ग्रह का यह गोचर सकारात्मक बदलाव लेकर आ सकता है. इस दौरान मानसिक तनाव कम होगा और शांति और संतुलन बना रहेगा।

किस्मत का भरपूर साथ मिलने के संकेत हैं, जिससे कई कार्य आसानी से पूरे हो सकते हैं. वहीं अ विवाहित लोगों के लिए विवाह के नए प्रस्ताव आने और रिश्तों में शुभ प्रगति होने की संभावना बन सकती है।

**वृश्चिक-** इस राशि के जातकों के लिए आने वाला समय शुभ संकेत लेकर आ सकता है. नौकरी से जुड़ी परेशानियां दूर होने के योग बन रहे हैं और कार्यक्षेत्र में पदोन्नति के अवसर भी मिल सकते हैं. व्यापार से जुड़े लोगों के लिए यह समय बदलाव और प्रगति का साबित हो सकता है. इस दौरान की गई व्यावसायिक यात्राएं लाभदायक रहेंगी, वहीं लंबे समय से चली आ रही आर्थिक परेशानियों से भी राहत मिलने की संभावना है।

# निजी खुशी या बड़ा लक्ष्य? लुई पास्चर की कहानी सिखाती है समर्पण की असली ताकत

स्टासबर्ग विश्वविद्यालय के प्रो. लुई पास्चर ने कुत्ते के काटने के इलाज की खोज की। वह विश्वविद्यालय के ही एक अधिकारी की बेटी को पसंद करते थे और उससे विवाह करना चाहते थे। लड़की और उसके माता-पिता की ओर से विवाह की मंजूरी मिल गई। निश्चित समय पर मित्र व संबंधी चर्च पहुंच गए, लेकिन पास्चर नहीं पहुंचे। कुछ लोग खुसर-फुसर करने लगे कि शायद पास्चर विवाह नहीं करेगा। इतने में एक मित्र पास्चर की प्रयोगशाला में गया, तो देखा कि वह प्रयोग करने में अत्यंत व्यस्त थे।

**मित्र बोला-** यार हद हो गई, आज तो तुम्हारा विवाह है, चर्च में तुम्हारा इंतजार हो रहा है। बंद करो यह प्रयोग, यह तो बाद में भी हो जाएगा।

**पास्चर ने उसकी ओर देखे बिना ही कहा-** जरा रुको! कई दिनों से मैं जो प्रयोग कर रहा था उसके परिणाम निकल रहे हैं। ऐसा न हो कि मेरी वर्षों की मेहनत बेकार हो जाए।

पास्चर अपना प्रयोग पूरा करने के बाद ही चर्च के लिए रवाना हुए। उनकी शादी भी खूब धूमधाम से सम्पन्न हुई। लेकिन महान कार्य यूं ही पूरे नहीं होते, उन्हें करने के लिए जरूरत पड़ने पर अपनी सर्वाधिक प्रिय व्यक्तिगत इच्छाओं को भी किनारे करना होता है।

इस प्रसंग की सबसे बड़ी सीख यही है कि बड़े लक्ष्य हासिल करने के लिए व्यक्ति को अपने समय और प्राथमिकताओं के प्रति बेहद सजग रहना पड़ता है। जीवन में कई बार ऐसी परिस्थितियां आती हैं, जब हमें अपनी पसंद या सुविधा से ऊपर अपने उद्देश्य को रखना पड़ता है। हालांकि निजी जीवन और रिश्तों का महत्व भी कम नहीं होता, लेकिन जब कोई व्यक्ति किसी बड़े उद्देश्य के लिए पूरी निष्ठा से काम करता है, तो उसकी एकाग्रता और समर्पण ही उसकी सफलता की सबसे बड़ी ताकत बन जाते हैं।

# चेहरे का शेप खोलेगा पर्सनैलिटी के राज

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, किसी व्यक्ति के स्वभाव और भविष्य के बारे में उसे देखकर पता कर सकते हैं. शरीर के अंकों की बनावट, आकार और शरीर पर तिल के जरिए स्वभाव और भविष्य का पता कर सकते हैं. व्यक्ति का चेहरा देख उसके बारे में पता कर सकते हैं. लोगों के चेहरे का आकार अलग-अलग होता है. यह उनके बारे में काफी कुछ बताता है. व्यक्ति का चेहरा गोल, लंबा, चौकोर या अंडाकार होना कैसा होता है।

**चौकोर चेहरा-** अगर किसी के चेहरे की माथे की चौड़ाई, गाल की चौड़ाई और जबड़ा सीध में होता है, तो चेहरा देखने में चौकोर लगता है. चौकोर चेहरे वाले लोगों का स्वभाव मजबूत इच्छाशक्ति और अनुशासन वाला होता है. यह लोग दिल की नहीं हमेशा दिमाग की सोचते हैं. इन लोगों को व्यापार, प्रशासनिक सेवाओंत, राजनिती और इंजीनियरिंग में सफलता मिलती है. इन्हें कड़ी मेहनत से सफलता मिलती है।

**गोल चेहरा-** चेहरे की लंबाई और चौड़ाई बराबर होने और गाल भरे होने से व्यक्ति का चेहरा गोलकार चेहरा होता है. इन लोगों के चेहरे की जॉ-लाइन भी गोलाई में होती है. सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, ऐसे लोग दयालु और मिलनसार स्वभाव के होते हैं. यह दिल के साफ होते हैं. इन लोगों को मीडिया, शिक्षा और पब्लिक रिलेशंस जैसे क्षेत्रों में अच्छी सफलता मिलती है. गोल चेहरे वाले लोगों को धन के मामलें में मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़ता है. यह लोग भाग्यशाली होते हैं।

**अंडाकार चेहरा-** अगर किसी का चेहरा चौड़ाई से अधिक लंबा होता है, तो यह अंडाकार दिखता है. इन लोगों का माथा और जॉ-लाइन गोलाई में होती है. यह लोग बुद्धिमान होते हैं. खुद को सभी परिस्थितियों मे अच्छे से ढाल लेते हैं. इन्हें करियर में अच्छी सफलता मिलती है. आर्थिक तौर पर इनका जीवन सुखी होता है. मैनेजमेंट, डिजाइनिंग, फैशन और एक्टिंग के करियर में यह लोग अच्छी तरक्की करते हैं।

**चौड़ा चेहरा-** गाल और माथा चौड़ा होने से व्यक्ति का चेहरा चौड़ा नजर आता है. बड़े और चौड़े चेहरे वाले लोग ईमानदार स्वभाव के होते हैं. यह लोग अक्सर छल-कपट से दूर रहते हैं. यह लालच नहीं करते हैं और हमेशा खुश रहते हैं. शिक्षक और लेखक के रूप में इन लोगों को अच्छी सफलता मिलती है।

# शिवजी के मंदिर में नंदी हमेशा महादेव की ओर ही क्यों देखते हैं?

***नंदी सिर्फ शिव जी के वाहन नहीं बल्कि गणाध्यक्ष भी हैं. शिवालय में नंदी हमेशा शिव के समुख बैठते हैं, आखिर क्या है इसके पीछे वजह और कथा जान लें***

पौराणिक कथा के अनुसार शिलाद नाम के एक ऋषि भगवान शिव के परम भक्त थे. वे अपना अधिकतर समय महादेव की आराधना में बिताते थे, लेकिन उनके कोई संतान नहीं थी. एक बार उनके पितरों ने उन्हें बताया कि संतान न होने के कारण उनका वंश आगे नहीं बढ़ पाएगा. पितरों की बात सुनकर शिलाद ऋषि ने संतान प्राप्ति के लिए भगवान शिव की कठोर तपस्या शुरू कर दी।

महादेव अपने भक्त की तपस्या और श्रद्धा से प्रसन्न हुए. उन्होंने शिलाद ऋषि को पुत्र प्राप्ति का वरदान दिया. कुछ समय बाद जब ऋषि खेत में भूमि जोत रहे थे, तभी उन्हें धरती से एक दिव्य बालक प्राप्त हुआ. ऋषि ने इसे भगवान शिव का आशीर्वाद माना और उस बालक का नाम नंदी रखा।

नंदी बचपन से ही तेजस्वी और धार्मिक थे. एक दिन शिलाद ऋषि के आश्रम में दो संत आए. उन्होंने नंदी अल्पायु बताया. ये सुनकर शिलाद ऋषि बेहद दुखी हो गए लेकिन नंदी निराश नहीं हुए. उन्होंने कहा कि जब उन्हें स्वयं महादेव की कृपा से प्राप्त किया गया है, तो उनके जीवन का निर्णय भी महादेव ही करेंगे. इसके बाद नंदी ने भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए घोर तपस्या आरंभ कर दी।

नंदी की अटूट भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान शिव स्वयं उनके सामने प्रकट हुए. महादेव ने नंदी से कहा कि जब तुम मेरे ही अंश हो, तो तुम्हें मृत्यु का भय क्यों होना चाहिए?

**इसके बाद भगवान शिव ने नंदी को अजर-अमर होने का वरदान दिया.**

महादेव ने नंदी को अपने गणों का प्रमुख बनाया और उन्हें अपना अभिन्न अंग स्वीकार किया. तभी से नंदी को भगवान शिव के परम भक्त, गणाध्यक्ष और उनके

सबसे निकट रहने वाले स्वरूप के रूप में पूजा जाने लगा. मंदिरों में नंदी का मुख शिवलिंग की ओर होना भी इसी अटूट शिवभक्ति और महादेव के प्रति उनके पूर्ण समर्पण का प्रतीक माना जाता है।

**शिव के सामने मुख करके क्यों बैठते नंदी**

नंदी केवल शिवजी के वाहन ही नहीं बल्कि शिव के परम भक्त और गणाध्यक्ष हैं. नंदी का शिवलिंग की ओर मुख उनकी भक्ति, समर्पण और शिव के प्रति अटूट निष्ठा का प्रतीक है. उनका शिवलिंग की ओर देखना भक्त को यह संदेश देता है कि मनुष्य की दृष्टि और चेतना हमेशा अपने आराध्य पर केंद्रित रहनी चाहिए, तभी जीवन में असंभव भी संभव हो सकता है।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 14 अगस्त - 2026

## संतुलित व्यवस्था से बनेगा भरोसा

विदेशी अंशदान नियमन (एफसीआरए) संशोधन विधेयक को पर्याप्त संसदीय चर्चा के बिना आगे बढ़ाने के बजाय संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजना लोकतांत्रिक दृष्टि से उचित कदम माना जा रहा है। विदेशी अंशदान केवल धन के लेन-देन का विषय नहीं है। इसका संबंध देश की सुरक्षा, गैर-सरकारी संगठनों की जवाबदेही, सामाजिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और विदेशी धन के इस्तेमाल की पारदर्शिता से भी है। इसलिए इस कानून में बदलाव व्यापक विमर्श और सभी पक्षों की आशंकाओं के समाधान के बाद ही होना चाहिए। सरकार की चिंता पूरी तरह खारिज नहीं की जा सकती। विदेश से आने वाली धनराशि का इस्तेमाल देशहित के विरुद्ध गतिविधियों, अवैध कामों या संदिग्ध उद्देश्यों के लिए न हो, यह सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। विदेशी अंशदान प्राप्त करने वाली संस्थाओं के स्रोत, खातों और खर्च का स्पष्ट हिसाब होना चाहिए। वित्तीय अनुशासन और राष्ट्रीय हित से किसी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता। लेकिन निगरानी के नाम पर ऐसी व्यवस्था भी नहीं बननी चाहिए, जिससे ईमानदारी से सामाजिक काम कर रहे संगठनों के लिए अनावश्यक मुश्किलें खडी हो जाएं। यहीं से सरकार और विपक्ष की आशंकाओं के बीच अंतर दिखाई देता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संशोधन का उद्देश्य स्पष्ट करते हुए कहा कि इसका मकसद विदेशी धन के दुरुपयोग को रोकना है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी विपक्ष से पूछा कि विधेयक में ऐसा कौन-सा प्रावधान है, जो अल्पसंख्यकों के खिलाफ है। सरकार का तर्क है कि कानून सभी संस्थाओं पर समान रूप से लागू होगा। दूसरी ओर विपक्ष को आशंका है कि इसके कुछ प्रावधान अल्पसंख्यक समूहों और सामाजिक संगठनों को प्रभावित कर सकते हैं। ऐसी आशंकाओं को केवल राजनीतिक विरोध मानकर खारिज करने के बजाय तथ्य और संवाद के आधार पर दूर किया जाना चाहिए। संसद में इस मुद्दे पर जिस तरह हंगामा हुआ, वह भी चिंताजनक है। लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन संवाद का रास्ता बंद होना किसी संवेदनशील कानून के लिए शुभ संकेत नहीं। पहले विपक्षी नेताओं ने विधेयक को जेपीसी के पास भेजने की मांग की और बाद में उसे वापस लेने की मांग उठी। यह स्थिति बताती है कि सरकार और विपक्ष के बीच भरोसे की कमी बढ़ी है। अब जेपीसी के सामने बड़ी जिम्मेदारी है। समिति को केवल औपचारिक प्रक्रिया पूरी करने के बजाय राजनीतिक दलों के साथ-साथ प्रभावित संगठनों, कानूनी विशेषज्ञों और सामाजिक क्षेत्र के प्रतिनिधियों की राय भी सुननी चाहिए। प्रस्तावित प्रावधानों की भाषा ऐसी होनी चाहिए, जिससे विदेशी धन के दुरुपयोग पर प्रभावी रोक लगे और कार्रवाई की प्रक्रिया मनमानी न हो। एफसीआरए पंजीकरण समाप्त होने वाली संस्थाओं की विदेशी अंशदान से अर्जित संपत्तियों और संसाधनों को लेकर भी स्पष्ट नियम जरूरी हैं। विदेशी अंशदान की निगरानी आवश्यक है, लेकिन लोकतंत्र में भरोसा उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। सरकार को राष्ट्रीय सुरक्षा और वित्तीय पारदर्शिता सुनिश्चित करनी चाहिए, वहीं विपक्ष को भी हर प्रावधान का विरोध करने के बजाय रचनात्मक सुझाव देने चाहिए। जेपीसी इस विधेयक को टकराव का विषय बनाने के बजाय व्यापक सहमति का आधार तैयार कर सकती है। सुरक्षा के साथ स्वतंत्रता, नियंत्रण के साथ पारदर्शिता और कानून के साथ संवाद इसी संतुलन से एफसीआरए व्यवस्था प्रभावी और विश्वसनीय बनेगी।

## भारत विभाजन और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

मुनीष त्रिपाठी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर वामपंथी और कांग्रेस सहित स्वयंभू सेक्युलर पार्टियां सांम्प्रदायिकता फैलाने का आरोप लगाती है। ये कथित सेक्युलर पार्टियां कभी भी अल्पसंख्यकवाद, मुस्लिम तुष्टिकरण, अल्पसंख्यक कट्टरपंथ और उससे उपजे आतंकवाद पर सदैव चुप्पी साधे रहती है। इसी दोगली एकपक्षीय विचार धारा के कारण भारत का दुःखद विभाजन हुआ जिसमें लाखों लोग मारे गए और विस्थापित हुए। इस नरसंहार और विभाजन की पीड़ा झेलने वाले हिंदुओं, सिखों की संख्या मुस्लिम पीड़ितों से बहुत ज्यादा थी। बटवारे के समय जब भारत सरकार पाकिस्तान के हिंदुओं की सहायता करने में अक्षम थी तब आरएसएस और आर्य समाज के कार्यकर्त्ताओं ने अपनी जान पर खेलकर न केवल हजारों, लाखों हिंदुओं की जान बचाकर भारत सुरक्षित भेजा बल्कि ऐसा करने में संघ के सैंकड़ो कार्यकर्ताओं ने अपने जीवन की आहुति भी दे दी।.भारत अविभाजित लाहौर के रहने वाले प्रोफेसर 'ए एन बाली' जिन्होंने खुद अपनी आंखों से बटवारे को देखा और झेला था। उन्होंने बंटवारे के पीछे की कुटिलताओं और राष्ट्रीय असफलताओं को भी अपनी आंखों से देखा था।

उन्होंने बंटवारे पर 'नाउ इट कैन बी टोल्ड' नामक पुस्तक लिखी है। उन्होंने अपनी इस किताब के पेज 34 में लिखा कि कैसे लाहौर जो कि हिन्दू बाहुल्य 1941 तक था। मुस्लिम लीग ने एक हिन्दू पार्षद के वोट के समर्थन के चलते लाहौर नगर निगम में बहुमत प्राप्त कर मुस्लिम लीगी नगर निगम प्रशासन द्वारा ग्रामीण मुस्लिम इलाकों को मिलाकर लाहौर को मुस्लिम बाहुल्य बना दिया था। बटवारे तय होने के बाद भी ब्रिटिश हुकूमत ने अंतिम समय तक यह तय नही किया था कि लाहौर, कलकत्ता और दिल्ली पाकिस्तान में रहेगा या भारत में। हिंदुओं के बहुमत के कारण कलकत्ता और दिल्ली तो भारत को मिल गए परन्तु प्रभु श्रीराम के पुत्र लव का बसाया शहर लाहौर, हिंदू अल्पसंख्यक हो जाने के कारण पाकिस्तान में शामिल कर लिया गया। प्रोफेसर 'बाली' लिखते है कि जब तत्कालीन नेहरू कांग्रेस सरकार मुस्लिम दंगाइयों को रोक पाने में असफल थी आरएसएस कार्यकर्ताओं ने अपनी जान पर खेलकर न केवल हिंदू और सिखों को सुरक्षित ठिकानों पर पहुंचाया बल्कि दंगाइयों से बलपूर्वक सशस्त्र मुकाबला कर उन्हें खडेड़ा भी। वह कहते है जान की परिवार किये बिना पंजाब के प्रत्येक मुहल्ले में उन्होंने मोर्चा संभाला और राहत कार्य करने के बाद में ही स्वयं पाकिस्तान छोड़ा। यहां तक कि तमाम कांग्रेसी लोगों ने भी. अपने परिवार की सुरक्षा के लिए संघ कार्यकर्ताओं से ही गुहार की जिस पर संघ कार्यकर्ताओं ने उन्हें निराश नहीं किया। विभाजन के एक और चश्मदीद लेखक गुरुदत ने भी अपनी किताबों 'विश्वासघात' और 'देश की हत्या' में आरएसएस और आर्य समाज के कार्यकर्ताओं के अमूल्य योगदान की सराहना की है। बटवारे के बाद सितंबर 1947 में मुस्लिम लीग ने दिल्ली में भारी मात्रा में असलाह, बारूद इकठ्ठा कर दिल्ली सरकार का तख्तापलट करने की योजना बनाई थी। तब संघ के जागरूक कार्यकर्ताओं ने नेहरू और पटेल को इस आशय की सूचना पहुंचाई थी जिस पर सरकार ने छापा डालकर भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद जब्त कर लीग की योजना पर पानी फेर दिया था। संघ के तत्कालीन सर संघचालक गोलवरकर जी ने विभाजन के दौरान हिंदुओं, सिखों की सहायता के लिए पंजाब का सघन प्रवास किया था। 14 अगस्त 1947 को भारतीय पुण्यभूमि खंडित हुई उस खंडित भूमि का नाम पाकिस्तान पड़ा।

# फांसी का फंदा चूमकर अमर हो गए बाबू झूरी सिंह

सुरेश गांधी

गंगा के पूर्वी तट पर जब सावन की हवा खेतों को सहलाती है, तब भदोही की मिट्टी से एक अनकही आवाज उठती है। वह आवाज किसी मंदिर की घंटी नहीं, किसी शंख का नाद नहीं, बल्कि उन शहीदों की स्मृति है जिन्होंने इस धरती को स्वतंत्र सांस लेने का अधिकार दिया। परऊपुर गांव की पगडंडी पर चलते हुए आज भी लगता है मानो कोई घोड़े की टाप सुनाई दे रही हो, वह बाबू झूरी सिंह हैं, हाथ में तलवार, आंखों में ज्वाला और हृदय में मातृभूमि का अपार प्रेम लिए हुए। स्वतंत्रता की कहानी केवल दिल्ली, कानपुर और झांसी की नहीं है। भदोही की यह धरती भी उस महागाथा की साक्षी है, जहां किसानों ने हल छोड़कर तलवार उठाई थी और अंग्रेजी साम्राज्य को चुनौती दी थी। गंगा के पूर्वांचल तट पर बसे भदोही की मिट्टी में भी 1857 की ऐसी ज्वाला भड़की थी, जिसने अंग्रेजी सत्ता की नींव हिला दी थी। इस जनविद्रोह के केंद्र में थे अमर क्रांतिकारी बाबू झूरी सिंह। एक किसान पुत्र, जननायक और ऐसे योद्धा जिन्होंने नील की गुलामी के विरुद्ध जनता को संगठित किया। उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े थे वीर संग्राम सिंह, जिनकी मित्रता केवल व्यक्तिगत संबंध नहीं बल्कि स्वतंत्रता संग्राम की साझी प्रतिज्ञा थी। भदोही की धरती से उठी यह मशाल मिर्जापुर, चुनार, सोनभद्र, रोहतास और जगदीशपुर तक फैल गई।

परऊपुर : जहां एक बालक ने विद्रोह की पहली सांस ली जी हां, 21 अक्टूबर 1816 को मिर्जापुर मंडल के तत्कालीन भदोही क्षेत्र के परऊपुर गांव में जन्मे झूरी सिंह किसी राजमहल में नहीं, एक साधारण कृषक परिवार में पले-बढ़े। संयुक्त परिवार, मिट्टी का आंगन, बैलों की घंटियां और खेतों की हरियाली,यही उनकी दुनिया थी। पर उस हरियाली पर अंग्रेजी नील की नीली परछाईं छाई हुई थी। किसान अपनी इच्छा से खेती नहीं कर सकता था; खेत उसका था, पर फसल कंपनी की। मजदूरी के नाम पर मुट्ठी भर अनाज मिलता और परिवार भूख से जूझता। भूख जब घर की चौखट पर बैठ जाती है, तब विद्रोह जन्म लेता है। भदोही के किसानों की आंखों में वही विद्रोह धीरे-धीरे अंगार बन रहा था। लोककवि ने उस पीड़ा को शब्द दिए—

**नील की खेती कराते जो प्रबल अन्याय था, करते रहे कृषकनियां ये सर कटते गाय का।**

इन पंक्तियों में केवल कविता नहीं, किसानों के रक्त से लिखी हुई एक पूरी सभ्यता की कराह है। उस समय के किसान जीवन की करुण चीख सुनाई देती है। 28 फरवरी 1857 को अमोली में एक गुप्त सभा हुई। झूरी सिंह, उदवंत सिंह, रामबख्श सिंह, रघुबीर सिंह, दिलीप सिंह, माताबदल सिंह, सर्वजीत सिंह और अनेक ग्रामीण नेताओं ने अंग्रेजी शासन को उखाड़ फेंकने की योजना बनाई। निर्णय हुआ कि नील की खेती का बहिष्कार होगा, सरकारी खजाने पर कब्जा किया जाएगा, अंग्रेज समर्थकों का प्रतिरोध किया जाएगा, - स्वतंत्र प्रशासन स्थापित किया जाएगा। यह केवल बैठक नहीं थी; पूर्वांचल की किसान क्रांति का घोषणापत्र था। अमोली की रात : जब क्रांति ने आंखें खोलीं फरवरी 1857 की एक रात अमोली गांव में दीपक धीमे-धीमे जल रहे थे। बाहर सन्नाटा था, भीतर इतिहास करवट ले रहा था। झूरी सिंह, संग्राम सिंह, उदवंत सिंह, रामबख्श सिंह, रघुबीर सिंह और अनेक ग्रामीण नेता एकत्र हुए। निर्णय हुआ कि अब अन्याय सहना पाप होगा। नील की खेती का बहिष्कार किया जाएगा। सरकारी खजाना जनता का होगा। अंग्रेजी शासन को उखाड़ फेंका जाएगा। उस रात किसी ने शपथ ली होगी, किसी ने मिट्टी माथे से लगाई होगी, किसी ने अपने बच्चों की ओर अंतिम बार देखा होगा। वही रात भदोही की जनक्रांति का उदय बन गई।

3 जून 1857 की सुबह भदोही ने अपने इतिहास का सबसे उग्र सूर्योदय देखा। किसानों ने नील की फसल जला दी। धुएं की काली लपटें आसमान में उठीं तो लगा मानो धरती स्वयं गुलामी की बेड़ियां तोड़ रही हो। जीटी रोड रुक गई। अंग्रेजी माल लूट लिया गया। चौकियां खाली होने लगीं। मिर्जापुर की ओर भागते अंग्रेज सैनिकों ने पहली बार समझा कि किसान जब जागता है तो साम्राज्य की नींव हिल जाती है। जनता ने झूरी सिंह को अपना नेता स्वीकार किया। यह किसी राजा का राज्याभिषेक नहीं था; यह पीड़ित जनता का अपने उद्धारक पर विश्वास था। यूरोपीय इतिहासकारों ने भी स्वीकार किया कि भदोही का विद्रोह अचानक नहीं, बल्कि व्यापक जनसमर्थन से संचालित आंदोलन था। अंग्रेज सैनिक मिर्जापुर की पहाड़ियों की ओर भागने लगे। कुछ ही दिनों में ग्रामीण क्षेत्रों में अंग्रेजी प्रशासन लगभग निष्प्रभावी हो गया।

गोपीगंज का पीपल : जिसने शहीदों को झूलते देखा अंग्रेजों ने तलवार से नहीं, छल से वार किया। 16 जून 1857 को संधि वार्ता के बहाने उदवंत सिंह और उनके साथियों को बुलाया गया और गिरफ्तार कर लिया गया। गोपीगंज के शाही मार्ग पर पीपल के वृक्ष पर उन्हें फांसी पर लटका दिया गया। शव कई दिनों तक झूलते रहे। अंग्रेज चाहते थे कि जनता डर जाए। पर भदोही रोया जरूर, झुका नहीं। कहा जाता है कि उस दिन गांव की स्त्रियां चुपचाप मिट्टी सिर पर डालकर बैठी रहीं और पुरुषों ने दांत भींच लिए। उसी क्षण प्रतिशोध की अग्नि और प्रचंड हो उठी।

**रत्ना सिंह : जिसने आंसुओं की जगह तलवार चुनी**

उदवंत सिंह की पत्नी कुंवरानी रत्ना सिंह ने विलाप नहीं किया। उन्होंने तलवार उठाई और अंग्रेज अधिकारी मूर के वध का संकल्प लिया। पूर्वांचल की उस वीरांगना ने सिद्ध कर दिया कि स्वतंत्रता केवल पुरुषों की लड़ाई नहीं थी; मातृभूमि की रक्षा में स्त्रियों ने भी प्राणों की बाजी लगा दी थी।

**झूरी और संग्राम : मित्रता जो राष्ट्रधर्म बन गई**

भदोही की लोकस्मृति में झूरी सिंह और संग्राम सिंह का नाम अलग-अलग नहीं लिया जाता। दोनों गांव-गांव घूमते, चौपालों में बैठते, किसानों को जगाते और युवाओं में स्वाभिमान की आग भरते थे। संग्राम सिंह उनके केवल मित्र नहीं थे; वे उनके संघर्ष का दूसरा स्वर थे। जहां झूरी सिंह जाते, वहां संग्राम सिंह की हुंकार पहुंचती। जहां संग्राम सिंह जनता को संगठित करते, वहां झूरी सिंह क्रांति का नेतृत्व संभालते। लोकगीतों में आज भी कहा जाता है कि "एक की तलवार थी, दूसरे की पुकार।"

**पाली गोदाम कांड : जब अंग्रेजी सत्ता का सिर झुक गया**

4 जुलाई 1857 की संध्या। पाली का नील गोदाम। लगभग तीन सौ किसान तलवार, भाला, लाठी और गड़ासे लेकर आगे बढ़े। उनके अग्रभाग में थे झूरी सिंह। अंग्रेज अधिकारी विलियम रिवर्ड मूर और उसके साथी घिर गए। क्षण भर में तलवारें चमकीं और अंग्रेजी अभिमान धराशायी हो गया। यह केवल हत्या नहीं थी; यह उस व्यवस्था के विरुद्ध उद्घोष था जिसने किसानों की पीढ़ियां कुचल दी थीं। झूरी सिंह के युवा भतीजे मुसई सिंह कटे हुए सिर लेकर गांव-गांव घूमे ताकि जनता देख सके कि अंग्रेज अजेय नहीं हैं। उस समय उनकी आयु मात्र सोलह वर्ष थी। इतिहास के पन्ने उस दृश्य को पढ़ते हुए आज भी कांप उठते हैं। पाली कांड के बाद अंग्रेजी प्रतिशोध आग बनकर बरसा। परऊपुर, सदईपुर और आसपास के गांव जला दिए गए। घर राख हो गए। महिलाएं बच्चों को लेकर खेतों और जंगलों में छिपने लगीं। झूरी सिंह पर एक हजार रुपये का इनाम घोषित हुआ। उनके साथियों पर पांच सौ रुपये। पर जनता ने उन्हें धोखा नहीं दिया। किसी ने अन्न दिया, किसी ने आश्रय, किसी ने संदेश पहुंचाया। एक जननायक को जनता ही बचाती है।इतिहासकार लिखते हैं कि झूरी सिंह को व्यापक जनसमर्थन प्राप्त था। अमोली की वीरांगना रत्ना सिंह ने धन जुटाया। सुरियावां के व्यापारियों ने सहायता दी। करसिंग और कृपालपुर के किसानों ने शरण

# अरुणाचल प्रदेश में चीनी घुसपैठ का सच और सरकार की कार्रवाई

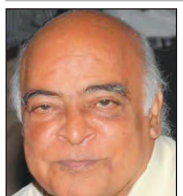

अशोक भाटिया

अरुणाचल प्रदेश भारत का वह सुदूर पूर्वी मुकुट है, जिसकी भौगोलिक स्थिति और सामरिक महत्व हमेशा से देश की सुरक्षा नीति के केंद्र में रहे हैं। हाल ही में सोशल मीडिया और कुछ क्षेत्रीय राजनीतिक हलकों से उठी चीनी सेना की 'धीमी घुसपैठ' की खबरों ने एक बार फिर राष्ट्रीय विमर्श को गरमा दिया है। एक ऐसे दौर में जब सीमा पर दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण शांति बनी हुई है, घुसपैठ की ऐसी खबरें न केवल रणनीतिक रूप से संवेदनशील हैं, बल्कि आंतरिक मोर्चे पर भी असमंजस पैदा करती हैं। हालांकि, इस बार सरकार और भारतीय सेना ने न केवल इन दावों को पूरी तरह से निराधार और अफवाह करार दिया, बल्कि असाधारण सक्रियता दिखाते हुए स्थिति को तुरंत स्पष्ट किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के नेतृत्व में नई दिल्ली में हुई उच्च स्तरीय बैठक इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि केंद्र सरकार सीमा सुरक्षा और उससे जुड़ी सूचनाओं के प्रति कितनी सजग और एक्शन मोड में है। अख़बारों और मुख्यधारा के विमर्श के लिए यह केवल एक तात्कालिक घटना नहीं है, बल्कि यह इस बात का गंभीर विश्लेषण करने का अवसर है कि आधुनिक दौर में सीमा सुरक्षा केवल अग्रिम चौकियों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह सूचना युद्ध और मनोवैज्ञानिक मोर्चे पर भी लड़ी जा रही है। सोशल मीडिया पर वायरल हुई खबरों की जड़ें 'पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल' की एक तथाकथित फैक्ट-फाइंडिंग रिपोर्ट में खोजी जा सकती हैं। इस रिपोर्ट में दावा किया गया था कि ऊपरी सुबनसिरी जिले के तक्सिंग सेक्टर में चीनी सैनिकों ने भारतीय चरवाहों और शिकारियों के पारंपरिक रास्तों पर कब्जा कर लिया है। इस दावे को हवा तब मिली जब सोशल मीडिया पर कुछ धुंधले और असत्यापित वीडियो प्रसारित होने लगे, जिनमें चीनी बुनियादी ढांचे और सैनिकों की उपस्थिति का दावा किया गया था। इस प्रकार की सूचनाएं जैसे ही सार्वजनिक पटल पर आईं, वैसे ही भारतीय सेना के शीर्ष कमान और देश के नीति-नियंताओं ने मोर्चा संभाल लिया। सेना ने स्पष्ट और कड़े शब्दों में कहा कि सीमा पर भारत ने अपनी एक इंच जमीन भी नहीं खोई है। ऊपरी सुबनसिरी के दुर्गम इलाकों में स्थित सभी अग्रिम चौकियां पूरी तरह से भारतीय बलों के नियंत्रण में हैं। सेना ने स्पष्ट किया कि जिसे 'घुसपैठ' के रूप में प्रचारित किया जा रहा है, वह असल में चीन द्वारा अपनी सीमा के भीतर किया जा रहा बुनियादी ढांचा विकास हो सकता है, जिसे जानबूझकर भारतीय क्षेत्र के भीतर दिखाकर सनसनी फैलाने का प्रयास किया गया। सरकार का यह त्वरित और पारदर्शी रुख सराहनीय है, क्योंकि अक्सर सीमावर्ती मुद्दों पर आधिकारिक सूचनाओं में देरी अफवाहों को खाद-पानी देने का काम करती है।

इस विवाद की पृष्ठभूमि को समझने के लिए भारत और चीन के बीच हालिया कूटनीतिक और भौगोलिक घटनाक्रमों पर नजर डालना जरूरी है। भारत सरकार ने पिछले दिनों एक बड़ा कदम उठाते हुए आधिकारिक मानचित्रों पर अरुणाचल प्रदेश की 27 प्रमुख जगहों के नाम पूरी तरह से भारतीय पहचान के अनुरूप दर्ज किए थे। यह कदम चीन के उस पुराने पैंतरे का सीधा जवाब था, जिसके तहत वह अरुणाचल के विभिन्न स्थानों का बार-बार 'पुनः नामकरण' कर उन्हें अपनी संप्रभुता का हिस्सा बताने की कोशिश करता रहा है। भारत के इस संप्रभु अधिकार और कड़े रुख से बीजिंग निश्चित रूप से असहज हुआ था। विदेश मंत्रालय ने इस मोर्चे पर हमेशा की तरह यह दोहराया है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अटूट हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा; चीन की किसी भी कृत्रिम नामावली या काल्पनिक दावों से यह ऐतिहासिक और जमीनी हकीकत नहीं बदलने वाली है। इसलिए, जब भारत ने कूटनीतिक स्तर पर अपनी स्थिति इतनी मजबूत कर ली हो, तब देश के भीतर से ही सीमा सुरक्षा पर इस तरह के असत्यापित और कमज़ोर दावे उठना पूरी रक्षा रणनीति को प्रभावित कर सकते हैं। यही वजह है कि सरकार ने इसे केवल स्थानीय स्तर का मामला नहीं माना, बल्कि देश की राजधानी में संसद भवन परिसर में रक्षा और विदेश मंत्रियों की आपात बैठक बुलाकर साफ संदेश दिया कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी हर छोटी-बड़ी गतिविधि पर सरकार की चौबीसों घंटे पैनी नजर है।आज की दुनिया में सीमा की रक्षा केवल बंदूकों और मिसाइलों से नहीं होती, बल्कि यह हाइब्रिड वॉरफेयर के युग में प्रवेश कर चुकी है। चीन इस रणनीति का पुराना खिलाड़ी है, जहां वह बिना एक भी गोली चलाए, भ्रामक सूचनाओं और मनोवैज्ञानिक दबाव के जरिए अपने विरोधी को रक्षात्मक मुद्रा में लाने की कोशिश करता है। अरुणाचल प्रदेश जैसे संवेदनशील क्षेत्र में चरवाहों के रास्तों को रोके जाने या धीमी घुसपैठ की अफवाहें इसी सूचना युद्ध का हिस्सा हो सकती हैं। सीमा पर रहने वाले नागरिकों और देश के आम मानस में डर और अविश्वास पैदा करना इस तरह की अफवाहों का मुख्य उद्देश्य होता है। भारतीय सेना ने इस खतरे को भांपते हुए नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी सोशल मीडिया नैरेटिव का शिकार न हों। सीमा पर तैनात भारत-तिब्बत सीमा पुलिस और थल सेना के जवान न केवल आधुनिकतम हथियारों से लैस हैं, बल्कि वे निगरानी के लिए उपग्रहों, ड्रोनों और अत्याधुनिक रडार प्रणालियों का उपयोग कर रहे हैं। ऐसे में यह लगभग असंभव है कि कोई बड़ी या छोटी घुसपैठ हो और वह भारतीय रक्षा तंत्र की नजरों से बच जाए। सरकार का एक्शन इस बात का संकेत है कि वह इस सूचना युद्ध में बैकफुट पर रहने के बजाय आक्रामक तरीके से सच को सामने रखने के लिए प्रतिबद्ध है। इस पूरे घटनाक्रम का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू यह है कि सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास को लेकर भारत की नीति में पिछले एक दशक में क्रांतिकारी बदलाव आया है। अतीत की सरकारें अक्सर इस रक्षात्मक सोच के साथ काम करती थीं कि यदि सीमा के करीब बेहतर सड़कें और बुनियादी ढांचा बनाया गया, तो युद्ध की स्थिति में चीनी सेना उसका लाभ उठाकर भारतीय क्षेत्र में तेजी से प्रवेश कर सकती है। मौजूदा सरकार ने इस पुरानी और पराजयवादी नीति को पूरी तरह से पलट दिया है। 'वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम'के तहत अरुणाचल प्रदेश सहित पूरे वास्तविक नियंत्रण रेखा के सीमावर्ती गांवों का कायाकल्प किया जा रहा है। सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है, रणनीतिक सुरंगे बनाई जा रही हैं और दूरदराज के इलाकों तक बिजली तथा इंटरनेट कनेक्टिविटी पहुंचाई जा रही है। सीमावर्ती क्षेत्रों का यह विकास केवल सेना के आवागमन को सुगम नहीं बनाता, बल्कि स्थानीय आबादी के पलायन को भी रोकता है। सीमा पर रहने वाले नागरिक हमारे 'प्रथम रक्षक' हैं। जब उनके पास बेहतर जीवन स्तर और सुरक्षा होगी, तो वे किसी भी विदेशी पैंतरेबाज़ी का पहला और सबसे मजबूत प्रतिरोध बनेंगे। सरकार की इस चौतरफा विकास नीति ने चीन की आक्रामक विस्तारवादी नीति पर लगाम लगाने का काम किया है, जिससे बौखलाकर वह अक्सर सीमा पर तनाव पैदा करने या अफवाहों को हवा देने की कोशिश करता है।

# हनीट्रेप में माहिर हैं पाकिस्तान की विषकन्याएं

मनोज कुमार अग्रवाल

पड़ोसी दुश्मन देशों की खुफिया एजेंसियां सोशल मीडिया के जरिए भारतीय सुरक्षा बलों और रक्षा संस्थानों के अधिकारियों को 'हनी ट्रैप' में फंसाकर संवेदनशील जानकारियां जुटा रही हैं। हाल ही में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर को पाकिस्तानी खुफिया ऑपरेटिव द्वारा रचे गए ऐसे ही एक डिजिटल हनी ट्रैप जाल में गोपनीय जानकारी साझा करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

दुश्मन देश के हैंडलर्स महिलाओं या आकर्षक नामों से फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पर फर्जी आईडी बनाकर अधिकारियों से दोस्ती करते हैं।भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक फंसावः बातचीत, चैट और वीडियो कॉल के जरिए पहले विश्वास जीता जाता है, फिर निजी पलों या तस्वीरों के बहाने ब्लैकमेल या प्रलोभन का खेल शुरू होता है।जासूसी के मामलों में कई बार अधिकारियों के फोन में रिमोट एक्सेस मैलवेयर या स्पाईवेयर तक इंस्टॉल करवाने की कोशिश की जाती है ताकि गुप्त डेटा स्वतः ट्रांसफर होता रहे। ऐसे मामलों में पकड़े जाने पर आरोपियों के खिलाफ आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत गंभीर मुकदमे दर्ज किए जाते हैं।

दिल्ली पुलिस ने भारतीय वायुसेना के एक विंग कमांडर को कथित पाकिस्तानी हनी ट्रैप मामले में गिरफ्तार किया है। वायुसेना से आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद अधिकारी के खिलाफ आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में है।

पुलिस के अनुसार, मामले की शुरुआत सोशल मीडिया के जरिए हुई एक कथित दोस्ती से हुई। एक महिला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से विंग कमांडर से संपर्क किया। बातचीत आगे बढ़ने के साथ दोनों के बीच चैट और वीडियो कॉल के जरिए लगातार संपर्क होने लगा। जांच एजेंसियों का आरोप है कि महिला ने धीरे-धीरे अधिकारी का विश्वास हासिल किया और इसके बाद उससे सैन्य गतिविधियों तथा रक्षा प्रतिष्ठानों से जुड़ी संवेदनशील जानकारी मांगनी शुरू कर दी।

दिल्ली पुलिस को यह मामला भारतीय वायुसेना की खुफिया शाखा से मिली विशिष्ट जानकारी के आधार पर सामने आया। पुलिस ने विंग कमांडर को 30 मई की रात गिरफ्तार किया। जांच के दौरान उसके इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, डिजिटल बातचीत और अन्य संभावित साक्ष्यों की पड़ताल की गई। पुलिस ने 7 जुलाई को जांच पूरी करने के बाद अदालत में आरोपपत्र भी दाखिल कर दिया है।

भारतीय सेना, रक्षा अनुसंधान संगठन और संवेदनशील सरकारी विभागों की सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करने के लिए पाकिस्तान की गुप्तचर एजेंसी आई. एस. आई. द्वारा 'हनी ट्रैप' के हथकंडे का लगातार इस्तेमाल किया जा रहा है।

इसके लिए पाकिस्तानी महिला एजैंट भारतीय सेना के चंद अधिकारियों तथा आम लोगों को बोगस नामों से वीडियो काल करके अश्लील हरकतों द्वारा उन्हें भी ऐसा ही करने के लिए उकसाती हैं और सोशल मीडिया के जरिए उनके 'रूप जाल' में फंस कर ये लोग भारतीय सेना की महत्वपूर्ण जानकारियां उन्हें देकर देश से गद्दारी कर रहे हैं जिनकी इसी वर्ष कई मामले सामने आए हैं 4 जनवरी को 'अम्बाला' (हरियाणा) में 'हनी ट्रैप' का शिकार होकर भारतीय सेना की यूनिटों की लोकेशन, मूवमैंट और तैनाती से जुड़ी गुप्त जानकारी पाकिस्तान भेजने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया गया। उसके मोबाइल से व्हाट्सएप चैट व वायस काल से जुड़े महत्वपूर्ण प्रमाण मिले।11 मार्च को 'लखनऊ' (उत्तर प्रदेश) में स्वयं को 'कीर्ति कुमारी' बताने वाली एक पाकिस्तानी महिला एजेंट द्वारा 'हनी ट्रैप' में फंसाए गए भारतीय वायुसेना के लांस नायक 'आदर्श कुमार' उर्फ 'लक्की' को युद्धपोत 'आई. एन. एस. विक्रांत' तथा ' आई. एन. एस. इक्षक' की फोटो व अन्य जानकारी भेजने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

इससे पूर्व इसी पाकिस्तानी एजेंट ने गोवा में नौसेना के शिपयार्ड पर पार्ट टाइम नौकरी करने वाले 'राम सिंह' को अपने रूप जाल में फंसाकर उससे शिपयार्ड पर आने वाले युद्धपोतों के फोटो व अन्य जानकारियां प्राप्त की थीं।

22 मार्च को 'चाबुआ' (असम) में 'हनी ट्रैप' में फंसे भारतीय वायुसेना स्टेशन के 'मल्टी-टास्कर्स स्टाफ' के सदस्य 'सुमित कुमार' को पाकिस्तान के लिए जासूसी करने और संवेदनशील रक्षा जानकारी सांझा करने के आरोप में राजस्थान इंटेलीजेंस और वायुसेना इंटेलीजैंस ने मिलकर गिरफ्तार किया।पाकिस्तानी हैंडलर्स ने 'सुमित कुमार' को 'हनी ट्रैप' में फंसा कर और पैसों का लालच देकर 'सुखोई फाइटर जैट्स', 'मिसाइल सिस्टम' और सैन्य ठिकानों की संवेदनशील लोकेशनों की जानकारी पाने के लिए इस्तेमाल किया था।1 जून को जम्मू-कश्मीर पुलिस तथा सेना के एक संयुक्त अभियान के दौरान जम्मू जिले के 'सतवारी' इलाके से एक युवक को पाकिस्तान की एक महिला एजेंट को प्रतिरक्षा संस्थानों के फोटो सांझा करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।पुलिस के अनुसार उसे एक महिला ने स्वयं को 'सुंदरबनी' में तैनात बी.एस.एफ. की कर्मचारी बता कर अपने जाल में फंसाया।

# भागते भूत की लंगोटी भली नहीं है

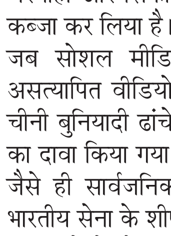

डॉ टी महादेव राव

ज़माना ऐसा आ गया है कि कोई भी सेफ़ नहीं है। इस बीच कई नए नवेले और पुराने मावेली पुरुष बीवियों के हाथों मर कर भूत बनाए। हरे भरे जंगल कम और कॉन्क्रीट जंगल ज्यादा हो गए तो वे सारे अल्पायु भूतों ने एक भूत बंगले बनाम खंडार बने बंगले में शरण लिया। वहीं भूत सारे भूत भूत सगे भाई की तरह हिल मिल कर रहने लगे। उसी खंडहर में पुराना सीनियर भूत पुराने रहता था और उसे विश्वास था कि दुनिया में भूत होते ही नहीं, उनका कोई अस्तित्व ही नहीं है। एक दिन अचानक उस भूत को प्रेतात्मा ज्ञान प्राप्त हुआ। अपने साथी भूतों को अपना ज्ञान दाँत दिखाते हुये उपदेश देने लगा।

"भाइयों, सालों साल हवा में घूमते हुये मैं ने जो ज्ञान हासिल किया है, वह आपको बताने जा रहा हूँ। मनुष्य और भूत अलग अलग नहीं होते। हम भूत सभी हमारी तरह होते हैं और तो और मनुष्य भी बस हमारी तरह ही होते हैं। मरने के पहले ही अति चालाकी, जिसे मृत्यु ज्ञान कहते हैं, का होना ही अंतिम छोर है जीवन का, डेड एंड है। वेयर देर इस ए विल, तेरे इस ए डेविल( जहां चाह है, वहाँ भूत है)। जहां डेविल नहीं है तो वहाँ ईविल है। आत्मओं को मार डालें तो प्रेतात्मा, आत्मा को अलंकृत करें तो अंतरात्मा। जिसकी कोई आत्मा नहीं होती वह परमात्मा। दूसरों की आत्मा को खाते रहने वाला जीवात्मा। अगर आप अपनी खुद की आत्मा को खाते रहें तो महात्मा।

अब यह जान लीजिये की मर खप कर मनुष्य ने क्या हासिल किया? यही कि जब चाहें तब भूतों की तरह बदल जाना, भूत बन जाना। बड़ों का कहना है कि ज्ञान से भोजन मिले न मिले पर भोजन की वजह से ज्ञान ज़रूर आता है। आज के जमाने में जब होस्ट (मेजबान) ही घोष्ट (भूत) बन रहे है, ऐसे में हमारी जीवन शैली किस तरह की हो...?" बता ही रहा था की वह भूत बंगला ढह गया और सारे भूत किसी दूसरे को सावधान किए बिना, बताए बिना भाग गए, भागते भूत की लंगोटी भली को सार्थक करते हुये।

हमारे नायक भूत की जब तंद्रा से आँख खुली तो देखा सामने बिल्डर और उसके पीछे उसके बॉडी बिल्डर थे। अशरीरी भूत को लात मारते हुये बॉडी बिल्डर ने कहा- अब भूतों को भूत बंगलों में नहीं, शहरों में रहना चाहिये। लात खाकर भूत शहर में जा गिरा। वहाँ की भीड़, जन समुदाय को देखकर भूत को डर लगा। हर आदमी किसी न किसी ओर दौड़ रहा है। क्यों और किसलिए किस ओर दौड़ रहा है, किसी को भी पता नहीं। पूछो तो गंदी सी गाली देकर बढ़े जा रहा है। भूत ने कोशिश की कि भयानक रूप से हंसकर वह लोगों को डराए, पर किसी के पास डरने के लिए समय ही नहीं है। आज के रेस वेल्यू के जमाने में फेस वेल्यू को व्यर्थ और अर्थहीन पाकर भूत को पागलपन की हद तक हंसी आई। और वह खीसें निपोरकर, बड़े बड़े दाँत दिखाकर हंसने लगा। दांतों के अस्पताल के लोग आए और उस भूत को अपने डेंटल हॉस्पिटल ले जाकर उसके ऊबड़ खाबड़ दांतों को ठीक किया और सोलह क्लिप लगा डाले। जब भूत ने कहा की उसके पास फीस और ऑपरेशन और बाकी कामों के लिए पैसे नहीं है, तो सारे दाँत तोड़कर उसे अस्पताल वालों ने सड़क पर फेंक दिया।

ना भूत को गुस्सा आया और वह हवा में उड़कर अपने कई करतब दिखाने लगा। एक टी वी चैनल के लोग हवा में जाल फेंका और भूत को पकड़ लिया और अपने स्टुडियो ले गए। "सिटी बस कैसे चढ़ें" विषय पर चर्चा कार्यक्रम रखा।

# अनुपमा परमेश्वरन ने किया चौंकाने वाला खुलासा बोलीं -'दो साल तक मैं भी एक रिश्ते में थी'

बीते दिनों अनुपमा परमेश्वरन ने सोशल मीडिया पर अपने रिश्ते को लेकर पोस्ट किया था। इससे फैंस को उनके ब्रेकअप का अंदाजा हो गया था। एक इंटरव्यू के दौरान आई एम धान्या वर्मा नाम के शो में उन्होंने अपने रिश्तों पर बात की।

**क्या बोलीं अनुपमा परमेश्वरन?**

अनुपमा परमेश्वरन ने बताया कि उनके इंस्टाग्राम पोस्ट में दो साल तक चले एक रिश्ते में हुए दुर्व्यवहार का जिक्र है। उन्होंने इस बारे में तभी बात की जब उन्हें लगा कि वह अब इस स्थिति का सामना करने के लिए तैयार हैं। मैंने पिछले दो साल एक ऐसे व्यक्ति के साथ बिताए जो कि आत्ममुग्ध था। सिर्फ अपनी परवाह करता था। मैंने यह पोस्ट तब शेयर किया जब मैं उस रिश्ते से बाहर आ गई। और अपने अनुभव के बारे में बात करने के लिए तैयार महसूस कर रही हूं।

यह काम मैंने बस दो मिनट के गुस्से में नहीं किया। बल्कि यह सब कुछ मेरे अंदर काफी वक्त से चल रहा था। कुछ लोग इस अनुभव को समझते हैं क्योंकि उन्होंने इसे महसूस किया है। यह सब कुछ वो लोग भी समझ सकते हैं जिनके अपने या करीबी के साथ ऐसा कुछ हुआ हो।

**'इस उत्पीडन के कई स्टेज होते हैं'**

अपनी बातचीत में आगे अनुपमा परमेश्वरन ने कहा, 'पहली श्रेणी में वे लोग आते हैं जो पीड़ित लोगों को जानते हैं, यानी वे परिवार और मित्र जिन्होंने किसी को पीड़ित होते देखा है। दूसरी श्रेणी में वे लोग आते हैं जिन्हें इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने यह शब्द सुना तो होगा, लेकिन इसके बारे में किसी तरह की कोई खोजबीन नहीं की होगी।

तीसरी श्रेणी में वे लोग आते हैं जो इसे जेंडर-आधारित बताते हैं और अनुमानों के आधार पर निगेटिव टिप्पणियां करते हैं। अगली श्रेणी में वे लोग आते हैं जिनसे मैं बात करना चाहती हूं, वे लोग जो इस स्थिति से गुजर चुके हैं लेकिन अभी तक इसे पहचान नहीं पाए हैं। यही सबसे ज्यादा खतरनाक है।'

**क्या था अनुपमा का पोस्ट**

अनुपमा परमेश्वरन ने कई महीनों पहले सोशल मीडिया से ब्रेक लया था। एक्ट्रेस के हालिया फेसबुक पोस्ट से फैंस को उनके तनाव में होने का अंदाजा लगा था। उन्होंने पोस्ट में खुद को चुननेऔर आजादी के बारे में लिखा था।

इसे पढ़कर फैंस ने उनके और ध्रुव विक्रम के रिश्ते पर सवाल खड़े किए। हालांकि इस रिश्ते के बारे में न कभी अनुपमा ने कोई बयान दिया न ही ध्रुव ने ही अधिकारिक रूप से कुछ कहा। न ही अब तक अनुपमा ने उस व्यक्ति के बारे में बताया जिसके साथ वह रिलेशनशिप में थीं।

# 'धर्मन' में रजनीकांत के 'डेडली डॉक्टर' अवतार ने बढ़ाई फैंस की एक्साइटमेंट

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार रजनीकांत की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'धर्मन' को लेकर फैंस का इंतज़ार लगातार बढ़ता जा रहा है। निर्देशक अश्वत्थ मारीमुथु की इस एक्शन एंटरटेनर फिल्म की शूटिंग का दूसरा शेड्यूल अब शुरू हो गया है। फिल्म में रजनीकांत मुख्य भूमिका में नज़र आएंगे और उनका किरदार एक ऐसे डॉक्टर का है, जो अपराधियों के खिलाफ लड़ता दिखाई देगा।

फिल्म के इस नए शेड्यूल की शुरुआत की जानकारी मेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करके दी है। फिल्म की प्रोडक्शन कंपनी राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल (आरकेएफआई) ने गुरुवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो क्लिप शेयर किया और लिखा, "द डेडली डॉक्टर। 'धर्मन' का दूसरा शेड्यूल शुरू हो गया है और यह शानदार होने वाला है।" पोस्ट में रजनीकांत को लेकर कई हैशटैग भी इस्तेमाल

किए गए। वीडियो सामने आने के बाद से ही सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

शेयर किए गए इस वीडियो में रजनीकांत फिल्म के सेट पर नजर आ रहे हैं। निर्देशक अश्वत्थ मारीमुथु उनसे बातचीत करते हैं। रजनीकांत और अश्वत्थ को एक साथ सेट पर देखकर दर्शक फिल्म की कहानी और सुपरस्टार के किरदार को लेकर कई तरह के कयास लगा रहे हैं।

'धर्मन' की घोषणा के बाद से ही फिल्म को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। खासतौर पर रजनीकांत का नया लुक लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। जून में मेकर्स ने एक मेकिंग वीडियो जारी किया था, जिसमें दिखाया गया था कि फिल्म के लिए रजनीकांत के लुक को किस तरह तैयार किया गया। फिल्म में रजनीकांत के लुक को फैंस की पसंद को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

फिल्म में रजनीकांत एक डॉक्टर की भूमिका निभा रहे हैं, जिनका सामना अपराधियों से होता है, और वह गलत काम करने वालों के खिलाफ खड़े होते हैं। कमल हासन ने फिल्म के टाइटल से पर्दा उठाया था। टाइटल पोस्टर में रजनीकांत को ऑपरेशन थिएटर में हाथ में सर्जिकल स्कैल्पेल लिए दिखाया गया था। उ

नके पैर के पास एक अपराधी का शरीर नज़र आता है। इस पोस्टर से साफ है कि फिल्म में रजनीकांत का किरदार एक्शन से भरपूर और काफी अलग अंदाज़ में नज़र आने वाला है।

'धर्मन' का निर्माण कमल हासन और आर. महेंद्रन कर रहे हैं जबकि एस. डिज्नी इसके सह-निर्माता हैं। फिल्म के संगीत की ज़िम्मेदारी अनिरुद्ध रविचंदर के पास है और एक्शन कोरियोग्राफी अनबरीव की जोड़ी कर रही है।

# 'आमिर ने ही बंटवारा कर दिया हमारा', फिल्म 'दिल चाहता है' को याद कर प्रीति ने क्यों कही यह बात?

फिल्म 'दिल चाहता है' के 25 साल पूरे होने पर अभिनेत्री प्रीति जिंटा काफी खुश हैं लेकिन वह इसके सिल्वर जुबली सेलिब्रेशन में शामिल नहीं हुईं। इस बात का दोष वह पूरी तरह से आमिर खान को देती हैं। जानिए, इस बारे में अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने क्या कहा?

**प्रीति जिंटा इवेंट में इस वजह से शामिल नहीं हुईं**

प्रीति जिंटा ने अपनी आगामी फिल्म 'बंटवारा 1947' के प्रमोशन इवेंट में कहा, 'मैं बहुत सारी यादें शेयर करना चाहती थी। लेकिन आमिर ने ही हमारा बंटवारा कर दिया। मुझे 'बंटवारा' फिल्म के प्रमोशन के लिए आना पड़ा और वह 'दिल चाहता है' फिल्म के 25 साल पूरे होने के जश्न में चले गए।'

बता दें कि फिल्म 'बंटवारा 1947' आमिर खान प्रोडक्शन ने बनाई है।

**क्यों आमिर खान के साथ फिर काम करना चाहती हैं प्रीति?**

प्रीति ने इवेंट में कहा कि वह आमिर खान के साथ फिर से स्क्रीन शेयर करने का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। वह कहती हैं, 'मैं सच में उनके साथ फिर से काम करने का इंतजार कर रही हूं। उम्मीद है कि किसी ऐसी फिल्म में जो उतनी ही यादगार बने, जैसी 'दिल चाहता है' थी। वैसे मेरे लिए 'बंटवारा 1947' भी एक यादगार फिल्म होगी।'

प्रीति जिंटा लगभग आठ साल बाद 'बंटवारा 1947' के साथ बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। इस फिल्म में उनके अपोजिट सनी देओल हैं।

**क्या थी 'दिल चाहता है' की कहानी?**

साल 2001 में रिलीज हुई फरहान अख्तर निर्देशित फिल्म 'दिल चाहता है' तीनों दोस्तों आकाश(आमिर खान), समीर(सैफ अली खान) और सिद्धार्थ (अक्षय खन्ना) की जिंदगी के ईद-गिर्द घूमती है।

फिल्म की शुरुआत में ये तीनों दोस्त गोवा की ट्रिप पर जाते हैं, इस ट्रिप के दौरान ये खूब एंज्वॉय करते हैं।

यह फिल्म जिंदगी में दोस्तों की अहमियत को भी बताती है। इस फिल्म में आमिर खान के अपोजिट हीरोइन के तौर पर प्रीति जिंटा नजर आई थीं।

# 'द ट्रेटर्स 2' में रिया चक्रवर्ती के जेल जाने पर क्या बोलीं मल्लिका? यूजर्स ने लगाई क्लास

'द ट्रेटर्स सीजन 2' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है और इसमें कंटेस्टेंट्स के बीच कई तीखी बहस और टकराव देखने को मिल रहे हैं। शो के एक क्लिप में मल्लिका कथित तौर पर रिया के जेल जाने का जिक्र करती नजर आ रही हैं। इसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

**मल्लिका ने रिया की जेल का किया जिक्र**

वीडियो में रिया एक कंटेस्टेंट का बचाव करती नजर आती हैं। दरअसल, उस कंटेस्टेंट ने मल्लिका के 'कमबैक' को लेकर कुछ कमेंट किया। रिया उसकी बात पर कहती हैं, 'मुझे नहीं लगता कि वो बात इतनी बुरी थी।' इसके बाद मल्लिका उस कंटेस्टेंट पर पलटवार करती हैं और सवाल करती हैं कि आखिर वह उनके कमबैक पर टिप्पणी करने वाला कौन होता है।

मल्लिका आगे रिया से कहती हैं, 'ओह, ये तुम्हारा कमबैक है? वो

कौन होता है इस पर कमेंट करने वाला, रिया? क्या ये गेम कमबैक के बारे में है? तो फिर मैं भी कह सकती हूं, 'ओह रिया, तुम जेल में थीं। ये तुम्हारे लिए बहुत बड़ा कमबैक है।' मल्लिका की यह बात सुनकर रिया काफी असहज और परेशान नजर आती हैं।

**सोशल मीडिया पर मल्लिका हुईं ट्रोल**

मल्लिका के इस कमेंट का वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की अलग-अलग रिएक्शन देखने को मिल रही हैं।कई यूजर्स ने मल्लिका को रिया की पुरानी जिंदगी का मुद्दा शो में उठाने के लिए ट्रोल किया है। एक यूजर ने कमेंट किया- 'ये कोई सैवेज और रोस्ट नहीं है, बल्कि रिया का अपमान है।'दूसरे ने कमेंट किया- 'ये कोई कूल कमेंट नहीं था।'वहीं एक अन्य ने लिखा- 'रियलिटी शो में किसी की पर्सनल लाइफ पर जोक करना सही नहीं।'

**शो में भाग ले रहे ये 21 खिलाड़ी**

'द ट्रेटर्स सीजन 2' शो में मल्लिका शेरावत, मुनव्वर फारूकी, श्वेता तिवारी, रिया चक्रवर्ती, शालिनी पासी, अभिषेक मल्हान, रणवीर बरार, आदित्य कुलश्रेष्ठ उर्फ कुल्लू, क्रिस्टल डिसूजा, दलीप ताहिल, इक्का सिंह, पारुल गुलाटी, शाहनील गिल, हरमन सिंघा, साउंडस मौफाकिर, रिदा थराना, तान्या पुरी, अंश चोपड़ा, करण सिंह मैजिक, प्रिश और साहिल सलाथिया इस सीजन खेल का हिस्सा होंगे।

# 'अवारापन' के फ्लॉप होने से निराश हुई थीं श्रिया सरन नॉमिनेशन के बावजूद अवॉर्ड शो में नहीं मिला था न्योता

फिल्म 'अवारापन' ने समय के साथ इस फिल्म ने दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई और आज इसे एक कल्ट फिल्म के तौर पर देखा जाता है। फिल्म में इमरान हाशमी, श्रिया सरन और मृणालिनी शर्मा मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। अब फिल्म के सीक्वल 'अवारापन 2' की रिलीज से पहले श्रिया सरन ने फिल्म से जुड़ी पुरानी यादें साझा की हैं।

**अवारापन के फ्लॉप होने से निराश थीं श्रिया सरन**

श्रिया सरन ने बताया, 'जब फिल्म रिलीज हुई थी, तो हम सभी को इससे बहुत उम्मीदें थीं। लेकिन मुझे नहीं पता कि ऐसा क्यों हुआ। मुझे लगता है कि यह फिल्म अपने समय से काफी आगे थी। इसे कुछ अवॉर्ड शो में नॉमिनेशन भी मिला था, लेकिन उन्होंने मुझे इनवाइट तक नहीं किया।'

उन्होंने आगे कहा कि उन्हें लगा था कि 'अवारापन' को दर्शक खूब पसंद करेंगे और फिल्म को सेलिब्रेट किया जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ, जिसकी वजह से वह काफी निराश हुई थीं।

**आज भी फिल्म को मिल रहा है प्यार**

श्रिया ने बताया कि फिल्म की रिलीज के कई साल बाद भी लोग उनसे मिलकर 'अवारापन' की तारीफ करते हैं। पहले उन्हें लगता था कि शायद लोग फिल्म के गानों की वजह से इसे पसंद करते हैं, क्योंकि फिल्म का म्यूजिक काफी पॉपुलर था और इमरान हाशमी की परफॉर्मेंस भी शानदार थी।

लेकिन अब श्रिया को लगता है कि लोगों को फिल्म की कहानी और उसकी भावनाओं ने जोड़ा था। उन्होंने कहा कि यह एक बहुत ही इंटेंस कहानी थी और दर्शकों ने इसे दिल से महसूस किया। यही वजह है कि करीब दो दशक बाद भी फिल्म को दर्शकों से इतना प्यार मिल रहा है।

**क्या है 'अवारापन' की कहानी?**

'अवारापन' साल 2007 में रिलीज हुई एक रोमांटिक एक्शन ड्रामा फिल्म थी। इसका निर्देशन मोहित सूरी ने किया था और इसे महेश भट्ट और मुकेश भट्ट ने प्रोड्यूस किया था। फिल्म में इमरान हाशमी ने शिवम पंडित का किरदार निभाया था। कहानी एक परेशान गैंगस्टर शिवम की है, जिसकी जिंदगी उस वक्त बदलने लगती

है जब उसे एक पाकिस्तानी लड़की आलिया पर नजर रखने की जिम्मेदारी दी जाती है। फिल्म की कहानी, इमोशन और म्यूजिक को दर्शकों ने काफी पसंद किया। 'तो फिर आओ', 'तेरा मेरा रिश्ता' और 'माहिया' जैसे गाने आज भी लोगों के बीच पॉपुलर हैं।

करीब दो दशक बाद 'अवारापन 2' सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म का निर्देशन नितिन कक्कड़ ने किया है। इसमें इमरान हाशमी के साथ दिशा पाटनी और शबाना आजमी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी। 'अवारापन 2' आज सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का मुकाबला सनी देओल की 'बंटवारा 1947' से होगा।

# पूजा बेदी ने बताया क्यों नहीं करना चाहतीं शादी? सगाई और रिलेशनशिप को लेकर कही ये बात

पूजा बेदी ने हाल ही में अपने रिश्तों को लेकर राय रखी। उन्होंने यह भी बताया कि शादी को लेकर उनकी सोच काफी बदल चुकी है। एक्ट्रेस ने अपने मंगेतर मानेक कॉन्ट्रैक्टर से शादी के बारे में भी काफी कुछ ही। जानें क्या कहा पूजा ने...

**शादी पर क्या बोलीं पूजा?**

पूजा बेदी ने विक्की लालवानी से बातचीत के दौरान शादी के इरादे पर बात की। उन्होंने कहा कि शादी उनके सपनों का हिस्सा नहीं है। वह खुद को शादीशुदा की तरह ही मानती हैं।

कई साल बीत जाने पर शादी को लेकर मेरी सोच में काफी बदलाव आया है। मानेक कॉन्ट्रैक्टर से सगाई को 8 साल हो जाने पर भी शादी को लेकर अभी कोई प्लान नहीं है। मेरे लिए सगाई ही काफी है। शादी होना कोई जरुरी चीज नहीं है। ऐसा करने से कपल की आर्थिक स्थिति बेहतर होती है। अपनी-अपनी संपत्ति अपने बच्चों के लिए छोड़ सकते हैं। मैं आधिकारिक तौर पर शादी किए बिना भी खुद को शादीशुदा मानती हूं।

**आर्थिक सुरक्षा पर क्या बोलीं पूजा?**

आगे अपनी बातचीत में पूजा ने कहा, 'मेरी शादी हुई, मेरा तलाक हो गया, मेरे दो बच्चे हैं। उनकी भी शादी हुई, उनका तलाक हो गया, उनके भी बच्चे हैं। संपत्ति जैसी छोटी-छोटी बातों में तो सब कुछ बहुत सरल है। मेरी संपत्ति मेरे बच्चों को मिलेगी, उनकी संपत्ति भी उनके बच्चों को मिलेगी। मैं कमा रही हूँ, वह कमा रहे हैं, हम दोनों आत्मनिर्भर हैं। मुझे सुरक्षा के लिए उनकी जरूरत नहीं है। उन्हें भी आर्थिक सुरक्षा के लिए मेरी जरूरत नहीं है।'

**फरहान फर्नीचरवाला से हुई शादी और तलाक**

पूजा बेदी ने साल 1994 में व्यवसायी फरहान फर्नीचरवाला से शादी की थी, जिनसे उनके दो बच्चे (आलिया और उमर) हैं। वर्ष 2003 में दोनों का तलाक हो गया था। इसके बाद फरवरी 2019 में उन्होंने मानेक कॉन्ट्रैक्टर से सगाई की है। बताते चलें पूजा बेदी ने 'जो जीता वही सिकंदर', 'लुटेरे', 'आतंक ही आतंक', 'फिर तेरी कहानी याद आई' जैसी फिल्मों में काम किया है।

# 'महंगे बैग और गाड़ियों से कोई सेलिब्रिटी नहीं बनता'

## हिना खान पर भड़कीं अर्शी खान, कहा– शिल्पा शिंदे से सीखो

'बिग बॉस' फेम अर्शी खान एक बार फिर अपने बयान को लेकर सुर्खियों में हैं. हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने हिना खान की समाजसेवा पर सवाल उठाए और उनकी तुलना शिल्पा शिंदे से की. अर्शी ने कहा कि किसी काम को खुद करने और किसी से करवाने में बहुत फर्क होता है. उनके इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है. आखिर अर्शी ने हिना और शिल्पा को लेकर क्या कहा, आइए जानते हैं.

**अर्शी खान ने क्या कहा?**

हाल ही में एक इंटरव्यू में अर्शी खान ने समाजसेवा को लेकर हिना खान और शिल्पा शिंदे के नजरिए पर खुलकर बात की. इस दौरान उन्होंने हिना खान के उस बयान का भी जिक्र किया, जिसमें एक्ट्रेस ने बताया था कि कैंसर से जूझने के दौरान उनके कुछ फैंस ने उनके नाम पर कई जगह हैंडपंप लगवाए थे, ताकि वहां से पानी पीने वाले लोग उन्हें दुआएं दे सकें.

**'हिना ने समाज को कुछ डोनेट नहीं किया'**

इसी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए अर्शी खान ने हिना पर तंज कसा. उन्होंने कहा, 'हिना ने खुद हैंडपंप डोनेट नहीं किया है, बल्कि उनके किसी फैन ने उनके नाम से लगवाया है ताकि लोगों को पानी मिले और दुआएं मिलें. हिना ने खुद ऐसा कुछ नहीं किया. दूसरी तरफ, शिल्पा शिंदे खुद लोगों की मदद करती हैं. वो सड़क पर रहने वाली बुजुर्ग महिलाओं को रेस्क्यू करके अपने शेल्टर होम तक ले जाती हैं.'

उन्होंने आगे कहा, 'किसी काम को खुद करने और किसी से करवाने में जमीन-आसमान का फर्क होता है. अगर आप इतने बड़े और पैसे वाले सेलिब्रिटी हैं, तो असम जैसे राज्यों में चल रही समस्याओं के बीच लोगों की मदद के लिए आगे आइए और दान कीजिए.'

**शिल्पा शिंदे के शेल्टर होम में ही दान कर दीजिए..**

अर्शी यहीं नहीं रुकीं. उन्होंने कहा, 'देश में कई शेल्टर होम हैं. अगर आप खुद को अच्छा इंसान मानते हैं, तो वहां जाकर लोगों की मदद कीजिए. शिल्पा शिंदे के शेल्टर होम में ही दान कर दीजिए. सिर्फ महंगे मेकअप, बड़े ब्रांड्स के बैग और लग्जरी गाड़ियों के साथ घूमने से कोई सेलिब्रिटी नहीं बन जाता. मैंने ऐसी कई लड़कियों को देखा है, जिनका लाइफस्टाइल कई सेलिब्रिटीज से भी बेहतर है.'

**9 साल पुरानी है अर्शी खान और हिना खान की दुश्मनी**

अर्शी खान और हिना खान के बीच विवाद कोई नया नहीं है. दोनों के बीच की अनबन 2017 में 'बिग बॉस 11' के दौरान शुरू हुई थी. शो में दोनों कई बार एक-दूसरे से भिड़ती नजर आई थीं. कभी राशन को लेकर दोनों के बीच बहस हुई, तो कभी अर्शी ने गुस्से में हिना का कंबल उठाकर फेंक दिया था. तब से दोनों के रिश्तों में खटास बनी हुई है.

# कंगना ने बताया फिल्म इंडस्ट्री को दोगला, नसीरुद्दीन शाह को 'लोमड़ी' बोलने वाले बयान पर दी सफाई

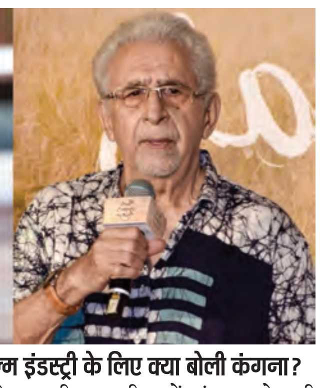

अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने बीते दिनों नसीरुद्दीन शाह के एक बयान की जमकर आलोचना की थी। यह बयान नसीरुद्दीन शाह ने छात्र विरोध प्रदर्शन के दौरान बॉलीवुड कलाकारों के चुप रहने को लेकर दिया था। जिसके जवाब में कंगना ने नसीरुद्दीन शाह को लोमड़ी तक बताया था। अब कंगना ने अपने इसी बयान पर सफाई दी है।

**कंगना ने अपने बयान पर क्या कहा?**

कंगना ने हाल ही में नसीरुद्दीन शाह को 'लोमड़ी' कहने पर अब अपना बचाव किया। अभिनेत्री ने कहा, 'मैंने नसीरुद्दीन शाह के बारे में यह इसलिए कहा क्योंकि उन्होंने एक बेहद आपत्तिजनक वीडियो बनाया था, जिसमें वे कई तरह की धमकियां दे रहे थे। जब भी आप उनकी फिल्में, साक्षात्कार या बयान देखें, तो बात हमेशा पाकिस्तान की ही होती है।'

अभिनेत्री ने आगे कहा, 'उनकी ये पाकिस्तान प्रेम कथा कब खत्म होगी? जब देखो पाकिस्तान के प्रेम में ये डूबे रहते हैं। अब विभाजन को भी इतने साल हो गए हैं तो ये प्रेम कहानी खत्म क्यों नहीं हो रही है?'

**फिल्म इंडस्ट्री के लिए क्या बोली कंगना?**

आगे अपनी बातचीत में कंगना ने पूरी फिल्म इंडस्ट्री पर निशाना साधा। उन्होंने विरोध प्रदर्शन के दौरान बॉलीवुड की प्रतिक्रिया की भी आलोचना की। इसके साथ ही सेलेब्स से सवाल भी किए।

**पुराने बयान में बताया था 'लोमड़ी'**

कुछ दिनों पहले ही कंगना ने नसीरुद्दीन शाह पर कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा, 'मैं जिस घर (देश) की रोटी खाती हूं उसकी रखवाली करती हूं। सच तो ये है कि हर कोई किसी न किसी का कुत्ता है। नसीर साहब खाते तो इस देश की हैं लेकिन लड़ते पड़ोसी देश के लिए हैं। मुझे गर्व है कि मैं उसी घर की रक्षा करती हूं जहां से मुझे खाना मिलता है। नसीर साहब इस जमीन से खाते हैं और पड़ोसियों की रक्षा करते हैं। मैं नसीरुद्दीन जी की तरह लोमड़ी बनने के बजाय कुत्ता बनना ज्यादा पसंद करूंगी।'

# अनु मलिक ने सुनाया कुमार सानू का किस्सा, कहा-गाना सुने बिना ही रिकॉर्ड कर देते थे

प्रसिद्ध संगीतकार अनु मलिक लंबे समय से मनोरंजन जगत का हिस्सा बने हुए हैं और कई दिग्गजों के साथ काम किया है। कंपोजर ने हाल ही में 90 के दशक के मशहूर सिंगर कुमार सानू के साथ अपने यादगार रिकॉर्डिंग सेशन के बारे में बताया कि उनके आने से पूरे स्टूडियो का माहौल बदल जाया करता था। कंपोजर अनु मलिक ने यह किस्सा डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर' सीजन 5 में शेयर किया। दरअसल, शो में कंटेस्टेंट रितेश और प्रतीक ने 'इंडिया वाला डांस' पर परफॉर्मेंस दी, तो अनु मलिक और कुमार सानू ने अपने म्यूजिकल साथ और 1990 के दशक

के यादगार रिकॉर्डिंग सेशन को याद किया। शो के होस्ट हर्ष लिम्बाचिया ने दोनों म्यूजिक के पुराने कलाकारों से पूछा कि उनके रिकॉर्डिंग सेशन के दौरान स्टूडियो के अंदर आम तौर पर क्या होता था, तो अनु मलिक ने याद किया कि कुमार सानू कितना खास माहौल बनाते थे।

अनु मलिक ने कहा, हमने बहुत काम किया है और 90 के दशक का पूरा माहौल देखा है। जब कुमार सानू स्टूडियो आते थे, तो पूरा माहौल ही बदल जाया करता था। जो गाना रिकॉर्ड होना होता था, वे उसे कभी सुनते ही नहीं थे। जैसे गाना 'संभाला है मैंने बहुत अपने दिल को' के बोल गाने से पहले याद कर लिए, अब मुझे देखकर सोच रहे हैं कि पता नहीं यार, शायद अच्छा ही होगा। अब अनु जी ने बनाया है, तो अच्छा ही होगा।

अनु मलिक ने आगे कहा, मैं पहले उनसे पूरा गाना रिहर्सल करवा लेता था, दिलचस्प बात ये कि उन्होंने कर भी लिया लेकिन जब मैंने पूछा कि गाना कैसा लगा, तो बोले, 'अरे दादा, अगर आपने बनाया है तो कमाल ही होगा।'

कंपोजर ने सानू के साथ फिर से काम करने की इच्छा भी जताई। उन्होंने कहा, यह मेरा सौभाग्य होगा कि मुझे फिर से उनके साथ काम करने का मौका मिले क्योंकि वे इतने लाजवाब गायक हैं कि अगर गाना चार चांद का होगा, तो वे उसमें बारह चांद लगा देंगे। यह वो आवाज है जो हमेशा जिंदा रहेगी। हम जल्दी ही साथ काम करेंगे यह मेरा वादा है।

# 'क्राइम पेट्रोल' से रिप्लेस किए जाने पर क्या बोले अनूप सोनी?

**सुनाया 'बालिका वधू' से जुड़ा किस्सा**

हाल ही 'क्राइम पेट्रोल' ने अपने नए सीजन 'क्राइम पेट्रोलः क्राइम का करेंट सीजन' का प्रोमो फैंस के साथ शेयर किया था। इस बार शो के होस्ट अनूप सोनी को अजय देवगन ने रिप्लेस किया है। एक बातचीत में अनूप ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी।

**शो छोड़ने पर क्या बोले अनूप ?**

इस मामले पर अनूप ने कहा, 'लोग मुझे हमेशा 'क्राइम पेट्रोल' के लिए याद रखेंगे। इस सो को होस्ट करने से पहले दर्शक मुझे 'बालिका वधू' के लिए जानते थे। मगर शो होस्ट करने के बाद 'क्राइम पेट्रोल' ही मेरी पहचान बन गया।'

**किसने दिया था अनूप को सुझाव?**

अनूप सोनी ने बताया कि जब क्राइम पेट्रोल का ऑफर आया था तो वह अभिनेता से होस्ट बनने का निर्णय नहीं ले पा रहे थे। मगर अभिनेता अनिल कपूर ने उन्हें सुझाव दिया। अनूप ने बताया कि अनिल ने उनसे कहा, 'मनोरंजन की दुनिया में शोज भी चल रहे हैं तो उन्हें सिर्फ एक्टिंग का पीछा नहीं करना चाहिए। एक अभिनेता की पहचान उसके काम से बनती है जिसे वह चुनते हैं। चाहे वह वेबसीरीज हो या फिल्में हो।'

**कब प्रसारित होगा 'क्राइम पेट्रोल'?**

अपराधिक कहानियों और वारदातों पर आधारित शो 'क्राइम पेट्रोल' जल्द ही प्रसारित होने वाला है। प्रोमो के अनुसार शो 31 अगस्त 2026 को सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित किया जाएगा। इसके अलावा इसे सोनी लिव पर भी स्ट्रीम किया जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक शो के पहले 15 एपिसोड की शूटिंग हो चुकी है।

# सारा अली खान के बर्थडे पर रकुलप्रीत सिंह समेत फिल्मी हस्तियों ने लुटाया प्यार

अभिनेत्री सारा अली खान अपना 31 जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर इंडस्ट्री के खास दोस्तों और परिवार के लोगों ने अभिनेत्री को बधाई दी। अभिनेत्री करीना कपूर ने इंस्टाग्राम पर सारा के साथ एक तस्वीर पोस्ट की। इसमें सारा के साथ पिता सैफ अली खान, करीना कपूर, इब्राहिम नजर आ रहे हैं। करीना ने जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा, ₹हैप्पी बर्थडे सारा डार्लिंगऔर कद्दू की सब्जी और अब दही। तुम्हारी प्लेट हमेशा भरी रहे।

अभिनेत्री रकुलप्रीत सिंह ने भी अपनी को-स्टार सारा अली खान को जन्मदिन की बधाई देते हुए इंस्टाग्राम स्टोरीज पर उनके साथ तस्वीर पोस्ट कर लिखा, जन्मदिन मुबारक हो सारा! तुम जहां भी जाती हो, वहां अपनी प्यारी और मजेदार वाइब्स से माहौल खुशनुमा कर देती हो। तुम्हारे साथ बिताई सारी हंसी-मजाक, मस्ती और क्रेजी मूमेंट्स के लिए मैं बहुत शुक्रगुजार हूं। हमेशा ऐसी ही रहना और अपनी खुशियों से सबके चेहरे पर मुस्कान लाती रहना। सारा अली खान 12 अगस्त को 31 साल की हो गईं। अभिनेत्री को सोशल मीडिया पर अपने परिवार के सदस्यों और फिल्म इंडस्ट्री के दोस्तों से जन्मदिन की दिल से शुभकामनाएं मिलीं। सारा जल्द ही आगामी सीरीज 'उड़ता तीर' में नजर आएंगी। इस सीरीज में वे आयुष्मान खुराना के साथ होंगी। फिल्म के रिलीज शेड्यूल में बदलाव किया गया है और अब यह पहले से घोषित 11 सितंबर के बजाय 9 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

यह प्रोजेक्ट फिल्ममेकर आकाश ए. कौशिक का पहला डायरेक्टोरियल वेंचर है। 'उड़ता तीर' सारा और आयुष्मान के बीच एक और कोलेबोरेशन है। इस फिल्म के निर्देशक आकाश ए. कौशिक हैं और इसका निर्माण धर्मा प्रोडक्शंस व सिखिया एंटरटेनमेंट द्वारा किया जा रहा है। यह फिल्म 9 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इससे पहले सारा पिछली फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' में नजर आई थी, जिसमें रकुल प्रीत सिंह और वामिका गब्बी भी थीं। फिल्म को लेकर दर्शकों की तरफ से सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली थी।

# जिस फिल्म ने श्रीदेवी को बनाया स्टार, उसी को मानती थीं बदकिस्मत, फिर बनीं पहली महिला सुपरस्टार

हिंदी सिनेमा की दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी पर्दे पर कभी चुलबुली दिखीं, कभी गंभीर और कभी ऐसी भूमिका में नजर आईं, जिसे देखकर दर्शक हैरान रह गए। उन्होंने दक्षिण भारतीय फिल्मों से शुरुआत की और फिर हिंदी सिनेमा में अपनी अलग जगह बनाई। लेकिन, उनके करियर का एक दिलचस्प सच यह भी था कि जिस फिल्म ने उन्हें बॉलीवुड में बड़ा स्टार बना दिया, उसी की सफलता को वह अपने लिए पूरी तरह अच्छा नहीं मानती थीं। यह बात 'श्रीदेवीः क्वीन ऑफ हार्ट्स' नामक किताब में दर्ज है। श्रीदेवी का जन्म 13 अगस्त 1963 को तमिलनाडु के शिवकाशी में हुआ था। उनका असली नाम श्री अम्मा यंगर अय्यपन था। उन्होंने बहुत छोटी उम्र में फिल्मों में काम शुरू कर दिया था। वह करीब चार साल की उम्र में बाल कलाकार के रूप में दक्षिण भारतीय सिनेमा में नजर आईं। तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ फिल्मों में काम करते हुए उन्होंने बचपन में ही अपनी पहचान बना ली थी। उन्हें मलयालम फिल्म 'पूमपट्टा' में अभिनय के लिए केरल राज्य फिल्म पुरस्कार भी मिला। बड़ी होने के बाद भी श्रीदेवी ने दक्षिण भारतीय सिनेमा में लगातार काम किया। 1976 की तमिल फिल्म 'मूंद्रु मुदिचु' में उन्होंने रजनीकांत और कमल हासन जैसे कलाकारों के साथ काम किया। इसके बाद '16 वैयाथिनिले', 'सिगप्पु रोजक्कल' और 'मूंद्रम पिराई' जैसी फिल्मों ने उन्हें दक्षिण की बड़ी अभिनेत्रियों में शामिल कर दिया। हिंदी फिल्मों में उनकी पहली मुख्य भूमिका 1979 की 'सोलवा सावन' में थी। हालांकि यह फिल्म उन्हें वह पहचान नहीं दिला सकी, जिसकी उन्हें तलाश थी।

फिर 1983 में आई 'हिम्मतवाला' और सब कुछ बदल गया। जीतेंद्र के साथ आई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया। फिल्म के गाने, श्रीदेवी के कपड़े और उनका डांस लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय हुआ। वह अचानक हिंदी फिल्मों की सबसे चर्चित अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं। लेकिन यहीं से उनके मन में एक अजीब सा डर भी पैदा हुआ।

'श्रीदेवीः क्वीन ऑफ हार्ट्स' किताब में उनके पुराने इंटरव्यू के हवाले से बताया गया है कि श्रीदेवी 'हिम्मतवाला' की सफलता को अपनी बदकिस्मती मानती थीं। वजह यह थी कि उन्हें डर था कि इस फिल्म की कामयाबी के बाद लोग उन्हें सिर्फ खूबसूरत और ग्लैमरस अभिनेत्री के रूप में देखेंगे और उनके अभिनय को गंभीरता से नहीं लेंगे।

उनका यह डर पूरी तरह बेबुनियाद भी नहीं था। 'हिम्मतवाला' के बाद उनकी कई फिल्में व्यावसायिक थीं, लेकिन श्रीदेवी खुद यह साबित करना चाहती थीं कि वह सिर्फ गानों और ग्लैमर के लिए नहीं हैं। इससे पहले 'सदमा' जैसी फिल्म में उनके अभिनय की खूब तारीफ हुई थी, लेकिन वह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही थी। श्रीदेवी को लगता था कि 'सदमा' जैसी भूमिका से वह बताना चाहती थीं कि उनके अंदर गंभीर अभिनय की भी पूरी क्षमता है। आगे चलकर उन्होंने इसी बात को अपने काम से साबित किया।

1980 का दशक उनके करियर का सबसे बड़ा दौर बना। 'तोहफा', 'नगीना', 'मिस्टर इंडिया', 'चांदनी', 'चालबाज' और 'लम्हे' जैसी फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभाईं। 'मिस्टर इंडिया' में उनकी कॉमेडी और 'हवा हवाई' वाला अंदाज लोगों को खूब पसंद आया। 'चालबाज' में उन्होंने दो अलग स्वभाव वाली बहनों का किरदार निभाकर अपनी अभिनय क्षमता दिखाई। वहीं, 'लम्हे' में उन्होंने एक ही फिल्म में अलग उम्र और अलग भावनाओं वाले किरदारों को निभाया। इस दौर में वह ऐसी महिला स्टार बन चुकी थीं, जिनके नाम पर फिल्म चलने की क्षमता थी।

श्रीदेवी ने शादी के बाद धीरे-धीरे फिल्मों से दूरी बना ली। 1996 में उन्होंने फिल्म निर्माता बोनी कपूर से शादी की। उनकी दो बेटियां जान्हवी और खुशी कपूर हैं। 1997 की 'जुदाई' के बाद उन्होंने लंबे समय तक फिल्मों से दूरी बनाए रखी। करीब 15 साल बाद 2012 में 'इंग्लिश-विंग्लिश' से उन्होंने बड़े पर्दे पर वापसी की। इस फिल्म में उन्होंने एक सामान्य गृहिणी का किरदार निभाया, जो अंग्रेजी सीखकर अपने आत्मविश्वास को वापस पाती है।

इसके बाद उन्होंने 'मॉम' फिल्म में काम किया, जो 2017 में रिलीज हुई। यह उनकी आखिरी पूरी फिल्म थी। उनके करियर को कई बड़े सम्मान मिले। उन्हें कई बार फिल्मफेयर पुरस्कार मिला और 2013 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया। उन्हें भारतीय सिनेमा की पहली महिला सुपरस्टार के रूप में भी व्यापक तौर पर याद किया जाता है।

श्रीदेवी का निधन 24 फरवरी 2018 को दुबई में हुआ। वह सिर्फ 54 साल की थीं। उनके निधन की खबर ने पूरे देश को झकझोर दिया।

# बड़े पर्दे पर आएगा असली मजा...

## इंटरनेशनल फिल्म '7 डॉग्स' को लेकर सलमान खान ने कही ये बात

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान इन दिनों अपनी अपकमिंग इंटरनेशनल फिल्म '7 डॉग्स' को लेकर चर्चा में हैं. इस एक्शन-थ्रिलर फिल्म में संजय दत्त भी नजर आएंगे. इस साल की शुरुआत में मिडिल ईस्ट में रिलीज होने के बाद अब ये फिल्म भारतीय सिनेमाघरों में तहलका मचाने के लिए तैयार है. इस फिल्म को लेकर दर्शकों के साथ-साथ सलमान खान भी काफी एक्साइटेड है.

**बड़े पर्दे पर देखने का असली मजा आएगा...**

एक इंटरव्यू में सलमान ने कहा कि '7 डॉग्स' एक ऐसी फिल्म है, जिसे बड़े पर्दे पर देखने का असली मजा आएगा. फिल्म के बड़े स्केल और जबरदस्त एक्शन को ध्यान में रखते हुए इसे थिएटर एक्सपीरियंस के लिए तैयार किया गया है. सलमान ने कहा, '7 डॉग्स हर तरह से बड़े पर्दे की फिल्म है. इसका स्केल, एक्शन और जो दुनिया बनाई गई, वो सब बहुत शानदार है. मुझे इस फिल्म के को-राइटर तुर्की अल-अलशेख, उनकी टीम, बिलाल फलाह और आदिल एल अरबी (डायरेक्टर्स) की भी तारीफ करनी चाहिए. उन्होंने इंटरनेशनल फिल्म बनाने के अपने एक्सपीरियंस का इस फिल्म में इस्तेमाल किया है.'

**सलमान खान ने क्या कहा?**

सलमान ने आगे कहा, 'मुझे एक और चीज काफी शानदार लगी. आज के अरब सिनेमा का जोश और एनर्जी. साथ ही ये देखना भी कि कैसे वो अपनी पहचान खोए बिना ग्लोबल दर्शकों के लिए ओपन हो रहे हैं. मुझे ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर बहुत अच्छा लगा, जो अलग-अलग कल्चर और फिल्म इंडस्ट्रीज को एक साथ लाता है.'

**भारतीय दर्शकों को पसंद आएगी ये फिल्म...**

उन्होंने कहा, 'मुझे ऐसा लगता है कि भारतीय दर्शकों को ये फिल्म पसंद आएगी, क्योंकि ये फ्रेश और एंटरटेनिंग फिल्म है. ये एक ऐसी फिल्म है, जिसे आप थिएटर में देखना चाहेंगे. इसमें सच में इंटरनेशनल फील है. इस फिल्म का हिस्सा बनने पर होने पर मुझे खुशी है.'

**भारत में कब रिलीज होगी '7 डॉग्स'?**

इस फिल्म में सलमान खान और संजय दत्त के साथ मिस्र के मशहूर कलाकार करीम अब्देल अजीज और अहमद एज नजर आएंगे. मोनिका बेलुची और जियानकार्लो एस्पोसिटो भी इस फिल्म का हिस्सा हैं. बता दें कि '7 डॉग्स' 21 अगस्त 2026 को भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है.

# भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में सीएम सम्राट चौधरी का बड़ा ऐलान

## परिवार को मिलेगी सरकारी नौकरी और मदद

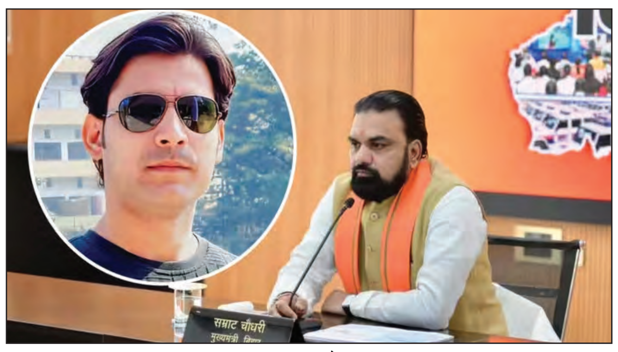


आरा, 13 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने परिवार को आर्थिक सहायता और मुआवजा देने का ऐलान किया है। सीएम ने एक्स पर लिखते हुए बताया है कि परिवार को न्यायिक जांच आयोग के अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर परिवार को एक सरकारी नौकरी और आर्थिक मदद प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने लिखा है कि न्यायिक जांच के अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर बिहार सरकार द्वारा दिवंगत भरत तिवारी के परिवार को आर्थिक सहायता एवं एक परिजन को सरकारी नौकरी प्रदान की जाएगी। ध्यान रहे कि कुछ दिनों पहले भरत तिवारी का परिवार मुख्यमंत्री से मिला था और न्याय की गुहार लगाई थी। अब मुख्यमंत्री की ओर से उनके परिवार को आर्थिक सहायता और सरकारी नौकरी की बात कही गई है।

भरत तिवारी का भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव में पुलिस ने एनकाउंटर किया था। भरत तिवारी को तीन गोली मारने की बात कही गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पांच गोली मारने की पुष्टि हुई। हंगामा और परिवार की मांग के बाद बिहार सरकार ने रिटायर्ड जस्टिस विनोद कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में न्यायिक जांच आयोग का गठन किया। न्यायिक जांच आयोग के समक्ष भरत तिवारी के पिता काशीनाथ तिवारी और उनकी माता आशा देवी का बयान दर्ज हो चुका है। आयोग के समक्ष भरत तिवारी के परिजनों और उनके भाई का भी बयान दर्ज हो चुका है।

ध्यान रहे कि इस मामले में सरकार लगातार एक्शन ले रही है। पुलिस ने गोली चलाने वाले एसटीएफ जवान अक्षय कुमार को बहुत पहले गिरफ्तार कर लिया है। ये गिरफ्तारी 24 जुलाई को भरत तिवारी के परिवार के मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद हुई। आरोप है कि अक्षय कुमार ने ही पहली गोली भरत तिवारी पर चलाई थी। मुख्यमंत्री से भरत तिवारी के मिलने वाले परिवार में उनकी माता, बहन और भाभी शामिल रहीं। उस मुलाकात के बाद पुलिस ने एक्शन लिया और अक्षय कुमार को गिरफ्तार किया।

भरत तिवारी एनकाउंटर मामला सुप्रीम कोर्ट तक भी पहुंचा। सीबीआई जांच की मांग हुई। कोर्ट ने तत्काल सुनवाई से इनकार किया। भरत तिवारी की मां के आवेदन पर डीएसपी सहित कई पुलिसकर्मियों पर प्राथमिकी दर्ज।

भरत तिवारी मामले में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की ओर से अब बड़ा ऐलान किया गया है। सरकार की ओर से कहा गया है कि न्यायिक जांच आयोग की अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर भरत तिवारी के परिवार को आर्थिक मदद के अलावा उनके परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाएगी।

सीएम ने इससे संबंधित जानकारी एक्स पर लिखकर दी है। ध्यान रहे कि सरकार इस मामले में लगातार एक्टिव है। जांच जारी है और दोषियों को सजा दिलाने की बात कही जा रही है। सभी शामिल पदाधिकारियों पर सख्त एक्शन और उनकी गिरफ्तारी को सुनिश्चित किया जाए। बिलौटी गांव में भरत तिवारी की प्रतिभा बनाकर उसे लगाया जाए। इसमें सरकार की ओर से मदद मिले। भरत तिवारी को शहीद का दर्जा दिया जाए।

# ऑनलाइन जुआ गिरोह का भंडाफोड़ 3 गिरफ्तार

### 10,100 रुपए नकद, मोबाइल और डेबिट कार्ड बरामद

बोकारो, 13 अगस्त (एजेंसियां)। बोकारो पुलिस ने जरीडीह थाना क्षेत्र के जैना मोड़ में ऑनलाइन जुआ और सट्टा संचालित करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान जैना मोड़ निवासी प्रलव कुमार सिंह (24), सेंटी कुमार (26) और आनंद कुमार (23) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, ये तीनों आरोपी विभिन्न प्रतिबंधित ऑनलाइन गेमिंग और सट्टा वेबसाइटों के माध्यम से लोगों को अपने जाल में फंसाते थे। वे ग्राहकों को गेमिंग आईडी उपलब्ध कराते थे और उनके पैसे का लेनदेन करते थे।

इस अवैध गतिविधि के बदले आरोपी कमीशन के रूप में मोटी कमाई करते थे। बोकारो एसपी को 12 अगस्त को ऑनलाइन जुआ संचालन के संबंध में गुप्त सूचना मिली थी।

# मंत्री बांट रहे थे जॉइनिंग लेटर, स्टाफ हटाने लगे फूल

## बिहार को मिले 2027 अफसर, सीएम बोले-आपके एक सिग्नेचर से किसी का भला होगा

पटना, 13 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार को आज 2027 नए अफसर मिल गए। सीएम सम्राट चौधरी ने बापू सभागार में बीपीएससी 70वीं में सफल अभ्यर्थियों को जॉइनिंग लेटर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में 70 वीं बीपीएससी में भर्ती का सबसे बड़ा रिकॉर्ड बना है। सीएम ने तमाम अधिकारियों को कहा आप जिस भी फाइल पर साइन करेंगे, उससे एक परिवार का भला होगा। आपके जीवन में भी इस नौकरी से बदलाव आएगा। आप जितने ईमानदार होंगे, बिहार उतना ही आगे बढ़ेगा।

वहीं इस कार्यक्रम की एक और तस्वीर सामने आई। इसमें जदयू कोटे के मंत्री मंत्री श्रवण कुमार भी अपने विभाग से जुड़े अफसरों को नियुक्ति पत्र बांट रहे थे। वो मंच पर मौजूद थे। तभी कार्यक्रम से जुड़े लोग पोडियम पर लगे फूल को हटाने लगे।

बिहार लोक सेवा आयोग ने 20 जून 2026 को बीपीएससी 70वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा का फाइनल रिजल्ट जारी किया था। परीक्षा के जरिए कुल 2035 पदों पर भर्ती होनी थी, जिसमें 2027 अभ्यर्थियों का चयन हुआ।

वहीं, 8 पद खाली रह गए। इन पदों पर दिव्यांग अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होने के कारण नियुक्ति नहीं हो सकी।

फाइनल रिजल्ट में उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ की रहने वाली श्रद्धा पांडेय ने 593 अंक हासिल कर टॉप किया। शशांक गौरव और आयुष विजॉय क्रम के अनुसार दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। दोनों को 592-592 अंक मिले थे। निबंध के अंकों के आधार पर दोनों की रैंक तय की गई।

बीपीएससी 70वीं के रिजल्ट में महिलाओं का भी शानदार प्रदर्शन रहा। टॉप-100 में 45 महिला अभ्यर्थी शामिल हैं। वहीं कुल चयनित 2027 अभ्यर्थियों में करीब 745 महिलाएं हैं।

चयनित अभ्यर्थियों में 333 दूसरे राज्यों के रहने वाले हैं। वहीं अनारक्षित वर्ग की कटऑफ 528 अंक और एससी वर्ग की कटऑफ 493 अंक रही। बीपीएससी 70वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा का फाइनल रिजल्ट पीटी परीक्षा के करीब 18 महीने बाद जारी किया गया था। रिजल्ट को लेकर अभ्यर्थियों के बीच लंबे समय से इंतजार था। 20 जून को आयोग ने अंतिम परिणाम जारी कर सफल अभ्यर्थियों की लिस्ट जारी की गई थी।

# गोरखपुर-जौनपुर समेत 8 शहरों में बारिश, सड़कें बनीं तालाब

### बाइकें फंसकर बंद हुईं, काशी में घाट डूबे, शव जलाने के लिए घंटों इंतजार

वाराणसी/कानपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी के पूर्वांचल में गुरुवार को मौसम बदल गया। गोरखपुर, आजमगढ़ समेत 8 जिलों में बारिश हो रही है। जौनपुर में इतनी बारिश हुई कि सड़कें तालाब बन गईं। गोरखपुर में सड़कों पर एक फीट पानी भर गया। कई बाइक फंसकर बंद हो गईं। मौसम विभाग ने आज 48 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें 11 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी है।

इधर, पहाड़ों पर हो रही बारिश से यूपी में गंगा, यमुना और शारदा समेत 10 नदियां उफान पर हैं। 80 से ज्यादा गांव बाढ़ की चपेट में हैं। सबसे ज्यादा फर्रुखाबाद में 49 गांवों में बाढ़ है। काशी में घाटों की सीढ़ियों तक पानी पहुंच गया है। 100 से ज्यादा छोटे मंदिर डूब गए हैं। हरिश्चंद्र घाट पर शवदाह स्थल डूब गया है।

घाट की ऊपरी सीढ़ियों पर चिताएं जलाई जा रही हैं। लोगों को 2 से 3 घंटे तक शव का अंतिम संस्कार कराने के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। कानपुर में गंगा नदी चेतावनी बिंदु के करीब पहुंच गई है। 5 से ज्यादा गांवों में पानी घुस गया है। बच्चे नाव से स्कूल जा रहे हैं। उन्नाव में गंगा का पानी कॉलोनियों में घुस गया है। छतों पर लोगों की जिंदगी बीत रही है। गलियों में नावें चल रही हैं।

# पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान, सुरेश राणा, कपिलदेव अग्रवाल पर दर्ज मुकदमे वापस

## मुजफ्फरनगर दंगे से जुड़ा मामला, आया आदेश

संजीव बालियान, सुरेश राणा समेत और कपिलदेव अग्रवाल

मुजफ्फरनगर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर दंगे से पहले नंगला मंदौड़ में हुई पंचायत मामले में वर्ष 2013 में केस दर्ज किया गया था। आरोपियों के खिलाफ भड़काऊ भाषण देने और निजी परिवाद दायर किए गए थे। योगी आदित्यनाथ सरकार के आदेश पर इन केसों को खत्म कर दिया गया है।

मामले में यूपी सरकार में राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिलदेव अग्रवाल, पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. संजीव बालियान, पूर्व मंत्री सुरेश राणा, पूर्व विधायक उमेश मलिक, सपा सांसद हरेंद्र मलिक और साध्वी प्राची आदि आरोपी बनाए गए थे। अब इन पर केस नहीं चलेगा।

मुजफ्फरनगर में वर्ष 2013 में हुए कवाल कांड ने भीषण दंगा भड़का दिया था। कवाल गांव में सचिन और गौरव की हत्या के बाद माहौल गरमाया था। इसके खिलाफ 31 अगस्त 2013 को नंगला मंदौड़ में शोकसभा और पंचायत का आयोजन किया गया। इस आयोजन में शामिल लोगों के खिलाफ पुलिस ने भड़काऊ भाषण देने का केस दर्ज किया था। बचाव पक्ष के वकील श्यामवीर सिंह और बिजेंद्र मलिक ने बताया कि सरकार की ओर से पहले इन मामलों को खत्म करने के आदेश दिए गए थे। सरकार के आदेश के तहत मुजफ्फरनगर के डीएम की ओर से अभियोजन अधिकारी को मुकदमा वापसी का प्रार्थना पत्र दिया। स्पेशल एमपी एमएलए कोर्ट के मजिस्ट्रेट एसीजेएम फर्स्ट देवेंद्र सिंह फौजदार ने इसे स्वीकार कर लिया है।

नंगला मंदौड़ में 31 अगस्त 2013 को जिन 22 लोगों के खिलाफ नामजद केस दर्ज किया गया था, उन सभी के खिलाफ तत्कालीन एडीएम प्रशासन ने धारा 144 के उल्लघंन का निजी परिवाद दायर किया था। इसे वापस लेने की अनुमति भी शासन से दी गई थी। परिवाद को वापस लेने के लिए दिए गए प्रार्थना पत्र को एसीएम प्रथम एवं स्पेशल एमपीएमएल ने कोर्ट के मजिस्ट्रेट देवेंद्र सिंह फौजदार ने स्वीकार किया है।

मुजफ्फरनगर दंगे के दौरान युवक की हत्या के मामले में छह आरोपियों को कोर्ट ने संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया। मामले में वर्तमान जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल समेत 20 नामजद और 200 अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। एसआईटी ने मामले की जांच के बाद छह लोगों के खिलाफ चार्जशीट दायर की थी।

बचाव पक्ष के वकील राहुल चौधरी ने बताया कि मुजफ्फरनगर में 7 सितंबर 2013 को दंगा भड़का था। ककरौली थाना क्षेत्र के गांव खेडी फिरोजाबाद निवासी गय्यूर के हवाले से उन्होंने कहा कि वे अपने भाई लताफत के साथ ट्रैक्टर लेकर गांव जा रहा था।

# कम दृष्टि वालों को सरकारी नौकरी में आरक्षण नहीं

## हाईकोर्ट पहुंचा मामला, कोर्ट ने सरकार और पीएससी से 4 हफ्ते में मांगा जवाब

रायपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में सरकारी नौकरियों में दिव्यांगों के लिए आरक्षित पदों में अंधत्व और कम दृष्टि वाले दिव्यांगों को अलग से आरक्षण नहीं देने का मामला हाईकोर्ट पहुंच गया है। बिलासपुर हाईकोर्ट में मंगलवार को हुई सुनवाई में जस्टिस एके प्रसाद की बेंच ने राज्य सरकार और छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग को चार सप्ताह में जवाब देने के निर्देश दिए हैं।

सरकार और पीएससी की ओर से इस याचिका की सुनवाई पर भी आपत्ति जताई गई है। कोर्ट ने इस आपत्ति पर अभी कोई फैसला नहीं दिया है और इसे खुला रखा है। अब सरकार और पीएससी के जवाब के बाद मामले की आगे सुनवाई होगी। इसकी अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद होगी।

भिलाई के विवेक सिंह ने इस मामले को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर की है।

याचिका में उन्होंने बताया है कि वे 'स्टारगार्डट' बीमारी से पीड़ित हैं और उनकी आंखों की रोशनी करीब 90 प्रतिशत कम है। विवेक सिंह ने छत्तीसगढ़ पीएससी की कई भर्तियों के विज्ञापन भी कोर्ट में पेश किए हैं। उनका कहना है कि इन विज्ञापनों में दिव्यांगों के लिए आरक्षित पदों को अलग-अलग श्रेणियों में बांटने के बजाय सभी को एक ही श्रेणी में रखा गया है। याचिका में उदाहरण देते हुए बताया गया है कि अगर किसी भर्ती में दिव्यांगों के लिए दो पद आरक्षित हैं, तो उसमें हाथ-पैर से दिव्यांग, अंधत्व या कम दृष्टि और सुनने में परेशानी वाले दिव्यांगों को एक ही श्रेणी में रखा जाता है।

# हापुड़ कोर्ट असदुद्दीन ओवैसी ने अपनी गवाही दर्ज कराई

## 2022 के फायरिंग केस की पूरी कहानी

हापुड़, 13 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हापुड़ में साल 2022 में जानलेवा हमले के मामले में चल रहे मुकदमे की सुनवाई के दौरान गुरुवार को एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने अदालत में अपनी गवाही दर्ज कराई। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (द्वितीय) शेष बहादुर की अदालत में ओवैसी कड़ी सुरक्षा के बीच करीब साढ़े 10 बजे पहुंचे। गवाही की प्रक्रिया पूरी होने के बाद वह अदालत से रवाना हो गए। इस दौरान उन्होंने मीडिया से कोई बातचीत नहीं की।

ओवैसी के अदालत पहुंचने को लेकर जिला न्यायालय परिसर और आसपास के इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। बड़ी संख्या में पुलिस और पीएसी के जवान तैनात रहे।

ओवैसी के अधिवक्ता आरिफ ने बताया कि इस मुकदमे में यामीन माजिद और शौकत की गवाही पहले ही हो चुकी है। गुरुवार को सांसद असदुद्दीन ओवैसी की गवाही की प्रक्रिया भी पूरी हो गई। अधिवक्ता के मुताबिक, मुकदमे में अभी करीब 40 से 45 गवाहों की गवाही होना बाकी है। ऐसे में मामले की सुनवाई आगे भी जारी रहेगी।

मामले में अगली सुनवाई के लिए 8 सितंबर 2026 की तारीख निर्धारित की गई है। उस दिन अदालत में आगे की गवाही और अन्य न्यायिक प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

वर्ष 2022 में हापुड़ के पिलखुवा क्षेत्र स्थित छिजारसी टोल प्लाजा के पास एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के काफिले पर फायरिंग की घटना हुई थी। घटना के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर गौतमबुद्धनगर के दुरियाई बादलपुर निवासी सचिन और सहारनपुर के सापला बेगमपुर, नकुड़ निवासी शुभम को गिरफ्तार किया था।

पुलिस के मुताबिक, विवेचना के दौरान पूछताछ में मेरठ के मुंडाली क्षेत्र के राधना गांव निवासी आलीम का नाम भी सामने आया। जांच में पुलिस ने आरोप लगाया कि सचिन और शुभम को फायरिंग में इस्तेमाल करने के लिए हथियार आलीम ने उपलब्ध कराए थे। इसके बाद पुलिस ने आलीम को भी मामले में आरोपी बना दिया।

पुलिस ने मामले की विवेचना पूरी करने के बाद करीब 1900 पन्नों की चार्जशीट न्यायालय में दाखिल की।

चार्जशीट में कुल 60 गवाहों के नाम शामिल किए गए हैं, जिनमें 12 पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। मामले में तीनों आरोपी फिलहाल जमानत पर हैं।

इस मामले में असदुद्दीन ओवैसी इससे पहले अक्टूबर 2024 में भी हापुड़ पहुंचकर अदालत में गवाही दर्ज करा चुके हैं। अब गुरुवार को एक बार फिर उन्होंने अदालत में अपनी गवाही दर्ज कराई है।

# हावड़ा-मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस से पकड़ाया 2 करोड़ का विदेशी सोना

### 7 सोने के बिस्किट और एक सोने की छड़ मिली, दो संदिग्ध पकड़े गए

रायपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। हावड़ा-मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस में करीब 2 करोड़ रुपए का विदेशी सोना पकड़ा गया है। यह कार्रवाई आरपीएफ क्राइम ब्रांच रायपुर और नागपुर की टीम ने डीआरआई नागपुर के साथ मिलकर की। ट्रेन के बी-12 कोच में तलाशी के दौरान दो संदिग्धों को पकड़ा गया। उनके पास से करीब 1.242 किलो सोना बरामद हुआ। इसमें 7 सोने के बिस्किट और एक सोने की छड़ शामिल है। बरामद सोने की कीमत 1 करोड़ 96 लाख 34 हजार 307 रुपए बताई गई है।

आरपीएफ क्राइम ब्रांच नागपुर के निरीक्षक को सूचना मिली थी कि ट्रेन नंबर 12262 हावड़ा-मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस में दो लोग विदेशी सोना लेकर जा रहे हैं। सूचना मिलते ही आरपीएफ क्राइम ब्रांच रायपुर और नागपुर की टीम को डीआरआई नागपुर के अधिकारियों के साथ जांच के लिए लगाया गया। संयुक्त टीम ने रायपुर से नागपुर के बीच ट्रेन में तलाशी शुरू की। तलाशी के दौरान बी-12 कोच में दो संदिग्ध मिले। दोनों को भंडारा-नागपुर के बीच पकड़ लिया गया।

दोनों की तलाशी लेने पर 7 सोने के बिस्किट और एक सोने की छड़ मिली। कुल वजन करीब 1.242 किलो था। जांच में इसे विदेशी सोना बताया गया है। इसकी कीमत करीब 1.96 करोड़ रुपए आंकी गई है। डीआरआई नागपुर ने दोनों के खिलाफ कस्टम एक्ट, 1962 की धारा 135 के तहत मामला दर्ज किया है। दोनों से पूछताछ की जा रही है। उन्हें कोर्ट में पेश करने की प्रक्रिया भी की जा रही है। अब डीआरआई यह पता लगाने में जुटी है कि सोना कहां से लाया गया था और इसे किसे पहुंचाया जाना था। एजेंसी इस मामले से जुड़े दूसरे लोगों और सोने की तस्करी के नेटवर्क की भी जांच कर रही है।

# सत्ताधारी पार्टी को शराब माफिया ने दिया पैसा

## बिहार के शराबबंदी कानून पर पप्पू यादव का चौंकाने वाला दावा

पटना, 13 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में एनसीएईआर की रिपोर्ट के बाद शराबबंदी कानून को लेकर एक नई चर्चा जन्म ले चुकी है। कुछ लोग शराबबंदी के पक्ष में बोल रहे हैं। कुछ लोगों का कहना है कि शराबबंदी कभी बिहार में लागू ही नहीं हुई। इसी क्रम में पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने कहा कि बिहार में सफल क्या रहा। पलायन सफल रहा। ड्रग्स घर-घर चला गया। अपराध ऐसा है कि बस नेता ही बच सकता है। पदाधिकारी भी बच सकता है। आम आदमी तो भगवान भरोसे है। गरीबी पराकाष्ठा पर चला गया है। सरकार में लगातार भ्रष्टाचार चल रहा है।

पप्पू यादव ने बिहार में नगर निगम की ओर से खरीदे गए तीन सौ करोड़ के डस्टबिन पर भी सवाल उठाया। पप्पू यादव ने कहा कि लगातार घोटाला हो रहा है। उन्होंने कहा कि एक हजार का बक्शा पंद्रह हजार में खरीदा गया है। नगर निगम में खरीदा गया है। अरबों- खरबों रुपये लूटे गए हैं। अस्पताल से लेकर नगर निगम तक। पप्पू यादव से पहले डस्टबिन मामले पर रोहिणी आचार्य, लालू यादव की बेटी सम्राट सरकार को कटघरे में खड़ा कर चुकी हैं। उन्होंने कहा था कि बिहार में डस्टबिन भी वीवीआईपी हो गया।

उन्होंने कहा कि बिहार में शराबबंदी कभी सफल हुआ ही नहीं। शराबबंदी आप करते। उसके तरीके बदलते। आप करते। उसका मूल्यांकन करते। फिर से कानून लाने की बात करते। आपने 20 सालों में कोई मूल्यांकन ही नहीं किया। कानून बनता ही है मूल्यांकन करने के लिए। शराब के कारण हमारी आर्थिक स्थिति खराब हो गई।

ड्रग्स भी घर- घर चला गया। उसके बाद नेता अपराधी और माफिया को। पार्टी को। शराब माफिया की ओर से पैसा काफी दिया गया। ध्यान रहे कि एनसीएईआर की रिपोर्ट मे कहा गया है कि शराबबंदी से बिहार को कुछ खास फायदा नहीं हुआ है। सूखा नशा बढ़ गया है। उधर, शराबबंदी पर सरकार के मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा है कि शराब माफिया और कुछ शराब पीने वाले इस कानून को बिहार में नहीं चाहते हैं। बिहार में शराबबंदी पूरी तरह सफल है।

# मायावती ने पूर्व मंत्री अंटू मिश्रा को बसपा से निकाला

## सतीश मिश्रा के ममेरे भाई हैं, बसपा सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रह चुके, भाजपा में जाने की अटकलें थीं

लखनऊ, 13 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री अनंत कुमार मिश्रा उर्फ अंटू मिश्रा को बसपा से निष्कासित कर दिया गया है। अंटू मिश्रा, बसपा के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा के मामा के बेटे हैं।

मायावती ने गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे अपने एक्स हैंडल पर अंटू मिश्रा के निष्कासन की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अनंत कुमार मिश्रा को "पार्टी विरोधी गतिविधियों आदि" के चलते तत्काल प्रभाव से निष्कासित किया गया है।

निष्कासन के बाद अंटू मिश्रा ने कहा-अभी कुछ नहीं कहना चाहता हूं। एक-दो दिन में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर विस्तार से अपनी बात सबके सामने रखूंगा।

विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच अंटू मिश्रा का निष्कासन बसपा की बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है। कुछ दिन पहले ही मायावती ने आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ को भी पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया था।

मायावती ने एक्स पर लिखा- उत्तर प्रदेश में बी.एस.पी. सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रहे श्री अनन्त कुमार मिश्रा उर्फ अन्टू मिश्रा को उनकी पार्टी विरोधी गतिविधियों आदि के फलस्वरूप आज तत्काल प्रभाव से उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है।

बसपा प्रमुख ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से चुनाव के दौरान विरोधी दलों के कथित साम, दाम, दंड और भेद जैसे हथकंडों से सावधान रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ अंबेडकरवादी मिशन को आगे बढ़ाने और आगामी विधानसभा चुनाव में बसपा को सफल बनाने में जुटें।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, अनंत मिश्रा पिछले कुछ समय से बसपा की सक्रिय गतिविधियों से दूरी बनाए हुए थे। उनके दूसरे दलों के नेताओं के संपर्क में होने और भाजपा में जाने की अटकलें भी समय-समय पर सामने आती रही हैं। हालांकि, मायावती ने निष्कासन की आधिकारिक वजह पार्टी विरोधी गतिविधियां बताई है।

आकाश आनंद के ससुर समेत कई नेताओं पर कार्रवाई

अनंत मिश्रा से पहले मायावती पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में कई बड़े नेताओं पर कार्रवाई कर चुकी हैं। इनमें बसपा के राष्ट्रीय समन्वयक और आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ तथा राष्ट्रीय समन्वयक रणधीर सिंह बेनीवाल शामिल हैं।

# आजम खान के खिलाफ गलत मुकदमों के तहत आज भी अन्याय

## शिवपाल के बाद डिंपल यादव ने उठाया मामला

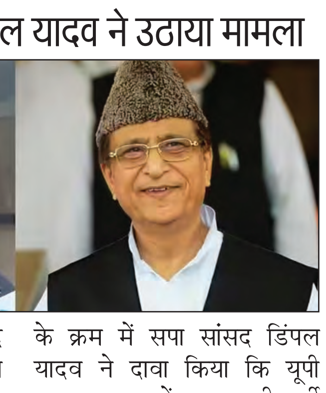

रामपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री और सीनियर समाजवादी पार्टी नेता आजम खान का मुद्दा एक बार फिर गरमाने लगा है। चुनाव से पहले आजम खान के मुद्दे पर हर बार राजनीति गरमाती रही है। दरअसल, आजम खान के खिलाफ रामपुर में वर्ष 2019 में सात दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हुए गए थे। समाजवादी पार्टी शासन के दौरान मंत्री पद पर रहते हुए गरीब और कमजोर वर्ग पर अत्याचार के मामले में केस दर्ज कराए गए। इन मामलों में कोर्ट की ओर से सजा के ऐलान के बाद आजम खान को सीतापुर जेल में रखा गया है।

फरवरी 2020 से आजम खान लगातार जेल आ-जा रहे हैं। अभी भी वे फर्जी डिग्री मामले में जेल में सजा के ऐलान के बाद जेल में बंद हैं। पिछले दिनों शिवपाल यादव ने उनसे जेल में मुलाकात की थी। इसके बाद आजम खान के खिलाफ सरकार और अधिकारियों के विद्वेषपूर्ण रवैये का जिक्र किया था। अब समाजवादी पार्टी की मैनपुरी सांसद डिंपल यादव ने भी आजम खान के मुद्दे पर सरकार को घेरा है। संसद की कार्यवाही में भाग लेने के दौरान मीडिया से बातचीत के क्रम में सपा सांसद डिंपल यादव ने दावा किया कि यूपी चुनाव 2027 में समाजवादी पार्टी की जीत होगी।

सपा की सरकार बनेगी तो हम सुनिश्चित करेंगे कि किसी भी वर्ग पर अन्याय नहीं हो। जिन लोगों पर अन्याय हो रहा है, उन्हें राहत दी जाएगी। आजम खान को गलत मुकदमों में फंसाया गया है। आज भी उनके साथ अन्याय हो रहा है।

# टाटा संस में चंद्रशेखरन की जगह ले सकते हैं नरेंद्रन

## चेयरमैन की रेस में टाटा स्टील के एमडी सबसे आगे; 1988 से ग्रुप से जुड़े हैं

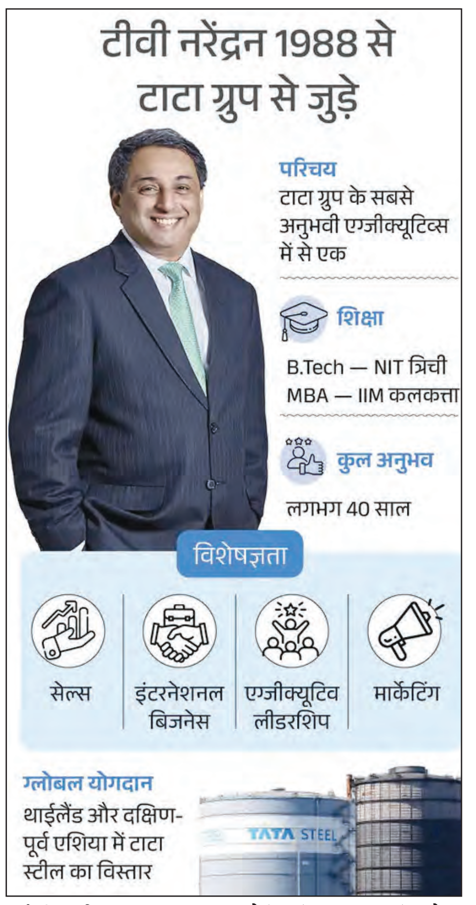


नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के इस्तीफे के ऐलान के बाद नए उत्तराधिकारी की तलाश शुरू हो गई है। सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट ने आज 13 अगस्त को एक प्रस्ताव पास कर 5 सदस्यीय सिलेक्शन कमेटी गठित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस पद की रेस में टाटा स्टील के मैनेजिंग डायरेक्टर टीवी नरेंद्रन का नाम सबसे आगे है। नरेंद्रन 1988 से टाटा ग्रुप से जुड़े हुए हैं। उनका पूरा करियर टाटा स्टील में ही रहा है।

चंद्रशेखरन ने भले ही इस्तीफा दे दिया हो लेकिन वे फरवरी 2027 तक टाटा संस के चेयरमैन पद पर बने रहेंगे। इस वजह से टाटा संस के पास नया प्रमुख को चुनने और उनके स्मूथ ट्रांजैक्शन की योजना बनाने के लिए लगभग 6 महीने का वक्त है।

**5 सदस्यीय कमेटी नए चेयरमैन का फैसला करेगी**

टाटा संस के नियमों के मुताबिक चेयरमैन के चयन के लिए 5 सदस्यों की एक खास कमेटी बनाई जाती है। नामों की स्क्रूटनी के बाद कमेटी उनका इंटरव्यू करती है। फिर टाटा संस बोर्ड को अंतिम नाम की सिफारिश की जाती है।

**नरेंद्रन का नाम चर्चा में आने की तीन वजह...**

**मुश्किल दौर में शानदार परफॉर्मेंसः** नरेंद्रन ने जब पद संभाला, तब टाटा स्टील भारी कर्ज, वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव और महंगे विदेशी अधिग्रहणों से जूझ रही थी। उन्होंने कर्ज कम करने, कैश फ्लो सुधारने और डोमेस्टिक पोजीशन मजबूत करने पर काम किया। यूके और नीदरलैंड्स में कठिन रीस्ट्रक्चरिंग फैसलों को भी संभाला।

**टाटा कल्चर की गहरी समझः** 2016 के सायरस मिस्त्री विवाद के बाद, टाटा ग्रुप अपनी पुरानी परंपराओं, मूल्यों और समूह के साथ जुड़ाव को बनाए रखने पर सबसे ज्यादा जोर दे रहा है। चंद्रशेखरन की तरह, नरेंद्रन भी लगभग 4 दशक से टाटा ग्रुप का हिस्सा रहे हैं और इसकी कार्यशैली और सिद्धांतों को गहराई से समझते हैं।

**नरेंद्रन की जिंदगी की रोचक बातें**

1. 40 की उम्र में सीखा ड्रमः टी.वी. नरेंद्रन ने 2024 में दिए एक इंटरव्यू में बताया कि 40 साल की उम्र में उन्हें लगा कि जिंदगी में एक चीज सीखना रह गई है, जो था ड्रम बजाना। उस समय वे सिंगापुर में काम कर रहे थे। उन्होंने वहीं ड्रम सीखने की क्लास जॉइन की और करीब तीन साल तक ड्रम सीखा।

**2. दौड़ने वाले सीईओ के नाम से भी पहचानः** नरेंद्रन की एक खास पहचान उनकी दौड़ने की आदत से भी जुड़ी है। वे सुबह जल्दी उठकर करीब 9 किमी दौड़ते हैं। उनके लिए दौड़ना सिर्फ फिट रहने का तरीका नहीं, बल्कि खुद के साथ समय बिताने और दिमाग को तरोताजा रखने का जरिया भी है। उन्हें अकेले दौड़ना पसंद है, क्योंकि इस दौरान उन्हें सोचने और अपने लिए समय मिलता है।

**3. नाना कोचीन राज्य के पहले प्रधानमंत्री थेः** नरेंद्रन के नाना ई. इक्कंडा वॉरियर थे। वे तत्कालीन कोचीन राज्य के पहले प्रधानमंत्री और स्वतंत्रता सेनानी थे। बचपन में उनका नरेंद्रन पर काफी असर रहा। उन्होंने नरेंद्रन को शतरंज सिखाया, स्वतंत्रता आंदोलन के बारे में बताया और उनके सोचने और विचार बनाने के तरीके को प्रभावित किया।

# एक तीर से कई निशाने साधेगा भारत

## अमेरिका के साथ चल रही बातचीत बेहद अहम

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। भारत अपनी एलपीजी सप्लाई को पूरी तरह सुरक्षित कर लेना चाहता है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए उसने अमेरिका के साथ बातचीत शुरू की है। बताया जाता है कि 2027 के एनुअल कॉन्ट्रैक्ट के तहत वह ज्यादा लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) खरीदने के लिए चर्चा कर रहा है। भारत दुनिया में एलपीजी का सबसे बड़ा उपभोक्ता है। उसका टारगेट अपने सप्लाई सोर्सेज में विविधता लाना और पश्चिम एशिया पर निर्भरता घटाना है।ब्लूमबर्ग ने इस मामले से जुड़े सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट दी है। इसके अनुसार, सरकार ने राज्य के स्वामित्व वाले रिफाइनरों इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन को 2027 के लिए भारत के एलपीजी आयात का कम से कम 15 फीसदी अमेरिकी टर्म कॉन्ट्रैक्ट के जरिये हासिल करने का निर्देश दिया है। 'पाकिस्तान दुनिया में सबसे पहले करेगा परमाणु हमला', चीनी प्रोफेसर जियांग की भारत को बड़ी चेतावनी अमेरिकी वैज्ञानिकों ने जब खेती को तबाह करती घास से लड़ने के लिए छोड़ी पिस्सू की 'टुकड़ी', क्यों याद किया जाता है ये प्रयोग इस साल की शुरुआत में भारत ने अपनी पहली अमेरिकी टर्म सप्लाई अरेंज की।इसमें लगभग 22 लाख टन का कॉन्ट्रैक्ट किया गया। यह उसके कुल एलपीजी आयात का 10 फीसदी था। तीनों रिफाइनरों के अधिकारी इस समय अमेरिका में सप्लाई सौदों पर बातचीत कर रहे हैं।

इन प्रयासों का मकसद भारत के सप्लाई ऑप्शंस का विस्तार करना है। इसके अलावा अमेरिका के साथ अपने ट्रेड सरप्लस को कम करने में मदद करना है। कारण है कि नई दिल्ली वॉशिंगटन के साथ व्यापार समझौता कर रही है। इस साल अगस्त तक शिपमेंट रिकॉर्ड 39 लाख टन तक पहुंचने के साथ अमेरिका भारत का टॉप एलपीजी सप्लायर बन गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तीनों सरकारी रिफाइनर संभावित सप्लायरों और प्रपोजल का मूल्यांकन करने के बाद यूएस एलपीजी के लिए एक ज्वाइंट टेंडर जारी करने की योजना बना रहे हैं।

ट्रंप प्रशासन ने भारत को एनर्जी एक्सपोर्ट बढ़ाने की मांग की है। भारत दुनिया के सबसे बड़े तेल और गैस आयातकों में से एक है। हालांकि, वाशिंगटन और नई दिल्ली के बीच व्यापार वार्ता बिना किसी समझौते के पिछले साल से जारी है। होर्मुज स्ट्रेट पर गतिरोध और रुकी हुई अमेरिका-ईरान वार्ता के कारण भारत का एलपीजी सप्लाई आउटलुक दबाव में बना हुआ है। पिछले महीने एलपीजी की खपत साल-दर-साल 16% से अधिक गिरकर 23.5 लाख टन हो गई। कारण है कि कमी के कारण घरों और उद्योगों ने पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) और बायोमास और केरोसिन जैसे अधिक प्रदूषणकारी ईंधन पर स्विच करना शुरू कर दिया।

# गेहूं की कीमतों में आया 25% का उछाल! 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' के बाद काला सागर में हुए हमले से थमी अनाज सप्लाई की रफ्तार

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष का असर अब गेहूं की सप्लाई और कीमतों में देखने को मिला है। दोनों देशों के बीच काला सागर में भी ड्रोन और मिसाइलों का अटैक हुआ जिसके बाद काला सागर क्षेत्र में बढ़ते तनाव ने अंतर्राष्ट्रीय गेहूं बाजार की चिंता बढ़ा दी है। अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान के आंकड़े बताते हैं कि जनवरी 2026 के मुकाबले गेहूं की कीमतों में करीब 25% की बढ़ोतरी हो चुकी है और यह पिछले दो सालों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं।

**1 साल में घट गया 40% शिपमेंट**

रिपोर्ट के मुताबिक काला सागर क्षेत्र में बढ़े सैन्य हमलों और शिपिंग में आ रही समस्याओं के कारण ग्लोबल सप्लाई प्रभावित हो रही है। हाल के सप्ताहों में रूस और यूक्रेन ने एक-दूसरे के बंदरगाहों, जहाजों और निर्यात टर्मिनलों पर हमले तेज कर दिए हैं, जिससे गेहूं के निर्यात पर दबाव बढ़ा है।आईएफपीआरआई ने बीते दिनों कहा था कि रूस और यूक्रेन वर्ष 2025-26 में वैश्विक गेहूं व्यापार का लगभग 32% हिस्सा रखते हैं और अधिकांश निर्यात काला सागर के रास्ते से होता है। बढ़ते संघर्ष के कारण जुलाई के अंत तक काला सागर से कुल अनाज शिपमेंट एक साल पहले की तुलना में 40% से अधिक घट गई। यूक्रेन के हमलों के बाद रूस के प्रमुख काला सागर बंदरगाह नोवोरोस्सिस्क के अनाज टर्मिनलों का ऑपरेशन भी प्रभावित हुआ, जिससे बाजार में सप्लाई को लेकर चिंता और बढ़ गई। इसके बाद गेहूं वायदा कीमतों में तेजी दर्ज की गई। विशेषज्ञों का कहना है कि केवल युद्ध ही नहीं, बल्कि यूरोप, एशिया और अन्य क्षेत्रों में सूखे की स्थितियों ने उत्पादन को लेकर भी चिंता बढ़ाई है। प्रमुख निर्यातक देशों में उत्पादन घटने और निर्यात कम होने की आशंका के कारण बाजार में अस्थिरता बढ़ रही है।रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष का असर भारत में भी देखने को मिलेगा। भारत वैश्विक गेहूं बाजार में एक महत्वपूर्ण उत्पादक देश है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय कीमतों का असर देश के घरेलू बाजारों में भी देखने को मिल सकता है।

# '100 ताबूत बनवाए, 99 भ्रष्ट अफसरों और 1 अपने लिए'

## झू रोंगजी ने चीन में जो किया, वो भारत में मनमोहन सिंह नहीं कर पाए

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। उसके बारे में कहा जाता था कि उसने 100 ताबूत तैयार करवा रखे थे। इसमें से 99 ताबूत भ्रष्ट अफसरों और एक खुद के लिए बनवा रखा था। वह फैसले लेने में बेहद सख्त था, जिसके जुनून ने चीन को अमेरिका के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बना दिया। यह कहानी है चीन के एक पूर्व प्रधानमंत्री और विकास के सूत्रधार झू रोंगजी की, जिनका हाल ही में 97 साल की उम्र में बीमारी से निधन हो गया। चीन के इस दूरदर्शी नेता ने 1990 के दशक में सरकारी उद्योगों में बड़े बदलाव करके और देश को विश्व व्यापार संगठन में शामिल कराकर चीन में जबरदस्त आर्थिक तेजी लाने में मदद की थी। वहीं, भारत में नरसिम्हा राव की सरकार में वित्त मंत्री रहते हुए और बाद में प्रधानमंत्री बने मनमोहन सिंह ने भी नब्बे के दशक में आर्थिक सुधारों की शुरुआत कर बड़ा कदम उठाया था। मगर, इन सुधारों की बदौलत चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बन गया और भारत अब भी आर्थिक सुधारों के बीच फंसा हुआ है।

**झू रोंगजी: चीन को दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाया**

झू रोंगजी जब प्रधानमंत्री थे तो उन्होंने 1998 से 2003 के बीच चीन के लिए कई बड़े बदलाव किए। सरकारी कंपनियों को कुशल और लाभदायक बनाने की कोशिशों के दौरान झू का टकराव कम्युनिस्ट पार्टी के रूढ़िवादी नेताओं और सरकारी उद्योगों के प्रमुखों से हुआ। इससे लाखों लोगों की नौकरी चली गई, लेकिन इन बदलावों ने चीन को जापान से आगे निकलकर अमेरिका के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में मदद की।

1998 में 69 साल की उम्र में प्रधानमंत्री बनने के बाद झू ने सरकारी गड़बड़ियों और भ्रष्टाचार की आलोचना करके और सरकार की नाकामियों की जिम्मेदारी खुद लेकर लोकप्रियता हासिल की। उनके सख्त अंदाज के कारण उन्हें 'बॉस' और 'झू फेंगजी (यानी पागल झू)' जैसे उपनाम मिले। पार्टी के अख़बार 'पीपुल्स डेली' के अनुसार, 1998 में झू ने कहा था, 'मैंने यहां 100 ताबूत तैयार किए हैं। 99 भ्रष्ट अधिकारियों के लिए और एक अपने लिए।'

# चांदी 3,414 गिरकर 2.34 लाख किलो पर आई

## सोना 972 सस्ता होकर 1.52 लाख का 10 ग्राम हुआ, कैरेट के हिसाब से देखें कीमत

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमत में आज यानी 13 अगस्त को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 972 रुपए गिरकर 1.52 लाख रुपए पर आ गया है। एक किलो चांदी की कीमत 3,414 रुपए गिरकर 2.34 लाख रुपए पर आ गई है।

**इस साल सोने-चांदी में अब तक तेजी रही**

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 19 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.52 लाख रुपए पर पहुंच गया है। चांदी की कीमत में 4 हजार रुपए की बढ़त है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.34 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

# पेट्रोल-डीजल अब नहीं मचेगा हाहाकार

## बीकानेर और बीना में ऑयल रिजर्व बनाने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत 120 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई थी। इस कारण जून तिमाही में भारत का कच्चा तेल आयात बिल पिछले साल के मुकाबले 26% बढ़ गया, जबकि इंपोर्ट वॉल्यूम में 18% की गिरावट आई। भारत सालाना करीब 2 अरब बैरल कच्चा तेल आयात करता है। यही वजह है कि तेल की कीमत में प्रति बैरल 1 डॉलर की बढ़ोतरी से उसका बिल करीब 18,000 करोड़ रुपये बढ़ जाता है। इस स्थिति से बचने के लिए सरकार अब दो स्ट्रैटजिक पेट्रोलियम रिजर्व बनाने की योजना बना रही है। मिंट की एक रिपोर्ट के मुताबिक सरकार राजस्थान के बीकानेर और मध्य प्रदेश के बीना में दो स्ट्रैटजिक पेट्रोलियम रिजर्व बनाने की तैयारी में है। पेट्रोलियम मंत्रालय द्वारा संसद की एक स्थायी समिति को दी जानकारी के मुताबिक बीकानेर की फैसिलिटी को लेकर फिजिबिलिटी स्टडीज पूरी हो चुकी है और इसे अंतिम रूप दिया जा रहा है। बीना फैसिलिटी को लेकर प्री-फिजिबिलिटी स्टडी हो चुकी है और डिटेल्ड फिजिबिलिटी स्टडी होनी है। चीन के पास दुनिया का सबसे बड़ा स्ट्रैटजिक पेट्रोलियम रिजर्व है। एक अनुमान के मुताबिक चीन के एसपीआर करीब 1,397 मिलियन बैरल का है। इसके बाद अमेरिका, जापान, ओईसीडी यूरोप, साउथ कोरिया का नंबर है। भारत का स्ट्रैटजिक ऑयल रिजर्व करीब 21 मिलियन बैरल का है। भारतीय नीति निर्माताओं की यह धारणा रही है कि फारस की खाड़ी के पास होने के कारण भारत को बड़े रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार की जरूरत नहीं है। लेकिन ईरान युद्ध ने इसे बदलकर रख दिया है। भारत दुनिया में कच्चे तेल की तीसरा बड़ा आयातक है और अपनी जरूरत का करीब 88 फीसदी क्रूड ऑयल आयात करता है। आयात बिल बढ़ने से महंगाई, ग्रोथ, चालू खाते का घाटा बढ़ जाता है और रुपये पर दबाव बढ़ता है। पहली तिमाही में रूस एक बार फिर भारत का टॉप क्रूड सप्लायर बना रहा। कुल आयात में उसकी हिस्सेदारी 40% से अधिक रही। उसके बाद संयुक्त अरब अमीरात (14.6%), सऊदी अरब (9.9%), वेनेज़ुएला (5.2%) और ओमान (4.5%) प्रमुख सप्लायर थे।

# भारत का व्यापार घाटा बढ़ा, जुलाई में 31.98 अरब डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के लिए व्यापार के मोर्चे पर जुलाई का महीना थोड़ा चुनौतीपूर्ण रहा. जुलाई में देश का माल व्यापार घाटा बढ़कर 31.98 अरब डॉलर हो गया. जून में यह आंकड़ा 30.43 अरब डॉलर था. यानी एक महीने में व्यापार घाटा करीब 1.55 अरब डॉलर बढ़ गया. व्यापार घाटे का सीधा मतलब है कि भारत ने विदेशों से जितने सामान खरीदे, उनकी कीमत देश से बाहर बेचे गए सामान की कीमत से ज्यादा रही. जुलाई में आयात बढ़ने की वजह से यह अंतर और बड़ा हो गया. रॉयटर्स के एक सर्वे में अर्थशास्त्रियों ने जुलाई के लिए व्यापार घाटा करीब 30.20 अरब डॉलर रहने का अनुमान लगाया था, लेकिन वास्तविक आंकड़ा अनुमान से ज्यादा रहा. सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में भारत का माल निर्यात बढ़कर 44.24 अरब डॉलर हो गया. जून में यह 40.41 अरब डॉलर था. यानी निर्यात में अच्छी बढ़ोतरी देखने को मिली. इसके बावजूद आयात में इससे ज्यादा तेजी आई. जुलाई में भारत का माल आयात 76.22 अरब डॉलर रहा, जबकि जून में यह 70.84 अरब डॉलर था. यानी एक महीने में आयात करीब 5.38 अरब डॉलर बढ़ गया. यही वजह रही कि निर्यात बढ़ने के बावजूद व्यापार घाटा कम नहीं हो पाया.

**निर्यात के सामने बढ़ रही चुनौतियां**

भारत के व्यापार पर इस समय कई अंतरराष्ट्रीय घटनाओं का असर पड़ रहा है. खासकर मिडिल ईस्ट के आसपास समुद्री रास्तों में हो रही रुकावटों से सामान की आवाजाही प्रभावित हो रही है. शिपिंग रूट

में परेशानी होने से भारत से दूसरे देशों को सामान भेजने में समय और लागत दोनों बढ़ सकते हैं. इसके अलावा ऊर्जा की ऊंची कीमतें भी भारत के आयात बिल पर दबाव डाल रही हैं. भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा कच्चे तेल और अन्य ऊर्जा उत्पादों के आयात से पूरा करता है. ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में ऊर्जा की कीमत बढ़ने पर देश का कुल आयात खर्च भी बढ़ जाता है.

**भारत के लिए क्यों महत्वपूर्ण है व्यापार घाटा?**

व्यापार घाटा बढ़ने का मतलब है कि देश का आयात खर्च निर्यात से मिलने वाली कमाई की तुलना में ज्यादा है. लंबे समय तक ऐसा होने पर विदेशी मुद्रा पर दबाव बढ़ सकता है. इसलिए भारत के सामने एक तरफ निर्यात को मजबूत बनाए रखने की चुनौती है, वहीं दूसरी तरफ आयात की लागत को नियंत्रित करना भी जरूरी है. जुलाई के आंकड़े बताते हैं कि निर्यात में बढ़ोतरी हुई है, लेकिन आयात की तेज रफ्तार के कारण व्यापार घाटा बढ़ गया. आने वाले महीनों में ग्लोबल शिपिंग रूट, एनर्जी की कीमतें और अंतरराष्ट्रीय तनाव भारत के व्यापार आंकड़ों के लिए बेहद जरूरी फैक्टर करेंगे.

# शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव; सेंसेक्स 113 अंक चढ़ा, निफ्टी 40 अंक टूटा

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क सूचकांकों में गुरुवार को उतार-चढ़ाव दिखा। कारोबार के समापन पर सेंसेक्स 113.61 (0.15%) अंकों की बढ़त के साथ 78,079.96 के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, निफ्टी 40.10 (0.16%) अंक टूटकर 24,395.85 के स्तर पर बंद हुआ। आज गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन गिरावट दर्ज की गई। कारोबारियों ने मासिक एक्सपायरी के दिन की अस्थिरता के लिए खुद को तैयार किया था। सेंसेक्स 113.61 अंक गिरकर 78,079.96 पर आ गया। वहीं, निफ्टी में 40.11 अंकों की गिरावट आई और यह 24,395.85 पर बंद हुआ। बाजार में अधिकांश क्षेत्रों में नकारात्मक रुख देखा गया। धातु, तेल व गैस, फार्मा, निजी बैंक और उपभोक्ता-केंद्रित क्षेत्रों में बिकवाली का दबाव रहा।

हालांकि, मीडिया, एफएमसीजी, सूचना प्रौद्योगिकी, रियल एस्टेट, रसायन और सीमेंट जैसे कुछ क्षेत्रों में वृद्धि दर्ज की गई। विश्लेषकों ने दलाल स्ट्रीट के लिए मजबूत सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह के कारकों का उल्लेख किया। बाजार का समग्र माहौल कमजोर बना रहा। व्यापक गिरावट ने

कुछ मजबूत क्षेत्रों को भी प्रभावित किया।

**किन क्षेत्रों में दिखी गिरावट और किनमें तेजी?**

आज के कारोबार में क्षेत्रीय बाजार की चौड़ाई नकारात्मक रही। अधिकांश सूचकांकों में गिरावट दर्ज की गई। धातु, तेल व गैस, फार्मा और निजी बैंक जैसे क्षेत्रों को नुकसान हुआ। उपभोक्ता-केंद्रित क्षेत्रों में भी बिकवाली का दबाव स्पष्ट था। इसके विपरीत, मीडिया, एफएमसीजी, सूचना प्रौद्योगिकी, रियल एस्टेट, रसायन और सीमेंट जैसे कुछ क्षेत्रों में वृद्धि देखी गई।

**भारतीय रुपये का क्या रहा हाल?**

गुरुवार को भारतीय रुपये में भी कमजोरी देखी गई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 0.1 फीसदी गिरकर 95.44 पर बंद हुआ। इसका पिछला बंद भाव 95.33 रुपये था। रुपये की इस गिरावट ने बाजार के कमजोर रुख को और पुख्ता किया।

# दैनिक पंचांग

### गृह गोचर

| गृह स्थिति | | |
|---|---|---|
| सूर्य | कर्क | में |
| चंद्र | सिंह | में |
| मंगल | मिथुन | में |
| बुध | कर्क | में |
| गुरु | कर्क | में |
| शुक्र | कन्या | में |
| शनि | मीन | में |
| राहु | कुंभ | में |
| केतु | सिंह | में |

| लग्नारंभ समय | |
|---|---|
| कर्क | 04-03 बजे |
| सिंह | 06-15 बजे |
| कन्या | 08-22 बजे |
| तुला | 10-26 बजे |
| वृश्चिक | 12-37 बजे |
| धनु | 14-52 बजे |
| मकर | 16-56 बजे |
| कुंभ | 18-48 बजे |
| मीन | 20-25 बजे |
| मेष | 22-01 बजे |
| वृष | 23-45 बजे |
| मिथुन | 01-48 बजे |

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर ,** ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - श्रावण शुक्ल पक्ष शुक्रवार **14 August 2026**
तिथि - द्वितीया **18-47** तक उपरान्त तृतीया
नक्षत्र - पूर्वाफाल्गुनी **03-42** तक उप उ.फाल्गुनी
योग - परिघ **09-28** तक उप शिव
करण - बालव **07-40** तक उप कौलव

**विशेष: सिंजारा**

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखाये व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

**राहुकाल 10-46 से 12-21 तक**

**श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph. 9247132654**

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| चंचल | 06 -01 - 07-35 | शुभ | रोग | 18-42 - 20-06 | अशुभ |
| लाभ | 07-35 - 09-10 | शुभ | काल | 20-06 - 21-31 | अशुभ |
| अमृत | 09-10 - 10-46 | शुभ | लाभ | 21-31 - 22-56 | शुभ |
| काल | 19-46 - 12-21 | अशुभ | उत्पात | 22-56 - 00-21 | अशुभ |
| शुभ. | 12-21 - 13-56 | शुभ | शुभ | 00-21 - 01-46 | शुभ |
| रोग | 13-56 - 15-31 | अशुभ | अमृत | 01-46 - 03-11 | शुभ |
| उत्पात | 15-31 - 17-06 | अशुभ | चंचल | 03-11 - 04-35 | शुभ |
| चंचल | 17-06 - 18-42 | शुभ | रोग | 05-35 - 06-01 | अशुभ |

# आपका राशिफल

**मेष** (चू,चे, चो,ला,ली, लू, ले,लो, अ,)
आपकी रचनात्मकता और तीक्ष्ण सोच आपको आसानी से सीखने और विचारों को व्यक्त करने में मदद करती है। आप जानकारी को जल्दी से अवशोषित करते हैं और सीखने के माहौल में अच्छा प्रदर्शन करते हैं। भावनात्मक उतार-चढ़ाव संचार को प्रभावित कर सकते हैं।

**वृष** (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
काम के प्रति आपका सहज दृष्टिकोण बढ़ा हुआ है, जबकि तीक्ष्ण विश्लेषणात्मक कौशल परियोजनाओं और कार्यों को विस्तृत, सावधानीपूर्वक संभालने में सहायता करते हैं। अपने अहंकार को सफलतापूर्वक संलग्न करें और चुनौतियों से निपटने के लिए अपने दिमाग का उपयोग करें। आपके पास मजबूत प्रेरक क्षमताएं हैं।

**मिथुन** (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आज आप पा सकते हैं कि चुपचाप और स्वतंत्र रूप से काम करने से सबसे अच्छे परिणाम मिलते हैं। ज़िम्मेदारी की एक मज़बूत भावना आपको केंद्रित रखती है, जबकि भावनात्मक गहराई आपके प्रयासों को अर्थ देती है। सहानुभूति आपकी बातचीत का मार्गदर्शन करती है, और विनम्र बने रहने से आपको चुनौतियों से पार पाने में मदद मिलती है।

**कर्क** (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)
साहसी ऊर्जा आपको अपने करियर में आगे बढ़ने में मदद करती है, जबकि नए विचार नए दृष्टिकोणों को जन्म देते हैं। स्पष्ट सोच और निरंतर प्रयास प्रगति की ओर ले जाते हैं। हालाँकि कभी-कभी आपको लय में कुछ कमी महसूस हो सकती है, लेकिन आपके सामाजिक संबंध आपको सहारा देते हैं।

**सिंह** (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,)
आप खुद को साहसी और भावनात्मक रूप से मजबूत महसूस करते हैं, जिससे यह आपके करियर में आत्मविश्वास से भरे कदम उठाने का एक बेहतरीन समय है। जमीन पर बने रहने के लिए व्यावहारिक, तथ्य-आधारित कार्यों पर ध्यान केंद्रित करें। व्यक्तिगत संबंधों को काम या पढ़ाई में बाधा बनने से रोकें।

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
सिंह राशि में सूर्य आज कार्यस्थल पर आपके आत्मविश्वास और रचनात्मकता को बढ़ाएगा और आपको साहसिक कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। मेष राशि में चंद्रमा के साथ, पढ़ाई और कार्यों के प्रति आपकी प्रेरणा उच्च रहेगी, जिससे आपको तेज़ी से प्रगति मिलेगी।

**तुला** (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,)
आपका आत्मविश्वास और उत्साह आपके काम और पढ़ाई में एक मज़बूत गति प्रदान करते हैं, जिससे आपको साहसिक पहल करने में मदद मिलती है। मानसिक कुशाग्रता आपको अवसरों का लाभ उठाने की शक्ति देती है, लेकिन अनावश्यक बहस या अत्यधिक आलोचनात्मक रवैये से बचें। प्रेरक ऊर्जा प्रबल है।

**वृश्चिक** (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी, यू,)
आपका स्वाभाविक आकर्षण दूसरों को अपनी ओर आकर्षित करता है, जिससे सहयोग सहज और अधिक उत्पादक बनता है। मानसिक स्पष्टता सीखने और निर्णय लेने, दोनों में सहायक होती है, जिससे आपको विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने में मदद मिलती है। महत्वाकांक्षा जहाँ आपकी प्रेरणा को बढ़ाती है, वहीं भावनात्मक आवेग गलत कदम उठाने का कारण बन सकता है।

**धनु** (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
आज आपका आत्मविश्वास सबसे अलग है, इसलिए यह काम पर अपने कौशल दिखाने का एक शानदार समय है। अपनी सहज प्रवृत्ति पर भरोसा करें क्योंकि वे आपको रचनात्मक समाधान खोजने में मदद कर सकती हैं। अपनी साहसी ऊर्जा को दयालुता के साथ संतुलित करें, खासकर समूह सेटिंग में।

**मकर** (भो, ज, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी)
आपका स्वाभाविक करिश्मा आपको काम पर अलग दिखने में मदद करता है, जबकि एक अनुशासित मानसिकता आपको केंद्रित रखती है। करियर में वृद्धि आशाजनक लगती है, जो आशावाद और विस्तार लाती है। रिश्तों में तनाव उभर सकता है, लेकिन शांत और चतुराईपूर्ण संचार किसी भी संघर्ष को कम कर सकता है।

**कुंभ** (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आज आप काम पर भावनात्मक रूप से ज़्यादा जुड़े हुए महसूस कर सकते हैं, जिससे सकारात्मक और सहायक माहौल बनेगा। नए विचार सामने आने की संभावना है, जो आपको नए और आविष्कारशील तरीकों से काम करने के लिए प्रेरित करेंगे। स्पष्ट और आत्मविश्वासपूर्ण संचार आपको अपने विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने में मदद करता है।

**मीन** (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)
एकांत गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करें, धैर्य में शक्ति पाएं। चुनौतियाँ आ सकती हैं, फिर भी आपकी मेहनत रंग लाएगी। आप किसी भी बाधा का डटकर सामना कर पाएंगे। बाधाओं पर काबू पाने में धैर्य रखें। संतुलन बनाए रखें, और आपका समर्पण आपको काम और अध्ययन की मांगों के माध्यम से मार्गदर्शन करेगा।

**पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710**

# कैबिनेट में यूसीसी को मिली मंजूरी, खेजड़ी का पेड़ काटने पर लगेगा बैन, एक से अधिक विवाह पर होगी रोक

जयपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। आगामी निकाय और पंचायत चुनावों की आचार संहिता लागू होने से पहले, राजस्थान की भजनलाल सरकार ने कैबिनेट बैठक में कई दूरगामी और ऐतिहासिक फैसलों पर मुहर लगा दी है। सरकार के ये निर्णय न केवल प्रदेश के सामाजिक ताने-बाने को नया आकार देंगे, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सरकारी कर्मचारियों के भविष्य को भी संवारेंगे। कैबिनेट की मंजूरी के बाद अब ये विधेयक 20 अगस्त से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र में पटल पर रखे जाएंगे।

मंत्रिमंडल की बैठक के बाद कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने सरकार की मंशा स्पष्ट करते हुए कहा, हमारा मूल मकसद 'एक प्रदेश, एक कानून' की भावना को धरातल पर उतारना और हर वर्ग को समान अधिकार देना है।

राजस्थान कैबिनेट ने 'समान नागरिक संहिता' के मसौदे को हरी झंडी दे दी है। इस कानून के लागू होने से राज्य में विवाह, तलाक, संपत्ति और उत्तराधिकार जैसे संवेदनशील मुद्दों पर एक समान व्यवस्था लागू होगी।

राजस्थान कैबिनेट का बड़ा फैसला : साल में दो बार बढ़ेगा श्रमिकों का महंगाई भत्ता, 5 घंटे में 30 मिनट देना होगा ब्रेक

प्रदेश में अब एक से अधिक विवाह करने (बहुविवाह) पर पूरी तरह रोक रहेगी। हालांकि, पुनर्विवाह को सर्वमान्य रूप से बढ़ावा दिया जाएगा। विवाह का 60 दिनों के भीतर पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। इसके अलावा, लिव-इन रिलेशनशिप की शुरुआत और उसके अंत की सूचना देना तथा तलाक का पंजीकरण कराना भी जरूरी कर दिया गया है। ऐसा न करने पर 10,000 रुपये का जुर्माना भुगतना होगा।

उत्तराधिकार के नए नियमों के तहत बेटे और बेटी दोनों को पिता की संपत्ति में बराबर का अधिकार मिलेगा। इतना ही नहीं, यदि पिता के जीवनकाल में ही पुत्र का निधन हो जाता है, तो पोते को भी संपत्ति में पूरा हक मिलेगा। हालांकि, आदिवासी व जनजाति क्षेत्रों के समृद्ध रीति-रिवाजों और सामाजिक परंपराओं को इस कानून की परिधि से बाहर रखा गया है।

राजस्थान के राज्य वृक्ष खेजड़ी और रोहिड़ा समेत कुल 29 बहुमूल्य और कल्पवृक्ष श्रेणी के पेड़ों को बचाने के लिए 'राजस्थान ट्री प्रोटेक्शन एक्ट' को मंजूरी दी गई है। संत समाज और पर्यावरण प्रेमियों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए बनाए गए इस कानून में सख्त प्रावधान हैं।

बिना सक्षम अधिकारी की पूर्व अनुमति के प्रतिबंधित पेड़ काटने पर 1 लाख रुपये का जुर्माना और 1 साल की जेल की सजा होगी। यह नियम 500 वर्ग मीटर से बड़ी व्यक्तिगत संपत्तियों पर भी लागू होगा।

यदि किसी विशेष परिस्थिति में पेड़ काटना आवश्यक हो, तो अनुमति मिलने पर 10% अतिरिक्त नए पौधे लगाने होंगे। पौधे न लगा पाने की स्थिति में आवेदक को एक निश्चित राशि जमा करानी होगी, जिससे सरकार उन पेड़ों का रोपण और रखरखाव करेगी।

राज्य के सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों को पदोन्नति (प्रमोशन) के लिए आवश्यक न्यूनतम सेवा अवधि में 2 वर्ष की विशेष छूट दी गई है। पिछले 3 वर्षों से इस लाभ से वंचित रहे सभी कर्मचारी इसके दायरे में आएंगे।

स्वतंत्रता संग्राम से लेकर 31 अक्टूबर 1972 तक के उन 35 शहीद सैनिकों के आश्रित परिवारों को अनुकंपा नियुक्ति देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है, जो दशकों से इस अधिकार से वंचित थे।

# मंत्री संजय शर्मा के धरने पर बैठने से गरमाई सियासत

## 4.30 घंटे तक चला सियासी ड्रामा, सीएम के दखल के बाद धरना खत्म

अलवर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। अपनी ही सरकार में सफाईकर्मियों को नियुक्ति पत्र दिलाने के लिए वन राज्य मंत्री संजय शर्मा के धरने पर बैठने से प्रदेश की सियासत फिर गरमा गई है। अलवर में मंत्री ने न केवल कलक्टर और नगर निगम आयुक्त की कार्यशैली पर सवाल उठाए, बल्कि अफसरों पर सरकार के निर्देशों की अनदेखी के आरोप भी लगाए। नगर निगम में बुधवार को 2012 की सफाई कर्मचारी भर्ती के सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति-पत्र नहीं मिलने पर हंगामा हुआ। सूचना पर मंत्री शर्मा वहां पहुंचे और अभ्यर्थियों के साथ धरने पर बैठ गए।

दिनभर चले इस घटनाक्रम की जानकारी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तक पहुंच गई। इसके बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कलक्टर से तीन सदस्यीय कमेटी गठित कर दस्तावेजों की जांच कर पात्रों को नियुक्ति पत्र देने के आदेश दिए।

करीब साढ़े चार घंटे बाद पांच सफाई कर्मियों को नियुक्ति पत्र देकर धरना समाप्त कराया गया।

शेष को 16 अगस्त को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सभा में नियुक्ति-पत्र देने का आश्वासन दिया गया।

वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने कहा कि यह घटनाक्रम सीएम भजनलाल शर्मा तक पहुंचा, तो उन्होंने तुरंत कलक्टर को तीन सदस्यीय कमेटी गठित कर दस्तावेजों की जांच कर पात्रों को नियुक्ति पत्र देने के आदेश दिए हैं। यह नियुक्ति पत्र 16 अगस्त को दिलवाए जाएंगे। इससे पहले मंत्री ने कलक्टर आर्तिका शुक्ला और निगम आयुक्त सोहन सिंह नरूका पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि कलक्टर का व्यवहार लोकतंत्र के खिलाफ है और वे ऐसा बर्ताव कर रही हैं, जैसे खुद राजा हों और जनता प्रजा। मंत्री ने कलक्टर पर 'लूट कर खाने' जैसी गंभीर टिप्पणी भी की। आयुक्त से कहा, आप दोनों राज्य सरकार से बड़े हो गए क्या? सफाईकर्मियों को 14 साल बाद भी नियुक्ति-पत्र नहीं मिले। मंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि दोनों शहर को खा गए, बर्बाद कर दिया। आरोपों पर कलक्टर व आयुक्त ने प्रत्युत्तर नहीं दिया।

सफाई कर्मचारी भर्ती 2012 के अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जांच के बाद नियुक्ति पत्र तैयार करवाने के लिए जिला कलक्टर आर्तिका शुक्ला ने एडीएम सिटी अंबालाल मीणा की अध्यक्षता में टीम बनाई है। वरिष्ठ लेखाधिकारी कलक्ट्रेट मुकेश कुमार बैरवा, उप विधि परामर्शी कलक्ट्रेट मनोज कुमार सदस्य बनाए गए हैं। यह 16 अगस्त से पहले दस्तावेजों की जांच करने में नगर निगम आयुक्त की मदद करेंगे। कलक्टर आर्तिका शुक्ला ने कहा कि डीएलबी से अंतिम मार्गदर्शन 9 अगस्त को मिला है। नियोक्ता अधिकारी निगम आयुक्त हैं।

दस्तावेज की जांच के लिए एडीएम समेत तीन अधिकारियों की टीम लगाई गई थी और सरकार के आदेश मिलते ही प्रक्रिया शुरू कर दी गई।

नगर निगम का नजारा बुधवार को देखकर साफ लगा कि निकाय चुनाव की आहट तेज हो गई है। सफाई भर्ती अभ्यर्थियों के नियुक्ति पत्र का मुद्दा ऐसा गरमाया कि नेताओं का जमावड़ा लग गया। जो नेता दो साल से निगम में नजर नहीं आए, वे भी अभ्यर्थियों के बीच पहुंच गए। साढ़े चार घंटे तक परिसर में नारेबाजी, हंगामा और आरोप-प्रत्यारोप चलते रहे।

# आईएएस अर्तिका शुक्ला और पुलिस में गालीबाजी ?

## सरकार के मंत्री पर नेता प्रतिपक्ष ने उठाए सवाल

अलवर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर जिले में वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री संजय शर्मा की ओर से 12 अगस्त को अलवर कलेक्टर अर्तिका शुक्ला के खिलाफ मोर्चा खोलने के घटनाक्रम ने सियासी पारा भी चढ़ा दिया है। जिला कलेक्ट्रेट के बाहर मंत्री की ओर से धरना दिए जाने से जहां राजनीति और प्रशासनिक गलियारों में हलचल मची। वहीं इस मुद्दे पर अब विपक्ष ने मंत्री संजय शर्मा की भाषा पर सवाल उठाया है। दरअसल ज्सि दौरान संजय शर्मा जिला कलेक्टर अर्तिका शुक्ला की कार्यशैली पर सवाल उठे रहे थे। अफसरशाही पर तल्खी दिखा रहे थे। उसे लेकर राजस्थान विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने एक्स पोस्ट के जरिए हमला बोला है।

राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली को लेकर यह दावा किया है कि उन्होंने सार्वजनिक स्थल पर धरना देने के दौरान पुलिस और आईएएस

अर्तिका शुक्ला को लेकर अमर्यामित भाषा का प्रयोग किया। जूली ने इससे जुड़ा एक वीडियो भी शेयर किया है। इसमें उन्होंने संजय शर्मा पर पुलिसकर्मी को गाली देने और आईएएस अर्तिका शुक्ला के खिलाफ भी अपशब्द बोलने का आरोप लगाया है। अपनी बात रखते हुए टीकाराम जूली ने यह भी कहा कि अगर कलेक्टर से समस्या थी, शिकायत थी, तो उन्हें मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा अथवा अलवर सांसद केंद्रीय मंत्री श्री भूपेंद्र यादव से शिकायत करनी चाहिए थी। परंतु इस प्रकार से महिला अधिकारी का अपमान करना जायज़ नहीं है। इस आचरण पर उन्हें खेद व्यक्त करना चाहिए।

दरअसल, यह मामला अलवर नगर निगम से जुड़ा हुआ है, जहां सफाई कर्मियों की नियुक्ति पत्र देने को लेकर यह विवाद शुरू हुआ है। इसको लेकर वन मंत्री संजय शर्मा ने अलवर कलेक्टर के रवैये पर सवाल उठाया। इस दौरान संजय शर्मा अलवर की जिला कलेक्टर और नगर निगम आयुक्त से बेहद नाराज दिखे। साथ ही यहां तक कह दिया कि कलेक्टर को समाज का भला करना नहीं है। इनको सिर्फ लूट कर खाना हैं।

# 472 परिवारों को जयपुर में मिले फ्री फ्लैट

## सीएम भजनलाल ने दिए आवंटन पत्र, बोले-जरूरतमंद तक पहुंच रही सरकार

जयपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर में विमुक्त, घुमंतू और अर्धघुमंतू समुदाय के परिवारों के लिए बड़ी राहत की खबर सामने आई है। जयपुर विकास प्राधिकरण की ओर से तैयार किए गए 472 फ्लैट इन परिवारों को फ्री में आवंटित किए गए हैं। आज जयपुर के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित कार्यक्रम में सीएम भजनलाल शर्मा ने लाभार्थियों को आवंटन पत्र सौंपे और फ्लैट की चाबियां भी दी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि राजस्थान के हर जरूरतमंद परिवार तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों को लंबे समय से स्थायी आवास की जरूरत थी उन्हें अब अपना घर मिल रहा है। सरकार राज्यभर में ऐसे परिवारों को आवास उपलब्ध करवाने की दिशा में काम कर रही है।जयपुर में दिए गए इन फ्लैट का निर्माण जेडीए ने जयसिंहपुरा क्षेत्र में करवाया है। फ्लैट मिलने के बाद 472 परिवारों को स्थायी छत मिल सकेगी। इन आवासों में परिवार की जरूरत को ध्यान में रखते हुए जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। जेडीए की ओर से बनाए गए प्रत्येक फ्लैट में एक रूम, हॉल, किचन और लेट-बाथ की सुविधा दी गई है। यानी लाभार्थी परिवारों को रहने के साथ खाना बनाने और दैनिक जरूरतों के लिए जरूरी स्थान भी उपलब्ध कराया गया है। सबसे खास बात यह है कि इन फ्लैटों का आवंटन लाभार्थियों को फ्री किया है। फ्लैट आवंटन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ नगरीय स्वायत्त शासन एवं विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा, कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत मौजूद रहे। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास भी कार्यक्रम में शामिल हुए। मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि सरकार का लक्ष्य प्रदेश के हर जरूरतमंद परिवार को आवास उपलब्ध करवाना है। उन्होंने कहा कि सरकार लगातार ऐसे परिवारों तक पहुंचने और उन्हें मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयास कर रही है। इस आवास योजना से लाभ पाने वाले परिवार के सदस्य खुशी से झूम उठे। ये उनके लिए केवल एक फ्लैट मिलने की खबर नहीं बल्कि स्थायी आवास और बेहतर भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

# निकाय प्रमुखों की आरक्षण लॉटरी में 4 बड़े नगर निगम अनारक्षित, राजस्थान के शहरों में होगी महिला मेयर

जयपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में नगर निकाय और पंचायत चुनाव की तैयारियों के बीच गुरुवार को 309 शहरी निकायों में प्रमुखों के पदों के आरक्षण की लॉटरी राजधानी जयपुर स्थित स्वायत्त शासन विभाग में निकाली गई। लॉटरी में जयपुर, जोधपुर, उदयपुर और बीकानेर नगर निगम को अनारक्षित रखा गया है। यानी इन नगर निगमों में किसी भी वर्ग का मेयर हो सकता है। वहीं, अलवर, अजमेर, भीलवाड़ा, भरतपुर और पाली नगर निगम में मेयर का पद महिला के लिए आरक्षित किया गया है। इसके अलावा कोटा नगर निगम ओबीसी महिला के लिए रिजर्व हो गई। बात दें कि 309 में से एससी 50 जिनमें 16 महिला, एसटी 11 जिनमें 3 महिला, ओबीसी 60 जिनमें 21 महिला और अनारक्षित 188 जिनमें 62 महिला रहेगी।

सबसे पहले अजमेर संभाग की सीटों के लिए लॉटरी निकाली गई। अजमेर संभाग में नावां, नागौर, हमीरगढ़, रियाबड़ी, सरवाड़, लाडनूं, जायल, डीडवाना, बासनी और जैतारण को ओबीसी वर्ग के लिए आरक्षित किया गया है। वहीं, 3 सीटें ओबीसी महिला वर्ग के लिए आरक्षित की गई हैं।कोटा संभाग में अकलेरा, झालावाड़, अंता, कोटा और सुकेत ओबीसी के लिए आरक्षित रखी गई है। वहीं, बीकानेर संभाग में निकाय प्रमुखों के पदों के लिए निकाली गई आरक्षण लॉटरी में लूणकरणसर, सुजानगढ़, खाजूवाला, केसरीसिंहपुर, सरदारशहर, राजगढ़, चूरू और नोखा को ओबीसी वर्ग के लिए आरक्षित किया गया है। भरतपुर संभाग में ओबीसी वर्ग के लिए निकाली गई लॉटरी में राजाखेड़ा व सरमथुरा ओबीसी महिला के लिए आरक्षित किया गया है। इसके अलावा रूपवास, बौंली, बृजनगर और सवाई माधोपुर ओबीसी वर्ग के लिए आरक्षित किए गए है।

जयपुर संभाग के 19 निकाय ओबीसी के लिए आरक्षित किए गए है। अजीतगढ़, विराट नगर, विद्या विहार, मलसीसर, नीमराना, बहादुरपुर, बांदीकुई, भिवाड़ी, श्रीमाधोपुर, खेतड़ी, राजगढ़, चिढ़ावा, दौसा, खाटूश्यामजी, पलसाना, दांतारामगढ़, मुंडावर, डूंडलोद ओबीसी के लिए आरक्षित किए है। वहीं, बांदीकुई, दौसा, नौगांव, खेतड़ी, नीमराना, खाटूश्यामजी ओबीसी महिला के लिए आरक्षित किए गए है। वहीं, जयपुर, बहरोड़, बिसाऊ, पिलानी, मुकुंदगढ़, किशनगढ़बास, रामगढ़ शेखावाटी, बानसूर, खंडेला, नारायणपुर, अलवर, लक्ष्मणगढ़, फागी, कालाडेरा, मंडेला सुल्ताना, जाखल, कोटकासिम, बगड़, बसवा, सिंघाना, लक्ष्मणगढ़, सांभर, तिजारा, गोविंदगढ़ रामबाग, चाकसू, नारायणपुर, फुलेरा, जोबनेर और नीमकाथाना अनारक्षित वर्ग के लिए आरक्षित किए है।

# पीजीडीसीए परीक्षा में खुलेआम नकल का भंडाफोड़

## दो परीक्षा केंद्रों पर गिरी गाज

जयपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में पांच दिन के भीतर सीकर और दौसा जिलों में परीक्षा के दौरान सामूहिक नकल के दो बड़े मामले सामने आए हैं। दोनों स्थानों पर पीजीडीसीए की परीक्षा में खुलेआम नकल कराई जा रही थी। विजिलेंस जांच और शिकायतों के आधार पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने दोनों परीक्षा केंद्रों की परीक्षाओं को निरस्त कर दिया है।

सीकर स्थित विश्वभारती कॉलेज में विजिलेंस टीम ने अचानक छापा मारकर सामूहिक नकल का भंडाफोड़ किया। निरीक्षण के दौरान तीन कमरों में कुल 72 विद्यार्थी प्रिंटेड कागज की सामग्रियों से खुलेआम नकल करते हुए पाए गए। आरोप है कि केंद्र पर मौजूद शिक्षक ही ऊपर से मिले निर्देशों का हवाला देकर परीक्षार्थियों को नकल करवा रहे थे। गौरतलब है कि सीकर से ही इस वर्ष नीट परीक्षा का पर्चा लीक होने का मामला भी सबसे पहले दर्ज हुआ था।

इससे पूर्व 7 अगस्त को दौसा जिले के लालसोट में स्थित एमडी पीजी कॉलेज में भी पीजीडीसीए परीक्षा के दौरान धड़ल्ले से सामूहिक नकल का मामला सामने आया था। इस केंद्र पर परीक्षा दे रहे सभी अभ्यर्थी सरकार के कंप्यूटर अनुदेशक पद की अर्हता प्राप्त करने के लिए परीक्षा में शामिल हुए थे।

# जल जीवन मिशन घोटाला: पूर्व मंत्री महेश जोशी को हाईकोर्ट से बड़ा झटका, जमानत याचिका खारिज

जयपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के जल जीवन मिशन से जुड़े करीब 20 हजार करोड़ रुपए के भ्रष्टाचार मामले में पूर्व जलदाय मंत्री महेश जोशी को राजस्थान हाईकोर्ट से कोई राहत नहीं मिली है। हाईकोर्ट ने पूर्व मंत्री महेश जोशी सहित मामले में नामजद कई अन्य मुख्य आरोपियों की जमानत याचिकाओं को खारिज कर दिया है।

राजस्थान हाईकोर्ट की एकलपीठ ने मामले पर सुनवाई करते हुए फैसला सुनाया। इससे पहले जस्टिस चंद्रप्रकाश श्रीमाली की एकलपीठ ने 5 अगस्त को सभी पक्षों की दलीलें और बहस पूरी होने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

राजस्थान हाईकोर्ट ने केवल पूर्व मंत्री ही नहीं, बल्कि इस बड़े घोटाले में शामिल कई अन्य अधिकारियों और निजी व्यक्तियों को भी राहत देने से इनकार कर दिया। जमानत अर्जी खारिज होने वालों में इन लोगों के नाम शामिल हैं। जमानत याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से पैरवी करते हुए

अतिरिक्त महाधिवक्ता राजेश चौधरी, एडवोकेट नेहा गोयल, अमन अग्रवाल और विनोद कुमार शर्मा ने आरोपियों की जमानत का कड़ा विरोध किया। सरकारी पक्ष ने दलील दी कि जल जीवन मिशन में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताएं और पद का दुरुपयोग हुआ है, इसलिए गंभीर आरोपों को देखते हुए आरोपियों को जमानत नहीं दी जानी चाहिए। अदालत ने राज्य सरकार के तर्कों को स्वीकार करते हुए सभी याचिकाएं खारिज कर दीं।

कोर्ट में सुनवाई के दौरान महेश जोशी के वकील स्नेहदीप ने तर्क दिया कि केस के डेढ़ साल बाद उनकी गिरफ्तारी हुई है। अप्रैल से दिसंबर 2025 तक ईडी हिरासत के दौरान एसीबी ने उन्हें कस्टडी में लेने का प्रयास नहीं किया। वह बिड एवैल्यूएशन या फाइनेंस कमेटी के सदस्य भी नहीं थे और टेंडर का काम प्रशासनिक अधिकारियों ने किया था।

वहीं, दूसरी ओर तत्कालीन एसई महेंद्र प्रकाश सोनी के वकील सुधीर जैन ने कहा कि समान तथ्यों पर एक से अधिक केस दर्ज की गई हैं। ठेका फर्म के संचालकों को राहत मिल चुकी है और चार्जशीट दाखिल होने के कारण ट्रायल में लंबा समय लगेगा।

इसका विरोध करते हुए अतिरिक्त महाधिवक्ता राजेश चौधरी और अधिवक्ता अमन अग्रवाल ने कहा कि तत्कालीन मंत्री होने के नाते आरोपी विभाग के प्रमुख थे और अन्य आरोपियों से मिलीभगत कर फर्जी दस्तावेजों के जरिए ऊंची दरों पर टेंडर दिए गए। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं।

## भजनलाल सरकार का बड़ा दांव

# 788 करोड़ के विकास कार्यों को रफ्तार

जयपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। निकाय और पंचायत चुनाव से पहले सरकार ने शहर से गांव तक बुनियादी सुविधाओं के बड़े प्रोजेक्टों को रफ्तार देने की कवायद शुरू कर दी है। राजधानी में 406 करोड़ रुपए की अमृत-2 पेयजल परियोजनाओं की तकनीकी स्वीकृतियां जारी करने की तैयारी है, वहीं 5 हजार से अधिक आबादी वाले शेष 192 गांवों के लिए 381.91 करोड़ रुपए के अटल प्रगति पथ मंजूर किए गए है। यानी चुनावी सरगर्मी के बीच सड़क और पानी से जुड़े करीब 788 करोड़ रुपए के कामों का रास्ता साफ किया गया है। हालांकि जयपुर की पेयजल परियोजनाओं में देरी के चलते चुनाव से पहले मुख्य रूप से कागजी प्रक्रिया पूरी होने की संभावना है और धरातल पर काम आचार संहिता खत्म होने के बाद ही शुरू होगा। अमृत-2 के तहत जयपुर के विभिन्न डिवीजनों में 406 करोड़ रुपए के कार्य प्रस्तावित हैं। इनमें 450 एमएम की राइजिंग पाइपलाइन, 3500 केएल क्षमता तक के स्वच्छ जलाशय, 1750 केएल तक की टंकियां और करीब 19 लाख मीटर लंबी डीआई व एचडीपीई पाइपलाइनें शामिल हैं। इनसे पानी की समस्या कम होने व पर्याप्त प्रेशर से पानी मिलने की उम्मीद है। बीसलपुर सिस्टम की नई पाइपलाइन बिछाने की तैयारी के बीच शहर के करीब 17 साल पुराने वितरण तंत्र को बदलना भी जरूरी माना जा रहा है। सरकार ने 5 हजार से अधिक आबादी वाले शेष 192 गांवों में अटल प्रगति पथ के लिए 381.91 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति दी है। 28 जिलों के इन गांवों और आबादी क्षेत्रों में करीब 286 किलोमीटर लंबी सड़कों का निर्माण और सुदृढ़ीकरण होगा। इससे गांवों और ढाणियों की मुख्य सड़कों से कनेक्टिविटी मजबूत होगी।

# जिस वीडियो को हरभजन सिंह ने किया था शेयर

## उसको लेकर श्रीगंगानगर पुलिस ने किया बड़ा खुलासा

श्रीगंगानगर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद एवं पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह की ओर से सोशल मीडिया पर वीडियो साझा किए जाने के बाद चर्चा में आए मामले का श्रीगंगानगर पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस की जांच में सामने आया कि वायरल वीडियो जस्सा सिंह मार्ग स्थित पेट्रोल पंप पर बनाया गया था। वीडियो में सड़क पर असामान्य अवस्था में खड़े नजर आ रहे युवकों भांभू कॉलोनी निवासी योगेश पुत्र हाकम सिंह और उसके भाई जोगिन्द्र सिंह ने नए नशे के सेवन का नाटक किया था।

इसी दौरान पेट्रोल पंप कर्मी ने उनका वीडियो बना लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पुलिस ने आरोपी युवक योगेश को 4.65 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। जबकि वीडियो बनाने वाले पेट्रोल पंप कर्मी प्रहलाद सिंह को भी शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि गिरफ्तार युवक तक हेरोइन कहां से पहुंची और नशे से जुड़े इस पूरे नेटवर्क में और कौन लोग शामिल हैं। पूछताछ में गिरफ्तार युवक योगेश ने पुलिस को बताया कि कुछ लोग हेरोइन (चिट्टा) बेचते हैं, लेकिन वे अपना नाम-पता नहीं बताते। उनसे नकदी देकर हेरोइन खरीदी जाती है।

# 10 लाख में हुआ सौदा, डमी अभ्यर्थी बैठाकर प्लाटून कमांडर बनने वाला युवक गिरफ्तार

जयपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा-2021 में फर्जीवाड़ा कर अपनी जगह डमी अभ्यर्थी को परीक्षा में बैठाने वाले आरोपी राजमोहन मीणा को एसओजी ने जयपुर से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने दलाल के जरिए अपनी जगह दूसरे अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा में बैठाया था। परीक्षा पास करने के बाद उसका चयन प्लाटून कमांडर पद पर हो गया था। मार्च 2025 से फरार चल रहे राजमोहन पर एसओजी की ओर से 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 15 अगस्त तक रिमांड पर लिया गया है। जांच के अनुसार, चयन के बाद राजमोहन राजस्थान पुलिस ट्रेनिंग सेंटर , जोधपुर में प्रशिक्षण ले रहा था। एसओजी की कार्रवाई की भनक लगने के बाद वह 22 मार्च 2025 को ट्रेनिंग सेंटर से फरार हो गया था।

## फर्जी आरबीआई अधिकारी का आया वीडियो कॉल

# रिटायर्ड जज से ठगे 2 करोड़ रुपए, अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कराई रकम

जयपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। साइबर ठगों ने 90 साल के सेवानिवृत्त डिजे को मुंबई में 50 करोड़ रुपए के हवाला लेन-देन में फंसने का डर दिखाकर लाखों नहीं बल्कि करीब दो करोड़ रुपए की रकम अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर ठग ली। ठगों ने खुद को पुलिस, आरबीआई बैंक अधिकारी बताकर बुजुर्ग से लगातार वॉट्सऐप कॉल और वीडियो कॉल के जरिए संपर्क बनाए रखा। इतना ही नहीं, रकम को म्यूचुअल फंड में निवेश करने का झांसा देकर और पैसे ट्रांसफर करने के लिए दबाव बनाया। जब बुजुर्ग करीब डेढ़ करोड़ रुपए और ट्रांसफर करने बैंक पहुंचे तो बैंक प्रबंधन को संदेह हो गया और बैंक की सतर्कता से डेढ़ करोड़ की रकम ठगों के पास जाने से बच गई। ज्योति नगर थाने में बुजुर्ग के लालकोठी स्कीम निवासी भांजे ने इस संबंध में एफआईआर दर्ज करवाई है।

रिपोर्ट में बताया कि जयपुर निवासी मामा के मोबाइल पर 28 जुलाई को एक नंबर से कॉल आया। पुलिस की वर्दी पहने कॉल करने वाले ने खुद को पुलिस अधिकारी बताया और कहा कि मुंबई में 50 करोड़ रुपए का हवाला लेन-देन पकड़ा गया है।

# ज्योतिबा फूले की प्रतिमा के अनावरण को लेकर यातायात व्यवस्था की समीक्षा

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री द्वारा 14 अगस्त 2026 को नेकलेस रोटरी स्थित झील व्यू पार्क में महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा के अनावरण के मद्देनजर हैदराबाद यातायात पुलिस ने यातायात व्यवस्था की समीक्षा की। हैदराबाद के संयुक्त पुलिस आयुक्त, यातायात, अविनाश कुमार के निर्देश पर यातायात-1 के पुलिस उपायुक्त ए. रामुलु, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ए. रामुलु तथा खैरताबाद जोन के सहायक पुलिस आयुक्त एस. मोहन कुमार ने गुरुवार को झील व्यू पार्क, नेकलेस रोटरी का दौरा किया और कार्यक्रम को लेकर यातायात व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल तथा आसपास के क्षेत्रों का जायजा लिया, ताकि समारोह के दौरान यातायात का सुचारु संचालन और आम लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस दौरान क्षेत्रीय अधिकारियों को यातायात मार्गों में बदलाव, वाहनों की पार्किंग व्यवस्था तथा यातायात नियंत्रण के लिए पुलिसकर्मियों की तैनाती को लेकर विस्तृत निर्देश दिए गए। यातायात पुलिस ने कार्यक्रम के दौरान वाहनों की आवाजाही को व्यवस्थित बनाए रखने तथा आम जनता की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए हैं।

## सिंचाई योजना में अनियमितताओं के आरोप

**बीआरएस नेताओं ने लोकायुक्त से की जांच की मांग**

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के पूर्व विधायकों ने नारायणपेट और विकाराबाद जिलों में कार्यान्वित की जा रही मख्तल-नारायणपेट-कोडंगल लिफ्ट सिंचाई योजना में कथित अनियमितताओं की व्यापक जांच की मांग करते हुए लोकायुक्त का दरवाजा खटखटाया है। बीआरएस नारायणपेट जिला अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक एस. राजेंद्र रेड्डी, पूर्व मख्तल विधायक चिट्टेम राममोहन रेड्डी और पूर्व कोडंगल विधायक पटनम नरेंद्र रेड्डी ने गुरुवार को लोकायुक्त के समक्ष शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने मांग की कि यदि जांच में अनियमितताएं या भ्रष्टाचार साबित होता है तो इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों और अन्य लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। राजेंद्र रेड्डी ने आरोप लगाया कि पेरापल्ली गांव के आसपास भूमि अधिग्रहण में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां हुई हैं। उन्होंने दावा किया कि मुआवजा हासिल करने के लिए कथित तौर पर फर्जी पट्टेदार पासबुक का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने सर्वेक्षण संख्या और वास्तविक भूमि के स्थान में भी कथित तौर पर विसंगतियां होने का आरोप लगाया।

## 14 अगस्त को नेकलेस रोटरी के पास हैदराबाद में ट्रैफिक डायवर्जन

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने 14 अगस्त को नेकलेस रोटरी के पास लेक व्यू पार्क में महात्मा ज्योतिराव फुले की मूर्ति के उद्घाटन के सिलसिले में ट्रैफिक डायवर्जन की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के इस कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है। ट्रैफिक जाम की स्थिति के आधार पर, डायवर्जन दोपहर 2 बजे से कार्यक्रम खत्म होने तक लागू रहेंगे।

इसके अनुसार, सचिवालय से आई-मैक्स की ओर जाने वाले ट्रैफिक को खैरताबाद फ्लाईओवर और वीवी स्टैच्यू के रास्ते डायवर्ट किया जाएगा, और पीपल्स प्लाजा और वीवी स्टैच्यू से आई-मैक्स की ओर जाने वाले ट्रैफिक को सचिवालय की ओर डायवर्ट किया जाएगा। इसी तरह, इकबाल मीनार से बरगद के पेड़ मिंट कंपाउंड, प्रिंटिंग प्रेस और नेकलेस रोटरी की ओर जाने वाले ट्रैफिक को सचिवालय जंक्शन की ओर डायवर्ट किया जाएगा। साथ ही, बड़ा गणेश लेन से नेकलेस रोटरी की ओर जाने वाले ट्रैफिक को मिंट कंपाउंड लेन से डायवर्ट किया जाएगा। यात्रा में मदद के लिए, हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने हेल्पलाइन नंबर 9010203626 जारी किया है।

## पिता की हत्या और शव जलाने के आरोप में बेटा गिरफ्तार

मंचेरियाल, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार शाम भीमराम मंडल केंद्र में एक युवक को अपने पिता की हत्या करने और फिर शव जलाने के आरोप में गिरफ़्तार किया गया। आरोप है कि पिता उसकी मर्ज़ी के ख़िलाफ़ शादी करने पर उसे परेशान करते थे। गिरफ़्तारी की जानकारी देते हुए जयपुर के इंस्पेक्टर नवीन कुमार ने बताया कि भीमनी उदय (23) ने 21 जुलाई को भीमराम में आम के बाग में अपने पिता लक्ष्मण का दम घोंटकर हत्या कर दी और फिर शव को आग लगा दी। पूछताछ के दौरान, उदय ने कथित तौर पर कबूल किया कि उसकी मर्ज़ी के ख़िलाफ़ शादी करने के बाद उसके पिता उसे और उसकी पत्नी को परेशान करते थे। उसने बताया कि वह लक्ष्मण को बाग में ले गया और वहाँ उनका दम घोंटकर हत्या कर दी।

# सरकारी आश्वासनों की समिति की बैठक में जनहित के मुद्दे उठाए : रविंदर राव

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। विधान परिषद की सरकारी आश्वासनों की समिति की प्रारंभिक बैठक में विधान परिषद सदस्य तक्केल्लापल्ली रविंदर राव ने जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। उन्होंने समिति से दलगत राजनीति से ऊपर उठकर जनता के पक्ष में काम करने और सरकार से चुनावी घोषणापत्र में किए गए वादों के क्रियान्वयन पर जवाब मांगने की अपेक्षा व्यक्त की।

बैठक में रविंदर राव ने विधान परिषद को वर्तमान शानदार भवन में स्थानांतरित करने और सदस्यों के सम्मान को बढ़ाने के लिए परिषद के सभापति गुत्ता सुखेंदर रेड्डी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने लंबे समय बाद विभिन्न समितियों के गठन पर भी प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने समिति के अधिकार क्षेत्र में आने वाले 'सरकारी आश्वासनों' को लेकर स्पष्टता की मांग की। उन्होंने सवाल किया कि क्या समिति के दायरे में केवल सदन में मंत्रियों द्वारा दिए गए आश्वासन शामिल होंगे अथवा चुनावी घोषणापत्र में किए गए प्रमुख वादे भी इसके अंतर्गत आएंगे। उन्होंने महिलाओं को ढाई हजार रुपये की सहायता देने की प्रस्तावित योजना जैसे चुनावी वादों को भी समिति के दायरे में शामिल किए जाने की आवश्यकता बताई। रविंदर राव ने कहा कि समिति को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर जनता के पक्ष में खड़ा होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि चुनावी घोषणापत्र में किए गए वादों के क्रियान्वयन को लेकर सरकार से जवाब मांगने का अधिकार समिति के पास होना चाहिए। उन्होंने समिति के अधिकारों और कार्यप्रणाली को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि समिति के अधिकार, अधिकारियों को बुलाकर स्पष्टीकरण मांगने की व्यवस्था तथा अन्य प्रक्रियाओं के संबंध में अगली बैठक तक पूरी स्पष्टता होनी चाहिए। उन्होंने समिति की नियमित बैठकें आयोजित करने के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों के अध्ययन के लिए अध्ययन दौरों का आयोजन करने का भी आग्रह किया। बैठक में विधान परिषद के सभापति गुत्ता सुखेंदर रेड्डी, उपसभापति बंडा प्रकाश, समिति के अध्यक्ष केतावत शंकर तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

# गणेश उत्सव की तैयारियों को लेकर समन्वय बैठक

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी गणेश उत्सव की तैयारियों की समीक्षा के लिए गुरुवार को चारमीनार जोनल आयुक्त कार्यालय में समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक हैदराबाद के संयुक्त पुलिस आयुक्त, यातायात के निर्देश पर आयोजित की गई।बैठक की अध्यक्षता यातायात-3 के पुलिस उपायुक्त राहुल हेगड़े बी.के. और चारमीनार जोन के जोनल आयुक्त के. सत्यनारायण ने की। बैठक में संबंधित जोन के सभी यातायात एवं कानून-व्यवस्था के सहायक पुलिस आयुक्त, थाना प्रभारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में गणेश उत्सव के दौरान की जाने वाली व्यवस्थाओं, यातायात प्रबंधन, विभिन्न विभागों के बीच समन्वय, भीड़ नियंत्रण तथा अन्य आवश्यक सुरक्षा उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने उत्सव के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने, भीड़ का प्रभावी प्रबंधन करने और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक तैयारियों एवं विभागीय समन्वय पर विशेष जोर दिया।

## पैसे से नहीं खरीदा जा सकता मुझे : पोचारम श्रीनिवास रेड्डी

**विधायक के बयान से मची सनसनी**

कामारेड्डी, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बांसवाड़ा के विधायक पोच्चारम श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि उन्होंने कभी पैसे या मंत्री पद के लिए अपनी राजनीतिक निष्ठा नहीं बदली और उन्हें पैसे से खरीदा नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि उनके राजनीतिक फैसले हमेशा अपने क्षेत्र के विकास को ध्यान में रखकर रहे हैं। कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए पोचारम श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि उन्होंने कांग्रेस का समर्थन केवल इस उम्मीद में किया था कि उनके निर्वाचन क्षेत्र में लंबित विकास कार्यों में तेजी आएगी। इसी उद्देश्य से उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी का भी समर्थन किया।

हालांकि, उन्होंने कांग्रेस के भीतर अपने सामने आ रही परेशानियों को लेकर खेद जताया। साथ ही उन्होंने भारत राष्ट्र समिति के प्रमुख के. चंद्रशेखर राव के प्रति अपना सम्मान दोहराया। पोचारम श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि उन्हें आश्वासन दिया गया था कि उनके निर्वाचन क्षेत्र के लंबित विकास कार्य छह महीने के भीतर पूरे कर दिए जाएंगे। लेकिन उन्होंने आरोप लगाया कि अब कुछ मंत्री उनके फोन तक का जवाब नहीं दे रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका कांग्रेस को समर्थन किसी व्यक्तिगत लाभ या पद के लिए नहीं, बल्कि अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास कार्यों को आगे बढ़ाने की उम्मीद में किया था।

## काकतीय टेक्सटाइल पार्क में हुए हादसे में यूपी के दो मज़दूरों की मौत

वारंगल, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ज़िले के गीसुगोंडा मंडल में काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क में हुए एक हादसे में दो मज़दूरों की मौत हो गई है। मरने वाले मज़दूरों अभिलाष (30) और सूर्यप्रकाश (31) की मौत टेक्सटाइल पार्क में काम करने वाली एक कंपनी में बुधवार देर रात हुए इलेक्ट्रिक शॉर्ट सर्किट के बाद लिफ़्ट में फंसने से हुई। ये मज़दूर उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के रहने वाले थे। बताया जा रहा है कि बॉयलर में हुए धमाके की वजह से इलेक्ट्रिक शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे यह हादसा हुआ। गीसुगोंडा पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई है, मामला दर्ज कर लिया है और घटना की जांच शुरू कर दी है।

## 350 क्विंटल पीडीएस चावल ज़ब्त

मेडक, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नरसापुर पुलिस ने पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम (पीडीएस) के लगभग 350 क्विंटल चावल को ज़ब्त किया, जिसे पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के गोंदिया ले जाया जा रहा था। विजिलेंस अधिकारियों से मिली जानकारी के बाद, सिविल सप्लाई अधिकारियों और नरसापुर पुलिस ने 7 अगस्त को नरसापुर के पास गाड़ी को रोका। हालांकि, उन्हें गुरुवार तक सही जानकारी नहीं मिल पाई थी। पूरी जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया। चावल को एक स्थानीय राइस मिल में रखा गया था।

## पिता की हत्या और शव जलाने के आरोप में बेटा गिरफ्तार

मंचेरियाल, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार शाम भीमराम मंडल केंद्र में एक युवक को अपने पिता की हत्या करने और फिर शव जलाने के आरोप में गिरफ़्तार किया गया। आरोप है कि पिता उसकी मर्ज़ी के ख़िलाफ़ शादी करने पर उसे परेशान करते थे। गिरफ़्तारी की जानकारी देते हुए जयपुर के इंस्पेक्टर नवीन कुमार ने बताया कि भीमनी उदय (23) ने 21 जुलाई को भीमराम में आम के बाग में अपने पिता लक्ष्मण का दम घोंटकर हत्या कर दी और फिर शव को आग लगा दी। पूछताछ के दौरान, उदय ने कथित तौर पर कबूल किया कि उसकी मर्ज़ी के ख़िलाफ़ शादी करने के बाद उसके पिता उसे और उसकी पत्नी को परेशान करते थे। उसने बताया कि वह लक्ष्मण को बाग में ले गया और वहाँ उनका दम घोंटकर हत्या कर दी।

## पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 171वां निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर 16 को

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा अग्रवाल समाज कृष्ण सखियां नाचारम मल्लापुर शाखा के सहयोग से 171 वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर रविवार 16 अगस्त को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक मल्लापुर मुख्य सड़क स्थित श्री वागदेवी टेक्नो स्कूल में आयोजित किया जायेगा।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में किम्स सनशाइन अस्पताल द्वारा हड्डी, हृदय, ईसीजी 2 डी इको, बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप, सामान्य चिकित्सा की सेवा प्रदान की जाएगी। लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमल गुडा द्वारा निशुल्क नेत्रों की स्क्रीनिंग की जाएगी और आवश्यक को निशुल्क चश्मे एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की जाएगी। अवसर पर डॉ.अखिल क्लिनिक ( पुरणदास रणछोडदास) के डॉ.अखिल सुगंधी एवं डॉ.मीनल खेरिया सुगंधी द्वारा सामान्य जांच की सेवा दी जाएगी। फिजियोथेरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा तथा दांतों की जांच एसएनआर डेंटल के डॉ. एस. नवनीत राज, डॉ. एस. निखिल राज ने सेवा प्रदान की जाएगी। श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा विकलांगों की जांच कर उन्हें निशुल्क एड्स एवं एप्लाएंस जैसे कृत्रिम पैर, कृत्रिम हाथ, कैलिपर्स, हैंड किट्स प्रदान किये जाएंगे। अवसर पर निशुल्क डायलिसिस की भी व्यवस्था आवश्यक रोगी के लिए रहेगी। रोगी को अपने साथ पूर्व की स्वास्थ्य जांच रिपोर्ट लानी होगी ताकि उनकी सुविधा के लिए उचित परामर्श दिया जा सके। शिविर का लाभ लेने के लिए नाम पंजीकरण स्थल पर सुबह 10 से दोपहर 12 के बीच किया जा सकता है।

शिविर दोपहर 2 बजे तक जारी रहेगा। अधिक जानकारी के लिए अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, सुनैना नरसरिया, निशा गुप्ता, मंदाकिनी अग्रवाल, अनिका अग्रवाल से संपर्क किया जा सकता है।

## मिधानि ने जीई एयरोस्पेस से 400 का अनुमोदन प्राप्त किया

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मिधानि भारत की पहली ऐसी कंपनी बन गई है, जिसे जीई एयरोस्पेस से विभिन्न प्रकार के रासायनिक, यांत्रिक और धातुकर्मीय परीक्षणों के लिए इंडिपेंडेंट एंड इंटरनेशनल मेटैलिक मटेरियल लेबोरेटरी (S400) अनुमोदन प्राप्त हुआ है। यह प्रतिष्ठित मान्यता गुणवत्ता, तकनीकी उत्कृष्टता और धातु सामग्री के परीक्षण एवं योग्यता निर्धारण में वैश्विक मानकों के प्रति मिधानि की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह उपलब्धि वैश्विक एयरोस्पेस उद्योग के लिए एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में मिधानि की स्थिति को और मजबूत करती है तथा उन्नत सामग्रियों के क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

## संगठन को मजबूत बनाने के लिए नियमित समीक्षा जरूरी : सचिव सावंत

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं तेलंगाना कांग्रेस के सह प्रभारी सचिव सावंत ने गुरुवार को तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिवों के साथ अलग-अलग समीक्षा बैठकें कीं। बैठकों में महासचिवों को सौंपी गई संगठनात्मक जिम्मेदारियों की प्रगति और पार्टी के कामकाज को अधिक प्रभावी बनाने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई।

सावंत ने कहा कि मजबूत, जवाबदेह और प्रभावी संगठन के निर्माण के लिए पदाधिकारियों को सौंपी गई संगठनात्मक जिम्मेदारियों की नियमित समीक्षा करना और उनसे लगातार प्रतिक्रिया लेना बेहद जरूरी है। इससे संगठन के कामकाज का सही आकलन करने, सामने आ रही चुनौतियों की पहचान करने और उनका समयबद्ध समाधान करने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर संगठन को और मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक पदाधिकारी को अपनी जिम्मेदारी पूरी गंभीरता और सक्रियता के साथ निभानी चाहिए। उन्होंने पदाधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा संगठनात्मक गतिविधियों को प्रत्येक स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर भी जोर दिया। बैठक में संगठन की मौजूदा स्थिति की समीक्षा के साथ-साथ भविष्य की गतिविधियों और पार्टी संगठन को अधिक सक्रिय एवं जवाबदेह बनाने की रणनीति पर भी चर्चा की गई।

## 17 अगस्त से मंडल स्तर पर प्रजावाणी की शुरुआत : चिन्ना रेड्डी

**560 एमपीडीओ को प्रशिक्षण**

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अधिकारियों को जनता के प्रति जवाबदेह रहते हुए समर्पण और संवेदनशीलता के साथ काम करना चाहिए तथा जनसमस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करना चाहिए। यह बात राज्य स्तरीय प्रजावाणी प्रभारी एवं तेलंगाना राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष डॉ. जी. चिन्ना रेड्डी ने गुरुवार को कही। महात्मा ज्योतिबा फुले प्रजा भवन में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चिन्ना रेड्डी ने कहा कि राज्यभर के 560 मंडल विकास अधिकारियों को मंडल प्रजावाणी के नोडल अधिकारी के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई है।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे नागरिकों की समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुनें, उनके आवेदन स्वीकार करें और वास्तविक शिकायतों का क्षेत्रीय स्तर पर ही समाधान करने का पूरा प्रयास करें। किसी भी शिकायत को अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रखा जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को याद दिलाया कि जनता ही वास्तविक मालिक है। उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा अधिकारियों पर जताए गए विश्वास को कायम रखने और प्रजावाणी को गरीब तथा वंचित वर्गों को राहत पहुंचाने का प्रभावी मंच बनाने का आह्वान किया। चिन्ना रेड्डी ने बताया कि राज्य स्तर पर मुख्यमंत्री की प्रजावाणी में शिकायतों के समाधान की सफलता दर 75 प्रतिशत रही है।

# खेलो इंडिया खेलों का भव्य आयोजन करेंगे : मंत्री वाकिति श्रीहरि

नई दिल्ली, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के खेल मंत्री वाकिटि श्रीहरि ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया से मुलाकात की। उनके साथ तेलंगाना सरकार के खेल मामलों के सलाहकार ए.पी. जितेंद्र रेड्डी और तेलंगाना खेल प्राधिकरण के अध्यक्ष के. शिवसेना रेड्डी भी मौजूद रहे। तेलंगाना को खेलो इंडिया खेलों की मेजबानी सौंपे जाने पर मंत्री वाकिति श्रीहरि ने राज्य सरकार की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा लिखा गया आमंत्रण पत्र केंद्रीय मंत्री को सौंपा। उन्होंने बताया कि तेलंगाना में 11 से 22 दिसंबर तक 12 दिनों के दौरान खेलो इंडिया खेलों का आयोजन किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि खेलो इंडिया खेलों को भव्य और सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए राज्य सरकार ने पहले ही व्यापक योजनाएं तैयार कर ली हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि आयोजन में किसी भी प्रकार की कमी या आलोचना की गुंजाइश नहीं छोड़ी जाएगी और उच्चतम मानकों के अनुरूप प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। वाकिति श्रीहरि ने बताया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को समय निकालकर खेलो इंडिया खेलों के उद्घाटन समारोह में शामिल होने का निमंत्रण देंगे। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार नई खेल नीति लेकर आई है और कई महत्वपूर्ण एवं दूरगामी फैसलों के माध्यम से राज्य में खेल क्षेत्र को आगे बढ़ा रही है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। मंत्री ने कहा कि सभी के सहयोग से खेलो इंडिया खेलों का सफल आयोजन कर तेलंगाना की प्रतिष्ठा को और ऊंचाई तक ले जाया जाएगा।

# एनजीआरआई में संयुक्त हिन्दी कार्यशाला संपन्न

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित सीएसआईआर-आईआईसीटी तथा सीएसआईआई-सीसीएमबी के संयुक्त तत्वावधान में संयुक्त हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में संकाय सदस्य के रूप में चिलुकूरि वेंकट सुब्बाराव, वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी, सीएसआईआर-एनजीआरआई, श्रीमती नूपुर रानी प्रसाद, हिन्दी अधिकारी, सीएसआईआर-सीसीएमबी, डॉ. सौरभ कुमार, हिन्दी अधिकारी, सीएसआईआर-आईआईसीटी, और कमालुद्दीन , विश्रांत हिन्दी प्राध्यापक, हिन्दी शिक्षण योजना, गृह मंत्रालय भारत सरकार उपस्थित थे। इन्होंने क्रमशः राजभाषा कार्यान्वयन में डिजिटल उपकरणों की भूमिका,राजभाषा नीति और इसके प्रावधान, हिन्दी में टिप्पण एवं प्रारूपण लेखन, तथा हिन्दी मेंपठन-पाठन एवं लेखन अभ्यास विषयों पर आयोजित सत्रों का संचालन किया।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठतम वैज्ञानिक डॉ. एच.वी.एस. सत्यनारायणा ने की। इस दौरान मंच पर सीएसआईआर-एनजीआरआई की वरि. प्रशासन नियंत्रक श्रीमती पी. सुधा रानी, सीएसआईआर-सीसीएमबी के प्रशासन नियंत्रक सी. श्याम सुंदर, सीएसआईआर-आईआसीटी के प्रशासन नियंत्रक रवि कुमार, तथा सीएसआईआर-एनजीआरआई के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी चिलुकूरि वेंकट सुब्बाराव उपस्थित थे।

दक्षिण मध्य रेलवे
@SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

**ई-निविदा सूचना सं.09/ डीवाय.सीएसटीइ/सी-॥/एससी/2026-27, दि.11-08-2026**

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, उप मुख्य सिग्नल & दूरसंचार अभियंता (निर्माण-॥), दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन सहित निम्न कार्यो हेतु दि.07-09-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं (खुली) आमंत्रित है।

**क्रम संख्याः 01, निविदा सं.-सी-एसजी-सी-36-5-236ए-2026-27, कार्य विवरणः** (।) दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे के एचवायबी डिवीजन पर एमएसीएलएस इन्डोर & आउटडोर कार्यो सहित कर्नूल टाउन व दूपाडू स्टेशनों पर इनबिल्ट ब्लाक सहित इलेक्ट्रानिक इन्टरलाकिंग का प्रावधान तथा क्रमशः केआरएनटी & दुपाडू की डबलिंग कनेक्टिवीटी हेतु आलमपुर व दुपाडू पर ईआई का आल्टरेशन्स या परिवर्तन (ब्लाक कनेक्टिवीटी सहित इन्डोर & आउटडोर) तथा एलपीयु-उल्लीकोंडा के बीच डबलिंग सहित 238 किमी/एलपीयु से किमी 255.500 के बीच तत्संबंधित दूरसंचार कार्य। (॥) युटिलीटी शिफ्टिंग व स्टेज वर्किंग भी इस कार्य का भाग है। (॥।) प्रदत्त संपूर्ण सेक्शन में ट्रैक के दोनों साइड पर ओएफसी 4X48एफ बिछाना तथा इसे 2X48एफ से मेल करना है और एचडीडी/माइक्रो टन्नेल्लिंग पध्दति के साथ एक तरफ क्वैड तथा ट्रैक की दूसरी तरफ 2X48एफ (अर्थात् अनावश्यक रास्ता) संबध्द कार्य।
**अनुमानित मूल्य रु.153582639.00, बोली सुरक्षा रु.3071700.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने।**

1-बोली दस्तावेज & अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटःhttps://ireps.gov.in पर लॉग इन करें।
2- बोली सुरक्षा राशि का भुगतान ई-पेमेन्ट गेटवे द्वारा नकद रुप में करना चाहिए अथवा इसे किसीभी अनुसूचित भारतीय वाणिज्यिक बैंक से आहरित बैंक गारण्टी बॉन्ड के रुप में प्रस्तुत करना चाहिए।
3- निविदाकार, अपने ऑफर्स को ऑनलाइन में, निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान निविदा बंद करने से पूर्व पंद्रह दिनों की अवधि में प्रस्तुत कर सकते हैं।
4- निविदाकार किसी भी शुध्दिपत्र (केवल ऑनलाइन पर जारी) को निविदा प्रस्तुति अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही देख सकते हैं।

**उप मुख्य सिग्नल & दूरसंचार अभियंता (निर्माण-॥), सिकंदराबाद**

**ई-निविदा आमंत्रण सूचना (https://ireps.gov.in द्वारा)**

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मुख्य बिजली अभियंता (निर्माण), दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु टेंडरिंग की एकल पैकेट प्रणाली में ई-निविदाएं आमंत्रित है।

**क्रम संख्याः01, एनआयटी संख्याः टेंडर नं.** 04-2026-27-ई-जीएस-सीएन दि.07-08-2026, **कार्य विवरणः टेंडर नं.** 04-2026-27-ई-जीएस-सीएन-टीएसएमडी/ मौलालीः तत्संबंधित टीएसएमडी/ मौलाली पर वन्दे भारत रेक्स के रखरखाव के लिए इनफ्रास्ट्रक्चर या बुनियादी ढांचे की सुविधाओं का विस्तार-इंसपेक्शन शेड & वाशिंग लाइन के लिए बिजली व्यवस्थाएं। अनुमानित मूल्य रु.23068460.31, अग्रधन रु.461400.00, दस्तावेज मूल्य रु. शून्य, **कार्य पूरा करने की अवधिः** 06 (महिने), **बंद करने की तिथिः 03-09-2026 के 15.00 बजे**

1. बोली दस्तावेज & अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटःhttps://ireps.gov.in पर लॉग इन करें।
2. अग्रधन तथा निविदा दस्तावेज मूल्य का भुगतान, ऑनलाइन में आईआरईपीएस पर उपलब्ध केवल नेट बैंकिंग/पेमेन्ट गेटवे सुविधाओं के माध्यम से ही करना चाहिए।
3. निविदाकार, अपने ऑफर्स को ऑनलाइन में, निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान निविदा बंद करने से पूर्व पंद्रह दिनों की अवधि में प्रस्तुत कर सकते हैं।
4. निविदाकार किसी भी शुध्दिपत्र (केवल ऑनलाइन पर जारी) को निविदा प्रस्तुति अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही देख सकते हैं।

**मुख्य बिजली अभियंता, निर्माण, सिकंदराबाद**

**ई-निविदा आमंत्रण सूचना (https://ireps.gov.in द्वारा)**

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मुख्य बिजली अभियंता (निर्माण), दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु टेंडरिंग की एकल पैकेट प्रणाली में ई-निविदाएं आमंत्रित है।

**क्रम संख्याः01, एनआयटी संख्याः** ई-29सीटीआरडीएससी_07_2026-27, दि.07-08-2026, **कार्य विवरणः ई-29सीटीआरडीएससी**_07_2026-27, दि.07-08-2026, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे के नांदेड डिवीजन में अकोला यार्ड में प्रस्तावित नई लाइनों के दृष्टिगत मौजूदा ओएचइ का परिवर्तन सहित डिजाइन, आपूर्ति, इरेक्शन, परीक्षण तथा 65 स्के.एमएम कैटेनरी & 107/150 स्के.एमएम कान्टैक्ट वायर, एलटी सप्लाई ट्रांसफार्मर स्टेशनों सहित 25केवी, 50एचजेड सिंगल फेज ए.सी. ट्रैक्शन ओवरहेड उपकरण/इक्वीपमेंट का कमीशनींग कार्य। **अनुमानित मूल्य** रु.2,06,36,496.50, **अग्रधन/बोली सुरक्षा राशि** रु.4,12,700.00, दस्तावेज मूल्यः ऑनलाइन में निविदा दस्तावेज को मुफ्त में डाउनलोड कर सकते हैं, कार्य पूरा करने की अवधिः 09 महिने, बंद करने की अवधिः 03-09-2026 के 15.00 बजे।

1. बोली दस्तावेज & अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटःhttps://ireps.gov.in पर लॉग इन करें।
2. बोलीदाता या बिड्डर द्वारा बोली सुरक्षा राशि को IREPS.gov.in के माध्यम से भुगतान करना होगा अथवा भारत के अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से आहरित बैंक गारंटी बॉन्ड के रुप में प्रस्तुत करना होगा। यह बैंक गारंटी बॉन्ड अनुबंध परिशिष्ट या एपेंडिक्स -VII नुसार होना चाहिए तथा बैंक गारंटी बॉन्ड बोली की वैधता अवधि के 90 दिनों से परे वैध होगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, डिपाजिट रीसीप्ट्स, एफडीआर आदि के माध्यम से मैन्युएल पेमेन्ट या भुगतान अमान्य है।
3) निविदाकार, अपने ऑफर्स को ऑनलाइन में, निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान निविदा बंद करने से पूर्व पंद्रह दिनों की अवधि में प्रस्तुत कर सकते हैं।
4) निविदाकार किसी भी शुध्दिपत्र (केवल ऑनलाइन पर जारी) को निविदा प्रस्तुति अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही देख सकते हैं।

**मुख्य बिजली अभियंता, निर्माण, सिकंदराबाद**

**ई-निविदा आमंत्रण सूचना (https://ireps.gov.in के माध्यम से)**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रेक्शन डिस्ट्रीब्यूशन, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु टेंडरिंग की एकल पैकेट प्रणाली के तहत ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

**क्रम संख्याः01, एनआयटी नं. -सी/ई.29/ टीआरडी/एससी/18/2026-27, कार्य विवरणः** निविदा सं. सी/ई.29/ टीआरडी/ एससी/18/2026-27, दि.10-08-2026, टीआरडी व्यवस्थाएः मानिकगढः काजीपेट-बल्लारशाह सेक्शन में मानिकगढ पर बल्लारशाह छोर के नीचली दिशा की तरफ गूड्स लोडिंग लाइन का प्रावधान। **अनुमानित मूल्य रु.2,18,42,054.80, कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने, बंद करने की तिथिः 02-09-2026 के 15.00 बजे।**

**क्रम संख्याः02, एनआयटी नं.** -सी/ई.29/टीआरडी/एससी/19/2026-27, कार्य विवरणः निविदा सं. सी/ई.29/टीआरडी/एससी/19/2026-27, दि.10-08-2026, एससी-वाडी सेक्शन-रुकमापूरः एससी-वाडी सेक्शन में वाडी छोर के अपलाइन साइड पर रुकमापूर स्टेशन पर लान्गर लूप लाइन का प्रावधान- टीआरडी व्यवस्थाएं। **अनुमानित मूल्य रु.1,81,11,838.2, कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने, बंद करने की तिथिः 02-09-2026 के 15.00 बजे।**

**क्रम संख्याः03, एनआयटी नं.** -सी/ई.29/टीआरडी/एससी/20/2026-27, कार्य विवरणः टेंडर नं. सी/ई.29/टीआरडी/एससी/20/2026-27, दि.10-08-2026, (1) टीआरडी व्यवस्थाएं-एनजेडबी-पीडीपीएल सेक्शन के तीन (3) संख्याक मानवनिर्मित या मैन्ड नान इंटरलाक्ड लेवल क्रासिंग गेट्स (एलसी.नं.42, 24 & 15) की इन्टरलाकिंग करना। (2) आरजीपीएम स्टेशन पर दो संख्याक- एन्ड गूम्प्टीज तथा पीपीजेड स्टेशन पर एक संख्या- गुम्प्टी से संबंधित एटीएस का प्रावधान। (3) आरडीएम स्टेशन पर आरबीजी & एन्ड जीएमटीवायज के निर्माण के लिए प्रस्ताव-टीआरडी व्यवस्थाएं-के बारे में। अनुमानित मूल्य रु.95,46,792.24, **कार्य पूरा करने की अवधिः4 महिने, बंद करने की तिथिः 04-09-2026 के 15.00 बजे।**

1. बोली दस्तावेज & अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटःhtt ps://ireps.gov.in पर लॉग इन करें।
2.आईआरईपीएस वेबसाइटः www. ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में निविदा शर्तें/अन्य विवरण उपलब्ध है, इसे डाउनलोड किया जा सकता है, इसमें भाग लिया जा सकता है तथा यदि कोई होतो, किसी भी परिवर्तनों को देखा जा सकता है।
3. निविदाकार, किसी भी शुध्दिपत्र (केवल ऑनलाइन पर जारी) को निविदा प्रस्तुति अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही देख सकते हैं।

**वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, टीआरडी, सिकंदराबाद**

**निविदा संख्या- टीएम265001ए**

निम्न निविदा को ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से दर्शाया गया है। निविदाकारों से अनुरोध है कि, वेबसाइटःwww.ireps.gov.in देखें तथा अपने प्रस्तावों या ऑफर्स को प्रस्तुत करें। ध्यान दें कि, मैन्युअल रूप से या कागज़ के माध्यम से प्रस्तुत किए गए ऑफ़र अस्वीकार किए जाएंगे। डाक द्वारा प्रेषित ऑफ़र्स या प्रस्तावों पर भी विचार नही किया जायेगा।

**क्रम संख्याः01, निविदा संख्याः टीएम265001ए, कार्य विवरणः** उपेक्षित एक्सल बॉक्स त्वरण मापन प्रणाली (युएबीएएमएस) की आपूर्ति, इंस्टाल्लेशन & कमीशनींग।

निविदा मूल्य रु.9301421.00, नियत तिथिः 03-09-2026 संपूर्ण जानकारी हेतु कृपया वेबसाइटःwww.ireps.gov.in पर जाएं।
A641 उप मुख्य अभियंता/टीएम/एचक्यू

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट https://www.ireps.gov.in' या www.scr.indianrailways.gov.in देखें

# बुमराह 21 महीने से लगातार नंबर-1 टेस्ट बॉलर

## आईसीसी रैंकिंग में जडेजा 1556 दिन से टॉप ऑलराउंडर; शुभमन गिल वनडे में टॉप बैटर

दुबई, 13 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह लगातार 21 महीनों से टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में नंबर-1 बने हुए हैं। उन्होंने नवंबर 2024 में पहला स्थान हासिल करने के बाद इसे बरकरार रखा है। बुमराह के 870 रेटिंग पॉइंट्स है। रवींद्र जडेजा टेस्ट ऑलराउंडर्स में टॉप पर हैं। वे पिछले 1556 दिन से नंबर-1 पोजिशन पर हैं। वे पिछली बार 9 मई 2022 को टॉप पर आए थे। वहीं भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने वनडे में पहला स्थान बरकरार रखा है।

पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान बाबर आजम ने बैटर्स रैंकिंग के टॉप-10 में वापसी कर ली है। बुधवार को जारी रैंकिंग में बाबर ने 5 पायदान की छलांग लगाई है। वे अब 716 रेटिंग पॉइंट के साथ 10वें नंबर पर हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट में उन्होंने सबसे ज्यादा 193 रन बनाए। दूसरे टेस्ट में 88 रन की पारी खेलने और दूसरी पारी में नाबाद 24 रन बनाकर टीम को जीत दिलाने का फायदा उन्हें रैंकिंग में मिला। बाबर आजम सितंबर 2024 की शुरुआत के बाद पहली बार टेस्ट बल्लेबाजों की टॉप-10 रैंकिंग में पहुंचे हैं। करीब दो साल बाद उन्होंने टॉप-10 में जगह बनाई है। वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में पाकिस्तान के लिए अब्दुल्ला शफीक ने नाबाद 160 रन बनाए। इस प्रदर्शन के बाद शफीक ने टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में 25 पायदान की छलांग लगाई और 32वें नंबर पर पहुंच गए।

टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड अभी भी नंबर-1 पर बने हुए हैं। उनके 853 रेटिंग पॉइंट हैं। इंग्लैंड के हैरी ब्रूक 852 पॉइंट के साथ दूसरे नंबर पर हैं। दोनों के बीच सिर्फ 1 पॉइंट का अंतर है।

**ICC टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग**

| रैंक | नाम | टीम | रेटिंग |
|---|---|---|---|
| 1 | जसप्रीत बुमराह | भारत | 870 |
| 2 | मैट हेनरी | न्यूजीलैंड | 861 |
| 3 | मिचेल स्टार्क | ऑस्ट्रेलिया | 838 |
| 4 | पैट कमिंस | ऑस्ट्रेलिया | 832 |
| 5 | मार्को यानसन | साउथ अफ्रीका | 825 |
| 6 | स्कॉट बोलैंड | ऑस्ट्रेलिया | 820 |
| 7 | कगिसो रबाडा | साउथ अफ्रीका | 807 |
| 8 | नोमान अली | पाकिस्तान | 800 |
| 9 | जोश हेजलवुड | ऑस्ट्रेलिया | 775 |
| 10 | नाथन लायन | ऑस्ट्रेलिया | 753 |

टॉप-5 में जो रूट, स्टीव स्मिथ और टेम्बा बावुमा शामिल हैं। भारत की ओर से कप्तान शुभमन गिल 743 पॉइंट के साथ 7वें और यशस्वी जायसवाल 733 पॉइंट के साथ 9वें नंबर पर हैं।। जसप्रीत बुमराह गेंदबाजों की लिस्ट में 870 रेटिंग पॉइंट के साथ नंबर-1 पर बने हुए हैं। न्यूजीलैंड के मैट हेनरी 861 पॉइंट के साथ दूसरे और ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क 838 पॉइंट के साथ तीसरे नंबर पर हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ पाकिस्तान की टेस्ट जीत में अहम भूमिका निभाने वाले साजिद खान को ताजा रैंकिंग में फायदा हुआ है। वे 5 पायदान ऊपर चढ़कर 30वें नंबर पर पहुंच गए हैं। टेस्ट ऑलराउंडर्स में रवींद्र जडेजा 446 रेटिंग पॉइंट के साथ नंबर-1 पर हैं। साउथ अफ्रीका के मार्को यानसन 344 पॉइंट के साथ दूसरे और ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क 284 पॉइंट के साथ तीसरे नंबर पर हैं।

बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज भी 284 पॉइंट के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस 250 पॉइंट के साथ पांचवें नंबर पर हैं।

वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में भारत के शुभमन गिल 801 रेटिंग के साथ नंबर-1 पर बने हुए हैं। न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल 794 रेटिंग के साथ दूसरे और भारत के विराट कोहली 767 रेटिंग के साथ तीसरे नंबर पर हैं। रोहित शर्मा 758 रेटिंग के साथ चौथे नंबर पर हैं।

# 10 हार के बाद भी गंभीर के समर्थन में मिश्रा

## कहा-कोच के साथ खिलाड़ियों को भी जिम्मेदारी लेनी होगी, रेड-बॉल क्रिकेट को देना होगा समय

मुंबई, 13 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय हेड कोच गौतम गंभीर के लिए अब तक का सफर आसान नहीं रहा है। टेस्ट में 10 हार के बाद भी पूर्व भारतीय लेग स्पिनर अमित मिश्रा ने उनका समर्थन किया है।

मिश्रा ने कहा कि इस दौर के लिए सिर्फ कोच को जिम्मेदार ठहराना सही नहीं होगा। उनके मुताबिक, खिलाड़ियों को भी ज्यादा जिम्मेदारी लेने की जरूरत है और गंभीर को रेड-बॉल क्रिकेट में समय मिलना चाहिए।

व्हाइट-बॉल क्रिकेट में टीम इंडिया ने शानदार नतीजे दिए हैं, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में प्रदर्शन को लेकर सवाल उठे हैं। इसी वजह से टीम के कोचिंग सेटअप और खासतौर पर गंभीर की भूमिका पर चर्चा होती रही है।

गंभीर के कार्यकाल में न्यूजीलैंड ने भारत को घरेलू मैदान पर 3-0 से हराया, जबकि साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत को घर में 2-0 की हार झेलनी पड़ी।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-

गावस्कर ट्रॉफी 3-1 से गंवाई। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज 2-2 से बराबर रही।

मौजूदा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल में भी भारत की स्थिति फिलहाल मजबूत नहीं है। ऐसे में आने वाली टेस्ट सीरीज टीम के लिए बेहद अहम होने वाली हैं।

लगातार खराब नतीजों के बीच अलग-अलग फॉर्मेट के लिए अलग कोच रखने की चर्चा भी सामने आती रही है। मिश्रा इस सोच से पूरी तरह सहमत नहीं हैं।

मिश्रा ने कहा, कोच के लिए यह मुश्किल है। मुझे लगता है कि खिलाड़ियों को ज्यादा जिम्मेदारी लेने की जरूरत है। कई सालों से एक कोच सभी फॉर्मेट के लिए रहा है। किसी भी कोच को समय देना जरूरी है।

उन्होंने आगे कहा, टेस्ट मैचों में हमारे पास कम अनुभव वाले नए खिलाड़ी हैं। कोच और खिलाड़ियों को साथ मिलकर काम करने और विकसित होने में समय लगता है।

अपनी बात समझाने के लिए मिश्रा ने राहुल द्रविड़ का उदाहरण भी दिया। उन्होंने कहा, राहुल द्रविड़ को खुद को स्थापित करने में 1-1.5 साल लगे थे। उसके बाद प्रदर्शन में सुधार आया।

मिश्रा के मुताबिक, इंटरनेशनल क्रिकेट में जगह मिलना ही काफी नहीं है। खिलाड़ियों को हालात के हिसाब से अपना खेल बदलना भी आना चाहिए।

मिश्रा का मानना है कि गंभीर को टेस्ट क्रिकेट में अपनी योजनाएं लागू करने के लिए पर्याप्त समय मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, उन्हें रेड-बॉल क्रिकेट में समय दीजिए। उन्हें टीम के नए खिलाड़ियों को समझाने की जरूरत है।

# क्या भारत डब्ल्यूटीसी के फाइनल में पहुंच सकता है

## 100% गारंटी के लिए सभी 9 मैच जीतने होंगे; श्रीलंका से हारे तो राह कठिन

खेल डेस्क, 13 अगस्त (एजेंसियां)। टीम इंडिया वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा सीजन में अपने आधे मैच खेल चुकी है। टीम 48.15% पॉइंट्स के साथ 5वें स्थान पर है।

भारत को 15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। भारत के फाइनल में पहुंचने के क्या समीकरण हैं और श्रीलंका के खिलाफ सीरीज का टीम की उम्मीदों पर क्या असर होगा आगे पढ़िए...

फाइनल में पहुंचने के लिए टॉप-2 में रहना जरूरी है। भारत अगर अपने बाकी 9 मैच जीत लेता है तो उसके 74.07 परसेंट पॉइंट्स होंगे और टॉप-2 फिनिश पक्का हो जाएगा।

एक भी मैच हारने पर भारत के 68.52 परसेंट पॉइंट्स होंगे। इस स्थिति में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका जैसी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा।

2 मैच हारने की स्थिति में भारत का फाइनल में पहुंचना लगभग असंभव हो जाएगा।

श्रीलंका दौरे के 5 पॉसिबल रिजल्ट हैं। 2-0

से सीरीज जीतने पर टीम इंडिया के 57.58% अंक हो जाएंगे। इसी दौरान अगर ऑस्ट्रेलियाई टीम बांग्लादेश को एक भी मैच हरा देती है, तो भारत चौथे स्थान पर आ जाएगा।

वहीं, 0-2 से हारने की स्थिति पर भारतीय टीम के 36.36 परसेंट पॉइंट्स हो जाएंगे और वह श्रीलंका से भी नीचे हो जाएगी। यहां से फाइनल की राह बेहद मुश्किल हो जाएंगी।

इस स्थिति में भारत पॉइंट्स टेबल में पाकिस्तान से भी पीछे हो सकता है। हालांकि, इसके लिए पाकिस्तान को इंग्लैंड पर 3–0 से जीत दर्ज करनी होगी।

मौजूदा साइकल में भारतीय टीम को 9 मैच खेलने हैं। इनमें 2 मैच श्रीलंका, 2 मैच न्यूजीलैंड और 5 मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होम सीरीज में खेलने हैं।

श्रीलंका दौरे के बाद टीम इंडिया को नवंबर महीने में न्यूजीलैंड दौरे पर जाना है। उसके बाद 5 मैचों की होम सीरीज में ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी करनी है।

शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम इंडिया ने इंग्लैंड दौरे से अपने अभियान का आगाज किया। टीम ने वहां 5 मैचों की सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई।

इंग्लैंड से लौटने के बाद वेस्टइंडीज को होम कंडीशंस में वेस्टइंडीज को 2-0 से हरा दिया। यहां तक सब ठीक था।

लेकिन, पिछले साल उसे वर्ल्ड चैंपियन साउथ अफ्रीका ने 2 मैचों की सीरीज में 2-0 से हराते हुए क्लीन स्वीप किया। यहीं भारतीय टीम पॉइंट्स टेबल में पिछड़ गई।

# बांग्लादेश के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया का सबसे कम टेस्ट स्कोर

## 198 रन पर ऑलआउट, स्टीव स्मिथ की फिफ्टी; हसन महमूद ने लिए 6 विकेट

डार्विन13 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश के खिलाफ डार्विन में खेले जा रहे पहले टेस्ट की पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया 198 रन पर ऑलआउट हो गई। यह टेस्ट क्रिकेट में बांग्लादेश के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया का सबसे कम स्कोर है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया का सबसे कम स्कोर 217 रन था। यह 2017 में मीरपुर टेस्ट में बना था। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत खराब रही। लंच तक टीम ने 74 रन पर 4 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद स्टीव स्मिथ ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन उनके आउट होने के बाद ऑस्ट्रेलिया के आखिरी चार विकेट भी जल्दी गिर गए।

बांग्लादेश की ओर से हसन महमूद ने करियर का बेस्ट प्रदर्शन करते हुए 17 ओवर में 55 रन देकर 6 विकेट लिए। तस्कीन अहमद और इबादत हुसैन को 2-2 विकेट मिले। ऑस्ट्रेलिया की ओर से स्टीव स्मिथ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे।

उन्होंने 109 गेंदों पर 71 रन बनाए। उनकी पारी में 7 चौके और 1 छक्का शामिल रहा।

स्मिथ ने एलेक्स कैरी के साथ पांचवें विकेट के लिए 55 रन की साझेदारी की। यह ऑस्ट्रेलिया की पारी की सबसे बड़ी साझेदारी रही। कैरी 19 रन बनाकर आउट हुए।

ऑस्ट्रेलिया को पहला झटका हसन महमूद ने दिया। उन्होंने जेक वेदराल्ड को 23 रन पर आउट किया। इसके बाद अगले ही ओवर में ट्रैविस हेड को भी पवेलियन भेज दिया।

मार्नस लाबुशेन सिर्फ 1 रन बनाकर आउट हुए, जबकि कैमरन ग्रीन 13 रन बना सके। इस तरह लंच तक ऑस्ट्रेलिया ने 74 रन पर 4 विकेट गंवा दिए थे। दूसरे सेशन में स्मिथ और कैरी ने पारी को संभाला। दोनों ने 55 रन जोड़े, लेकिन कैरी के आउट होने के बाद ऑस्ट्रेलिया की पारी फिर लड़खड़ा गई।

ब्यू वेबस्टर 12, पैट कमिंस 9 और मिचेल स्टार्क 1 रन बनाकर आउट हुए। स्मिथ भी 71 रन के स्कोर पर पवेलियन लौट गए। नाथन लायन 7 रन बनाकर हसन महमूद का छठा शिकार बने। हसन महमूद ने 6/55 के आंकड़े के साथ टेस्ट में अपना बेस्ट गेंदबाजी प्रदर्शन किया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के जेक वेदराल्ड, ट्रैविस हेड, स्टीव स्मिथ, पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और नाथन लायन को आउट किया। हसन के नाम अब टेस्ट क्रिकेट में 3 बार 5 विकेट लेने का कारनामा हो गया है।

# खेल मंत्रालय ने टेबल टेनिस फेडरेशन को सस्पेंड किया

## मैनेजमेंट में खामियों का हवाला; भारतीय ओलिंपिक संघ की कमिटी देखरेख करेगी

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय खेल मंत्रालय ने टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया को सस्पेंड कर दिया। बुधवार को मंत्रालय ने फेडरेशन में मैनेजमेंट और शासन व्यवस्था से जुड़ी खामियों को इसकी वजह बताया।

मंत्रालय ने भारतीय ओलिंपिक संघ को देशभर में टेबल टेनिस का एडमिनिस्ट्रेशन संभालने के लिए एक कमिटी बनाने का निर्देश दिया है। यह कमिटी टीटीएफआई में शासन व्यवस्था बहाल होने तक फेडरेशन के कामकाज की देखरेख करेगी।

मंत्रालय के मुताबिक, टीटीएफआई की मान्यता निलंबित करने की एक बड़ी वजह तय समय सीमा के भीतर फेडरेशन के चुनाव नहीं कराना है। इस मामले में मंत्रालय ने टीटीएफआई को पहले कारण बताओ नोटिस जारी किया था।

फेडरेशन की ओर से नोटिस के जवाब में अपना पक्ष रखा गया था। हालांकि, मंत्रालय ने इस जवाब को असंतोषजनक पाया। इसके बाद टीटीएफआई की मान्यता निलंबित करने का फैसला लिया गया।

फरवरी 2022 में दिल्ली हाईकोर्ट ने फेडरेशन की एक्जीक्यूटिव कमेटी को सस्पेंड कर दिया था। यह कार्रवाई स्टार प्लेयर मनिका बत्रा की याचिका के बाद हुई थी। उन्होंने सेलेक्शन पॉलिसी को लेकर सवाल उठाए थे।

फेडरेशन का काम संभालने के लिए कोर्ट ने एक एडमिनिस्ट्रेटर नियुक्त किया था। हालांकि इलेक्शन के बाद दिसंबर 2022 में सस्पेंशन हटा दिया गया।

मान्यता निलंबित किए जाने के बाद अब भारतीय ओलिंपिक संघ को टेबल टेनिस के प्रशासन की जिम्मेदारी संभालने के लिए कमिटी बनानी होगी। यह कमिटी तब तक काम करेगी, जब तक टीटीएफआई में शासन व्यवस्था दोबारा स्थापित नहीं हो जाती।

मंत्रालय के इस फैसले का सीधा असर देश में टेबल टेनिस के प्रशासनिक कामकाज पर पड़ेगा। फिलहाल, फेडरेशन की मान्यता निलंबित रहने तक IOA की ओर से बनाई जाने वाली कमिटी इसकी देखरेख करेगी।

फेडरेशन के सस्पेंड होने से खिलाड़ियों के लिए को इंटरनेशनल टूर्नामेंट खेलने में मुश्किल हो सकती है। हालांकि, भारतीय ओलिंपिक संघ (IOA) द्वारा गठित एड-हॉक कमिटी का मुख्य उद्देश्य खेल के प्रशासन को सुचारू रखना है ताकि खिलाड़ियों की भागीदारी प्रभावित न हो। फिर भी, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता और टूर्नामेंट्स में भाग लेने के लिए अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं (जैसे ITTF) के साथ समन्वय जरूरी होता है।

मान्यता निलंबित होने के बाद फेडरेशन को मिलने वाली सरकारी फंडिंग रुक सकती है, क्योंकि फंड केवल मान्यता प्राप्त संस्थाओं को ही मिलता है।

# भारत से पहले टेस्ट के लिए श्रीलंका स्क्वॉड का ऐलान

## धनंजय डी सिल्वा कप्तान और कमिंडू उपकप्तान होंगे

कोलंबो, 13 अगस्त (एजेंसियां)। श्रीलंका ने भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। यह मुकाबला शनिवार से गॉल में शुरू होगा। धनंजय डी सिल्वा टीम के कप्तान होंगे, जबकि कमिंडू मेंडिस को उपकप्तान बनाया गया है।

धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), कामिंदु मेंडिस (उपकप्तान), लाहिरु उदाना, निशान मदुशका, दिनेश चांदीमल, पसिंदु सूरियाबंडारा, सोनल दिनुषा, निरोशन डिकवेला, रमेश मेंडिस, प्रभात जयसूर्या, केशरा नुवंथा, मिलान रत्नायके, असिता फर्नांडो, लाहिरु कुमारा, विश्वा फर्नांडो, दिलशान मदुशंका।

विकेटकीपर-बल्लेबाज निरोशन डिकवेला की वापसी हुई है। डिकवेला ने श्रीलंका के लिए अपना आखिरी टेस्ट मुकाबला साल 2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। इस मुकाबले के बाद से वे टेस्ट टीम से बाहर चल रहे थे।

वहीं, पेस अटैक को मजबूत करने के इरादे से बाएं हाथ के तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका की टीम में वापसी कराई गई है। मदुशंका ने अपना इकलौता टेस्ट मुकाबला साल 2023 में पाकिस्तान के खिलाफ खेला था।

युवा बल्लेबाज पासिंदु सूरियाबंडारा को पहली बार स्क्वॉड में शामिल किया गया है। सूरियाबंडारा को घरेलू क्रिकेट (डोमेस्टिक सर्किट) में उनके शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। भारत और श्रीलंका के बीच अब तक 17 टेस्ट सीरीज खेली गई हैं। इनमें टीम इंडिया का पलड़ा भारी रहा है। भारत ने 10 सीरीज जीती हैं, जबकि श्रीलंका को 3 में जीत मिली है। दोनों टीमों के बीच 4 सीरीज ड्रॉ रही हैं। श्रीलंका पिछले छह सीरीज से भारत को नहीं हरा सका है। उसने भारत के खिलाफ आखिरी टेस्ट सीरीज जीत 2008 में दर्ज की थी।

# 18 अगस्त से शुरू होगा सुब्रतो कप, 107 टीमें और 215 से ज्यादा मुकाबलों पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। प्रतिष्ठित सुब्रतो कप इंटरनेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट का 65वां संस्करण 18 अगस्त से 24 सितंबर तक नई दिल्ली-एनसीआर और बेंगलुरु में आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता की आधिकारिक घोषणा बुधवार को एयर मार्शल एस. शिवकुमार वीएसएम की मौजूदगी में की गई। इस बार टूर्नामेंट में भारत के अलग-अलग राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और शैक्षणिक संस्थानों की 107 टीमें हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता में श्रीलंका की टीम भी अंतरराष्ट्रीय भागीदारी के तौर पर शामिल होगी। तीन आयु वर्गों में कुल 215 से अधिक फुटबॉल मैच खेले जाएंगे।

सुब्रतो कप में इस बार तीन कैटेगरी में टीमें खिताब के लिए मैदान पर उतरेंगी। इनमें जूनियर गर्ल्स (अंडर-17), सब-जूनियर बॉयज (अंडर-15) और जूनियर बॉयज (अंडर-17) शामिल हैं। प्रतियोगिता की शुरुआत 18 अगस्त को नई दिल्ली-एनसीआर में जूनियर गर्ल्स (अंडर-17) कैटेगरी से होगी। इस वर्ग के मुकाबले 27 अगस्त तक खेले जाएंगे। इसके बाद एक सितंबर से नौ सितंबर तक बंगलूरू में सब-जूनियर बॉयज (अंडर-15) कैटेगरी के मुकाबले होंगे। टूर्नामेंट का अंतिम चरण 15 सितंबर से 24 सितंबर तक नई दिल्ली-एनसीआर में जूनियर बॉयज (अंडर-17) कैटेगरी में खेला जाएगा। एस. शिवकुमार एयर ऑफिसर-इन-चार्ज एडमिनिस्ट्रेशन और सुब्रतो मुखर्जी स्पोर्ट्स एजुकेशन सोसाइटी (एसएमएसईएस) के उपाध्यक्ष हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय वायु सेना और एसएमएसईएस हर साल इस टूर्नामेंट को और बड़ा और बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि युवा खिलाड़ियों को अपने करियर में आगे बढ़ने का मंच मिल सके।

उन्होंने सभी क्वालिफाई करने वाली टीमों को बधाई दी और खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर मशहूर भारतीय फुटबॉलर आशालता देवी लोइतोंगबम गेस्ट ऑफ ऑनर के तौर पर मौजूद रहीं।

नई दिल्ली-एनसीआर में टूर्नामेंट के मुकाबले अंबेडकर स्टेडियम, तेजस फुटबॉल ग्राउंड, सुब्रतो पार्क फुटबॉल ग्राउंड, पिंटो पार्क फुटबॉल ग्राउंड और राजोकरी फुटबॉल ग्राउंड में खेले जाएंगे। वहीं, बंगलूरू में मुकाबलों का आयोजन एयर फोर्स स्कूल (जलाहल्ली), एयर फोर्स स्कूल (येलाहंका) और सुब्रतो फुटबॉल ग्राउंड (जलाहल्ली) में किया जाएगा।

# पिता की मौत पर मेसी का इमोशनल पोस्ट: लिखा- लगता नहीं ज्यादा समय फुटबॉल खेल पाऊंगा; रोनाल्डो का कमेंट- हिम्मत रखो लियो

ब्यूनस आयर्स, 13 अगस्त (एजेंसियां)। फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने पिता की मौत के बाद बुधवार को इंस्टाग्राम पर इमोशनल पोस्ट किया। उन्होंने लिखा- 'मैंने सिर्फ फुटबॉल खेला है। अब मुझे नहीं लगता कि आपके बिना इसे ज्यादा समय तक जारी रख पाऊंगा।' इस पोस्ट पर पुर्तगाल के फुटबॉलर क्रिस्टियानों रोनाल्डो ने कमेंट किया है। उन्होंने लिखा- 'इस मुश्किल वक्त में आपको और आपके परिवार को ह्यूज हग। लियो, हिम्मत रखो लियो।' पिता की मौत के बाद मेसी ने फुटबॉल से अनिश्चितकाल के लिए ब्रेक लिया है। 7 अगस्त को 68 साल की उम्र में मेसी के पिता जॉर्ज मेसी का निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार थे। अर्जेंटीना के शहर रोसारियो के एक मेडिकल क्लिनिक में उन्होंने दम तोड़ा। मेसी ने पोस्ट में लिखा- 'मैं तुम्हारे बिना क्या करूंगा, यह नहीं जानता। मुझे नहीं पता कि आगे कैसे बढ़ना है।' उन्होंने कहा- 'तुम शुरुआत से मेरे साथ थे और बहुत कम समय बचा

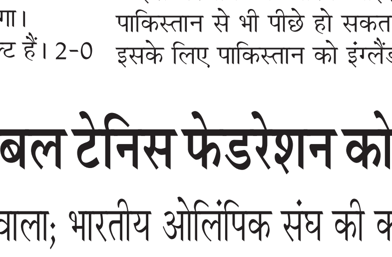

था। तुम थोड़ा और इंतजार क्यों नहीं कर सके, ताकि हम इसे साथ में पूरा कर पाते?' जॉर्ज अपने बेटे लियोनेल के पूरे करियर में उनके साथ रहे। वे बार्सिलोना में मेसी के शुरुआती सालों से उनके साथ थे। 39 साल के अर्जेंटीना के कप्तान मेसी ने बताया कि वर्ल्ड कप में खेलने की एक वजह उनके पिता की इच्छा थी। अर्जेंटीना फाइनल में स्पेन से 1-0 से हार गई थी।

मेसी ने टूर्नामेंट में 8 गोल किए थे। मेसी ने कहा- 'तुम हमेशा मुझसे फीफा वर्ल्ड कप में खेलने के लिए कहते थे। टूर्नामेंट शुरू होने से कुछ दिन पहले तुम्हारी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई थी।' उन्होंने कहा- 'यह पहली बार था, जब तुम किसी टूर्नामेंट में नहीं रहने वाले थे। हर मैच खत्म होने के बाद मैं तुम्हारे मैसेज का इंतजार करता था।' वर्ल्ड कप के दौरान मेसी ने शुरुआती मैच में अल्जीरिया के खिलाफ हैट्रिक लगाई थी।

# अफगानिस्तान ने आयरलैंड को 42 रन से हराया

## अटल-जादरान में 231 रन की साझेदारी, 16 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

बेलफास्ट, 13 अगस्त (एजेंसियां)। अफगानिस्तान ने बुधवार को बेलफास्ट में आयरलैंड पर 42 रन की जीत दर्ज की। टीम ने 5 मैचों की सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली। सीरीज का आखिरी मैच 15 अगस्त को बेलफास्ट में ही खेला जाएगा। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 343 रन बनाए। सेदिकुल्लाह अटल ने 143 और इब्राहिम जादरान ने 107 रन बनाए। जवाब में आयरलैंड 48 ओवर में 301 रन पर ऑलआउट हो गई। एंडी बालबर्नी ने 109 और कर्टिस कैम्फर ने 84 रन बनाए। अफगानिस्तान से यमीन अहमदजई ने 4 विकेट और राशिद खान ने 3 विकेट लिए। आयरलैंड के मैकडोनफ ने 3 और गेविन होई ने 2 विकेट चटकाए। अटल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

अफगानिस्तान को शुरुआत में ही झटका लगा। पिछले मैच के टॉप स्कोरर रहमानुल्लाह गुरबाज दूसरे ओवर में आउट हो गए।

इसके बाद अटल और जादरान ने दूसरे विकेट के लिए 231 रन की साझेदारी करके पारी संभाली। यह वनडे में अफगानिस्तान के लिए इस विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी है।

दोनों ने 16 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। यह रिकॉर्ड करीन सादिक और मोहम्मद शहजाद के नाम था, जिन्होंने स्कॉटलैंड के खिलाफ 218 रन की साझेदारी की थी। अटल का 25वें जन्मदिन पर शतक, जादरान ने 7वीं सेंचुरी लगाई

अटल ने अपने 25वें जन्मदिन पर शतक लगाया। उन्होंने पारी के बीच के ओवरों में समझदारी से बल्लेबाजी की और जब भी पारी धीमी पड़ने लगी, खासकर स्पिन के खिलाफ बाउंड्री लगाकर फिर से गति बढ़ाई। अटल ने लगातार बाउंड्री लगाकर गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा। वे 150 रन के करीब पहुंचते दिख रहे थे, लेकिन लॉन्ग ऑन पर गलत टाइमिंग वाले शॉर्ट पर आउट हो गए।

# डूरंड कप: मोहम्मडन एससी को हराकर इंडियन आर्मी क्वार्टर फाइनल में, 90वें मिनट के बाद शफील पीपी का निर्णायक गोल

कोलकाता, 13 अगस्त (एजेंसियां)। इंडियन आर्मी फुटबॉल टीम ने बुधवार को 135वें डूरंड कप के ग्रुप बी के आखिरी मुकाबले में मोहम्मडन एससी को 2-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली। किशोर भारती क्रीड़ांगन में खेले गए मुकाबले में सेना की टीम ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की। 90वें मिनट के बाद शफील पीपी के निर्णायक गोल ने उसे रोमांचक जीत दिलाई। मोहम्मडन ने 34वें मिनट में ललथांकिमा के शानदार गोल से बढ़त बनाई। बाएं छोर से गेंद लेकर अंदर आए ललथांकिमा ने बेहतरीन अंदाज में दाएं पैर से शॉट लगाकर गेंद को गोल के ऊपरी बाएं कोने में पहुंचाया। मध्यांतर तक मोहम्मडन 1-0 से आगे रहा। दूसरे हाफ में इंडियन आर्मी ने आक्रामक रुख अपनाया। 59वें मिनट में पी. क्रिस्टोफर कामेई के दूर से लगाए तेज शॉट ने मोहम्मडन के डिफेंडर पुखरामबम दिनेश मेइतेई से लगकर दिशा बदली, गेंद पोस्ट से टकराई और गोल में चली गई। इससे सेना की टीम 1-1 से बराबरी पर पहुंच गई। इसके बाद दोनों टीमों ने जीत के लिए जोर लगाया। 81वें मिनट में मोहम्मडन के महाराबम मैक्सियन के पास बढ़त लेने का मौका आया, लेकिन सेना के गोलकीपर और कप्तान भाबिंद्र मल्ला ठाकुरी ने आगे बढ़कर खतरा टाल दिया। इंजरी टाइम के पहले मिनट में शफील पीपी ने दूर से जोरदार शॉट लगाया। गेंद हल्की सी दिशा बदलते हुए गोल में चली गई और इंडियन आर्मी ने 2-1 की बढ़त बना ली।

# हिंदू और मुस्लिम मेरी दो आंखें : रेवंत रेड्डी

## सीएम ने 'अल्पसंख्यक उत्कृष्टता सम्मेलन' में भाग लिया

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि हिंदू और मुस्लिम उनकी दो आंखों के समान हैं और उनकी सरकार अल्पसंख्यक समुदाय के सशक्तीकरण तथा विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने आज हैदराबाद में आयोजित 'अल्पसंख्यक उत्कृष्टता सम्मेलन' में भाग लेते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री ने राज्य की जनता से अपील की कि जारी विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान अपने मताधिकार की सुरक्षा सुनिश्चित करें और यह जांच लें कि मतदाता सूची में उनका नाम मौजूद है या नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक ताकतें तेलंगाना में मतदाताओं के नाम हटाने की साजिश कर रही हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए जाने का दावा करते हुए कहा कि चुनाव के बाद उन्हीं राजनीतिक ताकतों ने तेलंगाना को अपना अगला लक्ष्य बताया है। रेवंत रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस तेलंगाना में किसी भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से हटने नहीं देगी। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से प्रत्येक घर तक पहुंचकर परिवार के सभी सदस्यों के मताधिकार की जांच करने और यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि एक भी पात्र व्यक्ति अपने मतदान के अधिकार से वंचित न हो। उन्होंने कहा, हर व्यक्ति को रेवंत रेड्डी बनकर मतदान के अधिकार की रक्षा करनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंदू और मुस्लिम उनके लिए दो आंखों के समान हैं। उन्होंने कहा कि अमित शाह ने तेलंगाना में भाजपा की सरकार बनने पर अल्पसंख्यकों को मिलने वाला चार प्रतिशत आरक्षण समाप्त करने की बात कही है। उन्होंने चुनौती दी कि पहले गुजरात में मुस्लिम आरक्षण समाप्त करके दिखाया जाए। रेवंत रेड्डी ने कहा कि अल्पसंख्यकों को चार प्रतिशत आरक्षण देने का श्रेय कांग्रेस पार्टी को जाता है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने चार प्रतिशत आरक्षण को प्रभावी ढंग से लागू किया और इसके माध्यम से युवाओं को प्रथम तथा द्वितीय श्रेणी की सरकारी सेवाओं में रोजगार मिला। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने अल्पसंख्यकों को उनका उचित स्थान दिलाने का प्रयास किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ ताकतों ने भर्ती प्रक्रिया को रोकने के लिए उच्चतम न्यायालय का रुख किया था, लेकिन सरकार ने मामले को गंभीरता से आगे बढ़ाया और नियुक्तियों की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की। अल्पसंख्यक समुदाय के लिए सरकार की कल्याणकारी एवं विकास योजनाओं का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय के एक सदस्य को तेलंगाना लोक सेवा आयोग में नियुक्त किया गया है। उन्होंने पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन को राज्य मंत्रिमंडल में मंत्री पद दिए जाने, विश्व मुक्केबाजी चैंपियन निखत जरीन को प्रथम श्रेणी स्तर की सरकारी नौकरी के साथ तीन करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि दिए जाने तथा क्रिकेटर मोहम्मद सिराज को पुलिस उपाधीक्षक नियुक्त किए जाने का भी उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने अल्पसंख्यक समुदाय के युवाओं से शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास पर भी ध्यान देने की अपील की।

उन्होंने कहा कि जर्मनी और जापान में रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध हैं और तेलंगाना के युवाओं को इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए आवश्यक कौशल हासिल करना चाहिए। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने विद्यार्थियों के कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना की है। मुख्यमंत्री ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री पद तक पहुंचने में मुस्लिम समुदाय द्वारा दिए गए सहयोग के लिए समुदाय के लोगों का आभार भी व्यक्त किया।

# केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन में तेलंगाना की प्रगति की सराहना

## कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने भी सम्मेलन में भाग लिया

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति को लेकर तीन राज्यों के साथ आयोजित वीडियो सम्मेलन में तेलंगाना की प्रगति की सराहना की।

राज्य के कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने भी सम्मेलन में भाग लेते हुए राज्य से जुड़े विभिन्न कृषि मुद्दों को केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखा। सम्मेलन के दौरान केंद्रीय मंत्री ने राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के क्रियान्वयन में तेलंगाना द्वारा हासिल की गई बेहतर प्रगति की प्रशंसा की।

उन्होंने योजना की दूसरी किस्त के तहत तेलंगाना को धनराशि जारी करने पर भी सकारात्मक रुख व्यक्त किया। केंद्रीय मंत्री ने केंद्र सरकार द्वारा शुरू किए गए एफएफएस अनुप्रयोग को तेलंगाना सरकार द्वारा प्रभावी ढंग से लागू किए जाने की भी सराहना की। मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने अल नीनो की संभावित परिस्थितियों को देखते हुए तेलंगाना में उत्पादित दलहनों की शत-प्रतिशत खरीद सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। इस पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। तुम्मला ने केंद्रीय मंत्री से मक्का सहित अन्य फसलों की खरीद पर भी विशेष ध्यान देने तथा किसानों के हित में आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध किया।

उन्होंने बदलती मौसम परिस्थितियों को देखते हुए राज्य के किसानों को उचित बाजार और खरीद व्यवस्था उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर जोर दिया।

# टैंक बंड पर आज भाजपा की भव्य तिरंगा यात्रा : शिल्पा रेड्डी

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 10 से 15 अगस्त तक देशभर में 'हर घर तिरंगा—तिरंगा यात्रा' अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना के तत्वावधान में 14 अगस्त को हैदराबाद के टैंक बंड पर भव्य तिरंगा यात्रा आयोजित की जाएगी। यह जानकारी भाजपा तेलंगाना महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष एवं तिरंगा यात्रा की राज्य कार्यकारी संयोजक डॉ. मेकला शिल्पा रेड्डी ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी।

डॉ. शिल्पा रेड्डी ने कहा कि देश 79 वर्ष की स्वतंत्रता यात्रा सफलतापूर्वक पूरी कर 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने इस अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि 'हर घर तिरंगा' केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के हृदय में देशभक्ति की भावना जगाने वाला एक महान अभियान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उद्देश्य है कि राष्ट्रीय ध्वज केवल 15 अगस्त और 26 जनवरी तक सीमित न रहे, बल्कि हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बने और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बने। उन्होंने इस वर्ष के नारे 'हर घर तिरंगा& घर-घर तिरंगा& हर मन तिरंगा' के साथ सभी नागरिकों से अपने परिवार और बच्चों के साथ घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर देशभक्ति की भावना प्रकट करने का आह्वान किया। डॉ. शिल्पा रेड्डी ने कहा कि देश को मिली स्वतंत्रता असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों और अमर शहीदों के त्याग एवं बलिदान का परिणाम है। आज हमारा राष्ट्रीय ध्वज स्वतंत्र रूप से लहरा रहा है तो उसके पीछे उन महान लोगों का संघर्ष और बलिदान है। उन्होंने कहा कि शहीदों के बलिदान को स्मरण करते हुए सभी सामाजिक वर्गों को साथ लेकर भाजपा की ओर से राज्यभर में प्रत्येक जिला एवं मंडल केंद्र पर तिरंगा यात्राएं और रैलियां आयोजित की जा रही हैं।

इन यात्राओं के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ता स्वतंत्रता सेनानियों एवं शहीदों के परिवारों से सीधे मिलकर उन्हें हर संभव सहयोग और 'हम आपके साथ हैं' का भरोसा भी दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि इसी क्रम में 14 अगस्त को टैंक बंड पर बड़े स्तर पर तिरंगा रैली आयोजित की जाएगी। यह रैली तेलुगु तल्लि फ्लाईओवर के पास स्थित डॉ. बी. आर. आंबेडकर की प्रतिमा से शुरू होकर युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा तक जाएगी।

# शादी टूटने के बाद महिला ने बदसलूकी और धमकियों का आरोप लगाया

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एक महिला को कथित तौर पर एक व्यक्ति ने बुरी तरह परेशान किया और ऑनलाइन बदसलूकी की; यह व्यक्ति महिला के परिवार द्वारा शादी रद्द करने के फैसले से नाराज था।

शिकायत के अनुसार, उक्त महिला आरोपी एआर वामशी से एक डेटिंग ऐप के जरिए मिली थी। सगाई के बाद, उसने कथित तौर पर महिला से 15 लाख रुपये लिए और उसके परिवार पर एडवांस दहेज के लिए दबाव भी डाला। इसके बाद, महिला के परिवार ने शादी रद्द करने का फैसला किया। आरोपी ने कथित तौर पर बदला लेने के लिए सोशल मीडिया पर झूठी बातें फैलाईं कि महिला को ड्रग्स की लत है। उसने कथित तौर पर महिला पर एसिड फेंकने और उसे जान से मारने की धमकी भी दी, जिससे पीड़िता को बहुत परेशानी हुई। महिला की शिकायत के आधार पर, मल्कजगिरी साइबर क्राइम पुलिस ने मामला दर्ज किया है और आरोपों तथा सोशल मीडिया पोस्ट की जांच कर रही है।

# पंद्रह अगस्त की तैयारियां पुख्ता रखें, प्रोटोकॉल का पालन करना अनिवार्य : विकास राज

## पुलिस के सलामी समारोह और पुलिस परेड का भी निरीक्षण

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन तथा सड़क एवं भवन विभागों के विशेष मुख्य सचिव विकास राज ने अधिकारियों को पंद्रह अगस्त के अवसर पर गोलकोंडा किले में आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां निर्धारित समय में पूरी करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि समारोह की तैयारियों में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए और सभी विभागों के अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करें। विकास राज ने गुरुवार को संबंधित विभागों के उच्चाधिकारियों के साथ गोलकोंडा किले में समारोह स्थल का निरीक्षण किया और तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने वर्षाकाल को देखते हुए समारोह स्थल पर जलरोधक शामियाने, जलरोधक जनरेटर तथा निर्बाध बिजली आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने पेयजल, बैरिकेडिंग, दर्शक दीर्घाओं, अतिथियों, विद्यार्थियों और आम लोगों के बैठने की क्षमता, ध्वनि व्यवस्था सहित अन्य सभी आवश्यक सुविधाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि समारोह के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। विशेष मुख्य सचिव ने अधिकारियों को कार्यक्रम के दौरान निर्धारित प्रोटोकॉल का अनिवार्य रूप से पालन करने के निर्देश दिए।

उन्होंने मंच की व्यवस्था के साथ ही परिसर के सौंदर्यीकरण के कार्य भी तेजी से पूरा करने को कहा। उन्होंने कहा कि जिले के सरकारी और निजी विद्यालयों के बड़ी संख्या में विद्यार्थी समारोह में भाग लेंगे।

इसलिए विद्यार्थियों के आवागमन और बैठने की व्यवस्था में किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि विद्यार्थियों को लाने वाले प्रत्येक वाहन के साथ एक संपर्क अधिकारी की नियुक्ति अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। विकास राज ने कहा कि पंद्रह अगस्त को मुख्यमंत्री, मंत्री, विशिष्ट अतिथि और जनप्रतिनिधि समारोह में शामिल होंगे।

इसे देखते हुए सभी व्यवस्थाएं भव्य और व्यवस्थित होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को तैयारियों को तेजी से पूरा करने तथा अंतिम समय में किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न न होने देने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री को प्रस्तुत किए जाने वाले पुलिस के सलामी समारोह और पुलिस परेड का भी निरीक्षण किया।

कार्यक्रम में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के प्रधान सचिव अहमद नदीम, सूचना विभाग के आयुक्त जी. मुकुंद रेड्डी, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक संजय कुमार जैन, स्वाति लकड़ा, पुलिस आयुक्त सज्जनार, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त तपसीर इकबाल, यातायात संयुक्त पुलिस आयुक्त जोएल डेविस, खुफिया विभाग के विशेष अधिकारी कमलासन रेड्डी, अतिरिक्त जिलाधिकारी जितेंद्र रेड्डी, सूचना विभाग के अतिरिक्त निदेशक डी.एस. जगन, मुख्य अभियंता राधाकिशन, क्षेत्रीय सूचना अभियंता जय राममूर्ति, सड़क एवं भवन विभाग के मुख्य अभियंता राजेश्वर रेड्डी, जिला अग्निशमन अधिकारी वेंकन्ना, राजस्व मंडल अधिकारी रामकृष्ण, जिला शिक्षा अधिकारी यादय्या सहित सड़क एवं भवन, विद्युत, चिकित्सा, नगर निगम, जलापूर्ति तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

# विकलांग समाज का अपमान करने पर वी. प्रकाश से सार्वजनिक माफी मांगने की मांग

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस विकलांग विभाग के अध्यक्ष एवं विकलांग निगम के अध्यक्ष मुत्तिनेनी वीरैया ने वी. प्रकाश से विकलांग समाज से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि वी. प्रकाश ने माफी नहीं मांगी तो उनके खिलाफ राज्यभर के सभी पुलिस थानों में विकलांग अधिकार अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज कराई जाएगी।

वीरैया ने कहा कि वी. प्रकाश ने एक साक्षात्कार में प्रोफेसर कोदंडराम, प्रोफेसर नागेश्वर राव, जयप्रकाश नारायण सहित अन्य लोगों का उल्लेख करते हुए कालेश्वरम परियोजना पर चर्चा के दौरान ऐसे शब्दों का इस्तेमाल किया, जो नेत्रहीन एवं अन्य दिव्यांग लोगों की जाति, क्षमता और सामर्थ्य का उपहास करने तथा उन्हें अपमानित करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की भाषा से दिव्यांग समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने आशंका जताई कि वी. प्रकाश को आदर्श मानने वाले कुछ लोग भी अपनी पसंद के लोगों को अपमानित करने के लिए इसी प्रकार के शब्दों का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे दिव्यांग लोगों के प्रति समाज में गलत संदेश जाएगा। वीरैया ने कहा कि दिव्यांग अधिकार अधिनियम-2016 की धारा 92 के तहत इस प्रकार की भाषा का इस्तेमाल अपराध है। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों, न्यायालय के आदेशों और संसद द्वारा पारित दिव्यांग अधिकार अधिनियम में दिव्यांगता को इंगित करने वाले अपमानजनक शब्दों के इस्तेमाल से बचने की स्पष्ट व्यवस्था है। उन्होंने सवाल किया कि क्या इस प्रकार की टिप्पणी ही वी. प्रकाश की विद्वता है। वीरैया ने कहा कि दिव्यांग भी उतने ही सक्षम इंसान हैं और कई क्षेत्रों में सामान्य लोगों से अधिक उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं।

वीरैया ने नेत्रहीनों के लिए ब्रेल लिपि के जनक लुई ब्रेल का उदाहरण देते हुए कहा कि छह बिंदुओं की इस लिपि के माध्यम से दुनिया की किसी भी भाषा को पढ़ा और लिखा जा सकता है।

# बीसी महिलाओं को शत-प्रतिशत सब्सिडी पर सिलाई मशीनें

## पोन्नम प्रभाकर ने 'घर-घर इंदिरम्मा सिलाई मशीन' योजना शुरू की

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोनम प्रभाकर ने गुरुवार को डॉ. बी. आर. अंबेडकर सचिवालय में पिछड़ा वर्ग की महिलाओं के लिए 'घर-घर इंदिरम्मा सिलाई मशीन' योजना का औपचारिक शुभारंभ किया।

योजना के तहत पात्र पिछड़ा वर्ग की महिलाओं को शत-प्रतिशत अनुदान पर स्वचालित सिलाई मशीनें उपलब्ध कराई जाएंगी। योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया 15 अगस्त से 15 सितंबर तक चलेगी। मंत्री ने बताया कि राज्य के सभी 119 विधानसभा क्षेत्रों में प्रत्येक क्षेत्र से एक हजार महिलाओं के चयन का लक्ष्य रखा गया है। इस प्रकार कुल एक लाख 19 हजार महिलाओं को पहले चरण में योजना का लाभ मिलेगा। प्रत्येक स्वचालित सिलाई मशीन की कीमत करीब 12 हजार रुपये होगी और पूरी राशि सरकार द्वारा अनुदान के रूप में वहन की जाएगी। पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व और उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क के मार्गदर्शन में पिछड़ा वर्ग की महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह योजना शुरू की गई है।

उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग सलाहकार वी. हनुमंत राव और पिछड़ा वर्ग विधायकों के सुझावों को ध्यान में रखते हुए योजना तैयार की गई है। योजना में संबंधित जाति वर्गों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि महिलाओं को पहले से ही विभिन्न सरकारी पहलों के माध्यम से रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। सिलाई मशीन योजना पिछड़ा वर्ग की महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। लाभार्थियों का चयन निर्धारित नियमों के अनुसार पारदर्शी तरीके से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि योजना के लिए आवेदकों की संख्या अधिक हो सकती है, लेकिन पहले चरण में अधिक से अधिक पात्र महिलाओं को लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। भविष्य में योजना का विस्तार किया जाएगा और लाभार्थियों के लिए प्रशिक्षण भी अनिवार्य होगा। मंत्री ने कहा कि पिछड़ा वर्ग के आत्मसम्मान भवनों के लिए भी सरकार धनराशि उपलब्ध करा रही है और निर्माण कार्य पूरे किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जाति आधारित गणना पूरी की जा चुकी है और इसके आधार पर पिछड़ा वर्ग के विकास के लिए आगे की कार्ययोजना तैयार की जाएगी। पोन्नम प्रभाकर ने बताया कि 14 अगस्त को शाम चार बजे एचएमडीए मैदान के सामने महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले की प्रतिमाओं का अनावरण मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी करेंगे। उन्होंने कहा कि 18 अगस्त को सरदार सर्वाई पापन्ना गौड़ की जयंती के अवसर पर टैंक बंड पर उनकी प्रतिमा का अनावरण भी मुख्यमंत्री करेंगे। उन्होंने पिछड़ा वर्ग के जनप्रतिनिधियों, संगठनों और विभिन्न जातीय संगठनों के नेताओं से दोनों कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में भाग लेकर उन्हें सफल बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में वी. हनुमंत राव, सरकारी सचेतक आदि श्रीनिवास, विधायक ईरलापल्ली शंकरैया, नवीन यादव, कालेड़ु वेंकटेश, विभिन्न जाति निगमों के अध्यक्ष, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की सचिव बालमाया देवी तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

# मानसून विशेष अभियान में सफाई और जनस्वास्थ्य पर जोर

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम ने 11 से 21 अगस्त तक शहरभर में 10 दिवसीय विशेष मानसून अभियान शुरू किया है। अभियान के तीसरे दिन 30 वार्डों में व्यापक सफाई, स्वच्छता, जलभराव की समस्या दूर करने, जनस्वास्थ्य उपायों को मजबूत करने और नागरिकों में जागरूकता पैदा करने के लिए विशेष अभियान चलाया गया।

अभियान के तहत नगर निगम की टीमों ने 89.30 मीट्रिक टन पुराना नगर ठोस कचरा तथा 49.20 मीट्रिक टन निर्माण एवं ध्वस्तीकरण अपशिष्ट हटाया। मानसून की तैयारियों के तहत 109 गड्ढों को भरा गया, 98 कैच पिट की सफाई की गई और 10 पुलियों को साफ किया गया। इसके अलावा 9.10 मीट्रिक टन तैरता हुआ कचरा और गाद हटाई गई। जल संरक्षण के लिए 12 वर्षाजल संचयन संरचनाओं का कार्य शुरू किया गया, जबकि 18 गैर-आवासीय भवनों का सर्वेक्षण किया गया। नगर निगम ने 14 सार्वजनिक शौचालयों का निरीक्षण किया तथा बेहतर कचरा प्रबंधन के लिए दुकानों पर 71 वाणिज्यिक कूड़ेदान लगाए। जनजागरूकता अभियान के तहत 17 थोक कचरा उत्पादक जागरूकता बैठकें आयोजित की गईं और 18 पंजीकरण किए गए। सूचना, शिक्षा एवं संचार तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से 21 विद्यालयों में 893 प्रतिभागियों को जागरूक किया गया। जनस्वास्थ्य और पशु चिकित्सा गतिविधियों के अंतर्गत 76 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। आवारा कुत्तों के लिए पाइरेथ्रम का छिड़काव, टीकाकरण तथा आश्रय स्थलों में स्थानांतरण संबंधी उपाय भी किए गए।

इसके अलावा 1,763 इंदिरम्मा साड़ियों का वितरण किया गया। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के लिए 12 जागरूकता शिविर आयोजित किए गए, जिनमें 64 महिलाओं ने भाग लिया। 25 उद्यानों से काटी गई पेड़ों की 40.3 मीट्रिक टन शाखाओं तथा 6.6 मीट्रिक टन सूखे और हरे कचरे को भी हटाया गया।

# स्वतंत्रता सेनानी संगम लक्ष्मी बाई के नाम पर हो स्टील पुल का नामकरण : वी. हनुमंत राव

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं विकास सलाहकार वी. हनुमंत राव ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से हैदराबाद में चंचलगुड़ा मुद्रणालय और संतोष नगर को जोड़ने वाले निर्माणाधीन स्टील पुल का नामकरण स्वतंत्रता सेनानी एवं पूर्व सांसद संगम लक्ष्मी बाई के नाम पर करने की मांग की है। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में हनुमंत राव ने संगम लक्ष्मी बाई के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने नमक सत्याग्रह और साइमन कमीशन के विरोध में आंदोलन में भाग लिया और जेल भी गईं। उन्होंने निजाम के शासन के खिलाफ संघर्ष तथा भूदान आंदोलन में भी सक्रिय भूमिका निभाई थी। संगम लक्ष्मी बाई वर्ष 1952 में तत्कालीन अलवाल विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुनी गई थीं और बुर्गुला रामकृष्ण राव मंत्रिमंडल में शिक्षा मंत्री के रूप में कार्य किया। इसके बाद वह लगातार तीन बार मेडक लोकसभा क्षेत्र से सांसद चुनी गईं। वी. हनुमंत राव ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में भी संगम लक्ष्मी बाई का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने सैदाबाद में इंदिरा सेवा सदन के माध्यम से गरीब छात्राओं के लिए शिक्षा और छात्रावास की सुविधा उपलब्ध कराने का कार्य किया, जो आज भी जारी है। हनुमंत राव ने बताया कि उन्हें कई लोगों की ओर से निर्माणाधीन पुल का नाम संगम लक्ष्मी बाई के नाम पर रखने की मांग से संबंधित निवेदन प्राप्त हुए हैं।

# अम्मावारू की कृपा से तेलंगाना अल नीनो के प्रभाव से उबरा : कोंडा सुरेखा

हैदराबाद, 13 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की संस्कृति और परंपराओं के प्रतीक आषाढ़ बोनालू महोत्सव का गुरुवार को गोलकोंडा किले स्थित जगदंबिका महाकाली अम्मावारू को महाकुंभ आरती अर्पित करने के साथ पारंपरिक और भव्य तरीके से समापन हुआ। देवदाय, वन एवं पर्यावरण मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि करीब एक महीने तक चले इस महोत्सव ने तेलंगाना की सांस्कृतिक विरासत की भव्यता को देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत किया। मंत्री ने बताया कि 16 जुलाई को गोलकोंडा किले की जगदंबिका महाकाली अम्मावारू को पहला बोनम अर्पित करने के साथ शुरू हुए उत्सव का आज महाकुंभ आरती के साथ विधिवत समापन हुआ। पूरे महीने चले समारोहों में बोनम अर्पण, शिवसत्तुलु के आध्यात्मिक प्रदर्शन, पोतुराजुलु के पारंपरिक करतब, लोक कलाओं की प्रस्तुतियां, अंबारी जुलूस, रंगम और घटोत्सव सहित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। मंत्री सुरेखा ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देश पर श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए राज्य सरकार ने सभी विभागों के समन्वय से व्यापक व्यवस्थाएं की थीं। उन्होंने बताया कि आषाढ़ बोनालु जातरा के आयोजन के लिए सरकार ने 20 करोड़ रुपये की धनराशि उपलब्ध कराई थी। कोंडा सुरेखा ने कहा कि हैदराबाद के बोनालु तेलंगाना समाज की विविधता में एकता को प्रदर्शित करते हैं। यह उत्सव गंगा-जमुनी संस्कृति का प्रतीक बनकर पूरे देश को धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक सौहार्द का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि जाति और धर्म से ऊपर उठकर सभी वर्गों के लोगों का उत्सव में भाग लेना और अम्मावारू के दर्शन करना हैदराबाद की विशिष्ट पहचान को दुनिया के सामने प्रस्तुत करता है। मंत्री ने कामना की कि अम्मावारू की कृपा पूरे तेलंगाना के लोगों पर बनी रहे, राज्य में अच्छी फसल हो और किसान, महिलाएं, युवा, श्रमिक, गरीब तथा समाज के सभी वर्ग सुख-समृद्धि के साथ जीवन व्यतीत करें। उन्होंने कहा कि अम्मावारू के आशीर्वाद से तेलंगाना का विकास और तेज हो तथा राज्य में शांति, भाईचारा और सामाजिक सद्भाव और मजबूत हो। मंत्री सुरेखा ने कहा कि देवदाय विभाग की ओर से आयोजित वरुण यज्ञ के बाद राज्य में अच्छी बारिश होना और तेलंगाना का अल नीनो के प्रभाव से उबरना अम्मावारू की कृपा का परिणाम है। उन्होंने तेलंगाना की जनता के लिए दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य, सुख-शांति और समृद्धि की कामना की।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.